

्रपाधिकार से प्रकाशित PUBLISHED 87 AUTHORITY

सं० 30]

नई विल्ली, शनिवार, जुलाई 23, 1983 (श्रावण 1, 1905)

No. 30]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 23, 1983 (SRAVANA 1, 1905)

इस भाग में जिस्त पृथ्ठ संख्या दी जाती? है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging i given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्र अीर प्रश्निखारीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विमाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यात्रयों द्वारा जारी की गई अधिसूत्रनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 जून 1983

सं० ए० 35014/2/80 प्रणा०-II(1)--इस कार्यालय की समसंख्यक अधिमूचना दिनांक 5 'अप्रैल, 1983 और 31 मार्च, 1983 के अनुष्रम में सचिय, संघ लोक सेवा आयोग एतद्दारा निम्नलिखित अधिकारियों को 1-6-1983 से 31-8-1983 तक तीन मारा की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद सदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करने हैं।

फ सं∘

नाम और पदनाम

- 1. श्री सुदर्शन कुगार, अनुभाग अधिकारी (के० स० म० सवर्ग)
- श्री की असे अकारता, अनुभाग अधिकारी (के अस् अर्थ संवर्ग)
- 3. श्री ए० के० शर्मा, अत्याग आधिकारी (के० स० मे० संवर्ग)

2. उपर्युक्त अधिकारी लेखा अधिकारी के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और छनका वेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के का० झा० सं०, फ० 1(ii) ई-III (ख)/75, दिनां क 7-11-1975 में सिन्निहित अनुदेशों की णतों के अनुसार धिनियमित रहेगा।

ईम्धरचन्द कम्बोज अनुभाग अधिकारी लुसे सचिव

न**ई दि**ल्ली-110011, दिनांक 8 जून 1983

संव पीठ 1990 प्रणाठ-Пा-विहर सेवा णती पर प्रति-नियुक्ति के आधार पर उतके दिल्ली विद्युत् प्रदाय संस्थान में रूठ 1000-1850 के वेतनमान में तीन वर्ष की अवधि के लिए यहायक प्रणासतिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के अनुभाग अधिकारी श्री आई० सीठ करेबीज की संवाएं 8 जूम, 1983 र अपराह्म में दिल्ली विद्युत् प्रदाय संस्थान को इन अनद पंति साथ सौषी जाती हैं कि वे उसके तत्काल

166GI/75

बाद श्रो ए० चे० एस० स्राह्मी, पणास्तिक अग्निकारी (स्मान्त्र), णविन सदत, शवित गार्ग को रिपोर्ट करें।

> एम० के० एफ० कुजूर उप सचिव. (प्रणा०)

नई दिल्दी-110013, शिक्षि 23 मई 1**983**

संब ए० 1101 β 1/83 प्राप्त M(2)—राष्ट्रपति द्वारा संब लोफ नेवा कारोग के पार्यावय में के० रा० के० के स्थार्या सहायक्त श्री एउ० के० अवस्थं: को 16-5-83 से 8-7-83 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, एदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापभ रूप में एवं करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक: 4 जून 1983

संव ए० 32014/3/83-प्रशा०-।।।—राष्ट्रपित ढारा संघ लोक भेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायकों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अविध के लिए अथवा आगामी आदेगों नक. जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थान।पन्न रूप में कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

ऋ० मं० नाभ	पदोन्नति की अवधि	
सर्वश्री		
1. यो० पो० कपन	9-5- 83 से 8-8- 8 3 त	
2. आर० के० गौड	9-6-83 ने 8-9-8 3 नक	
 बं ० सो० गुप्ता 	9-6-83 ই ৪-৪-৪3 লক	
4. फे॰ सं(० ^प हिंगल	9-6-83 से 8-9-83 तक	
5. एकिनुनार	25-5-33 ন 2-8-83 রগ	
6. डी०पो० अरो⊈ा	1-6-83 🕏 15-8-83 প্রস্ক	
7- प्रमोर जिहारी	3-5-83 में 8-7-83 सक	
8. সীতিহাতি কান্দেল,	1 6-5-83 से 31-5-83 तकः	
	त्या	
•	2-6-83 से 5-7-83 तक	
9. भगवती चरण	28-5-83 में 10-6-83 विक	
10. एस० के० बंशल	29-5-83 से 10-6-83 तक	

दिनां र 20 जुन 1983.

संव पंत 2008 प्रमात III—बहिर सेवा मती पर प्रति-नियुवित के आधार पर उलके दिल्ली विद्युत् प्रवास संस्थान में का 1000-1850 के वेसतमाल में तीन वर्षों की अविध के लिए मंगठन एवं पद्धति अधिकारी के पद पर नियुवित हेंबु चयन हो जाने के परिणामस्वष्य मंत्र लोक केवा आयोग के अनुभाग अधिकारी श्री मेहर सिंह की सेवाएं 20 जून, 1983 के अपराह्न से दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान को इन अनुदेशों के साथ मौंपी जाती हैं कि वे उसके तत्काल बाद श्री एव जेव एप्तव साईकी, प्रशासनिक अधिकारों (साम न्यः) मिन्न सुद्रन, गांक्त मार्ग को रिपोर्ट हों।

दिनांक 30 जून 1983

सं० ए० 38013/5/82-प्रणाः III—कार्मिक और प्रणास-निक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 गत्रम्बर, 1973 की णती के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० मे० के स्थायी सहायक तथा स्थातापन्न अनुभाग अधिकारी श्री जी० पी० अट्टा को 30 जून 1983 के अपराह्म से निवर्तन अप्युहों। पर सरकारी सेवा से निवृक्त होने की सहर्ष अनुमनि प्रदान की जाती है।

> य० रा० गीधी अवर सम्निव (प्रणा०)

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरो

नई दिल्लो, दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० ए-31016/2/83-प्रशा०-I (वि० प्रो० स०)—केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं अपील), नियमावली 1965 के नियम 9(·2) के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरोक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सम्मुख लिखित तिथियों से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में मूल रूप से कार्यालय अधोक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं:---

क्रम सं ०	अधिकारी कानाम	पदस्थापन के वर्तमान स्थान	•	से कार्यालय
1	2	3	4	5
	सर्वश्री	~~~ ~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~		,
1.	एस० बी० एल०	प्रशासन- 5	अवराध	28-2-81
	गर्मा	अनु० (मु०)	सहायक	
2.	एस० एन० दत्ता	जान-[(मुख्यालय)	11	7-5-81
3.	ओ० पो० चित्कारा	नानि प्रमाग (मुख्या०)	,,	7-5-81
4.	एस० के० शर्मा	केन्द्रीय जोन (मुख्या०)	. ,	6-9-81
5.	तिलक राज	जोन-[[(मुख्यालय)	,,	6 -9-8 ;

दिनांक 4 ज्लाई 1983

सं० सी-4/65-प्रशाम्सन-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाव से श्री सी० सीलाराम मूर्ति, वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों को दिनांक 20 जून, 1983 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में उपविधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० वी-15/65 प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री वी० ए० रामास्वामी, विष्ट लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी को दिनांक 24 जून, 1983 के पूर्विह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी में उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-12025/3/81-प्र०-5---राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री दुलाल चन्द्र सरकार को दिनांक 24 जून, 1983 के पूर्वाह्न में विष्ठ लोकअभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों के रूप में नियुक्त करते हैं।

> राम स्वरूप नागपाल प्रगासनिक अधिकारी, (स्थापना) केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरी

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 जुलाई 1983

मं० ओ० दो० 1759/82-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर विनय कुमार को 21 जून 1983 पूर्वाह्म से केबल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किंगण्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में निय्क्त किया है।

ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 जून 1983

सं० ई०-38013(4)/12/83-कार्मिक—निवर्तन की आयु होने पर श्री सरवन सिंह ने 31 मई, 1983 के अपराह्न में कें औ० सु० व० उत्तर क्षेत्र नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सुरेन्द्र नाथ महानिदेशक

वित्त आयोग

नई दिल्ली, विनांक 1 जुलाई 1983

सं० 8 वि० आ० 2(II)-ए/82—-राजस्व विभाग के अवर सिच्च श्री सुख्ववासी लाल माथुर, जो आठवें वित्त आयोग में इसी पद पर पतिनियक्ति पर थे, अधिवाधिकी की आयू

प्राप्त करने पर 30 जून, 83 के अपराह्म है भेवा-निवृत्त हो गये हैं।

> कु० अमरजीत कौर आहुजा ु उप सचिव

वित्त मंत्रालय (कार्मिक कार्य विभाग) भारत सरकार टकसाल

बम्बई- दिनांक 30 जून 1983

फार्म-I

केन्द्रीय सित्यल सेवार्ये (अस्थायी सवार्ये) नियमायली 1965 का नियम 5 (1) के अधीन सेवा समाप्ति की नोटिस नारी करना।

मं० 1-189/1742/प्रणा०/83—केन्द्रीय सिविल सेवामें (अस्थायी सेवायें) नियमावली 1965 का नियम 5 का उप-नियम (1) का पालन करते हुए मैं, व्ही० राममूर्ति, मुख्य लेखा एवं प्रणासन अधिकारी, एतव्द्वारा श्री आर० एन० सेहर माली, समूह ''घ'' स्थापना की नोटिस देता हूं कि इस नोटिस प्रकाशन करने की दिनांक से एक महिने की अथिध समाप्त होने की दिनांक को उनकी सवा नमाप्त की जायेगी।

व्ही० राममूर्ती मुख्य लेखा एवं प्रशासन अधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1983

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश/149---निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी श्री बाबू राम को 840-1200 रु० के समयमान में दिनांक 1-7-1983 में स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

স **লি** দাঠী

संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्र०)

कार्यालय पहा<mark>लेखाकार (प्रथम)</mark> राज्**स्थान**

जयपुर, दिलांक 17 जून 1983

सं० प्रधाः II/जीं राजिपत्र अधिसूचना /170-महालेखा-कार (प्रथम) राजस्थान ने श्री दाऊलाल जी माथुर एवर अनुभाग अधिकारी को पदोन्तन करके दिनांक 31-5-1983 (पूर्वा०) से अग्रतर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> भदन सिंह शेखावत वरिष्ठ उप-महालेखाकार/प्रणा०

महालेखाकार का कार्यालय सिपिकम गंगतोक, दिनांक 25 जून 1983

 महाश्रेखाकार-], उड़ीमा, भुयने स्वर से प्रतिनियुश्ति पर हैं की नियुक्ति कार्यालय महालेखालार, सिक्किम, गंगतीक में प्रति-नियुक्ति पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में दिनांक 25-6-1983 (पूर्वाह्न) से की जाती है।

> एम० एस० पार्थासारथी वरिष्ट उप-महालेखाकार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षालेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 16 जून 1983

सं० प्रणाः 0/1/1171/1 जि०-1---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री एस० मिलक को उक्त सेवा के विरुद्ध प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (२० 2500-125/-2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये दिनांक 8 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करने हैं।

2. श्री एस० मलिक की उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रु० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में दिनांक 19 परवरी 1982 के पूर्वाह्म से प्रारम्भ में छ: माह की अवधि के लिये, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तब तक की गई तदर्थ नियुक्ति जो इस विभाग की आंध्युचना सं० प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० मी०-1) दिनांक 26 अप्रैल 1982 में अधिसू चित की गई है और बाद में दिनांक 18 फरवरी 1983 के अपराह्म नक अगली और छ: माह की अवधि के लिए, या जब तक निय-मित प्रबन्ध किये जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक बढ़ाई गई है, वह इस विभाग की अधिसूचना मं० प्रजा०/1/1172/1/1 (पी०सी०-1) दिनांक 9 दिशम्बर 1982 में अधिमूचित की गई है तथा विनांक 7 दिसम्बर 1982 के अपराह्म से समाप्त हो गई है। तदर्थ नियुक्ति पर की गई केवा, वरिष्ट प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 में वरिष्ठता के उद्देश्य के लिये और दिनांक 8 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्म से उक्त ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति हेतु पालता और पुष्टि के लिए सेवा गिनी जाने के लिए उन्हें कोई दावा प्रदान नहीं करेगी।

दिनांक 16 जून 1983

सं० प्रणा०/1/171/1/जि०-1--राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री आर० बी० क्षपूर को उक्त सेवा के विरष्ट प्रणासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रु० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्त रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 8 दिसम्बर 1982 क पूर्वाल से आगामी आदेण पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री आर० बी० कपूर की उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशास-निक ग्रेड के स्तर-1 (क० 2500-125/2-2750) में स्थाना-पन्न रूप में दिनांक 17 फरवरी 1982 के पूर्वाह्म से प्रारम्भ में छ: माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं. इनमें जा भी एहले हो, तक की गई तसर्थ नियुवित जं इस विभाग की किश्रस्वा सं०प्रणा०/1/1172/1/1(पी०सी०-1) दिनांक 26 अप्रैल 1982 में अधिसृष्तित की गई है और बाद में दिनांक 16 फरवरी 1982 के अपराह्न तक अगली और छः माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक बढ़ाई गई है, जो इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रणा०/1/1172/1/1(पी० सी०-1), दिनांक 9 दिसम्बर, 1982 में अधिसूचित की गई है, वह दिनांक 7 दिसम्बर, 1982 के अपराह्म से समाप्त हो गई है। तदर्थ नियुक्ति पर की गई नेवा, थरिष्ठ प्रणासनिक ग्रंड के स्तर-1 में वरिष्ठता के उद्देश्य के लिए, और दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्म उक्त ग्रंड में उनकी नियमित नियुक्ति हेतु पावता और पूर्वाह्म से उनते ग्रंड के लिए मेवा गिनी जाने के लिये उन्हें कोई दावा प्रदान नहीं करेंगी।

सं० प्रणा०/1/1171/1/जि०-1—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के श्रधिकारी श्री एच० एस० मेहता को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के स्तर-1 (६० 2500/125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेण पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री एच० एस० महता की उक्त रेवा के वरिष्ठ प्रणाननिक ग्रेड के स्तर-1 (क० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में दिनांक 18 फरवरी, 1982 के पूर्वीह से प्रारम्भ में छ। साह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक की गई तदर्थ नियक्ति जो इस विभाग की अधिमूचना सं० प्रशा/1/1172/1/ 1(पी० मी०-1) दिलांक 26 अप्रैल, 1982 में अधिसुचित की गई है और बाद में दिनांक 17 फरवरी, 1983 के अपराह्म तक अगली और छः माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक बढ़ाई गई है, वह इस विभाग की अधिसूचना सं प्रशा/1/1172/1/1(पी सी o-I) दिनांक 9 दिसम्बर, 1982 में अधिमुचित की गई है तथा दिनांक 7 दिसम्बर 1982 को अपराह्न से समाप्त हो गई है। तदर्थ नियुक्ति पर की गई सवा, बरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 में बरिष्ठता के उद्देश्य के लिए और दिनांक 8 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्न मे उक्त ग्रेड में उनकी नियमित नियक्ति हेनू पावता और पुष्टि के लिए सेवा गिनी जाने के लिए उन्हें कोई दावा प्रदान नहीं करेगी।

मं० प्रणा०/1/1171/1/जि०-।—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री आर० वैंकटरेल्मम् को उक्त मेवा के वरिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के स्तर-1 (६० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के प्रविश्ल से आगामी आदेण पर्यन्त सहर्ष नियमन करते हैं।

2. श्री आर० वैकटरत्नम् की उक्त सेधा के वरिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के स्तर-I (क० 2500-125/2-2750) में स्थानापण रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 8 जिसन्तर 1982 के पूर्वाह्न से आगाभी आदेश परित सहवं तियुक्त ारते हैं।

2 श्री आर० वैंकटरत्नम की उक्त मेत्रा को परिषठ प्रणात-जिन ग्रेंड के स्तर-I ए० 2500-125/2-2750 में स्थानापरन रूप में दिनांक 6 मार्च, 1982 के पूर्वाह्न से आरम्भ में छः माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक की गई तदर्थ नियक्ति जो इस विभाग की अधिमूचना मं० प्रशा/1/1172/1/ 1 (पी० सी०-।) दिनांक 26 अप्रैल, 1982 में अधिसूचित की गई 🖔 और गढ़ में दिनांक 5 मार्च 1983 के अपराह्म तक अगली और छः माह की अवधि के लिए, या जब तक नियमित प्रयन्ध किए जाने हैं, इनमें जो भी पहले हो, तक बढाई गई है, वह इप विभाग जो अधिसूचना सं० प्रशा०1/ 1172/1-1 (पी० सी०-1) दिनांक 9 दिनम्बर, 1982 में अधिसचित की गई हैं तथा दिनांक 7 दिसम्बर 1982 के अपराह्म से समाप्त हो गई है। तदर्थ नियुष्ति पर की गई सेवा, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 में वरिष्ठता के उद्देश्य के लिए और दिनांक 8 दिपम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से उक्त ग्रेड में उनकी नियमित निय्क्ति हेतु, पान्नता और पुष्टि के लिए सेवा गिनी जाने के लिए उन्हें कोई दावा प्रदान ुनहीं करेगी।

सं० प्रशा०/1/1171/1—राष्ट्रपति, भागतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री एस० वेंकटसुब्रह्मणियन को उक्त सेवा के परिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के स्तर-1 (क० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्म में आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम० वेंकटमुब्रह्माणयन की, उक्त सवा के वरिष्ट प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रु० 2500/125/2-2750) में रथानापन्न रूप में दिनांक 26 फरवरी, 1982 के अपराह्म से प्रारम्भ में छः माह की अवधि के लिये, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, इन में जो भी पहले हो, तक की गई नदर्थ नियुक्ति जो इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/ 1/1172/1/1 (पी० सी०-1), दिनाक 26 अप्रैल, 1982 में अधिस्चित की गई है और बाद में दिनांक 25 फरवरी, 1983 के अपराह्न तक अगली और छः माहकी अवधिके लिये, या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं इनमें जो भी पहले हो, तक बढ़ाई गई है वह इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/ 1172/1/1(पी० सी०-1) दिनांक 9 दिसम्बर, 1982 में अधिसूचित की गई तथा दिनांक 7 दिसम्बर, 1982 के अपराह्न मे समाप्त हो गई है। तदर्थ नियुक्ति पर की गई सेवा, वरिष्ठ प्रणागनिक ग्रेड के स्तर-1 में विरिष्ठता के उद्देश्य के लिए, और दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पुत्रीह्न से उक्त ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति हेत् पात्नता और पुष्टि के लिए सेवा गिनी जाने के लिए उन्हें कोई दाबा प्रदान नहीं करेगी।

सं० प्रशा०/1/1183/1/1—इस विभाग की प्रधिसूचना सं० स० प्रशा०/1/1403/11 दिनांक 12-3-82 और 23-4-82 तथा 26-3-83 तथा सं० प्रशा०/1/1183/1/1, दिनांक 30-12-82 के संदर्भ में राष्ट्रपति, निम्नतिखित अस्थायी लेखा

अधिकारियों को, भारतीय रका लेकी सेवा के नियमित संवग के कनिष्ठ समयमान (इपये 700-1300) में स्थानापल्न रूप में कार्य करने के लिये तदर्थ आधार पर, प्रत्येक के नाम के समक्ष लिखी अगली अवधि तक सहर्ष अनुज्ञा देते हैं:——

क्रम नाम	तारीख जिस तक
सं॰	विस्तार की अनुजा दी गई है
सर्वश्री :	
1. जे० एन० ऋग्रवाल	31-5-83
2. पी० एस० स्वामीनाथन	30-4-83
 डी० कृष्णामृति 	30-6-83
4. एस ० भागी रथन	30-6 -83
5: ল ভ্ গু। सिुह	30-6-83
6. लुक्कमन दास गम्भीर	30-6-83
7. म नमोह न सिंह्	30-6-83
 क्षी० भ्रार० मजूमदार 	30-6-83
9. श्यामल देव	30-6-83
10. के० एल० माकिन	30-6-83
11. सी० सू <u>र्य</u> नारायण	30-6-83
12. ए० जानकी रामन	30-6-83
13. पी० के० सहगल	30-6-83
14. वी० सम्पथ	30-6-83

15 और के

कार

वी० एस० जफा र०ल० अपर म० नि०-(प्रशा०)

30-6-83

रक्षा मंत्रालय भारतीय आर्डनेंन्स फैक्टरियां सेवा

ताय आडनन्स फक्टारया सवा आर्डीनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 24 जून 1983

सं० 32/जी/83--वार्धवय निवृत्ति (58 वर्ष) की आयु प्राप्त कर श्री ए०पी० भट्टाचार्या स्थानापन्न डी०डी०जी० ओ० एफ०स्तर- दिनांक 31 मई, 1983 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

वी०के० मेहता निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्मात का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 2 जुलाई 1983 आयात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

(स्थापना)

मं० 5/3/81-प्रगा० (रिजि०) 4474—राष्ट्रपति, श्रायात-शिर्शांत आयार नियन्त्रण मंगठ न के निम्नलिखित सहायक मुख्य

मुरेग कुमार, अतिरिक्त वस्त्र आयुक्त

नियन्द्रकों का प्रत्येक के सामने उल्लिखित तिथियों में अगला आदेश जारी होने तक केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2 में नियुक्त करते हैं:--

क्रम ग्रधिकारी का नाम ∵ेऽ	नियुक्ति की ंति थि
सर्व श्री	
1. ग्रोमप्रकाग	28-1-1983
2. जे०पी० शर्मा	28-1-1983
उपी० के० मुखार्जी	28-1-1983
4. एस० नरसिम्हन	12-5-1983
	(श्रपराह्न)
5. जी० आर० नायर	28-1-1983
6. जे० एम० बनर्जी	28-1-1983
7. एस० मुखर्जी	28-1-1983
8. ए० तुक्काराम	28-1-1983
9. आर० सेल्वाराज	28-1-1983
1 🦫 आर० के० जयसवाल	28-1-1983
11. एस० एल० चौहान	28-1-1983
12. सी० जी० फर्नान्डीज	28-1-1983
13 जी० बी० श्रीवास्तव	28-1-1983
14. एच०पी० दास .	28-1-1983
15. डी॰ एस॰ नरसिम्हैया	28-1-1983
16. एस०के० दत्ता	28-1-1983
17. के० वी० शर्मा	28-1-1983
18. एस०पी० धर	28-1-1983
19 शफात अहमद	28-1-1983
20. ई० नानगुरम	28~1-1983
21 एन० एस० श्रीवास्तव	28-1-1983
2.2. के ० सी० दा स	28-1-1983

वीः० के० मेहता मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात असे मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 1 जुलाई, 1983

क्रमांक 18(1)83-सी॰एल॰बी॰ 11/6—क्रनी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश 1962 की धारा दो की उपधारा (डो) में प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं एनद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिमूचना सं० 16(2)66-सी-०एल०बी०-11/वी० दिनांक 7 दिसम्बर, 1967 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करना हुं।

उत्तत अधियूचना की कप संख्या सात में संलग्न सारणी की स्तंभ सं० (1)(2) और (3) क अन्तंगत मीजूदा प्रवि-ष्टियों की जगह निम्नलिखिन प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, प्रयति :---

;	1	2	3
फ़िंग मंग	7(1) (2) (3) (4) (5) (6) (7)	आयुक्त, खाद्य और पूर्ति उप-आयुक्त, खाद्य और पूर्ति सहायक आयक्त, खाद्य और पूर्ति खाद्य और पूर्ति अधिकारी नागरी पूर्ति अधिकारी मुख्य निरीक्षक, खाद्य और पूर्ति निरीक्षणगण, खाद्य और पूर्ति	 दिस्सी

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1983

सं० 19001/29/83-डी०सी०एच०/प्रशासन-1—-राष्ट्रपति, श्री पी० के० दत्ता, भारतीय प्रशासन सेवा (असम 1967) को 1 जून, 1983 के पूर्वाह्म से वाणिज्य मंत्रालय, वस्त विभाग, हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय में अपर विकास आयुक्त के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एस० के० मिश्र, विकास आयुक्त (हथकरघा)

नई दिल्ली दिनांक 17 जून 1983

सं० ए०-22012/1/82-प्रशासन-1 (क) — राष्ट्रपति, हथ-करघा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र, अगरतल्ला में सहायक निदेशक ग्रेड-I (प्रोसेसिंग), श्री आर० के० कपूर का त्यागपत्र 6 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्म में स्वीकार करते हैं।

दिनांक 22 जून 1983

सं० ए०-12025/1/31-प्रशासनः II(a)—-राष्ट्रपति, श्री अमृत पटेल को 28 मार्च 1983 के अपराह्म से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेया केन्द्र, दिल्ली में सहायक निदेशक ग्रेंड-I (डिजाइन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-12025(1)/3/81-प्रशासन- $\Pi(\mathbf{r})$ —-राष्ट्रपति, श्री बी० संथानम की 2 मई 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र कन्नानूर में सहायक निदेशक ग्रेड- $\Pi(\mathbf{r})$ (डिजाइन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० के० दत्त, अपर विकास आयुक्त (हणकरथा)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विहास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यानय गई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1983

सं० ए०-19018(639)/82-प्रशा०(राज०) --राष्ट्रपति, श्री बी० के० दास को, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में दिनांक 15-4-1983 (पूर्वाह्न) से अगले आदणों तक, सहायक औद्योगिक डिजाइनर के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जून 1983

सं० ए०-19018(660)/82-प्रशा०(राज०)---विकास आयुक्त, अपने कार्यालय के लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी, श्री आर० सम्पत कुमार को, इसी कार्यालय में, दिनांक 6-6-83 (पूर्वाह्म) से, सहायक निदेशक, ग्रेड-^II (रसायन) के रूप में तदर्थ आधार पर, नियुक्त करने हैं।

> सी० सी० राव उपनिदेशक (प्रशः०)

पूर्ति मंत्रालय पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून, 1983

सं० प्र०-6/247(486)/73-III — राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय के मद्रास निरीक्षण मंडल के श्री एस० नागराजन, सहायक निरोक्षण अधिकारी (अभि-यास्त्रिकी) को विनांक 30 मई, 1983 के पूर्वात्रि से 6 महीने को अवधिके लिए तदर्थ आधार पर निरीक्षण मंडल, कलकत्ता में निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा के युप "ए" के डग्ने-III, अभियान्त्रिकी शाखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री नागराजन ने दिनांक 16-5-1983 (अपराह्म) से सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 30-5-83 के पूर्वाह्म से कलकत्ता में निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) का कार्य-भार सम्भान निया है।

सं० प्र०-6/247(380)/78-4--राष्ट्रपति ने निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह "ए" अभियान्त्रिकी शाखा के ग्रड-III) श्री यू० आर० मजूम-दार को दिनांक 11-5-83 के पूर्वाह्म छः मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमिन अध्यार पर भर जाने तक जो भी पहले हो, पूर्णतः तदर्थ आधार पर उप निदेशक (निरीक्षण) अभियान्त्रिकी (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह "ए अभियान्त्रिकी शाखा के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न

रूप से नियुंकत किया है। श्री यू० अ:र० मजूमदार की पदोन्नति दिल्की उक्क ज्यात् (यह में स्मिन विकित यहिका) संख्या 1457/81, 1590/81 नथा 1973/83, के अन्तर्गत तीन एल० पी० ए० संख्या 67/83 68/83 और 69/83 पर अन्तिम निर्मय के अधीन होगी।

श्री यू० प्राप्त्य मनूगदार को नादर्भ तियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के तिए कोई हुए अथवा दाका नहीं होगा और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में बरीयता और पदोन्नति की पात्रता तथा स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायगी।

श्री यू० आर० मजूमदार ने विनांक 7-5-83 के अपराह्म में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 11-5-83 के पूर्वाह्म में निरीक्षण निदेशक, कजकत्ता के कार्यालय के अधीन कुन्टी में उप निदेशक, निरीक्षण (अभि-यांत्रिकी) का कार्यभार सम्भाल लिया है।

> एस० ए**ल०** कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1983

सं प्र प्र प्र 1/1 (722) --- पूर्ति तथा निपटान महानिदे-गालय, नई दिल्ली में स्थाई किनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (पूर्ति) (ग्रेड-II) श्री एय० एन० सूरी निवृत्तमान आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-1983 के अपराह्म से सरकारी नेवा से निवृत्त हो गये।

> एस० जालासुत्रमणियन, उप निदेशक (प्रशासन्), इतं महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटीन

इस्पात और खान मंत्राजय

(खात विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक लर्वेक्षण

फ तकता-700016, दिनांक 29 जून 1983

सं० 5578बी०/ए०-19012 (1-आर० के० यू०)/82-19 ए०--श्रो राजेन्द्र कुमार उपाध्याय को सहायक भूबैजानिक के रूप में भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारंभिक बेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-10-1000-द० रो०-40-1200 रु० के नेतन-मान में, स्थानसक क्षत्राम में, आगामी आदेश होते तक 14-4-1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त दिया जना है।

सं० 5591 बो०/ए०-19012(1-ए० के० एत०)/82-19 ए०--श्री अभय कुमार तिह को बहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भ्वैजानिक वर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-क रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमान में. स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने पदा 7-5-83 के पूर्वाह्म में नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 5604 बी ं /ए०-19012 (1-एन० एन० जी०) / 82-19 ए० - श्री निरंजन लान गेरा का सहायक भूवेजानिक के रूप में भारतीय भूवेजानिक सर्वेक्षण में 650 क० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 क० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तम 6-4-83 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 30 जून 1983

सं० 5691 बी०/ए०-19011(1-बी० वी० आर०)/81-19ए०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) डा० बी० वी० राव ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भू-वैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार 15-3-82 (अपराह्म) से स्याग-पत्न पर छोड़ दिया है।

सं० 5702बी०/ए०-19011 (1-एम० एस० आर०)/81-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) डा० एस० एस० राय ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार 26-7-82 (अपराह्म) से त्यागपन्न पर छोड़ दिया है।

दिनांक 1 जुलाई 1983

सं० 5716 बी०/ए०-1901। (1-एच० बी०)/81-19ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवेज्ञानिक (कनिष्ठ) डा०
एच० बनर्जी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक
(कनिष्ठ) के पद का कार्यभार 30-10-82 (अनराह्म) से
स्थान-पह पर छोड़ दिया है।

सं० 5726बी०/ए०-32013/1-निषेशक (भू विज्ञान)/६3-19ए०---राष्ट्रपति जी भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण के भू वैज्ञानिक (क्निष्ठ) श्री बी० डी० महाजन को निर्देशक (भू विज्ञान) के रूप में उसी जिलाग में वेतन नियमानुसार 1500-60-1800-100-2000 क्० के वेतनमान में, स्थानापक क्षमता में, आगामी आवेष होने तक 30-4-83 के पूर्वाह्म में पदोन्नि पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० 5798 बीं ०/ए०-32014/1-भूवैज्ञानिक (किनिष्ठ)/81-19ए०---राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्रीमती सुमित्रा सेन को भूवैज्ञानिक (किनिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के बेतनसान में, स्याना-पन्न क्षमता में, अग्रगमी आदेश होने तक 10-5-83 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 5784 बी०/ए०-32014/1-भूवैज्ञानिक (किमण्ड)/ 81-19ए०—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण भ सद्यायक वैज्ञानिक जीमती अपला माइती को वैज्ञानिक (किंमक्ट) भे रूप में, उपी जिमाश में वेसा निपमामुगाल 700-40-900-द० र्रा०-40-1100-50-1300 ह० के वेतनमान में, स्थानापन्न अमना में आभामी अव्हेण होने तक 11-5-83 के पूर्वान्न में पदोस्ति पर नियुक्त कर रहे हैं।

िरांक 4 जुलाई 1983

सं० 5812 बी०/ए०-19012(1-जे० एम० एम०)/82-190ए०--श्री जगदीश भिंह मेहना को महायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-रु० प्रति माह् के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880--40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 7-5-1983 के पूर्वाह्म में नियुक्त किया जा रहा है।

मं० 5825 बी०/ए०-19012(एम० के० मी०/82-1ए०--श्री एम० के० चटर्जी को प्रशानिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वैतन नियमा-नुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000---द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेग होने तक 25-5-83 के पूर्विद्ध में नियुक्त किया जा रहा है।

मं० 5837 बीं ०/ए०-32014/1-भूवैज्ञानिक (किनिष्ठ)/8119ए०---राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्निखिल सहायक भूवैज्ञानिक को भूवैज्ञानिक (किनिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 700-40-900-द० रो०- 40-1100-50-1300 क० के वेतनमान में, स्थाना-पन्न क्षमता में, आगामी आदेण होने तक प्रत्येक के सामने दशीई गई निथि ये पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं:---

1. श्री सुबीर कुमार घोष 23-3-83 (पूर्वाह्म)

2. श्री आर॰ जी॰ सिन्हा 2-4-83 (पूर्वाह्म)

सं० 5855वी०/ए०-32013/1-भूबैज्ञानिक (कनिष्ठ)/8119ए०---राष्ट्रपति जी भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूबैज्ञानिक श्री सी० जे० कुनावन की भूबैज्ञानिक (कनिष्ठ) के खप में उसी विभाग में जेवन निजनानुनार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 क० के वेचनमान में, स्थाना-पक्ष क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 16-5-83 के पूर्वाल्च से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 5869 बी/ए०-32013 (2-जी०जे० (आई०)/78-19प्री० - राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञातिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकी थिद्र (उपकरण) श्री नारायण चन्द्र सरकार को भूगौतिकी थिद्र (बनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर उसी विभाग में वैजन नियमानुनार 700-40-900-द ० रो-40-1100-50-1300 क० के वेन नाता न में, स्थानापक्ष क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 7-1-83 के पूर्वीह्न से पदीक्षति पर नियुक्त कर रहे हैं।

एस० के० मुक्**जी**, महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 29 जुन 1983

सं ० ए०-19012(174)/83-स्था ० ए० — विभागीय पदोप्रति समिति की सिफारिण पर श्री चनन राम, स्थायी
अधीक्षक की दिनौंक 3-6-1983 के अपराह्म से भारतीय
खान ब्यूरो में सहायक प्रणासन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोन्नित की गई है।

व० च० मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान व्यूरो

अकाशवाणीः महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1983

सं० 4(55)/82-एस० एक — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्दारा श्री गौतम सेन गुष्ता की 20 मई, 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-81-0-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में आकाशवाणी सिलीगुड़ी में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जुलाई 1983

सं 4 (65) | 82-एस० एक----महानिदेशक, आकाशवाणी, एतदूद्वारा श्री सोमदत्त भर्मा को 18 अप्रैल, 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द ० रो०-35-880-40-1000-द ० रो०-40-1200 र ० के वेतनमान में आकाण-वाणी, झांसी में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर निमुक्त करते हैं।

सं० 4(69)/82-एस० एक— महानिदेणक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री दिनेश चन्द्र शर्मा को 6 जून, 1983 की अप-राह्म से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान आकाशवाणी, जोधपुर, में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पा-दक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(97)/82-एस० एक---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्दारा श्री राजेन्द्र नाथ सरमाह को 23 मई, 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० केवेतनमान में आकाशवाणी शिलांग में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक - के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं ० 4(98)/82-एस ० एक---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री रिव गंकर को 3 जून, 1983 की अपराह्न से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द ० रो०-35-880-40-1000-द ० रो० 40-1200 र ० के वेतनमान में, आकाशवाणीं, जगदलपुर में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(99)/82-एन० एक -- महानिदेशक. आकाशवाणी, एत्र्द्वारा कुमारी रागिनी वाल्के को 3 जून, 1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1200 रु० के वेतनमान में आकाशवाणी सांगली में, अस्थाई रूप से, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं। हरी स चन्द्र जयाल प्रशासन उप निदेशक,

पत्र सूचना कार्यातय नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1983

मं० 12034/14/82-स्थापना-ा-प्रधान मूचना अधिकारी, सूचना और प्रमारण मंत्राजय के केन्द्रीय सिववालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के "ग" श्रेणी के आशुलिपिक श्री हरीश कुमार गुप्ता को इसके द्वारा प्रतितियुक्ति तथा तदर्थ आधार पर दिनांक 21 जून, 1983 से 6 महीने की अवधि के लिए पत्र मूचना कार्याजय नई दिल्ली में हिन्दी रिपोर्टर निमुक्त करते हैं।

ति० मु० सुन्देश्वरन, सहायक प्रधान सूचना अधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1983

सं० ए० 12025/23/81(एन० टी० आई०)/प्रशासन-1/ टी०बी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० विजयकुमार चार्ल्स को 4 जून, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर में पशुचिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है।

वाई० एन० शर्मा, उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

ग्रामीण विकास मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1983

सं ए०-19023 5 83-प्र०-III संघ लोकः सेवा स्रायोग के अनुसार श्री शालिगराम शुक्ल सहायक विपणन अधिकारी की इस निर्देशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनां क 6-6-83 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणनअधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

विषणन अधिकारी के रूप में नियुवत होने पर श्री णालिग्राम शुक्ल ने दिनांक 4-9-83 श्रपराहन में पटना में सहायक विषणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ [दिया है

> गोपात शरण श्कल, कृषि विषणत सलाहकार, भारत सरकार

2-166GI/83

भ भः परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कासिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 23 जून 1983

मं० पो०ए० /79(4)80-आर०-Ш---नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री जिन्दो णामाचार्य अप्पत्ने, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी (क० 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसन्धान केन्द्र में 2-5-1983 (पूर्वाह्म) से 10-6-1983 (अपराह्म) नक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करने हैं।

सं० पी० ए०/79(4)/80-आर०-III—ित्यंत्रक, भाभा परमाण् अनुसंधान केन्द्र. श्री केदारनाथ लक्ष्मण कोटेकर, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी (क० 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 2-5-1983 (पूर्वाह्म) से 18-6-83 (अपराह्म) तक की नमयाविध के लिए तदर्श रूपै में नियुक्त करने हैं।

गं० पी०ए०/79(4)/80-आर०-ПІ——ितयंत्रक, भाभा परमाणु अनसंधान केन्द्र, श्री इडितल रामनुद्री किडावे.सहायक को सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी (६० 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 26-4-1983 (पूर्वाह्म) से 18-6-1983 (अपराह्म) तक की सलयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 जून 1983

सं० एस०/4602---नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री मुमिर पत्तु को स्टेशन अधिकारी पद पर रूपए 650-30-740-35-800-इ०बी०-40-960 के बेतन कम में 21-6-83 पूर्वाञ्च से अग्निम आदेगों तक इस अनुसंधान केन्द्र में अस्थायी रूप में नियक्त करते हैं।

सं० पी० ए.०/79(4)/80-आर०- — नियंद्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री भी० गोपकुमार, सेलेक्शन ग्रेड लिपिक को सहायक कार्मिक अधिकारी (६० 650-900) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 26-4-83 (पूर्वाह्न) से 4-6-1983 (अपराह्न) तक की समयाविधि के लिए सदर्थ रूप में नियुक्त करने हैं।

सं० पी० ए०/79(4)/80-आग०-III— नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री टी० के० पुष्पांगस्य उच्च श्रेणी लिपिक को सहायक कार्मिक अधिकारी (६० 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 26-4-1983 (पूर्वाह्म) में 4-6-1983 (अपराह्म) तक की समयाविधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जून 1983

सं० पी०ए०/81(8)/83/आर०-4/783—विनांक 30 मई 1983 की समसंख्यक अधिम् रना में क्रमांक 35 पर श्री बी० एस० कामथ की पदोक्षा से संबंधित प्रविष्टियों की इसके द्वारा जपर्युंक्त अधि चना में में निकाला जाता है।

> म० द० गाङ्गगिल, उपस्थापना अधिकारी

बम्बई-100085, दिनांक 2 ज्लाई 1983

सं० टी०/ $152/\odot$ स०1!/2777+-श्री आर्थर सोलोमीन थोमस ने सुरक्षा अधिकारी पद का पदभार 31-5-1983 (अपराह्म) की सेवा निवृत्त होने पर छोड़ दिया।

राम लाल बल्ला, उपस्थापना अधिकारी क्रय और भंडारण निदेशालय

बम्बई-100001, दिनांक 2 जून 1983

सं० डी॰पी॰एस॰/2/1(II) 83-प्रशा॰/2/8/2—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रम और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी, तथा तदर्थ मुख्य भंडारी श्री टी॰ ची॰ गिडवानी को ६० 650-30-740-35-810-द०रो॰-35-880-40-1000द. रो॰-40-1200 के वेननमान में दिनांक १-6-1983 (पूर्वाह्न) से 31-8-1983 (अपराह्न) तक के लिए नदर्थआधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से महायक भंडार अधिकारी निर्यक्त किया है।

दिनांक 23 जून, 1983

मं० डी० पी० एस०/41/1/83-प्रणा०-21194—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋष और भंडा र निदेणालय के सहायक ऋष अधिकारी श्री वी मो० वर्कीकी छुट्टी मंजूर किए जाने पर स्थायी वरिष्ठ लिपिक तथा स्थानापन्न ऋष सहायक श्री णरद केणव नेरूरकर को छाए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 16-5-1983 (पूर्वाह्म) मे 18-6-1983 (अपराह्म) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेणालय में स्थातापन्न रूप से यहायक ऋष अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन, प्रामासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद, दिनांक 27 जून 1983

सं० प०ख० प्र०-16/3/82-भर्नी--परमाणु ऊर्जा विभाग. परमाणु खिनज प्रभाग के निदेशक एतद् हारा परमाणु खिनज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन प्रवरण कोटि के लिपिक, श्री के० के० घोय को उसी प्रभाग में 11-5-1983 के पूर्वाह्म से लेकर 10-6-1983 तक 31 दिन की अविधि के लिए श्री जो० वी० रामन्ता, सहायक कार्मिक अधिकारी, के छुट्टी चले जाने पर, उनके स्थान पर तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जुलाई 1983

सं प० ख प०-1/31/82-भर्ती--परमाणु कर्जा विभाग, परमाणु खिनज प्रभाग के निदेशक एनद्हारा श्री बी० विजया गोगल, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक "सी" को परमाणु खिनज प्रभाग में 24 जून, 1983 के पूलेविम ह्नकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस बी०" नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-16/11/82-भर्ती--परमाण ऊर्जा विभाग, परमाणु खिनज प्रभाग के निदेशक एनद्झारा परमाणु खिनज प्रभाग के निदेशक एनद्झारा परमाणु खिनज प्रभाग के स्थायी सहायक लेखापाल और स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० डी० चौधरी को उसी प्रभाग में 13 जून, 1983 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी-II नियुक्त करने हैं।

टी० डी० घाडगे वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-4000089, दिनांस 27 जून 1983

सं० 05052/फर० 83/2150—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री मायाधर सामल. भारी पानी परियोजना (तलवर) के अस्थायी कार्यदेणक (फोरमन) को, उसी परियोजना में, पूर्वाह्म फरवरी, 1, 1983 से आगे आदेण होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त कते हैं।

सं० 05052/फर० 83/2151—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्राँ राजा किणोर कास, भारी पानी परियोजना (तलचर) के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'मी०' को, उसी परियोजना में फरवरी 1, पूर्वाह्म 1983 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस०बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/फर० 83/2152—भारी पानी पियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री खजेन्द्र कुमार मोहपाव, स्थायी वैज्ञानिक महायक 'सी०' भारी पानी परियोजना (तनचर) को फरवरी 1 पूर्वाह्म, 1983 से आगे आदेश होने तक के लिए उसी परियोजना में स्थानापरन वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रंड एस० बी०) नियुक्त करने हैं।

आर० सी० कोटियानकर प्रशासन अधिकारी

नारापुर परमाण् बिजलीघर

महाराष्ट, 401, 504 दिनांक 30 जून 1983

कारी के स्थान पर की जा पहीं है जिन्हें तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अभिकारी—III के तौर पर पदोन्जन किया गया है ।

> द० त्रि० मरक्ले प्रशासनिक अधिकारी—III

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलप(रक्तम, दिनांक 22 जून 1983

सं० आर० आर० सो०/गी० एफ०/3960-83--रिएन्टर. अनुसंवान केन्द्र के निदेशक ने रांचार मंत्रालय के डाक तथा तार बोर्ड अम्बई स्थित डाक तथा तार बिद्युत मंडल के कार्यालय के सकतिय के स्थायी समय-मान क्लर्क तथा स्थानापन्त फिन्छ लेखा अधिकारी श्री अवणमृतु चिदम्बरम को रिएक्टर अनुसंवान केन्द्र, कलपानकम में प्रतिनियुक्ति के आधार पर तथा स्थानापन्त रूप से सहायफ लेखा अधिकारी के पद पर 8 जून, 1983 के पूर्वाह्म से अगला अदिश होने तक नियुक्त किया है।

एस० प्रकासन प्रमानिक अविकारी

महानिदेशक नागर विमान का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 जुन 1983

सं० ए०-38013/1/83-ई० ए०--- झेलीय निदेशक कनकता के कार्यालय के श्री एन० डी० घोग, विष्ठ विमान क्षत्र अधिकारो निवर्तन आयु प्राप्त कर लेते पर दिनांक 31-5-83 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> जै० मी० गर्म सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्लो, दिनांक 25 जुन 1983

सं ० ए०-32013/2/83-ई० सी०--राष्ट्रपति ने निम्त-लिखित 45 सहायक तकनीकी अधिकारियों को दिनांक 5-5-1983 से और अन्य अदिग होने तक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है:--

करु सं० नाम (सर्वश्री)

- 1. एस० के० दास
- 2. ओ० पो० दीक्षित
- 3. एम० एस० साहनी
- 4. एन० एम० सिद्ध्
- 5. एस० आर० पद्मानाभन
- 6. एम० रामास्त्रामी
- 7. पी० ए० आस्वी
- 8. केंठबीठ सन्दा
- 9. आर० बी० इसरानी
- 10. एल० आर० गोयल

- 11. एच० एस० बाजवा
- 12. एम० जी० सुदर्शन
- 13. ओ० पी० भल्ला
- 14. ए० राजागोपालन
- 15. मुख्त्यार सिह
- 16. आर० राममृति
- 17. एम० राजवन
- 18. एम० एँ० राव
- 19. सरजीत सिंह
- 20. एम० पी० सामा
- 21. एन० एस० आप्टे
- 22. के० सी० देवगण
- 23. ए० के० डे
- 24. बी० के० शर्भा
- 25. जी० डी० कुलका
- 26 टी० आर० मेनन
- 🙎 🖈 मनिहार सिंह
- 28. पी० एन० नायर
- 29. एच० सी० निवारी
- 30. डी० एस० गिल
- 31. पी० वी० मुन्नह्मण्यन
- 32. आर० एन० दस
- 33. एम० वी० धर्बे
- 34. एच० एस० ग्रेवाल
- 35. पी० के० के० पिल्ली
- 36. जै० के० चोपड़ा
- 37 एच० एस० शर्मा
- 38. बी० पी० नारंग
- 39. एस० एस० नेपाली
- 40. आर० बिद्धल सिंह
- 41. पी० सी० जैन
- 42. हर भगवन
- 43. टी० डी० शर्मा
- 44. पी० के० सेनगुप्ता
- 45. आई० जै० शर्मा

हरबंस लाल कोहली निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 25 जून 1983

सं । 1/3/83-स्था०--विदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद्शारा केन्द्रीय ग्रारिक्षत पुलिस बल के निरीक्षक, श्री हरमजन सिंह की प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर 1 दिसम्बर, 1983 के पूर्वीह्न में आगामी आदेशों तक नई दिल्ली शाखा में स्थाना-पन्त रूप से सुरक्षा अधिकारों के पद पर नियुक्त करते हैं।

स ॰ 1/411/83-स्था०—निवर्तन की आयु के हो जाने पर श्री जे॰ एम॰ डीखिल्वा, रथायी उप परियात प्रबन्धक, बम्बई, शाखा दिनांक 30 अप्रैल, 1983 के अपराह्म से सेवा निवृत्त हो गये।

सं १ 1/523/83-स्था०—निदेश संचार सेवा के महा निदेशक, एसद् द्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री के० पी० सेल्वराज को तदर्थ आधार पर और स्थानीय व्यवस्था के रूप में अल्पकालीन खाली जगहों पर 12-12-82 से 25-1-83 तक और 7-2-83 से 21-2-83 तक की अवधियों के लिये उसी शाखा में स्थाना-पन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/8/83-स्था०—विदेश संचार सेव। के महानिदेशक एतव् द्वारा श्री एस० जे० अडसूल, पर्यवेशक, बम्बई शाखा को दिनांक 16 मई, 1983 के पूर्वाह्र से आगामी आदेशों तक मद्रास शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 जन 1983

सं 0 1/12/83-स्था-0—विदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद् द्वारा श्री बी० एन० मुखोपाध्याय, तकनीकी सहायक, कलकत्ता शाखा को स्थानीय व्यवस्था के रूप में और तदर्थ श्राधार पर अल्पकालिक खाली जगह पर 1-2-83 से 11-3-83 सक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/186/83-स्था०---स्विचिंग समूह, बम्बई के अस्थायी सहायक अभियन्ता श्री बलविंदर सिंह माथे रूको 24 मई, 1983 के पूर्वीह्न से अपनी नियुक्ति से स्थागपत्न देने की अनुमित दी गयी।

पा० कि० गोविन्द नायर निदेशक प्रशा० कुले महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाव एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना, दिनांक 28 जुन 1983

मं ० 11 (7) 2-स्था ० | 82 | 65214—इस समाहर्तालय के निम्निलिखित स्थायी | स्थानापन्न ग्रधीक्षकों समृह 'ख' प्रशासन पदाधिकारी, समृह 'ख' अपने नाम के सामने दिखाए गए तिथि एवं समय को सेवा की आयु पूरी कर सेवा निशृह्म हुए।

ऋ मांक	पदाधिकारी का	नाम	पदनाम	सेवा की	निवृत्ति तिथि
सर्वेश्री					
1. जयरा	म राम	अधीक्षक	समूह 'ख'	3	0-6-82
				(अ	पराह्न)
2. एन०	एन० देव		⊸बही	_	0-6-8,2
		-		(अ	पराह्न)
3. आर०	के० पाठक		वही	3	1-7-82
				્ (अ	पराह्म)

	a a	·	
1	2	3	4
4.	लाला गोपालजी सहाय	ग्रधीक्षक समूह 'ख'	31-7-82
	•	•	(अपराह्म)
5.	एस० एन० बनर्जी	प्रशासन पदाधिकारी	31-7-82
			(अपराह्न)
6	गोविन्द साह	अधीक्षक समूह 'ख'	31-7-82
			(अपराह्न)
7.	गंगा प्रसाद	 त्रही	30-9-82
		,	(अपराह्म)
8.	सी० एन० भगत	—वही —	31-10-82
		•	(अपराह्न)
9.	लक्ष्मी नारायण सिंह	वह ी	30-11-82
			(अपराह्म)
10.	एस॰ सी॰ मुखर्जी	——व ही ——	30-11-82
		_	(अपराह्न)
11.	ए० जे० एन० सिहा	व ही	31-12-82
		•	(अपराह्न)
1 2.	बासुदेव सिंह	— -व ही	31-1-83
•	0 3	. 6	(अपराह्म)
1 3.	सी० के ० भा	—य ही—	31-1-83
			(अपराह्म)
1 4.	महबुल्लाह्	बही- 	31-1-83
			(अपराह्म)
15	एस० एम० मित्रा	वही	28-2-83
1.0	mare . De l'armer		(अपराह्न)
16.	एस० के० सिन्हा	वही -	28-2-83
1.77	आर० पीं० चौवे	arefr	(धपराह्म) 28-2-83
1 /-	जारण पाण चाप	वही	28-2-83 (मपराह्न)
10	चन्द्रशेखर प्रसाद		28-2-83
18.	प-प्रसाणा र श्रद्धा प	बहा	्र ४- 2- ४ 3 (भ्रगराह्न)
			(अपराक्ष)

कुः कुः श्रीवास्तव सहायक समाहर्ता (मुख्यालय) कृते समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद, पटना

निरीक्षण व लेखा परीक्षा निषेशालय सीमा गुल्क व केन्द्रीय उत्पादन गुल्क नई दिल्ली, दिनोक 25 जून, 1983

सं० 18/83 (1041/48/83) --श्री सुभाष चंद जैन ने, जो कि पहले केंद्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, पश्चिम बंगाल में सहायक समाहर्ता के पद पर तनात थे, राजस्य विभाग के दिनांक 20-4-83 के मादेश संख्या 73/83 (फा॰ सं॰ ए-22012/23/83-प्रशा॰-2) द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा गुल्क एवं केंद्रीय उत्पादन गुल्क के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक यूनिट में, दिनांक 18-5-83 को (पूर्वाह्न से), सहायक निदेशक (सतर्कता) ग्रुप "क" के पद का कार्यभार संभात् निया है।

ब॰ घं० रस्तोगी, निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगणाला रसायन स्थापना

नई विल्ली-12, विनांक 20 जन 1983

सं० 1/1983—-श्री बी०डी० गुप्ता, रसायन सहायक ग्रेड-1 जो कि दिनांक 4-12-80 से सरकारी श्रफीम एवं अनकलाइड कारखाना गाजीपुर में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सदर्थ श्राधार पर कार्य कर रहे थे को दिनांक 30-4-83 (पूर्वाह्म) से भ्रागमी भ्रादेशों के जारी होने तक नियमित रूप से उसी कारखाने में सहायक रसायन परीक्षक (प्रुप सी) के पद पर नियुक्त किया गया है।

सं० 2/1983—श्री एस० के० मित्तल, रसायन सहायक ग्रेड-1 जो कि दिनौंक 3-2-82 (अपराह्न) से केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर तदर्थ प्रधार पर कार्य कर रहे थे को दिनौंक 30-4-83 (पूर्वाह्न) से भागामी आवेशों के जारी होने तक नियमित रूप से उसी प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक (ग्रुप बी) के पद पर नियुक्त किया गया है।

सं० 3/1983—श्री धाई० सी० वार्ष्णेय, रसायन सहायक ग्रेड-1 जोकि विनांक 19-10-81 से मरकारी अफीम एवं अलकलायड कारखाना नीमच में सहायक रसायन परीक्षक के पय पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे थे को दिनांक 30-4-83 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेशों के जारी होने तक नियमित रूप से उसी कारखाने में सहायक रसायन परीक्षक (ग्रुप बी) के पद पर नियुक्त किया गया है।

सं० 4/1983→भी ए० फ्रांसिसराज रसायन सहायक या उ-1, जो दिनांक 18-2-82 से केन्द्रीय राजस्त्र नियन्त्रण प्रयोगणाला, नई विल्ली में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर तदय आधार पर कार्य कर रहे थे, को दिनांक 30-4-83 (पूर्वाह्र) से आगामी आदेशों के जारी होने तक नियमित रूप से सहायक रसायन परीक्षक (ग्रुप बी) के पद पर उसी प्रयोगणाला में नियुक्त किया गया है।

सं० 5/1983—-श्री ओर्मपाल यिन्, रप्पायन सह।यक ग्रेड-1 जोकि दिनांक 31-10-81 से नवीन सीमा शुल्क गृह प्रयोगशला, वस्वई में सहायक रसायन परोक्षक, के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे थे, को दिनांक 30-4-83 (पूर्वाक्ष) से आगामी आदेशों के जारी होने तक नियमित रूप से उसी

प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक (मुप बी) के पद प नियुक्त किया गया है।

> केशव प्रसाद मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व (नियुक्ति अधिकारी)

निर्माण महानिवेशालय

केर्न्द्र(य लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली , दिनांक 1 जुलाई 1983

सं० 27-एस/वी(II)/81-ई० सी॰-II--के के० लो॰ नि॰ वि॰ के श्री एस॰एन॰एस॰ भटनागर, श्रधीक्षश्च श्रीभयंता (सिविल) जो सम्पित निर्माण तथा आवास मंत्रालय में प्रितिनियुक्त है, वार्षक्य की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30 जून, 1983 (अपराह्म) को सेवा निवृक्त हो गए हैं।

नीता गर्ग, प्रशासन उपनिदेशक, कृते निर्माण महानिदेशक

विधि, त्याय और कम्पनी कार्य महालय
कम्पनी कार्य विभाग
विधि कम्पनी बोर्ड
कम्पनी रिजस्ट्रार केरल का कार्यालय
कोचीन, दिनांक 6 जून 1983

सं० लिक्ब/560(4)/5860/83—यतः नाडार मेरियनट।यल बैंक लिमिटेड (लिक्बिडेशन में) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय विवेन्द्रम है का समापन किया जा रहा है। और यतः अधोहस्ताक्षरी यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतुक रहता है और यह कि स्टेटमेंट्स आफ एकाउंट्स समापक द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है छः कमवती मास के लिए नहीं दी गई है।

श्रतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा (4) उपधारा के अनुसरण में एतद्दारा सूचित किया जाता है कि इस तारि ख से तीन मास के अवसान पर नाडार मेरियनट। यल बेंग लिमिटेड (लिक्विडेशान में) का नाम यिव इसके प्रतिकूल हेतुक दिशात नहीं किया जाता है तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और कम्पनी विघटित कर ही जाएगी।

के० पञ्चागकेशन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 और ट्रीहुल फलाइग एण्ड गलाइडींग के विषय में कलव लिमीटेड

पटना, 800001, दिनांक 29 जून 1983 सं० (790) PS/560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अबसान पर द्री हुत फलाइंग एण्ड गलाइडींग कलब लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रजिस्टर से नाम काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी ।

> कम्पनी अधिनियम 1956 और गगामी सरण इन्जीनीयरस प्राइवेट लिमीटेड के जिन्ह में

संव (807) PS/560/2574—कम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार
एलद्द्रा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से
वील महा के अवसान पर अनामी सरण इन्जीनियरस प्राइवेट
विक्टिं का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया
तो रिजस्टर से नाम काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी
विविद्या कर दी जाएगी ।

ज्ञानी प्रधिनियम, 1956 और एक्सप्रेस स्वीच गीयर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० (742) PS/560/2576—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एक्सप्रेस स्वीच गीयर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

विनांक 30 जून 1983

कमानी अधिनियम, 1956 और अपना केडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० (1045)/560/PS/2610—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एसद् द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अपना कैडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्स कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेटालिक ट्रेडर्स, एन्ड इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मं० (1106) 560/18/2615—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के **धव**सान पर मेटालिक ट्रेडसं एण्ड इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ए० बहाव अन्सारी, कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिम्पल फेशन्स, लिमिटेड के विषय में

पणजी, दिनांक 25 जून 1983

सं० 189 जी—कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि सिम्पल फेशन्स लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

डी० एम० पनजकर, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, गोबा,दमण और दीव

कम्पती अधिनियम, 1956 और मैसर्स एम० पी० नैट्रीयूम कैंभिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 30 जून 1983

क्रमांक 1408/सी० पी०/763---कम्पनी अधिनियम,1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स एम०पी० नैट्रीयूम कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश ग्वालियर

कार्यालय आयकर आयुक्त (संवर्ग नियन्त्रण प्राधिकारी) आवेश

कानपुर, दिनांक 6 जून, 1983
स्थापना केन्द्रीय सेवाएं — ग्रुप 'बी राजपन्नित आयकर
अधिकारी, पदोन्नित स्थानापन्नतरण एवं पद-स्थापन

मं० 12—निम्नलिखित निरीक्षकों को स्थानापन्त आयकर अधिकारी, ग्रुप "बी" के रूप में २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के बेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तथा अन्य आदेशों तक पदोन्नत किया जाता है। यदि बाद में यह पाया गया कि उनकी यह नियुक्ति विद्यमान रिक्तियों से अधिक की गई है तो वे पदावनन किये जाने के योग्य होंगे।

पदोन्नित पर उनकी सेवायें उनके नाम के साम ने उल्लिखित

आयकर आयुक्तों के अधीन सौंपी जाती हैं जो कृपया उनके पदस्थापन आदेण जारी करेंगे ।

फ्रम कर्मचारी का नाम सं०	प्रभार/कार्यालय	आयकर आयुक्त जिनके अधीन सेवायें सौंपी ंजाती हैं।
1 2	3	4
सर्वश्री : 1. दीपककुमार कपूर 2. एम० पी० दरगर	कानपुर मेरठ	आगरा आगरा

आवे श

दिनांक 20 जून 1983

सं० 16—श्री श्रवण कुमार श्रीवास्तव, आयकर निरीक्षक, कानपुर प्रभार को आयकर अधिकारी; (प्रुप 'बी' के रूप में रु० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतनमान 'में उनके कार्याभार ग्रहण करने की तिथि से और अन्य आदेशों तक पवोन्नत किया जाता है। यदि बाद में पाया गया कि उनकी यह पदोन्नति विद्यमान रिक्तियों से अधिक की गई है तो वे पदावनत किये जाने के योग्य होंगे। पदौन्नति पर उनकी सेवायें आयकर आयुक्त आगरा के अधीन सौंपी जाती हैं जो कृपया उनका पदस्थापन आदेश जारी करेंगे।

सुधाकर द्विवेदी, आयकर आयुक्त संवर्ग नियन्सण प्राधिकारी,कानपुर

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई, दिनांक 2 जून 1983 🌉

सं० एक 71-ए०डी०(एटी)/83—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 255 की उपधारा (5) द्वारा प्रवत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए आयकर (अपीलीय अधिकरण) नियम 1963 में और मंशोधन कुरने के लिये आयकर अपीलीय अधिकरण एतद् द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं।

- में नियम आयकर (अपीलीय अधिकरण) द्वितीय संशोधन नियम 1983 कहे ज(येंगे।
- 2. ये 1 जुलाई, 1983 से लागू होंगे।
- आयकर (अपीलीय अधिकरण) नियम 1963 में,
 - (1) नियम 36 में निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित कीजिए नामतः
- "36. धारा 256 (1) के अन्तर्गत निर्देश आवेदन पत्न में क्या संलग्न किया जाय :---धारा 256

की उपधारा (1) के अन्तर्गत निर्वेश आवेदन पत्न तीन प्रतियों में होमा चाहिए और इसके साथ फार्म नं० 37 की मद सं० 7 में उल्लिखित दस्तावेण जो आयकर अधिनियम 1962 के नियम 48 में निर्धारित है, जो कि अपीलार्थी के विचार में प्रकरण का एक भाग होगा अगर आवश्यक हो तो उसका अंग्रेजी अनुवाद भी संलग्न करना चाहिए।

- (2) नियम 45 में निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित कीजिये, नामतः
 - "45. केस के विवरण में क्या संलग्न किया जाय, नामतः अधिकरण, केस के विवरण के साथ ऐसे दस्तावेज संलग्न करेगा जो इसके विचार में केस के एक भाग होवे और वे पक्षकारों द्वारा प्रदाय किये गये हों। केस विवरण बन जाने के बाद अधिकरण द्वारा निर्धारित समय के अन्दर अपीलार्थी या प्रत्यार्थी जो भी धारा 36 के अन्तर्गत प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों के अलावा ऐसे दस्तावेज जो केस विवरण के भाग बनते हो, कि उत्तनी सत्यापित प्रतिलिपियां जितनी कि अधिकरण माँग करेगा प्रस्तुत करेगा और यदि उत्तरदार्या पक्षकार

इनको प्रस्तुत करने में चूक आता है, तो अधिकरण केस विवरण के बिना संलग्न पत्नों को उच्च न्यायालय भेज देगा।"

भाग III--खण्ड 1

- (3) नियम 47 के अन्त में पूर्णविराम को निकाल दिया जाय ग्रीर निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय।
 - "या उपाष्ट्रयक्षा, जैसाकि केस हो"
- (4) नियम 50 कें उप नियम (1) में निम्नलिखित उप नियम प्रतिस्थापित किया जाय नामतः
 - (1) अधिकरण के अभिलेखा और रिजस्टरों के निरीक्षण का शुरुक निम्नलिखित होगा।
 - (अ) पहला घन्टा या उसके भाग का— दो रुपया ।
 - (व) अतिरिक्त घन्टा या उसके भाग का--एक रुपया।
 अपोलीय अधिकरण के आदेश से

जी० ^{पी}० वाजपेयी, पंजीकार प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जा-।, कलकता-16

कलकत्ता-16., दिगांक 15 जून 1983

निद्रिंश सं. ए. सी. /रोज-। /कन. /टी. आर. ~260/ 82-83/एस. एल. नं. 752--यतः म्भे, एम. अहमद, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार सुल्य 25,000/- फ. से अधिक हैं और जिसकी सं. 64 है तथा जो मेटकाफ स्झीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 8-10-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित वाजार मृल्य, उसके शरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूपयमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रसिशतसे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और गन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ षाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :-----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविधा को लिए;

नतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धररा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात :---3-166GI/83

(1) श्रीमती कुमारा काल।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती नूरजहान, हसनअली हाजी।

(अन्त<u>िर</u>ुती)

को यह सूचना जारी करके पृथितित संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अलिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

64 मेटकाफ स्ट्रीट, कलकत्ता गें अब स्थित, मकान जो डीड नं. । -8976 अनुसार 8-10-82 तारीस में एस. आर. ए., कलकना दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

> एम . अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, 54, रफीअहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 15-6-1983 मोहर 🖫

धारूप आहे. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

थारा १६०० (११) । वहीन नचन

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रंज-।, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16., दिनोक 15 जुन 1983

ृ निर्देश सं. ए. सी./राज-।/कल./टी. आर.-243/ 82-83/एस. एल. नं. 751—भत: मुफो, एम. अहमद, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि रथावर पर्याप, विशवस उच्छित ने एक श्रीव 25,000/ रु. से अधिक ही

और जिसकी सं. प्लाट नं. 22 (दूसरी मंजिल) है तथा जो 42 रूप सेक्सपीयर सारणी में रिश्त हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलिय, कलकता में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उकत अरेकिकम के कोंच कर दोनें की अन्तरक की द्रांतियन को करी करती गाउसकी अचने में पृष्ठिता के किए; और/ध
- (स) एसी किसी आय था किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उत्ता अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) गुलमांहर प्रपाटिज।

(अन्तर्क)

(2) रीता कुमार इवनानी।

(अन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना चारी करके पृथाँक्त सम्पृत्ति को अर्जन के सिंध कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्मोत्त के प्राप्तेन के सम्बद्ध मा अहें भी शहराहन-

- (क) इस स्वना के राजपन में अकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रथमत शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं. 22 (दूसरी मंजिल) जो 42ल सेक्सपीयर सारणी में अब स्थित है और जिसका एरिया 1200 वर्ग फीट है और 15-10-82 तारील में डीड नं. 9350 अनुसार आरं्-ए.., कलकत्ता दफ्तर में रिजस्टर हुआ।

> एम . अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 15-6-1983

प्रकृप आइ". टी. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अभीन सुवन्त

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जून 1983

निवर्षेश सं. ए. सी./रंज-।/कल./टी. आर.-246/82-83/एस. एल. नं. 739—यतः मृफ्रे, एम. अहमव, आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 159 बी है तथा जो बिपिन बिहारि गांगूली स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलक्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)। के अधीन, तारीख 13-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क्त, निम्नलिश्वित उद्देष्य से उक्त क्ष्यरण निश्वित में शास्त्रिक क्ष्य से किया नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; मौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिय्ं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर स्थितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशनार्थ धन्ति द्वी इवास प्रकट नहीं किया जवा था वा किया बाना चाहिए वा, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री समरोन्द्र नाथ मित्रा एण्ड अदर्स। (अन्तरक)
- (2) श्री रोखा गांगूली एण्ड श्री अमित का्मार गांगूली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र के प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे बत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की सारीत वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत स्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास किसिन में किया जा स्कार्य।

स्पष्टोक रण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

159बी बिपिन बिहारी गांगूली स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित 6 कटा 6 छटाक, जमीन पर एक तल्ला टिन शैंड, जो 13-10-82 तारील में डीड गं. 12544 पी. के अनुसार आर. ए. कलकत्ता के दफ्तर में रिजस्टर हुआ।

> एमः अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 8-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

(1) आमराव देवी तुलकान।

(अन्तर्क)

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

(2) श्रीमती जिन्नी देवी सीनी।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, कलकता-16

कलकता-16, दिनांक 8 जून 1983

सं. ए. सी. /र्रंज-। ∕कल . ∕टी. आर-247 ∕ 82-83/एसं. एलं. नं. 740--यतः सभी, एमं. अहमद्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का **कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित** बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. 19 है तथा जो हरिराम गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबष्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकृता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिष्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 11-10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकां) और जन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गन्ना प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पृत्रीकत संपरित के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों नह स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

19 नं हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 11 कट्टा 3 छटाक, जमीन पर आंसिक, 3 तल्ला और आंसिक 4 तल्ला स्कान का अविभक्त 1/6 हिस्सा जो आर.ए., कलकत्ता के वफ्तर में 11-10-82 तारीख में डीड नं 9057 के अनुसार रिजस्टर हुआ।

> एमः अहमवः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ं अर्जन रोज-।, 54, रफीअहमद किववार्ष रोज, कलकत्ता-16

रा (1) तारीख : 8-6-1983 मोहर ∴

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अधीत् :—— प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिगंक 8 जून 1983

सं. ए. सी. /रोज-। /कल/टी. आर.-248/ 82-83/एस. एल. नं. 741--यतः मुक्ते, एम. अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. मे अधिक है और जिसकी सं. 19 है तथा जो हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिव्कारी के कार्यालय, कलकत्ता में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11~10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दरयमान प्रतिफाल से, एसे दरयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गुणा प्रश्तिफाल निम्नालिखित <mark>उद्द</mark>ेश्य से उथत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीभिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् ...- (1) श्रीमती ओभराव देवी तुलशान।

(अन्तरक)

(2) राम जन्द्र सोनी, Minor represented by his father and natural guardian Molital Soni.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

19 नं हिरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकता में अब स्थित ति । कट्टा 3 छटाक, जमीन पर आंसिक, 3 तल्ला और आंसिक 4 तल्ला मकान का अविभक्त 1/6 हिस्सा जो आर.ए.त कलकता के बफ्तर में 11-10-82 तारीख में डीड नं 9058 के अनुसार रिजस्टर हुआ।

एम . अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, 54, रफौअहमद किसवाई रोड कलकता-16

तारीख: 8-6-1983

मोहर 🔆

प्ररूप आर्घ. टी. एन., एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्क (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जून 1983

निर्दोश सं. ए. सी./रीज-।/कल./टी. आर.-249/ 82-83/एस. एल. नं. 742--यतः मुभी, एस. अहमद, सायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक है और जिसकी सं. 19 है तथा जो हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 11-10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रितिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अंतरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती ओमराव दोवी तुलशान।

(अन्तरक)

(2) श्री दयानन्द सोनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थे। उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

19 नं हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, 11 कट्टा 3 छटाक, जमीन पर आंसिक, 3 तल्ला और आंसिक 4 तल्ला मकान का अविभक्त 1/6 हिस्सा जो आर ए., कलकत्ता के दफ्तर में 11-10-82 तारीस में डीड नं 9059 के अनुसार रिजस्टर हुआ।

एम अहमय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, 54, रफीअहमद किंद्रवाई रोड कलकता-16

तारीख : 8-6-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जून 1983

निध^{*}श सं. ए. सी. /र्ज-। /कल. /टी. आर. -250/ 82-83/एस. एल. गं. 743--यतः मुभ्ते, एम. अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै। और जिसकी सं. 19 है तथा जो हरियम, गोयेडका स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. एस. आर. ए., कलकत्ता में,, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 11-10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया . प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देव देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी विदेने या उससे बचरे में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अरूराओं देवी सुलतान

(अन्तरक)

(2) स्रजमल सोनि

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:— इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

अनुसूची

19 नं हरियम, गोयेडका स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, 11 कहटा 3 छटाक, जमीन पर आसिक, 3 तल्ला और आसिक 4 तल्ला अविभक्त मकान का 1/6 हिस्सा जो 11-10-82 तारीख में एस. आर. ए., कलकत्ता के दफ्तर में डीड नं. 9060 के अनुसार रुजिस्टर हुआ।

्एमः अहमद संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, 54, रफीअहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 8-6-1983

मोहर 🖫

प्रकृप खाई• टी० एव० एस•--

ग्रायकर प्रश्विनियम; 1961 (1961 था 43) की धारा 26% व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, विनोक 8 जून 1983

निर्वोक्ष सं. ए. सी. /रोज-। /कल. /टी. आर. -251/ 82-83/एस. एल. 744--यतः मुभ्ते, एम. अहमध, बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), ेकी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिल्लका अचित वाजार मन्य 25,000/~ रत. से अधिक हैं और जिसकी सं 19 है तथा जो हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबवध अनसची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-10-82 कारे पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देव इय से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिनक रूप से क्रीधल नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितिसम्ब के अधीन का देने के अस्तरक के दासिश्य में अभी अस्ति वा अससे अभने में सुविधा के विध् और्थमा
- (ख) ऐसी फिसी आयण किसी धन या धन्य आशितयों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के खिए।

अतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरक मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती ओमराव देवी तुलशान।

(अन्तर्क)

(2) श्री चंदमल सोनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उपरा सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (का) इस सूचना के राजपत्त में प्रशापत की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस मूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पतों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्यात में दिया गया है।

अतस सी

N.

19 नं हरिराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, 11 कट्टा 3 छटाक, जमीन पर आंसिक, 3 तल्ला और आंसिक 4 तल्ला मकान का अविभन्नत 1/6 हिस्सा जो आर ए., कलकत्ता के दफ्तर में 11-10-82 तारीख में डीड नं. 9061 के अनुसार रिजस्टर हुआ।

एमः अहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, 54, रफीअहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख : 8-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-।, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जून 1983

निर्दोश सं. ए. सी./रंज-।/कल./टी. आर.-252/82-83/एस. एल. नं. 745—यतः मुक्ते, एम. अहमच, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 19 है तथा जो हरिराम, गोंएका स्ट्रीट,

और जिसकी सं. 19 है तथा जो हिरराम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 11-10-82

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--4---166GI/83

(1) श्रीमती ओभराव देवी तुलकान।

(अन्तरक)

(2) सिव भएशान सोनी। (Miner represented by his father and natural guardian Mohan Lal Soni)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यस्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

19 नं. **हरि**राम, गोंएका स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, 11 कट्टा 3 छटाक, अमीन पर आंसिक, 3 तल्ला और आंसिक 4 स्ल्ला मकान का अविभक्त 1/6 हिस्सा जो आर.ए., कलकत्ता के यफ्तर में 11-10-82 तारीख में डीड नं. 9062 के अनुसार रिजस्टर हुआ।

एम अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, 54, रफीअहमद किंदबाई रोड कलकता-16

तारी**ब**ः 8-6-1983

मोहर 🗓

प्ररूप आर्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, विगांक 15 जून 1983

निर्दोश संः ए. सीः∕रोज-।∕कलः.∕टीः आरः.-237/ 82-83/एस एल 746---यतः मुभे, एस अहमद, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. 9 ही तथा जो उड स्ट्रीट, कलकत्ता मे स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस आर ए., कलकत्ता मी, रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-10-82 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचितं बाजार मुल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्ततियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय काँ बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के मंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

(1) नीरन्जन हीड्डजी

(बन्तरक)

(2) मेसर्स अमरज्योति इन्बंस्टमेट को. लि. (अन्तरिती

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-- के

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी अपित वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्करिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्भों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

9, बुड स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, एक बिघा 13 छटाक, 22 वर्ग फिट जमीन पर अविभक्त मकान का 1/5 हिस्सा जो 22-10-82 तारील में डीड नं. 9564 अनुसार एस. आर. ए., कलकत्ता का दफ्तर में रिजस्टर हुआ।

> एमः अहमद सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, 54, रफीअहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की ज्याधारा (1) के अधीन, निक्लीसिक व्यक्तियों, अर्थात् ---

तारीख : 15-6-1983

मोहर 🗓

प्रकष् बाइ ., टी., एन्., एस्.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, धिनांक 15 जून 1983

निर्दोश सं. ए. सी. /रॉज-। /कल. /टी. आर. -236/ 82-83/एस एल -747---यतः मुक्ते, एम अहमद, जायकर बृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक हैं और जिसकी सं. 9 ही तथा जो वृड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस आर ए., कलकत्ता में,, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-10-82 का पर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मुख्य से कम के करममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उपवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित भों वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) श्रुक्तरण से सूद्र किसी शाव की बाबत, उच्क अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और्/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिसों, अर्थात्:—— (1) श्री चन्द्र सिह द्विरकी

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अमरज्यांति इन्बंस्टमेंट को . लि . (अन्तरिती

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्थन संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्ति में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9, बुड स्ट्रीट, कलकता में अब स्थित, एक बीधा 13 छटाक, 22 वर्ग फिट जमीन पर अविभक्त मकान का 1/5 हिस्सा जो 22-10-82 तारीख में डीड नं. 9563 अनुसार एस. आर. ए., कलकत्ता का दफ्तर में रिजस्टर हुआ।

> एम : अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, 54, रफीअहमद किदवाई रोड,, कलकसा-16

सारी**स** : 15-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

आयकर **अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रोज-।, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 15 जुन 1983

निर्देश सं. ए. सी. /रंज-।/कल. /टी. आर.-239/82-83/748—-यतः म्फे, एम. अहमद, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 9 हैं तथा जो उड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय एस.आर.ए., कलकत्ता मेंं, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मृत्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अन्तरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपबोध्य से उक्त जंतरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की वाबता, उजता शीधनियम के अधीन कर वोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

मतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिश व्यक्तियों, अर्थात क्ष- (1) अरुण कुमार हिरजी

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अमरज्योति इन्वेस्टमंट की. लि. (अन्तरिती

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन क सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी स्योक्त याँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की खबिध, वो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत स्योक्त यों में से किसी स्योक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- श्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकींगे।

स्थव्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निमम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुसूची

9, उड स्ट्रीट, कलकत्ता मं अब स्थित, एक विधा 13 छटाक, 22 वर्ग फिट जमीन पर अविभक्त मकान का 1/5 हिस्सा जो 22-10-82 तारील में डीड नं. 9566 अनुसार एस. आर. ए., कलकत्ता का दपतर में रिजस्टर हुआ।

> एसः. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, 54, रफीअहमद किदवाई रोड,, कलकत्ता-16

तारीब : 15-6-1983

अक्य बाइं.टी.एन.एस.-----

माय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, कलकता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जून 1983

निर्दोश सं. ए. सी./रॉज-।/कल./टी. आर.-238--यतः मुफ्ते, एम. अहमवः,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा नया है), की धारा 269-ज के प्रधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका खिला बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

और जिसकी सं 9 है तथा जो उड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस आर ए., कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पत्ट ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखिल में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, जब अधि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए.
 और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बन्, उक्त विभिनियम की भारा 269-थ के बनुसरक में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) जे. हिरजी

(अन्तरक)

(2) मेंसर्स अभरज्योति इन्बेस्टमेंट को. लि. (अन्ति_रिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

9, उड स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित, एक जिमा 13 छटाक, 22 वर्ग फिट जमीन पर अविभक्त मकान का 1/5 हिस्सा जो 22-10-82 तारीख में कीड नं, 9565 अनुसार एसं. आर. ए., कलकत्ता का धफ्तर में रिजस्टर हुआ।

एसा. अहमय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, 54, रफीअहमद किववाई रोड,, कलकत्ता-16

ग्रीख : 15-6-1983

मोहर 🚁

प्ररूप बाइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर स्थिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वृ (1) के स्थीन सुवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।,, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 15 जून 1983

निर्दोश सं. ए. सी./रोज-।/कर्ल./टी. आर.-263/ 82-83/एस. एल. नं. 750---यतः मुक्ते, एस. अहमद,

भायकर मिधनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उमित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रिणस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उमित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बासता, उनते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे अचने से सुविधा के निष्; और/बा
- (थ) एसी किसी जाय वा किसी थन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने म सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मंभ, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उधधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमान एस. आर्इ. आर. क्रोग. एण्ड जी. एच. नेल क्रोग।
 - (अन्तरक)
- 2 मेसर्स पोद्वार ईलिक्ट्रानिक्स लि ।

(अन्तरीति)

को यह स्वांना जारी कारके पृथाँक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्छ अधिनियम, कं अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

11 कामक स्ट्रीट, कल. में अवस्थित 2 विघा, 19 **कट्टा** 5 छटाक, 40 वर्ग फिट जमीन जो 21-10-82 तारीख में डिडि नं. 9557 के अनुसार आर. ए. के दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

> एसः अहमदः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[े]ज-1., 54 रफीअहमद रोड कलकर्त-16

ता्रीस : 15-6-1983

प्ररूप-आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।।, बंबर्द

बंबई, दिनांक 16 जून 1983

निवर्षेश सं. ए. आर. 3/37इ इ-72/83-84---यतः मुफे, एस. एच. अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके एक्षात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लट नं. 17, इन्क्लाक है, तथा जो इंडियाना बिल्डिंग्ज, अंधेरी (पूर्व) में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-82

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पामा गया प्रतिफल निम्निसित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तीनक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, ब्राँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की जपधारा (1) के अधीम, निम्निसिंस व्यक्तियों, अर्थाम् :--

- 1. श्री गोपाल सुब्धिन्यन और भीमती सरस्वित सुब्धनन्यम (अन्तरक)
- 2. श्री सुरोश पुजारी भोत्रे।

(अन्सरिती)

3. श्री गोपाल सुबूमन्यन और श्रीमित सरस्वती सुबूम-न्यन ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खधाहरताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए शा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जन्स्ची

फ्लट नं. 17, ग्राजंड फ्लोर, इ-क्लाक, इंडियाना विल्डींग्ज., न्यू इंडियाना प्रिमाइसेस की-आपरेटिन्ह सोसायटी लिमिटेड, माथुरदास विसनजी रोड, अंधेरी पूर्व, बम्बई-93।

अनुसूचि जैसा की अर्जन इलाका 3/1/और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि. 8-10-1982 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस. एच. अब्बास अविदा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बई

तारीख 16-6-1983 मोहर : प्ररूप आइर्रे. टी. एन. एस. -----

भी स्यामलाल मोहनलाल।

(अन्तरक)ः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री ज्योतीर्मय अनाथनाथ बास

(अन्सरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुए।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजे-।, बंबध्

बंबई, दिनांक 13 जून 1983

निद^{*}रा सं. ए., आर. 1/4820/83-84--यतः म्भे,, आर. के. बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकों मं. सी. एस. नं. 1480, आफ भूलोश्वर डिन्हिजन है तथा जो शेख मेमन स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1982 श्राक्यूमेन्ट नं. बम्बर्इ 1382/77

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की **वावत, उक्त** अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श्व) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा केलिए;

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भी भी नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

अनुसूची औसा की विलेख सं. बम्बर्ड 1382/77 और उप-रिष्म्द्रार, बम्बई द्वारा वि. 25-10-82 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर. के. बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, बम्बर्श

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-थ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों 🛵 अर्थात् :---

नारीख: 13-6-1983

प्रकप बाई । टी । एन । एत -----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, बंबई

बम्बर्स, दिनांक 13 जून 1983

निद^कश सं. ए. आर. 1/4784/83-84---यतः म्के, आर. के. बकाया,

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 923 आफ मांडवी डिव्हिजन है तथा जो क्षेत्रवजी नायक रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 14-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्त-रिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिक नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स शरद बिल्डर्स ।

(अस्तरक)

 अोल्ड शारदा चेंबर प्रिमाइसिंस को-आपरेटिव्ह सोसायटी लिमिटेड सोसायटी के स्दस्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

छनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप ।~-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के प.स लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूचि जैसा की विलेस सं. बम्बई 485/79 और जो उपरिजस्ट्रार द्वारा दिनांक 14-10-1982 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

आर. के. बकाया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज-। बस्ब**ड**ै

तारीख : 13-6-19**83**

प्ररूप आर्थ. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, बंबह^{*}

ं बम्बर्ड, दिनांक 14 जन 1983

निर्देश सं. ए. आर.-।/4781/83-84---यतः मुफ्ते, आर. के. बकाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यू 25,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 573 आफ मांझगांव डिव्हिजन है तथा औ परील रोड, नार्थ इस्टोट बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्मेनकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-10-82 डाक्यमेन्ट नं. 3128/70 बम्बई

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने यें सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जरा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

इत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात ——

- श्री थंजिशा जमशेदजी देसाई और त्रोशन थंजिशा जमशेदजी देसाई ।
 (अन्तरक)
- 2. 1. श्रीमती फतेमाबाई जाकीरहुसंन बलाल 2. श्री शवीरि जाकीरहुसन दलाल 3. श्री फिरोजे जाकीरहुसने बलाल 4. श्री सैफी जाकीरहुसेन दलाल ।

(अन्तरि**ती**)

3. माडोती

(तहं व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्परित हैं)

4 बाम्बे इंप्रूब्हमेंट ट्रस्ट । (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधीहस्ताक्षर जान्ता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत करिल्ला में से कि कि विध्वित द्वारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसधी

अनुसूची जैसा कि विलोख सं. 3128/70 बम्बर्झ और जो उपरजिस्ट्रार बम्बर्झ द्वारा दि. 14-10-1982 को रजिस्टर्झ किया गया है।

> आर. के. बंकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-। बम्बङै

तारीब : 14-6-1983

प्रकृप जाई.टी.एम.एस.-----

भायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, बंबई

बंबर्ष, दिनांक 13 जून 1983

निद्धाः सं. ए. आर. 1/4801/83-84---अतःम्क्री, आर. के. बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एम. नं. 694 आफ भूलेश्वर डिवीजन हैं तथा जो गिरगांव में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम., 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1982 (डाक्र्मेंट सं. बम्बई 2578/81)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रविश्वत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इबोचनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

नतः जन, उक्त निधनियम की धारा 269-ग के नगुसरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के नभीन, निध्नतिविद्य व्यक्तियों, न्धीत् (1) सम फ्रमरोझ लाला

(अन्तरक)

- (2) 1. मेहोरा धुंजिका दारवाला
 - 2. धूंजिशा बुरजोजी दारुवाला
 - 3. बूरजोर धुंजिशा दारज्याला
 - 4. थटी बुरजोर दारज्वाला

(अन्तरिती)

(3) माजाती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्साक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हितबहुध है)

को यह सूचना चारी करके प्वार्वित सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पंत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मत्रभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. बम्बर्ड 2578/81 और ची उपरिजस्ट्रार बम्बर्ड व्यारा विनाक 14-10-82 की रिजस्टर्ड किया गया है।

आर. के. बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, बस्बर्ष

तारी**ख** : 13-6-83

मोहर ः

प्रकृपः बाह्रैः टी. एन्ः एसः -----

श्रायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जून 1983

निवरंश नं 36245/82-83--यतः मुभे, मंजू माधवन, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रंज बंगल्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 670 है, तथा जो एक्स कास रोड़ वेस्ट आफ कार्ट रोड-।। स्टोज, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपा- बद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 29-10-1982

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों)। और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहां किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती जय्यम्मा चेन्नय्या नं. 5125, एपल ट्री ड्रॉब् एन. ई. रोनोक वरजीनिया यू. एस. ए. । (अन्तरक)
- 2. मेसर्स जी. आर. इंटरप्राइसिस नं. 218/वार्ड, ।।। ब्लाक राजाजीनगर, बेगल्र-10। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुफ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धतिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

वस्तावेज नं. 3020/82-83 ता. 29-10-82) सब सम्पत्ति ही जिसका सं. 670 जो 10 कास रोड वस्ट आफ कार्ट रोड-।। स्टोज, बोंगलूर मों स्थित ही।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बंगलूर

ता्रीख : 22-6-1983

प्रकृप आहें.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 14 जून 1983

निद^{र्}श सं. सी. आर. नं. 62/36149/82-83**--**यतः

मुझो, मंजूमाधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं सर्वों नं 90/1, 91, 92, 93, 94, 95 और 96/1 है, तथा जो कोसनूर विलेज, उत्तरहल्ली होबली, बंगलूर साऊथ तालुक में स्थित हैं (और इससे उपा-बक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर साऊथ तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-10-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की नावत, उक्त जभिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; अरि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, अनं, उक्त निधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री धर्मोन्द्र सिंह डियोल,
 सपुत्र केवल सिंह डियोल,
 22, जुहु पारले स्कीम,
 11 राड, जुहर, बम्बई-400054
 धर्मोन्द्र सिंह डियोल,
 ट्रस्टी आफ दि एस्टेट आफ मिस अजीता डियोल और
 मास्टर विजय सिंह डियोल-माइनर।
 (अन्तरक)
- श्री अजय सिंह डियोल, सपृत्र डी. एस. डियोल, नं. 22, रोड सं. 11, जुहुस्किम, जुहु बंबई।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 4079/82-83 दिनांक 7-10-1982) सब संपत्ति है जिसका सं. 90/1, 91, 92, 93, 94, 95 और 96/1, जो कोत्तनर विलेज, उत्तरहल्ली, हिबली बंगलूर साउउथ तालूक में स्थित है।

मंजू माधवन सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलुर

तारीख : 14-6-1983

मोहरु 🗯

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जून 1983

निव 3 रा सं् सि. आर. 62/36303/82-83-4ातः, मुस्से, मंज् माधवन,

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 18, है, सथा जो कैम्प रोड, बेंगलूर (कार-पोरेशन नं. 47) में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अन्, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:— मेसर्स फवाह बिल्डर्स (प्रार्ह्मबेट) लिमिटडे,
 नं 83, एम जी रोड,
 बेंगल्र-1।

(अन्तरक)

- 2: (1)श्री सैयद इलयास आगा,
 - (2) सैयद सलनद्दीन आगा,
 - (3) सैयद लियकेसागा, नं 30, काकबर्नराड, सिविल स्टोशन, बेंगलूर,

(अन्तिरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगी।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(बस्तावेज सं · 2470/82-83

तारीख 12-11-1982)

सब सम्पत्ति है जिसका सं. 18, जो कैम्प रोड, बेंगलूर (कारपोरोशन नं. 47) में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्समा प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, बंगल्र

तारीख: 8-6-1983

प्रेक्प भाई. टी. एन. एस्. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जून 1983

निवंका सं. सि. आर. 62/36352/82-83—यतः, मुझो, मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 516 हैं, तथा जो ।।। ब्लाक, कारेमंगला एक्सर्ट्यान, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर साउज्ध तालुक में रिजस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर साउज्ध तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीक 27-11-1982 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिबित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

 डाक्टर वि. वि. मोदी, सूपूत्र वीरचन्द दास पी. मोची कनकनाडि, बंगलूर-2।

(अन्तरक)

 श्री के. शनि कुमार रोड्डि, सपूत्र के. चन्त्रशंखर रोड्डि, सं. बी-21, कुप्रमूक कालोनी, कारमंगला, बेंगलूर-34।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- ्(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्बुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दम्तावेज मं. 4898/82

ता. 27-11-82)

सदा सम्पत्ति है जिसका मं. 516, जो ।।। ब्लाक्ष, कोर-मंगला एक्सटेशन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंज् माध्वन सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

तारीय: : 8-6-1983

सोहर:

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, बंगलूर बंगलूर, विनांक 13 जून 1983

निव * श सं. सि. आर. सं. 62/36237/82-83--अतः। मृह्ये, संजुमाधवन,

श्रायकर श्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिमित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिमीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं.. 2817/1982 और सर्वे सं. 248 है, तथा जो मागिड टीन, बेंगलूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मागिड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरिंग की गई है और मुझे यह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्राधक है और मन्तरिंग (प्रस्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखत उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त मिन्नि नियम के मन्नीत कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तिमों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मृविधा के लिए;

भतः ग्रव, उक्त भिविनियम की धारा 269-न के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के के अधीन, निम्हिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती प्रेमलीला पत्नी लेट एम एन राजाशेकरीया, नं 148, काटकपेट, मागिड
 - (2) नवरन्ना पूत्री एम. एन. राजाझेकरौया पत्नी बस्त्रराजु, ने. 169, 14 फास, । ब्लाक, राजाजीनगर, बेंगलूर-10।
 - (3) सुकन्या पुत्री लेट राजशेकरैय्या और पत्नी रिवशंकर, नं 113610, ।।। भैन रोड, विजयनगर,, बेंगलूर-40।
 - (4) महाबंब प्रसाद, पुत्र लंट एम. एन. राज-शैकरीय्या, नं. 148, काटनपेट, मागिड (5-ए) ज्यन्ति (बी) अरुणकामार (सी) भारती पूत्री लंट एम. एन. राजशैकरीय्या, मैसर्ज रोप्रसेन-टेड वे मदर श्रीमती प्रेमलीला पत्नी लंट राज़-शेकरीय्या।

(अन्तरक)

श्री एम . एन . बांगैच्या (जनरल मचेंट)
 सं . 725, काटनपटे, मागडि,
 बॅगलूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पच्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 कि में यथा परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(दस्तावेज मं. 1530/82-83 तारीख 14-10-1982) सब सम्पत्ति है जिसका सं. 2817/1982 और सर्वे नं । 248 जो माराडिटॉन, बेंगलूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलूर

तारीख : 13-6-1983

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 जून 1983

निद[™]श सं. सि. आर. सं. 62/36196/82-83---यतः मुझौ, मंज् माधवन,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 135, है, जो पैप लैन ईस्ट, करितिम्मन-हिल्ल, मैसूर रोष्ठ, बँगलूर में स्थित है (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंसवनगृडि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीत, वारीस 6-10-1082

(1908 का 16) के अधीन, तारीसं 6-10-1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अनुसरण से हुई किसी आय की बायत, उत्रत अधिनियम के अधीन कर दोने के अनुसरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :—

·

 श्री एच. एम. रामय्या, सं. 3, 9 कास, । मैन रोड, भामराजपेट, बेंगलुर-18।

(अन्तरक)

मैस्स माडरन एन्टरप्रीस्स,
 (1) जी. पी. त्रिवेदी,
 (2) टी. एस. इंक्वारस्या,
 सं. 132, पेप लीन इंस्ट.,
 करितिस्मनहर्ति,
 बंगलूर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सं प्रधी व्यक्तियाँ पर स्चला की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितसक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उम्रत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(षस्तावेज सं. 2293/82-83 ता. 6-10-1982) सब सम्पत्ति है जिसकी सं. 135, जो पैप लैन इस्ट, करि-निम्मनहिल्ल, मैसूर रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगल्र

तारीख : 8-6-1983

मोहर :

6-166GI/83

प्रूरूप् आई. टी. एन. एस.-----

भायक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन रंज, बंगल्र

बोंगलूर, दिनांक 7 जून 1983 निद^{क्ष}ण सं. सी. आर. नं. 62/36165/82-83--यतः मुझो, मंजु माधवन,

भागकर श्रिष्ठिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके - पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिष्ठीन सभग पाधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उदिन बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिष्ठक है

और जिसकी सं. 671/20 है, तथा जो VII कास, ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिल बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पमान प्रतिफल से और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती किन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यण के लिए, तय पाया गयाप्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में अस्तिवक का में किया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में मुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) सेसी किसी बाय या किसी धन या अभ्य ग्रास्तियों को; जिम्हें बारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त पश्चितियम, या धनकर पश्चितियम, या धनकर पश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाह्यए था, छिपान में सुविधा के लिए।

श्री सुब्रमन्यमः,
 नं . 68, ।।। ब्लाक, टी. आर. नगर,
 बेंगलर-28।

2. श्रीमती पी. आर. सरस्वती,

(अन्तरक)

नं. 108, अधागनल रोड, यि. वि. पुरम, बेंगलूर-4।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीवत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की प्रविष्ठ, जो भी प्रविष्ठ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हररा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 2333/82-83 तारीक 14-10-1982) सब सम्पत्ति हैं जिसका सं. 671/20, जो 11 कास VII जयनगर, बेंगलूर में स्थित है।

मंजू माधवन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सक्षक्त प्राधिकारी अर्जन रोज, बंगलूर

अतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 7-6-1983

मोहर 🚡

25,000 ∕- रु. से अधिक हैं

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, विनांक 16 जून 1983

निवास सं. 111/777/अर्जन/83-84—अतः मूर्मे, प्रवेध कुमार दूवे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

और जिसकी सं. सर्वे प्लाट सं. 188, हों. सं. 89,, वार्ड सं. XVI,, जी. बी. सं. 39/1 के अंतर्गत है तथा जो करने वाद रोड, देवधर, जिला संशाल परगना में स्थित हैं (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-10-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्ट्रयमान प्रतिफल से, एसे इष्ट्रयमान प्रतिफल के प्लाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन सन्य झास्तियों का किसी आय का किसी धन सन्य झास्तियों का किसी धन सन्य झास्तियों का किसी धन सन्य झास्तियों (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री मोहन लाल गरोरीवाला
 - श्री विष्णु गरंरीवाला दोनों निवासी 33, लेक रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता बेबी गुप्ता निवासी गोपाल बाग,, कपुष्ठ आश्रम रोड, बेबधर, जिला सेंशाल परगना।

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा संपित्त में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इंसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसुची

आधा भाग उस जमीन एवं एक मंजिला मकान का जिसका रक्या 4.63 एकड़ ही तथा जो करनीबाद रोड, देवधर, जिला संधाल परगना में स्थित ही एवं पूर्ण रूप से विस्का संख्या ।- 11961 दिनाक 1-10-82 में विर्णित ही और सब रिजस्ट्रार आफ एस्योरोन्सेज कलकरता के द्वारा पंजीकृत ही।

प्रबोध कुमार कृबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख: 16-6-1983

मोहर 😗

प्रकृष् भाइ . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 196 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 15 जन 1983

निद[े]श सं. ।।।/774/अर्जन/83-84--अतः म्फे, प्रबोध क्यार द्वे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एग. एस. प्लाट संख्या-685 ए, वार्ड संख्या-।।। है, तथा जो गंची-चाइबाक्षा रोड, थाना/जिला रांची में स्थित ह (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित ह), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हो और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-धल निम्नोलिखत उद्देश्य से उत्तर कालाण जोखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्यरण से हुए किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को वाबित्व में कभी जरने या उत्तर्थ वचने में सुविभा के लिए; आहर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री प्रतुल चन्द्र चक्रवर्ती वर्ल्द-श्री धीरन्द्र नाथ चक्रवर्ती, निवासी-43, मैन रोड, पो./जिला रांची।

(अन्तर्क)

 श्री एस. जय सिंह, निवासी-अपर पी. पी. कम्पाउन्ड, पो/जिला रांची।

(अन्तारिती)

क्षेत्र सुचना जारी करके पृथांक्त सम्पृत्ति के कृषंमुक सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्मत्ति के नर्जन के सम्मन्य में कोई भी नाक्षेप्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्कित म्युक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्तू स्थावर सम्पोक्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास जिल्लाक में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भी उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

एक मंजिला पक्का मकान का 1/3 सरा हिस्सा जिसका रकता कमावेश 728 वर्ग फीट है एवं जो रांची-चाइबासा रांड, भाना जिला-रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या।-9409 विनांव्य 19-10-82 में विणित है और सब रिजस्ट्रार आफ एसोरोन्सोज कलकत्ता के बुवारा पंजीकृत है।



प्रबोध कर्मार द्बे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बिहारु, पटना

तारीख: 15-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 16 जून 1983

निवर्णेश सं ।।।/775/अर्जन/83-84--अतः मुक्ते, प्रबोध कामार द्वे,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. (विसिका रांख्या-1-8826 दिनांक 6-10-82 के अनुसार हैं) तथा, जो जसीडीह, जिला-संथाल परगना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियग 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-10-82

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक क्य से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

 श्री सती नाथ मित्रा, निवासी-66, राय मोहन बनर्जी रोड, क लकता-35।

(अन्तरक)

 श्री क्याम सुन्दर सिंह, निवासी-पहाड़ कोठी, जसीडीह, जिला-संभात परगना।

(अन्ति[रती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में मार्क्ड भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो यस अध्याय में विश्वा गया है !

अमुस्ची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकवा 5.61 एकड़ का आधा है तथा जो जसीडिह जिला-संथाल परगना में स्थित है और पूर्ण रूप से वसिका संख्या 1-8826 दिनांक 6-10-82 में वर्णित है एवं सब-र जिस्ट्रार आफ एसोरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार बुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 16-6-1983

मोहर ः

प्रकृप • भाई • टी • एन • एस • ----

यायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ग्रीवीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक मायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 15 जून 1983

निर्दोश सं. ।।।/776/अर्जन/83-84——अतः सुभ्ने, प्रबोध कर्मार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. (बिसका संख्या 1-8827 विनांक 6-10-82 के अनुसार) है तथा, जो ज्सीडीह, जिला-संथाल परगना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-10-1982

को पूर्वीस्त सम्यत्ति के जिन्त बाजार मूस्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का छिन्त बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल गे, ऐके दृष्यमान प्रतिफल का पस्द्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) श्रीर अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखिल उद्देश से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियस नहीं किया गया है :~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत्, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री बोप्ती नाथ मित्रा, निव्यसी-241, गोपाल चटणी रोड, कालकता-2।

(अन्तरक) 🍍

श्री श्याम सुन्दर सिंह,
 नियासी-पहाड़ कोठी, असीडीह,
 जिला-संथाल परगना ।

(अन्तरिती)

सी यह मूचना कारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाद्वियों करना हुं।

ज्यत सम्मति के अभैत के सम्बन्ध में कोई भी आसीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बर्बाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बाध, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, यो उस कुध्याय में विषय ग्या है।

अनुसूची

ज्मीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकता 5.61 एकड़ का आधा है तथा जो जसीडिहि, जिला-संथाल परगना में स्थित है और पूर्ण रूप से विसका संख्या 1-8827 दिनांक 6-10-82 में विणित है एवं सब रिजस्ट्रार आफ एस्योरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रवाध क्रमार द्वे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज्या विहार, पटना

तारीख ; 15-6-1983

मोहर 🕄

प्रसपु आहे. टी. एन्. एस. ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ंष (1) के ब्धीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 15 जून 1983

निद^{क्}श सं. ।।।/772/अर्जन/83-84---अतः मूर्भे, प्रवीध कुमार बृबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल 25,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम. एस. प्लाट संख्या-685 है, तथा जो सी, वार्ड संख्या-111 रांची-चाइवासा रांड, थाना/जिला-रांची में स्थित है (और इससे उपावष्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से दर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-10-1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री प्रतुत चन्द्र चक्रवली वल्द-श्री धीरन्द्र नाथ चक्रवती निवासी-43, मेन रोड, पो./जिला रांची।

(अन्सरक)

 श्री गुरनाम सिंह वल्द सरदार बन्टा सिंह निवासी-लोंबर पी पी कम्पाउन्छ, गुरुनानक स्क्रूल को नजदीक, जिला रांची

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में धिया गया है।

अन्सची

एक मंजिला पक्का मकान का 1/3 हिस्सा जिसका रक्षा कमावेश 650 वर्ग फीट हैं एवं जो रांची-चाइबासा रोड, थाना/जिला-रांची में स्थित हैं एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या ।-9407 दिनाक 19-10-82 में वर्णित हैं और सब रजिस्ट्रार आफ एस्पोरीन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

प्रवोध कुमार दूबे सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन् रॉज, बिहार, पटना

सारीच : 15-6-1983

प्र**क्ष**पं बाह^क् टी., एन_{ः,} एस_{ः-}-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना
पटना, दिनांक 15 जून 1983

निवर्षा सं. ।।।/769/अर्जन/83-84--अतः मुक्ते, प्रबोध क्रुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. एम. एस. प्लाट सं.-1477, हो. सं. 716-बी/716-सी. (पार्ट), वार्ड सं. VII बी है तथा जो नवीन चन्द्र मित्रा लेन, मोहल्ला-वर्दवान कम्पाउन्ड., थाना-लालपुर, जिला रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अन्-सूची और में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अभीन तारीख 20-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्न अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनयमों, अधीन, ः—→

 श्री प्रकाश चन्द्र हरलालका, बल्द श्री भगवान हरलालका निवासी-वर्दवान कम्पाउन्ड, थाना-लालपुर, जिला-रांची

(अन्तरक)

 श्रीमती लिलता देवी बजाज,
 जोजे-श्री राम किशोर बजाज निवासी-अपर बाजार, पो./जिला-रांची

(अन्त[रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला पक्का मकान जिसका रकवा 4 कट्ठा 6 छटांक 7 वर्ग फीट है एंच जो नवीन चन्द्र मित्रा लेन, मोहल्ला-वर्दावान कम्पाउन्ड, थाना-लालपुर जिला-रांची में स्थित है और पूर्ण रूप से वसिका संख्या-8943 विनांक 20-10-82 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निवधक पदा-धिकारी रांची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रविध करुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना-411004

विनोक: 19-5-83

प्ररूप आर्इ, टो. एन. एस. ------

Automotiva and a second and a s

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) कां धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाराह ायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 15 जन 1983

निद[े]श सं. ।।।/770/अजन/83-84--अतः म्फे, प्रबोध कुमार दुःबं,

और जिस्की मं खाता मं -19, प्लाट सं 39, सब प्लाट सं डी/1 बी और डॉ/2 बी, हो मं 1922/ए तार्ड मं VIIसी. है तथा जो लोजर ज्वीमान कम्पाउड, पी -लालपुर, जिला-गंची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुमूची और मं पूर्ण रूप से विणित हो), रिजम्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची मे रिजस्हीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारील 20-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत मे अधिय है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ प्रधा गया प्रतिफल का निम्निलिश्त उच्चेश्य से उक्त अन्तरण विलिम में बाम्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धान्तरण से हुई किसी जाव हा अवता उक्त श्रिक्षियम ें शाक्षीन क्षा देने के अन्तर्छ उ दायिक में तमी नार्ग का समस्ते के ही है स्वित्ता के लिए: सीरोधा
- (त्र) ऐसी किसी धाय एए क्सो हाई का श्रम्य आस्तियों को, जिस्हें बादवीय आयंकर अधित्यम, 192 (1,22 का 11) या उनत अधित्यम, ह वन-कर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्यास्ति हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने १ सुविधा के

पत ंपच उक्त अधिनियम की भार 369-य के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निरूप्तिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री अभिवास भूषण घाष, वल्द-स्व. पिदा भूषण घोष निवासी-लोअर वर्षवान कम्पाउल्ड, पो.-लालपुर, जिला-रांची

(अन्तरक)

2. श्री अधित पदा दास., बल्द-स्व. गोपाल चन्द्र दास निवासी-वर्दावान कम्पाउन्ड, पो.-लायपूर, जिला-रांची

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्रथके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

हजार शस्परित के अर्जन के सम्बन्ध में को**इं भी आक्षर**ः—

- (क) क्ष्म स्वाहा के राज्यक म एकाशन की सारीस से 45 विन की अवधि में अभिन्यक्ती व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की कार्यम, जो भी जवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुखना के राजपत्र मो प्रकासक्त की तारीक से 45 दिन के जीतर उल्लास्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे ।

स्याद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, थो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन मय मकान जिसका रक्तवा 3 कट्ठा 1 छटांक है एंव जो लोजर वर्ष्वान कम्पाउन्ड पो.-लालप्र, जिला-रांची में स्थित है एंव पूर्ण रूप से वसिका संख्या 8953 दिनांक 20-10-82 में विजिल है और जिला-अवर निबंधक पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रवाध कुमार **दृबे** सक्षम प्राधिकारी महायक आय्क्त आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन र[ी]ज, बिहार पटना

तारीय : 15-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 15 जून 1983

निवंकि सं. ।।/773/अर्जन/83-84——अतः म्फे, प्रबोध कपुरार दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अथीग सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं. एमं. एसं: प्लाट संख्या-685 बी, वार्ड संख्या-111 है सथा जो रांची चाइबासा रोड, थाना/जिला-रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकरता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1 €2

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक हुए से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से इर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एरी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- शार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणं भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्मलिखित व्यक्तियों, अधितः :--- श्री प्रतृतः चन्द्र चन्नवर्ताः, वस्द-श्री धीरोन्द्र नाथ चन्नवर्ताः, निदासी-43, मैंन रोड, पो/जिला रांची।

(अन्तरक)

 श्री सुरन्द्र प्रकाश चड्ढा, बल्द - स्व. बी. एस. चड्ढा, निवासी - लोअर पी. पी. कम्पाउन्ड, गुरूनानक स्कूल के नजदीक, जिला-रांची।

(जन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिप्र कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीवत
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुसुची

एक मंजिला पक्का मकान का 1/3 सरा हिस्सा जिसका रक्षा कमावेश 822 वर्ग फीट है एवं जो रांची चाइबासा रोड, थाना/जिला-रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विस्का संख्या 1-9408 दिनांक 19-10-82 में विणित है और सब र जिस्ट्रार आफ एस्योरेन्सेज कलकता के व्यारा पंजीकृत है।

प्रबोध कामार दूवें सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बिहार, पटना

ता्रीब : 15-6-1983

प्ररूप आहे. दी. एन., एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 15 जून 1983

निदर्श सं. ।।।/771/अर्जन/83-84—अतः मूम्हे, प्रबोध क्यार दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. एम. एस. प्लाट सं.-1477, वार्ड सं.-7 बी, नया हो. सं.-730/आई है तथा, जो नवीनचन्द्र मित्रा लोन, महल्ला बर्दवान कम्पाउन्ड, पो.-लालपूर जिला रांची में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकता में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 20-10-1982

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ल्याने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिष्धित व्यक्तियों, अर्थात् ६श्री अनिल क्यार बनर्जी,
 वल्द-स्व. नृपन्द्र नाथ बनर्जी,
 नियासी-ब्लाक ए. इ., प्लाट सं.-44, सैक्टर-।
 माल्ट लेक मिटी
 थाना-साल्ट लेक,
 जिला-24 परगना।

(अन्तरक)

श्री स्वीत क्मार दास,
 बल्द - स्व . सची क्मार दास,
 निवासी-28, नरसिंह बत्ता रोड,
 शाना-बन्तरा जिला-हावड़ा

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थप्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिलया पक्का मकान जिसका रकवा 6 कट्टा 26 वर्ग फीट ही तथा जो नवीन चन्द्र मित्रा लेन, महल्ला-वर्दावान कम्पाउन्ड, पो. - लालपूर-जिला - रांची में स्थित ही एवं पूर्ण रूप से विस्का संख्या 8981 दिसांक 20-10-82 में विणित ही और जिला अवर निबंधक पवाधिकारी रांची के द्वारा पंजीकृत ही।

प्रबाध क्तार द्रबें सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बिह्यार, पटना

तारील : 15-6-1983

प्रथम बाह्रो . तो . एत . एस . ------

भारकर भी भनियम, 1961 (196) की 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शाउत चुडुन्मड

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रोजं, रोहतक

,राहितक, दिनांक 14 जून 1983

निद्येश सं. रोहतक/112/82-83--अतः मुभी, आर. के. भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बिधिक हैं

और जिसकी सं. शौ रूम का भाग है तथा जो शाम लाल मार्केट, राहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गहतक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्ट्राबर, 82

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बंतरितिवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्निवित उद्देश्य से उज्ज प्रतरण निचित में अप्यिक कर कम मिन्निवित में अप्याजिक कप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अर्थन कर भीते की अल्लाक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुर्विधा के निष्; और/भा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय भायकर प्रधिनियम : 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम : या अनकर अधिनियम : या अनकर अधिनियम : 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था : धिपाने में सृविथा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री कश्मीरी लाल पुत्र
 श्री सुन्दर लाल
 म. नं. 9,30 वार्ड नं. 6,
 कसार्श्या याला चौक,
 राहतक।
 श्री गुलश्न राय पुत्र लाजपतराय म. नं. 476 वार्ड नं. 4, कच्चा बेरी रोड, रोहतक।
 (अन्तरक)
- श्री प्रवीण कुमार एवम बलराम कुमार पुत्रान राम चन्द पुत्र खान चन्द म. नं. 650 वार्ड नं. 5, माल गोदाम रांड, रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वांक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में अमान्त होती हा, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति स्थान
- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारील लें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् निकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति शाँ रुम नं 15 का हिस्सा, शाम लाल मार्केट रोह-तक में स्थित है जिसका अधिक विवारण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्या-लय रोहतक में, रिजस्ट्री संख्या 3520 दिनांक 5-10-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन गंज, रोहतक

तार**ीख** : 14-6-83

भोहर :

प्ररूप आहु^र.टी एन.एस.-----

आसफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अध्यक्त आव्यत (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निदंश सं. राहतक/113/82-83--अतः म्फे, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं. शौ रूम का भाग है तथा जो शाम लाल मार्केंट, राहतक में स्थित हैं (और इससे उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हाहतक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक अवटावर, 82

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नांसांसत उद्देष्य से उक्त अंतरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहूर्च किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अंतरक के यायित्व में कभी करने या उगस बचन में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिभ के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुभरण मं, भी, अबत अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- श्री कश्मीरी लाल पृत्र
 श्री सुन्दर लाल

 म. नं. 930 वार्ड नं. 6%
 कमाईया नाला चौक,
 रोहतक।
 श्री गुलशनराय पृत्र लाजपतराय म. नं. 476, वार्ड नं. 4, कच्चा बेरी रोड, तोहतक।
 (अन्तरक)
- सर्व श्री इन्दर सेन,
 यशपाल पुत्रान
 श्री निहाल चन्द्र ।
 नि म नं 474 वार्ड नं 18,
 शक्ति नगर,
 राहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध मां काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयल व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

ت

सम्पत्ति शाँ रक्ष्म तं. 15 का हिस्सा, शाम नाल सार्केट रोह-तक में स्थित है जिसका अधिक विवारण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-लग रोहतक में, रिजिस्ट्री संख्या 3522 दिनांक 5-10-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहेतक

नारील : 14-6-83

माहर :

प्रकप बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्या**लय, सहा**यक **धायक**र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 15 जून 1983

निबंश सं. जगाधरी/142/82-83--अतः मुभ्ते, आर. के. भयाना,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसेकी सं. सकान-कम-फैक्टरी है तथा जो जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अक्तुबर, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर ज्यापिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मुजिया के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ं:—

- 1. (1) श्री राज कामार पृत्र राम प्रकाश
 - (2) श्रीमती पूनमें कपूर पतनी
 श्री सुरोन्द्र क्युमार
 रिशी कपूर,
 दोण माला पुश व पुत्री सुरोन्द्र कपूर नि. शादी मेटल राम लीला मैदान, जगाधरी।

(अन्तरक)

 मैं. आतम मैंटल वक्स, ज्याधरी, बजरिये श्री आतम प्रकाश पुत्र श्री बगारसी लाल रामपुरा कालोनी, यमना नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरो।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति मकान कम पैत्रद्री शंड, जगाधरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्सा के कार्यालय जगाधरी में, रिजस्ट्री संख्या 4711-दिनांक 20-10-82 पर दिया है। आर. के. भयाना

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, राहतक

नारी**न** : 15-6-83

प्ररूप आहरै. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निविष सं. हिसार/264/82-83--अतः मूक्ते,

आरःके. भगाना,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

जिसकी सं इन्कान का हिस्सो है तथा जो न्यू माडल मन्डी, हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम्, +1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अक्तूबर, 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत शायार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्तः अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अव पक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मं. जवमीराम फूल चन्द
 233 न्यू माडल मन्डी,
 हिसार ।

(अन्सरक)

2. श्री रमेंश कामार पुत्र श्री गौरी शंकर 233 न्यू माइल मन्डी, हिमार ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

अनुसूची

राम्प्रति दुकान नं. 233 का हिस्सा न्यू माडल मन्डी, हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण ,रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में, रिजस्ट्री संख्या 2764 दिनांक 14-10-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

तारीय : 14-6-83

प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एस. - -- -

माय्कर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निदश सं. हिसार/274/82-83 अतः म्भे, आर. के. भयाना,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

जिसकी सं. दुकान नं. 233 का 🧜 भाग है तथा जो न्यू माडल मन्डी, हिसार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अक्तूब्र, 1982

को पूर्वीयत संपत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रींनत संपत्ति का उधित दाजार मृत्य उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पति-फल. निम्नलिखित उवदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की सम्बत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (च) गुंसी किसी साथ गा किसी धन या अन्य अभिनायों का, जिन्हां भारतीय आयकार मध्यिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंदत अधिमियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 मा 27) क प्रयोजनाथ करारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गत थाया किया अपना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को निए:

1. मैं. उदमीराम फॉल चन्द दा्कान 233 न्यू भाडन मन्धी, हिसार ।

(अन्तरक)

2 श्रीमती कचन अग्रवाल पत्नी श्री सज्जन कामार दुकान नं. 233, न्यं माडल मन्डी, हिसार ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वार्थित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपरित में किल-बब्ध किही अन्य व्यक्तित बवारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्मत्ति दुकान नंz=233 का 1/2= भाग, माडल मन्डी, हिसार में स्थित ही जिसका अधिक विवरण र जिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में , रिअस्ट्री संख्या 2812 दिनांक 20-10-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, राहतक

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण ्रमी, उक्त कीभनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:--

तारीख : 14-6-83

प्रकप वाद⁴. टी. एन. एवा. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन र्जा, रोह्रसक

रोहतक, दिनांक 17 जून 1983

निवोध सं. सोनीपत/111/82-83--अतः मुक्ते, । कार. के. भयाना,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'सकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. एम. 21 का मध्य भाग क्षे. 754 व. ग. है तथा जो इन्डस्ट्रयल एरिया, सोनीपत में स्थित है (और इससे उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दरममान प्रतिकल से, एसे दरममान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाग की बावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बाक्किन में कमी करने या उसमें बचने में मिविधा के लिए; और/या
- (स) ऐमी किमी शय या किसी अन्या अन्य शास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकायनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिनिधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च कर उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों . जर्थात् :---

1 श्री निरन्जन सिंह पूत्र श्री हरवन्स सिंह पुत्र श्रीहरिक शन सिंह नि. ई-3, इन्डस्ट्रीयल एरिया, सोनीपत व्यारा -हरभजन सिंह पुत्र हरबन्स सिंह नि. सोनीपत भाई व मुखत्यार खास।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुवैष अरोडा पत्नी श्रीरमेश कामार पृत्र श्री वीवान धन्द नि. एम.-20 इन्डस्ट्रीयल एरिया, सोनीपतः । 🕚

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे ∡5 दिन की जबकि या तत्त्रात्मन्त्री व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की जविष्य, जो भी बद्धीय बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवासित क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस त्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वं 45 बिन के भीतर उनत स्मानर सम्मतित में हितनव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा जनोहस्ताकारी की पास् लिखित में किए जासकों गे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", बही कर्थ होगा, को उत्तर अध्वाय में विका गया 👫।

वन्स्ची

संपत्ति इन्स्ट्रीयल प्लाट नं. एम. 21 का मध्य भाग क्षे. 754 व. ग. इन्डस्ट्रीयल एरिया सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रोजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रिजस्टीसंख्या 2429 दिनांक 19-10-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

तारीख: 17-6-83

मोहर:

8 —166GI/83

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

्भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन र³ज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 17 जून 1983

निद्येश सं. सोनीपत/112/82-83--- अतः मुभ्हे, आर. के. भयाना,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. एमं. 21 का दक्षिणी भाग को. 749 वं. गं. है तथा जो इन्डस्ट्रयल एरिया, सोनीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 की 16) के अधीन, अक्ट्रबर,

82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्विय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्रीमती चेतन कार विधवा श्रीमती सिमरत कार श्रीमती हुरभजन कार प्रियां श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री हर किंचन सिंह नि. इ-3, इन्डस्ट्रीयल एरिया, सोनीपत।

(अन्तरक)

श्रीमती सृदेश अरोडा पत्नी श्री रमेश कुमार पृत्र श्री दीवान चन्द नि. एम - - 20 इन्डस्ट्रीयल एरिया, सीनीपत ।-

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कीर्यवाहिय करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्निरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, नहीं अर्थ होंगा के उस अध्याय मे विया गया है।

मनुत्त्वी

सम्पत्ति इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं. ए.नं. 21 का दक्षिणी हिस्सा है जो इन्डस्ट्रीयल एरिया सोनीएत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 2430 दिनांक 19-10-82 पर दिया है।

आर के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, रहितक

तारीब : 17-6-83

प्ररूप बाइ . ट्री ,एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक,र आयुक्त (नि**रीक्षण**) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जून 1983

मिवांश सं. सोनीपत/113/82-83--अतः म्फ्रॅं, आर. के. भयाना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. एमं. 21 का उत्तरी भाग को. 738 व. ग. है तथा जो इन्डस्ट्रयल एरिया, सोनीपत में स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, स्थट्बर, 82

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-जिम्मिन के जभीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः अतः जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिविक अधिनयमों, अधीन :---

 भी हरअजन सिंह पुत्र श्री हरजन्स सिंह पुत्र श्री हर कि शन सिंह नि . इ-3, इन्डस्ट्रीयल एरिया, सोनीपता।

(भन्तरक)

 श्रीमती सृबोध अरोडा पत्नी श्री तमेश कुमार पुत्र श्री दिवान चन्व नि . एस . - 20 इन्डस्ट्रीयल एरिसा, सोनीपत । '

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत बन्दरित के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाराः
- (व) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित हुवाय नुभोहस्ताक्ष्मी के पास विवित में किए या सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त क्षम्यों और पर्योका, जो उक्त जीवतित्वक में कृष्णाय 20-क में परिभाषित ही, बहुी कृष होगा जो उस कृष्णाय में दिया प्रमाह ।

मगुजुची

सम्पत्ति इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं. एम. 21 का उत्तरी भाग को. 738 व. ग. इन्डस्ट्रीयल एरिया सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण एजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रिषस्ट्रीसंस्या 2431 दिनाक 19-10-82 पर दिया है।

नार के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक नायकार बायक (निरीक्षण) जुर्जन होज, होहतक

तारीस : 17-6-83

मोहुइ 🖫

प्ररूप आई. टी. एक. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के सभीत स्थान

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक शायक र बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जुन 1983

निवध सं. हिसार/254/82-83---अतः मुभ्ते, आर. के. भयाना, **जायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा यस हैं), 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह किरवास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से आधिक है और जिसकी सं. भूमि 44 कनाल 18 मरले हैं तथा जो गांव बीड, हिंसार में स्थित हैं (और इससे उपाब्धभ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, हिसार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अक्टूबर, 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उफित काजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिकाल को लिए अन्तरिक की गई ही और मूझे यह विकास करने कार कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नस्त्रिकत उक्देच्य से उक्त बन्दरण निविद्धत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/वा
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वा प्रकट नहीं किया गया बा या किया बाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अन्न, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभास (1)-के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिमां, नर्थात् 🖫 श्रीमती स्मेह नता विधवा श्री एेग्री नाल नि. 6 ए. पी: हिसार अब मीहल्ला गुजरान, हिसार।

(अन्तरक)

 श्रीमती अग्नरफी दोवी विधवा श्री चन्द्र भान नि तहसील रोड मौहल्ला नीमवाला के निकट, हिसार।

(जन्तरिकी)

- 3. 1. सर्वश्री चन्द्र भान रघुंबीर सिंह, हिसार,
 - 2. चन्द्रभान सतनारायण, हिसार,
 - चन्द्र भानः ब्लबीर दिलंह
 - चन्द्रभान पवन कुमार
 - चन्द्रभान धर्म मोहन द्वारा त्युवीर सिंह क्लानारायण बलवीर सिंह प्रथम करूमार धर्म मोहन पुत्रान चन्द्रभाम ति. हिस्सार। (वह व्यक्ति जिसके किशिनयम में सम्मित्ति हैं)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

धक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का स 4.5 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा,
- (स) इस स्थान के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुसूची'

सम्पत्ति भूमि 44 कनाल 18 गरले गांक बीक, हिसार में स्थित है जिसका अधिक विकरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रिजस्ट्रीसंस्था 2717 दिनांक 11-10-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख : 17-6-83°

प्ररूप बाहें.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहतक

रोहतक, दिनांक 17 जून 1983

निद्देश सं. हिसार/246/82-83--अतः मुक्ते,

बार. के. भयाना, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

बौर जिसकी सं. प्लाट नं. हैं-42 को. 2850 व. ग. का 1/3 भाग को. 950 व. ग. है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया, पानीपत में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ष बनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अक्टाबर, 82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के ऐसे खश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरिय से उच्चत अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की सासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिक्क में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-मा को, अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री राम बिलास पृत्र श्री साधु राम पृत्र श्री राम गोपाल, नि. सफीवों मन्डी, जि. जीन्य।

(अन्सरक) .

 मं. शान्ति टौक्स्टाइल, इ-42, इन्डस्ट्रीयल एरिया, पानीपक ख्वारा श्री शाम सुन्दर पुत श्री मुलब राज मौगा, म. नं. 378, मांडल टाउन, पानीपत।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अप्रक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की क्षत्रीय या तस्स्वीधी व्यक्तियों पेर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति विक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विक्ति विक्ति
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्तिकारी के पास लिखित में किए जी सकींगै।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संस्पत्ति प्लाट नं . इं-42 क्षे . 2850 ब . गं. क्षां 1/3 भाग क्षे . 950 व गं. इन्डस्ट्रीयल एरिया, पानीपतः में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में , रुजिस्ट्रीसंख्या 4165 विनांक 20-10-1982 पर विद्या है।

> आर. के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक अवकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज, रोहतक

तारीस : 17-6-83

मोहरः

प्रका आहे. टी. एन. एस.----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के मधीन तुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक पायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जून 1983

निदोश सं. पानीपत/254/82-83—यतः मुभी, आर. के भयाना, इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूरण 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट नं. ई-42 को. 3800 व. ग. का 1/4 भाग को. 950 व. गज शोड के साथ हैं तथा जो इन्डस्टीयल

1/4 भाग क्षा. 950 व. गज कोड के साथ है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अरि पूर्ण रूप से वर्णित है),, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 82

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अभारण से हुइ किसी बाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन क्षेत्र दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी काय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उपका अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अभीना, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री लख्मी चम्च पृत्र भी साधु राम नि. सफियों मन्द्री, जि. जींद्र।

(अन्तरक)

 मैं. शान्ति टैक्सटाइल, ई-42, इन्डस्ट्रीयल एरिया, पानीपत व्वास श्री शाम सुन्दर मोंगा पत्र श्री मृलख्यण मोंगा नि. 378 माडल टाउन, पानीपत । (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित को बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है वे 45 दिन की अवधि या तस्त्रवंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की वामील से 30 दिन की वन्धि, जो भी अवधि बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीक वें 45 किन के भीतर जनत स्थानर सम्बद्धि के किन कुष किसी अन्य व्यक्ति इंनारा जभाहरसाक्षरी के पास लिकित में किए जा सकों में।

स्वय्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं सर्थे होगा जो उस ग्रध्याय में दिया पदा है।

नगस्त्री

सम्परित प्लाट नं हैं-42 को 3800 न गण का 1/4 भाग को 950 न ग शेड के साथ इन्डस्ट्रीयल एरिया, पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण, रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्रीसंख्या 3964 विनांक 4-10-82 पर दिया है ।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख ा 17-6-1983 मोहर: प्ररूप बाई० ही। एक एस०----

पायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की छारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जून 1983

निवेश सं पानीपत/235/82-83--यतः मुक्ते, आर. भायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'सन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के अधीन संक्षम शाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- दबये से प्रशिक है मुख्य और जिसकी र्र. प्लाट ने. ई°-42 क्षेत्र 2,850 व. ग. का 1/3 भाग क्षेत्र 950 वर्ग गज है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया, पानीपत में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अक्त्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य संकम के धर्यमान प्रतिकृति के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मुस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्मरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-। मियम के अधीम कर दाने के अन्तरक के बायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिस्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अधीत्:—

- 1. श्री राम करण वास पुत्र श्री साधु राम पुत्र राम गोपाल नि. सफीदों मन्धी जि. जीवं। (अन्तरक)
- 2. मैं. शान्ति टोक्सटाइल, ई-42 इन्डस्ट्रीयल एरिया पानीपत द्वारा श्री शाम सुन्तर मोगा पत्र श्री मृलख राज मोगा, पानीपत म. नं. 378 मोडल टाउन, पानीपत ।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हों।

उन्त सम्मति के पर्यंत के सम्मन्ध में कोई भी साजेप:---

- (क) इन यूचन के राजपत में प्रकाशन की ताराख से
 45 दिन की पंचिंग या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की पंचिंग, जो भी
 पंचिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका
 व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ब) इ.त मूजना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन केशीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिलंबढ़
 किमी 'ग्रन्य व्यक्ति वारा, बोहस्कारीक्ति सम्पति
 के पास लिखिद में किये जा संकेशे।

स्वव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रक्षित्रिय के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस प्रक्र्याय में दिया गया है:

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं. ξ -42 क्षेत्र 2850 वर्ग गण का 1/3 भाग क्षेत्र 950 वर्ग गज इन्ड्स्ट्रीयल एरिया, पानीपत में स्थित ξ जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में, रिजस्ट्रीसंख्या 3965 दिनांक 4-10-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना ेसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

क्षारीहः : 15-6-1983

प्रकल भारू. ही. एन. एस्.-----

मागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहराक, दिनांक 17 जून 1983

निद्येषु सं. पानीपत $\sqrt{247/82-83}$ —यतः मुक्ते, आर. के.; भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परफात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिस्की सं. प्लाट नं. है-42 का 1/3 भाग (2850 व. गज का 1/3 भाग-950 व. गज) है तथा जो इन्ड्स्ट्रीयल एरिया पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिप्यल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

श्री हरीयम गुप्ता गृत साधुराम पुत्र राम गोपाल नि सफीदों मन्द्री जि. जी व बजरियो श्री लक्सी चन्द्र पुत्र साधुराम नि. सफीदों मन्द्री।

(अन्तरक)

 मैं शान्ति टैक्सटाईल, ई/42 इन्डस्ट्रीयल एरिया पानीपत व्वारा श्री शाम सुन्दर मोंगा पुत्र मुलख राज मोंगा म .नं. 378 मोडल टाउन, पानीपत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुक्का के राज्यात्र में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्षर्य होगा जो उत्तस अध्याय में विया गंका है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं. इं/42 क्षेत्र 2850 वर्ग गज का 1/3 भाग क्षेत्र 950 वर्ग गज इन्डस्ट्रीयल एरिया, पानीपत में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रिजस्ट्रीसंख्या 4198 दिनांक 22-10-1982 पर विया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रॉज, रोहतक

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीब : 17-6-1983

प्ररूप आहर्, टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निदोश सं रोहतक/133/82-83--अतः मुक्ते, आर. के. भयाना. कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- एत. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि. $679^{\frac{1}{2}}$ वर्गगज है तथा जो सैनी स्कूल रोड रोहतक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अक्तूबर 1982 को पूर्वोक्त सभ्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य., उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया. प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हु, इंकिसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9—166GJ/83

 श्री हवा सिंह पुत्र श्री कोर सिंह सैनी रा/आफ बाबरा मोहल्ला, रोहतक।

(अन्तरक)

2. श्री एक के कुमार श्री लिलत कुमार पुत्र श्री अमीर सिंह रिज / आफ म. नं. 274 प्रेम नगुर रोहतक ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पक्ति भूमि $679^{\frac{1}{2}}$ वर्ग गज सैनी स्कूल रोड, रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में रिजस्ट्री संख्या 4449 दिनांक 22-10-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, रोहतक

तारीख । 14-6-1983 मोहार । प्ररूप आही. टी. एन. एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निद्या सं. दोहली/54/82-83---यतः मुक्ते, आर. के. भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 2253-33 वर्ग गण है तथा जो गांव हसनपुर (बहाव रगेज़) में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दहली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रथमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- शी गुरब्बन लाल सेठी बलदेव राज सेठी सपुत्र श्री राम दास जे-13/44, राजौद्री गार्डन, नई दिल्ली वीरां पाली पत्नी श्री राम दास सेठी कर्मवीर सेठी पुत्र राम दास सेठी शान्ति देवी पुत्री रामदास सेठी सिता कुमारी पुत्री श्री राम दास सेठी श्रीमती राज कुमारी पुत्री श्री राम दास सेठी 13 ए 125 श्रीमती कुषम लता पुत्री राम दास सेठी डब्लू 1 ईए किराल बाग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 में रधुनाथ इन्डस्ट्रीण 33 मार्डन इन्डस्ट्रीयल एरिया बुहाब रूपढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 2253.33 वर्ग गज हसनपुर बहादुरगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दहें नी में रिजस्ट्री संख्या 1589 दिनांक 18-10-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीस् ।। 14-6-1983 मोहरु ॥ प्रस्पु आहे. टी. एन् एस् ु-=----

भाक्कर मिन्यम् 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के भारति सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज्, रोहतक

रोहतक, विनांक 14 जून 1983

ि निदेश सं्देहली/61/82-83—स्यत्ः मुक्ते, आरः् कें. भयानाः

द्यायकर प्रवित्यमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रविक्तिमम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क्पए से मिक्क है

और जिसकी सं प्लाट नं 40 से 45 पर बनी फैक्ट्रों बिल्डिंग औद्योगिक कालोनी इन्डस्ट्रीयल इस्टेंट नं ।। है तथा जो गांव पल्ला त. बल्लभगढ़ में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-ल्य, बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की बाई है बोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का अवित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान अविफल के, ऐसे दृश्यमान अविफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरत (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे भन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्तिविद्या वहेंग्य से उन्तरण कि जित में वास्त-विक स्वयं से कावत नहीं जिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत उपत अधि-नियम के सबीय कर देने के बन्तरक के बायस्य में कमी करने या तससे वचने में सविधा के विष; भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

 मै. सूडान प्रिन्ट्स प्रा. लि., आर-546 शंकर रोड, न्यू राजेन्द्रनगर, नई दिल्ली द्वारा श्री धन सूडान, मैनेजिंग डायरेक्टर।

(अन्तरक)

सर्व श्री

- 2 1. एन जी. तनेजा पत्र घनश्याम दास तनेजा
 - 2 डी. एन तनेजा पुत्र घनरयाम दास सनेजा
 - होमन्द कुमार, पृत्र कृष्ण कुमार
 - 4 . राज कुमार पुत्र रतन चन्द (माइन्र)
 - 5. चन्दर प्रकाश पुत्र रोशन लाल
 - 6. राधेश कुमार पुत्र जगवीश कुमार (माइनर)
 - 7., अभित कुमार पुत्र अशोक कुमार (माइन्.र)
 - 8. कु. सीना तनेजा पृत्री रतन चन्च तनेजा नि. 7, साउथ पटील नगर, नहीं दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्वावर संपर्ति में हितवड्स किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा ब्योहस्तास्त्री के पाझ निवित में किए वा सकने।

नन्स्वी

सम्पत्ति प्लाट नं 40 से 45 पर बनी फौक्ट्री बिल्डिंग क्षेत्र 7881 3 वर्ग गज औद्योगिक कालोनी जो कि औद्योगिक क्षेत्र नं ।। से जानी जाती है गांव पल्ला त. बल्लभगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बहेती में रिजस्ट्रीसंख्या 1609 विनांक 22-10-1982 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख ा 14-6-1983 मोह्यु ध प्ररूप बाह्रे, टी., एन., एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जून 1983

निविध सं पानीपत/244/82-83---यतः मुभ्ते, आर. के. भयाना, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. नं. 2/3 एक इन्डस्ट्रीयल एरिया है तथा जो पानीपत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीस अक्तुबर, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. में प्रवीप राज टौक्सटाइल पानीपत

(अन्तरक)

2. मी. अलंकार टौक्सटाइलज नं 23, पानीपत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को जबता अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं 23 इन्डस्ट्रीयल एरिया पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्रीसंख्या 4116 विनांक 14-10-1982 पर विया है।

आर के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

ता्रीख् : 14-6-1983

मोहर ः

पृथ्य कार्य : दी. एन्. एव :-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-411004

पूना-411004, विनांक 6 जून 1983

निवोध सं. सि ए/37 ई. ई./83-84/133---यतः। मुक्ते, धशिकांत का्लकणीः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संस्था फ्लैट नं 1 स. नं 17ए फ्लेट नं 21 क्षेत्र 570 स्के. फूट वानवडी पूणे हैं सथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 291 तारीख 15-10-1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से शुर्द किसी जाय की बावत, उपस्थ अधिनियम् के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के सिध; बारि/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विध्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भतः वयः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए के वन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) वे वधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति है—

- मै. महीन्द्राकर आणि एसोसिएटस 616 नाना पेठ पूर्ण-2।
 (अन्तर्क)
- 2. श्रीमती नफीसा फकरुव्वीन आर्ग्यमोहमद बावाजी 10 देवी सोसायटी पवमजी पार्क प्ना-2 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🖫 🗝

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्कें क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेट नं. 1 स. नं. 17ए प्लाट नं. 21 क्षेत्र 510 स्के.) फीट बानवडी पूर्णे।

(जैसे की दिजिस्ट्रीकृत नं 291 ता 15-10-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पुना के वपत्र में लिखा है)।

शशिकात कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, पूना-411004

तारीब : 6-6-1983

मोहर 🖫

प्रकृष कार्च . टी . युन् . एस . ------

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन, रोज, पुना-411004

पुना-411004, दिनांक 31 मई 1983

निवोश सं. सि. ए. एस. /889 एस आर/83-84---यतः। मुभे, शशिकांत कुलकणीं, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एत. से अधिक 📢 और जिसकी सं. मौजे सावेदी सर्वे नं. 25/332/2 प्लाट नं 17 तालुका अहमदनगर है तथा जो जिला अहमदनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुप्यम निबन्धक अहमद-नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-11-1982 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपसमान प्रतिफल से, एसे रूपसमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिमयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

इन्द्र के कथित नहीं कियायगाहरू—

(च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम था भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति हिसी व्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था वा विभा जाना चाहिए चा, किया स्वा को निए;

ब्दः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-क के अनुवरक भीं., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-के की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- पूजा इन्वेस्टमेन्ट के भागीवार श्री किशोर दामोदर रजाविकर गंज्याजार, अहमदनगर।
 (अन्तरक)
- 2 वसंत हिरिभाजः सोमणी राहाणी रोड अहमवनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्षन के किए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तक्ष्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुसा है।

अनुसूची

मौजे सावेदी सवे नं. 25/332/2 प्लाट नं. 17 तालुका और जिला अहमदनगर जिसका क्षेत्र 500 स्क्बे फीट है। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 3541 तारीख 4/11/82 को दुप्यम निवन्धक/अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, पुना-411004

तारीख : 31-5-1983 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

पूना-411004, विनांक 20 मर्च 1983

निवश सं. सि ए 5/134 37 ई ई./1983-84—यतः मुफ्ते, शिक्षकांस कुलकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- क. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट नं. 2 राजिकरण अपार्ट मेन्ट्स प्लाट नं. 86 स. नं. 50-52-53 ए. वालंबेकरनगर पुना 9 हैं तथा जो पुना 9 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर (निरीक्षण) अर्जन रंज पुना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नं. 467 ता. 23-11-82 को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृवेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से ऐसे खर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं हि——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दौने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मेसर्स चोपरा कनस्ट्रकशन 245 नारायण पेठ पूना 30 (अन्तरक)
- 2. श्री केदार काश्विनाथ वलवी फ्रेन्डस अपार्टमें स प्लाट नं. 85 वालशेकर नगर पुना 9 । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं. 2 प्लौट नं. 86 स. नं. 50 52 53 ए. वालवे-करनगर क्षेत्र 458 स्के फीट राजिकरण अपार्ट में टस पुना 9 ।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 467 ता. 23-11-1982 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज पुना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत क्रूलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-411004

तारीब ः 20-5-1983

प्रकृष अनुरं टी. पुन्. पुन्. =-----

भायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मुधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सञ्ज्ञायक आयकर आयुक्त (निर्जीक्षण) अर्जन रंज, पुना-411004

पूना-411004, दिनांक 20 मध 1983

निवेश सं. सि ए 5/136 37 ई ई /83-84—यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकणीं, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रतः से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट नं. 4 आयडीयल कलौनी प्लौट नं. 67 सं. नं. 129 काँथसङ क्षेत्र 900 स्के फीट पुना है तथा जो पुना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पुना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार

मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दर्थ से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उप्धारा (1) भी अधीन, निम्निशिक्त अधिनियम, क्षेत्र क्षेत्र हैं—

- मों ममता बिल्डर्स 1523 रविवार पेठ पुना 2 । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती अशालता गुलाबराव अहीरकर आदर्श कालौनी रिमांड होम के पास अकाणा जि. अकाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लेट नं. 4 आयडीयल कालीनी प्लाट नं. 76 सर्वे नंबर 129 कमला आपर्टामेंटस क्षेत्र 900 स्के. फीट पुना ।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 343 ता. 11-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पुना के दफ्तर में सिसा है)।

शक्तिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, पूना-411004

तारीख ः 20-5-1983

मोहर 🗵

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्कर (निरीक्षण) अर्जन रेज, प्ना-411004

पुण-411004, दिनांक 1 जून 1983

निर्वोश सं. सि ए 5/903 एस आर/83-84--यतः मुक्ते, शशिकान्त कलकर्णी,

कायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमे**ं इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक ह^रे

और जिसकी सं. सौजे नागापुर सर्वे नं. 142/4 ए ताल्का अहमदनगर ही तथा जो जिल्हा अहमदनगर में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रीज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यम निबंधक अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 4-2-1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिकल से एसि दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया . प्रतिफल, निम्नलिकित उद्घेष्य से उवत अन्तरण निस्थित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (य) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, अकत अधिनियम की धररा १६०-घं की उपधारा (1) भे अधीस निकारियित थ**ितार्यों, अर्थात् :--**-

10 ---166GI/83

1. श्री रायमाउन लक्ष्मण छाते।र रा. नागाप्र ताल्का जिला अहमवनगर । '

(अन्तरक)

2. श्री शाशिकात हिरालाल मुशा गणेशवाडी, गोड अहमदनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बब्ध किसी अन्य न्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजे नागापुर सर्वे नं. 142 🕰 ए, ताल्का और जिल्हा अहमधनगर जिसका क्षेत्र 76 आर है।

(अभे की रिजस्ट्रीकृत चिलेख क. 428 तारीच 4-2-83 को दुप्यम निबंधक अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कालकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, पुना

तारीख: 1-6-1983

प्ररूप जार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जा. 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड. प्ता-411004

पुना-411004, दिनांक 1 जुन 1983

निवर्षेश सं. सी. ए. 5/37 **इंड**/83-84--यतः मुभ्ते, शशिकात कलकणीं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी दो गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य

25,000/- एः. से अधिक ह[ै] और जिसकी सं फ्लैंट और द्कान क्षेत्र 4375 स्के. लक्ष्मी बलवेन चेंबर्स सी. स. नं. 1170/3 फायनल प्लौट नं 542, 872, 872/3 जंगली महाराज राष्ट, भांबर्ज, पूना-411005 ही तथा जो पूना-5 में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण), वर्जन रॉज, पूना मों., रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय 4-12-82 नं. 2760 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके स्त्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का **पन्त्रह प्रतिशतः** से अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल मिम्निलिखित उद्यदेश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्रं की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और∕या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 .(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) मेंसर्स श्री कनसलटन्स आर्ण इंजीनियर्स 773/5 डिकलन जिम्लाना, पुना-411004, श्रीके. डी. राजोपाध्ये और श्री के. सी. पटवंकर

(अन्तरक)

(2) 1. पटवेकर टांटेलस प्रायवहोट लिभिटेड, प्लाट नं. 11, बाम्बे पुना रोड, को. आपर टिव हाँसिंग सोसायटी, पुना-3 2. दी रूपी करे. आपरोटिव बैंक लिमिटोड, 353/1 नारायण पेठ, पण-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कृरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना को राअपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्द्रभ किसी अन्य स्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धतिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित -हुर्व, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यान में विया गया है।

अभूस्ची

फ्लैट और दुकान क्षेत्र 4375 स्के. फीट लक्ष्मी बलवंत चेंबर्स सी. स. नं. 1170/3 फायनल प्लोट नं. 542, भाव्छी, 872, 872/3 जंगली मटाराज रोड, 411005

(औस कि रिजस्ट्रीकृत नं. 2760 ता. 4-12-82 के सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना के क्फ्तर में लिखा हैं)।

> शशिकात कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

सारीस : 1-6-1983

प्ररूप गाइ.टी.एन्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 60/61 एरंडवना, कर्बे रोड, पूना-411004

पुना-411004, दिनांक 28 मर्झ 1983

निद³श सं. सी. ए. 5/37 इंद/83-84—यतः मुक्ते, शिकांत कालकणीं,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं. प्लैट नं. 7 बूसरा माला सि. स. नं. 290/1 अभावार पंठ, आशा को. आपरोटिव हाँसिंग सोसायटीं लिमिटांड, क्षेत्र 937 स्को. फीट, पूना-2 हाँ तथा जो पूना-2 मों स्थित हाँ (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हाँ), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी की कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना मों, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन, तारीख नं. 133 18-4-1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कृमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तिर्ति ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिल्हें;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मेसर्स बभटमला कांसीलाल एण्ड सन्स 280 रिनवार पेठ पूराना, नया 1671 शुक्रवार पेठ, पूना।

(अन्सरक)

(2) श्री गुलाब खांडवें 901 शुक्रवार पंठ, प्ना-2

(अन्तरितौ)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्प्रविक्षणण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लंट नं. 7 दूरुरामाला जि. स. नं. 290/1, शूक्रवार वि., आशा को. आपरोटिव होसींग सोसायटी, क्षेत्र 937 स्के. फीट, पुना-2

ं (जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं. 133 ता. 18-4-1983 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना के दफ्तर में लिखा **है**।)

> शिषकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

सारी**ख** : 28-5-1983

माहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र^{र्}ज, 60/61 एरंडवना, कर्यों रोड, पूना-411004

पुना-411004, दिनांक 25 मर्श 1983

निवर्भेश सं. सी. ए. 5/37 हर्दि $^{\prime}/83-84$ ----यतः मुक्ते, शशिकांत कलकणी,

आयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/ रह. से अध्यक है

और जिसकी सं पलैट नं सी, दूसरा माना फ्लैट नं 1, सं नं 30/2 सिताराम अपार्टमें दस, क्षेत्र (1300 स्के फीट) एरंडवना, पृणे-4 हैं तथा जो पूना-4 में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 362 तारीख 10-11-1982

को पूर्वोक्त रम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तस्ते अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-~

(1) में. ताम्हणकर आणि भावें 581 सदाशिव पेठ, . पुणे।

(अन्तरक)

(2) अं अनुहम 8 गोल्ड कारनेट, नौरांजी कामाडीया रोड, ं बंबई 400026

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसन में किए जा सकी ने

स्थव्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं. सी, दूसरा माला प्लाट नं. 1 सं. नं. 30/2 क्षेत्र 1300 स्कें. फीट सीताराम अपार्टमेंटस **एरंडवणा,** पुना-4।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं. 362 ता. 10-11-1982 कीं सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना कें दफ्तर में लिखा है।)

शिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन र्रज, पूना

गरी**ख**ः **25-5-1**983

प्ररूप पाई० टी• ध्रन० व्य•-----

आंसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 3 जून 1983

निर्वोध सं. सी. ए. 5/37 ईई/83-84—यतः मुफे, शिकांत कालकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को बारा 269-ख के अधीन तम्रम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ से प्रधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 302 बिल्डिंग नं. 1, 1/डी बी. जं. रोड, तीसरा माला, पूना-1, क्षेत्र 871 स्के. फीट है तथा जो पूना-1 में स्थित है (और इसमें उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, पूना मों, रिजस्ट्रीकरण आधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 515 तारीख 27-11-1982

को पूर्वोक्त समर्गत के उजिन बाजार भूल्य संकम के धूम्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित् का उजित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का प्रश्नह अतिष्ठत से प्राप्तिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अम्बरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निये तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उज्जत प्रान्तरण निज्ञित में बास्तिक कर से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहिनयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तरिती शारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के आए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं. लडमार्क कन्सट्रक्शन सूरेखा अपोर्टमेंटस, सातारा रोड,, पूर्ण-9.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंघा चितरंजन सिरसट और चितरंजन अकारकजी सिरसट, बोनों का पता 934/35/ए शिवाजी नगर, पूर्ण-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचनाक राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्ववदीकरण :--इसर्पे राष्ट्रन मन्द्रां और पक्षों का, जो उक्त अक्षिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचाणित है, तक्षों अर्थ होगा, जो अस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

्रिपलैट नं. 302, बिल्डिंग नं. 1, 1/7 बी. जे. <mark>रोड,</mark> सीसरा माला, पुना-1, क्षेत्र 871 स्के. फीट।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृस नं . 515 ता . 27-11-1982 को सहत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारी**ल** ः 3 6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज,

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पुना-411004, दिनोक 30 मर्ड 1983

निर्देश सं. सी. ए. 5/37 ईई $^{\prime}83-84---$ यतः म्फे, शशिकांत कुलकर्णीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिस्का उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 410, कं. पी. टावर 1., प्लाट नं. 2, हिस्सा नं. 8, सर्वो नं. 17-ए, वानवडी, पूना-1 है तथा जो पूना मों स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना मों, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं 205 तारीक 0-11-1982

के अधीन, नं 305 तारील 9-11-1982
को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिशित उद्योगों से उक्त अन्तरण लिशित

में नास्तविक रूप से कशित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

(का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्ग परमार कनस्ट्रक्शनस, 321/3 न्यू टिवर, मार्केट रोड, प्ना-2

(अन्तरक)

(2) श्री विरदे क्मार शर्मा 100 कृष्ण क्रुज, पुलगट, प्ना-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं. 410, के. पी. टावर-1,, प्लाट नं. 2, हिस्सा नं. 8, सर्वे नं. 17ए, वानवडी, पूना-1 (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं. 305 ता. 5-11-1982 को

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉफ, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकात क्लक**र्णी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{*}ज, पूना

ना्रीम : 30-5-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 20 मई 1983

निवाँश सं. सी. ए. 5/37 इंड्र 83-84—यतः म्फे, शशिकात कालकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उज्जित बाजार मल्य

25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लैट नं 9, प्लाट नं 31, सं नं 129, अगरडीयल कालोनी काथरुड, क्षेत्र 635 स्के. फीट ही तथा जो पूना-29 में स्थित ही (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रोज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 283 तारील 2-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त आधानयम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मे. ए. व्ही. मुले आणि कंपनी, 1141 शिवाजी नगर, फरम्यमन कालेज संख, पूना-16

(अन्स्रक)

(2) श्री विनय नारायण दास धून बी.-7 झोलम हासींग मोसायटी, शिलाविहार कालोनी, कर्वे रोड, पुना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की हारी सं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 9, प्लाट नं. 31, स. नं. 129, आयडीयल कालोनी, कोथरूड, क्षेत्र 635 स्के. फटि।

(जैमे कि रिष्ट्रिकृत नं 283 ता 2-11-1982 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में निखा है।)

शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पुना

तारीख : 20-5-1983

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन,रोज, पूर्ण

पूर्ण, विनांक 1 जून 1983

निदर्श सं. सि. ए. 5/902/एस. आर./83-84--यतः मुझ्, शशिकांत कृलकणी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ का से अधिक है

और जिसकी मं. सर्वों नं. 62, हिस्सा नं. 9/1 जी बी पाधरली, सिटी सर्वों नं. 10356 से 10359 डोंबिवली, तालुका कल्याण ही तथा जो जिला ठाना में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपमें विणित ही), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक कल्याण में, रिजिस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-1-1983

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के क्ष्यगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के वीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण शेष्ट्राई किसी आय की बाबत, सकत अधिनियम के अभीत कर दीने के अन्तरक के दांबिस्व में कभी करने या उससे क्ष्मने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, व्हिपान से स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री नारायण गंगाराम प्लकर,
 - (2) श्रीभिती इंदुमती नारायण फुलकर, श्री साई निवास, संत नामदेवे पथ डोंबिवली (ईन्ट), जिला-ठाना।

(अन्तरक)

 श्री रामचन्द्र बसप्पा होब्बली, मावित्री निवास, कंल्याण रोड, हॉबिवली (ईस्ट) जिला-ठाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, धो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पृविकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्थित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा हैं।

अनुसूची

सर्क्षेनं 62, हिस्सानं 9/1, जी बी पेथरली, सीटी सर्वे नं 10356 से 10359 तक डॉबिवली, सिटी सर्वे तालुका कल्याण जिला-ठाना, (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 23 तारीख 4-1-1983 द्यस निबंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकात क्लकणी सक्षम प्रधिकारी सहायक आक्कर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, पूना

तारीखः 1-6-1983

भोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूणे

पूणे-411001, विनांक 23 मर्द 1983

निवर्षा सं. सी ए 5/894/37-जी./1983-84---यतः शशिकांत कलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिस्की सं रि. स. नं 40/2 जो क्पवाड ता. मिरज जिला सांगली है तथा जो क्पवाड ता. मिरज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिरज ।। में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टाबर 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एहे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वार अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिबत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 11—166GI/83

- 1. (1) श्री गंगाधर शिवापा काष्टी
 - (2) रमेश शिवापा काष्टी
 - (3) प्रभाकर शिवापा कोष्टी
 - (4) सुधाकर शिवापा कोष्टी
 - (5) स्भाषचन्द्र लिंगायस काष्टी,
 - (6) शरदचन्द्र लिंगायत कोष्ठी मभी कपुषवाड ता. मिरज् जिला सांगली के निवासी

(अन्तरक)

श्री सुधीर धत्तात्रय जोशी
चिफ प्रमोटर
नियोजित उत्कर्ष को-आप-हाँसिंग सोसायटी
मिरज, जिला सांगली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जो रि. स. नं. 40/2 कपुषाड ता. मिरज, जिला सांगली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 3 हैक्टर 48 आर है। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख कमांक 1676 अक्टूबर 1982 में सब रजिस्ट्री अधिकारी मिरज ।।। के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

ता्रीब : 23-5-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आर्ध्-.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, प्णं

पूर्ण-411004, विनांक 24 मर्घ 1983

निद[®]श सं. सी. ए. 5/897/37-जी/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं. खेती की जमीन जो गट नं. 123 और गट नं. 125 निलगव्हाण ता. मालेगांव मों स्थित हैं (और इससे उपा-इद्ध अनुमूची मों और पूर्ण रूपमें वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय मोलेगाय मो, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-10-1982 को पूर्वेक्ति संपत्ति के उत्तित बाजार मृल्य से अम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मभे यह निश्नास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेकित संपत्ति का उत्तित बाजार

का पूर्वाक्त सपारत क जिल्ल बाजार मृत्य से कम क इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह पिश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का जिल्ल का पन्स , उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्स गित्रिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय का बाबत जक्त प्रधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में मुविद्या के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्सरण में , मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) श्री गोविन्द महादोव दुसाने तिलक रोड, मालेगांव,
 - (2) श्री वसंत एकनाथ मगर कलवनकार गली, मालेगांव।

(अन्तरक)

- 2. अलंकार एस्टोट कारपोरोशन के भागीदार
 - (1) प्रकाशचन्द्र सुखलाल जैन मोहनपीट गली, मालेगांव
 - (2) विजयसव केशरीचंद महता
 - 60, गुरबार, मालेगांव जिला. नासिक । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्रोती की जमीन जो निलगव्हाण, तार मालैगांव जिर नासिक मों स्थित है। जिसका गठ नं 123 क्षेत्रफल 9 है 10 आर और गट नं 125 2एच 62आर है।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख कमांक 4439 ता. 1-10-82 को सब रिजस्ट्रार मालगांव के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना

तारील: 24-5-1983

प्ररूप आह^र. टी. एन. एस.-----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, एरणाकालम

कोच्चिन-16, दिनांक 16 जुन 1983

निव^{र्}श सं. एल. सी. 636/83-84---यत: सुभी, पी. जे. तो मासकटी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर् इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जि. भकी सं अनुसुची के अनुसार है तथा जो एरणाक लम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणा-कालम में भारतीय रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-10-1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गर्इ हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके द्भयमान प्रतिकल, से एसे दभयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उधदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिन व्यक्तियों, अर्थासु:--

(1) त्रिपश सन्दरि अम्सा।

(अन्तरक)

(2) श्री तरिथल जोश्ज

(अन्तरिती)

को यह गुचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतः हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र ये प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमी प्राप्ता धार्की और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

25.250 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 3942/82 of SRO Ollukkere.

पी. जे. तोमासकटी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, एर्णाकलम

तारीख : 16-6-1983

प्ररूप मार्चे टी. एन. एस. ४ - - ---

जायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 8 जून 1983

निर्दोश सं. एल. सी. 638/83-84--यतः मुक्ते, पी. जे. तोमासकुटी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्को एक्काल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाक लम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणा-क लम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हुइ किसी भागकी वाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) मरीथमा

(अन्तरक)

(2) श्री बाबु सी. जोरज

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

4 acre 49 cents as per schedule attached to Doc. No. 3306/82 of SRO Ernakulam.

पी. जे. तोमासकुटीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन र्राज, एर्णाकुलम

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों। जनति ६——

तारीस : 8-6-1983

मोहर 🔅

प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एस -----

(1) एनः श्रीधरन

(अन्तरक)

(2) डा. वी. प्रसन्ता

'(अन्त*ि*रती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 14 जून 1983

निवर्षा सं. एल. सी. 640/83-84---यतः मुक्ते, पी. जे. तोमासकटी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाक लम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणा-क लम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1982

का 16) के अधान, तारील 14-10-1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक खप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय अयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— को यह स्वता भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अससची

7 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 3352/82 of SRO Ernakulam.

पी. घे. तोमासकुटीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज, एरणाकुलम

त्रारीबं: 14-6-1983

मोहर

१८४ इ.इ. टो. एन. एस.-----

भागुकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 जून 1983

निदोश नं. ए. पी. न. 4375—यतः मुक्ते, जो. एल. गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैन नगरी, अबोहर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनस्वी में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहाहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसीं आयु की वाबत, उपत जिभीनयम के जभीन कर देने के जुन्तरक औं दायितन मों कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती सावित्री देवी पक्ष्मी ईश्वर चन्द वासी अनंद आश्रम, वसत गली, सड खडी, हरव्वार (यू. पी.) (अन्तरक)
 श्री हरमेश कुमार, मोहन लाल सपत्र श्री किशारी

. श्री हरमश कुमार, मोहन लाल सपृत्र श्री किशारि चन्द, गली नं. 1, जैन नगरी, अबोहर । (अन्तरिनी)

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 में हैं।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में ठिनि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्यान के सम्बन्ध में कोई शक्षेप्र-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है

अनुसूची

सम्परित तथा व्यव्ति । श्रीसा कि शिलेख नं. 487 दिनांक मई, 1983 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, जालन्धर

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, अवत अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारी**व** : 14**-**6-1983

प्रस्प बार्ष, दी. एन. एस. - - = =--=

आय्फर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 जून 1983

निद्रोश नं. ए. पी. न. 4376—यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैन नगरी, अयाहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्य-लय अबोहर में रिजस्ट्रीकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक मई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये;

- श्रीमती साधित्री देवी पत्नी ईविवर चन्द वासी अनंद आश्रम, वसंत गली, खड खडी, हरद्वार (यू. पी.) (अन्तरक)
- 2. श्री गोपाल कृष्ण पुत्र देस राज गली नं.1, जैन नगरी, अबाह्यर ।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 में हैं।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ,रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 488 विनंक मर्द, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

अतः अब उक्त अिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निविख्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीम : 14-6-1983

प्ररूप आहर् . दी . एत्. एस् , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्थर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1983

निवंश नं. ए. पी. नं. 4403 से 4405 तक—यतः मुक्ते, घे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

आर जिसको सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव नागरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त , निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्त-विक कप से कृष्टित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा की लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा को लिए;

जतः जज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नस्थिक व्यक्तियों, अधीत् रू~-- श्री निरमल सिंह पृत्र संता सिंह वासी गांव नागरा तहसील जालन्थर ।

(अन्तरक)

2. वी जालन्धर प्रोग्नोसिय कोपरोटिय हाऊस बिल्डिंग स्कायटी लि. जालन्धर द्वारा सतीच कुमार चौपड़ा सकेटरी आफ वी स्कायवी को; लक्ष्मी स्कार, कलाथ मरचैन्ट जाऊरा गेट जालन्धर।

(अन्तरिती)

औसा कि उत्पर नं. 2 में हैं।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेत्र :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन जो गांव नागरा में स्थित हैं जैसाकि विलेख नं 6566, 6623, 6611 दिनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता विधिकारी जालन्थर में जिल्ला गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारील : 14-6-1983

मोहार :

त्रकप आहें.टी.एन्.एस.,-------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के अधीन सृप्तना

भारक सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1983

निदेश नं. ए. पी. नं. 4406 और 4407 -- यतः सभी, जो. एल. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव नागरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनस्ची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक जनवरी 1983

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से जक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्रस अधि-नियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थे, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखीत व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री जागीर सिंह पुत्र शाम सिंह वासी गांव नागरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दी जालन्धर प्रोगृंसिय कोआपरोटिय हाउउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटांड जालन्धर द्वारा श्री सतीक कुमार चोपड़ा सेकेटरी आफ दी सोसायटी को / लक्ष्मी स्टोर, क्लाथ मरचेन्ट जाउउरा गेट जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**द्**ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन जो गांव नागरा में स्थित है। जैसा किविलेख नं 6565 और 6610 दिनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंग, जालन्धर

तारीव : 14-6-1983

भोहर:

प्रका भादा . टी. एन्. एस. ----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1983

निद्देश नं. ए. पी. नं. 4408--यतः मूक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा की अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव नागरा में स्थित हैं (और इससे उपावत्ध अक्तेसची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्थर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1098 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरीं 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजर मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्स्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्योक्तयों, अर्थात् ः— श्री मोहिन्द्र सिंह पृत्र शाम सिंह वासी गाँव नागरा तहसील जालन्धर ।

(अन्सरक)

2. दी जालन्धर प्रोग्नैसिय कोआपरोटिव हाउन्स बिल्डिंग सोसाईटी निमिटेड, जालन्धर द्वारा श्री सती क् कामार चोपड़ा सकेटरि आफ दी सोसायटी को. लक्ष्मी क्लाथ मरचेन्ट जाउन्तरा गेट जालन्धर ।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्तपर नं 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजीच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्वभ हैं)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में को हैं भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पः सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो ... अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस , 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्धे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं होगा जो उस अध्याय में दिय गया **ह**ै।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन जो गांव नागरा में स्थित जैसा है। विलेख नं 6571 विदाक जनवरी, 1983 को रिजस्ट्रीकत अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधः सक्षम प्राधिकारं सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) - अर्जन रॉज, जालन्धः

नारीख : 14⁻-6-1983

माहर:

प्रसम् भार्षं .टी .एन् .एस् . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मई 1983

निद्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1838--यतः मुक्ते, शहेन सिंह,

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा .69- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का जरण है कि स्थानर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/ रु. से **अधिक हैं** तैर जिसकी सं. मकान नं. 393 है तथा जो करोली में स्थित तै, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित तै) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करोली में रीजस्ट्रीकरण विधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10

वम्बर 1982

जो पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास उन्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिइन, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ।।स्तिष्क रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई फिली बाब की बाबत, उच्छ अधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीत गाम्कार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री किशन चन्दर पाल पुत्र श्री सुरोन्द्रपाली, करोली। (अन्तरक)
- 2. श्री होमराज पुत्र श्री मांगी लाल, करोली। (अन्तरिती)

का यह स्थाना आरी करके प्यांक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्ति हों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के
 गास निवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियमः के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी विया गया है।

मन्स्ची

मकान नं 393, मोहल्ला चाँधरीपाडा, कराली जो उप पंजियक, करोली द्वारा दिनांक 10-11-1982 पर पंजिबद्ध विकास पत्र में और अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेथ, जयपुर

तारीय : 11-5-1983

प्रकृप नाह्ं. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिक्यम, 1981 (1981 का 43) की बार 269न(1) के समीत सुचना

भारत सरकार

कार्बालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपूर, दिनाक 11 मई 1983

निव श सं. राज /सहा. आ. अर्जन / 1839 — यतः मुक्ते, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थापर प्रस्तित । प्रशंस ६ एत । जाल गृत्य

25,000/ रा. में अधिक हैं
और जिसकी संख्या मकान नं. 393 है तथा जो कखेली में
स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करोली में,
रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-11-82
को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुके यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिकक
रूप से किथत नहीं किया गया हैं :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्यम के अभीन कार दोने के बन्तरक के -दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/भा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों का, जिस्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुन्यिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री किशन चन्त्रपाल पुत्र श्री सुरोन्द्र पाल जी, करोली (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कमल देवी पत्नी श्री मांगीलाल, करोली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्विक्ताों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

मकान नं. 393 मोहल्ला चृषिरीपाडा, करोली जो उप पंजियक, करोली द्वारा दिनांक 10-11-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणीय हैं।

> मोहेन सिंहें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, जयपुर

तारीख : 11-5-1983

प्रक्रम कार्यः द्वीः एनः एकः ---

भाक्कर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

(निरीक्षण) कार्यासय, सहायक भायकर भायुक्त अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर दिनांक 11 मई 1983

निदश सं राज /सहा आ अर्जन/1836--- म्रो म्रो,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), को 269-ल के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~रत. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 393 है तथा जो करोली (जि. सवार्ड माधपुर) में स्थित है (और इसमें उपाबस्थ अनुमुषी में और पूर्ण रूप से वर्षिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के .कार्या-लय करोली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 नवम्बा 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्रेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रहप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविषक्ष क्य से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उचत अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/शा
- (व) ऐसी किसी बाच गा किसी भन वा क्या बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन **कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के** प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अस्त: अस्त, जन्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अमृसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा[°] (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

- श्री किश्वचन्द्र पाल पुत्र श्री सुरोन्द्रपाल जी, करोली, (अन्तरक)
- श्री देवराज पुत्र मांगीलाल, करोली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अदिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्स क वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं 393, मोहल्ला चिधिरीपाडा, करोली जिला सवाई माधोपुर जो उपपंजियक कराली द्वारा कम संख्या विनांक 11-10-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह प्राधिकारी सक्षम सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जा, जयप्र

तारीष ः 11-5-1983 मोहर् 😗

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मई 1983

निद्धाः सं. राज /सहाः आ अर्जन/1837--यतः मुफे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात्. 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसको सं. मकान सम्पत्ति है तथा जो करोली मो स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करोली मों रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की आयत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मं सूर्विधा के लिए; अरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री किशनचन्द्र पाल, पुत्र श्री सूरन्द्रपाल जी करोली। (अन्तरक)
- 2. श्री गिरराज पृत्र मांगीलाल, करोली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय-20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

मकान नं 393, मोहल्ला घोधरीपाडा, करोली, जिला सवाई माधापुर जो उप पंजियक, करोली द्वारा क्रम संख्या दिनांक 10-11-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणिस हैं)।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जयपूर

तारीख : 11-5-1983

मोहर 🙄

प्रकृष् आहूर्य, दी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भाग 269-ष् (1) के अधीन सृष्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हीदराबाद अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 मर्ह 1983

निविश मं. राज./सहा. आ. अर्जन/1827--यतः म्भे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कोरण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार म्ल्य 25,000/- रतः से अधिक है और जिसकी सं. भूमी है तथा जो उत्तयपुर में स्थित है (और

इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम् 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2

नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहे प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, शिम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनीयम की धारा 269-ग कें, अन्सरण , गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री सामन्त कुमार पुत्र श्री गांवर्धन लाल भट्ट

(अन्तरक)

2. श्री ड्रंगर सिंह पुत्र दोवीलाल सामर 390, भूपाल-प्रा, उदयप्र।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृच्ना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाव्य सम्पत्ति में हितबबुधः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शुब्दों और पदो का, षा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया

अनुसूची

भूमि 5925 वर्गफुट सम्पतराम की बाडी, कालाजी गोराजी के पास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2291 दिनांक 2 नवम्बर, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणीत है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयप्र

सारीख : 10मई 1983

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपूर

जयपूर, विनांक 10 मई 1983

निदोश मं. राज./सहा. आ. अर्जन/1826--यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और . इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ,रजि- स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-

कौ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्टं है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचये में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुत्रिधा के लिए;

- श्री ज्याक मार पृत्र श्री गांवर्धन लाल भट्ट, उदयपुर। (अन्तरक)
- 2. श्री डूंग्र सिंह पुत्र श्री देवी लाल सामर, 390, भूपाल पुरा उदयपर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक् में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

भूमि 5062 वर्गफुट जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2596 विनांक 15-12-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

अत:, अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में . उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

सारील : 10-5-1983

प्रकप माई• डी• एन• एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा **269-ष(1) के ग्रजी**स सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 मई 1983

निवोध सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1882-ू-यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

आयकर धिवित्यम, 1961 (1961का 43) (जिमे इसमें इसके प्रवात, 'उन्द किश्चिम' कथा गया है), की बारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 43/3 है तथा जो अजमेर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-11-1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई हैं और मूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, समके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से कवित वहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. श्रीटहल बुलानी, एडवॉकेट, डिग्गी चौक, अजमेर। (अन्तरक)
- श्री राजेशचन्द्र पृष्ठ स्वर्गीय श्री श्रीलाल जेठानन्द्र निवासी अजगर।
 (अन्सरिती)

को प्रह स्थना जारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के प्रवीन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीन कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में कि एजा सकांगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस्तु अध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

भूमि 630 वर्गमीटर बियरिंग नम्बर 43/3 स्थित सिविस लाइन्स, अजमेर जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा क्रम संख्या 3616 दिनांक 2 नवम्बर, 1982 पर पंजिबब्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हो ।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अयपुर

त्त्र**ीख** : 1**7-5-1**983

मोह्य 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राजः, जयप्र

जयपुर, दिनांक 7 जून 1983

निद्दोश मं. राज./सहा. आ. अर्जन/1897--यतः मृक्षे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो उदयप्रवाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयप्रवाटी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13 विसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. श्री परमेष्वरीलाल पुत्र स्वर्गीय तनसुवराम बसवाल, मुकन्दगढ द्वारा मुस्तार श्री भागीरथ, मदनलाल, श्यामश्रसाद एवं राजेन्द्र पुत्रान श्री बसंतलाल म्रारका मकन्दगढ ।
- (अन्तरक)
 2. श्रीमती द्रोपदी देवी परिन श्री ग्यामसृन्दर, ए-131,
 सिरांतियासदन नेहरू नगर, बस्सी सीतारामप्रा,
 जयपुर एवं श्रीमति भाषा बैंबी परिन श्री गंगासिशनटीवडवाला द्वारा मैसर्स रामस्यरूप भगवतीप्रसाद पोस्ट
 मुक्तन्दगढ़ जिला झंझनु।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जतसंची

प्लाट आफ लैण्ड, वार्ड, नं. 13, नगर परिषद सीमा, मुझन भो उप पंजियक, उदयपुरवाटी द्वारा क्रम संख्या 509 दिनांक 13-12-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 7-6-1983

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1983

निद्धेश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1898--यतः म्फे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र र से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो उदयपुरवाटी में स्थित है, और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप सं विजित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः :-- श्री दवारका दास पुत्र श्री पोंकरमल महाजन निवासी ग्राम क्रमावास मुकन्दगढ़ के पास ।

(अन्सरक)

2. श्री श्रीकिशन पोरवाल पुत्र श्री मुस्तीधर पोरवाल मुकन्दगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सत्त्र की

आपन प्लाट आफ लण्ड स्थित ग्राम प्रवाना जो उप पंजियक, उदयपुरवाटी द्वारा कम संस्था 572 दिनांक 31-12-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन हुफ, जयपुर

तारीम : 7-6-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अत्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि., जम्पूर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1983

निविश सं. राज /सहा आ अर्जन /1899--यत: मुक्ते, मोहन सिंह,

भायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् धाकतः मिधनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट आफ लेंग्ड है तथा जो उदयप्रवाटी में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुरवाटी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य सं उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) नंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

अंतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रीमती गायत्री देवी परिन श्री द्वारकावास 'निवासी कूमावास मुकन्दगढ़ के पास ।

(अन्तरक)

 श्री बाबूलाल पोरवाल पुत्र श्री श्रीकिशन पारवाल, मुकन्दगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जोपन प्लाट आफ लैण्ड स्थित ग्राम पद्माना, मुकन्दगढ़ के पास, जो उप पंजियक, उदयपुरवाटी द्वारा क्रम संख्या 571 दिनांक 31-12-1982 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में और विस्तृत रूप से विविणित हो।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारील : 7-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्थन रेथ, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निद्या सं राज /सहा आ अर्जन/1907--यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की श्वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं मकान सम्परित है तथा जो जोधपुर मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर मं रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय 6 दिसम्बर 1982

को पूर्वीक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत घक्त अग्निनयम के प्रश्लीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के शिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी वन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या या किया जाना चाहिए वा क्रियाने में सुविधा के सिए;

धतः वयः, उक्त विविविषयं को बारा 269-व के धन्सरव वें; में, उक्त विविविषयं की बारा 269-व की उपधारा (1) के ध्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात् :--- श्री चान्दमल राठाँड पृत्र श्री शरमल राठाँड, शास्त्री नगर, जीधपुर ।

(अन्तरक)

2 श्री मदन लाल (2) केवलचन्द (3) पुखराज (4) श्रीचन्दमल पुत्रान श्री कुन्दनमल आसवाल, सी-37, शास्त्री नगर, जोधपुर।

(अन्तरिती) के कर्जन के लिए

को यह सूचना **पारी कुरुचे पूर्वोक्त संपरित के अ**र्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और 'पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्परित प्लाट नं. 37, सेक्टर सी सैक्शन 4 मसूरिया एरिया, शास्त्री नगर, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा 6 दिसंबर 1982 पर पंजिबब्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित ही।

> माहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 13 जून 1983

प्रकार आहें. टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुबुना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निद्धेश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1916---यतः मुभ्ते, मोहन सिंह.,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं. प्लाट नं. 57 है तथा जो जोधपूर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपूर में, रिजस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-भस निम्निनिविद उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्त में बास्तिक ज्यू से कथित नहीं किया गया है क्ष---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने न्ना उससे बचने में सुविधा के लिए; आदि/या
- (क) एते किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनिशेम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री नेमी चन्द पुत्र श्री मिश्रीलाल जी. जी. पी. ए आफ श्री अनिसक्तुमार पुत्र श्री अनुपचन्दजी बाम्बे मोटस के सामने, बोपसनी रोड, जोधपुर (अन्तरक)
- श्री पृथ्वीराज पूत्र श्री कृत्वन सिंह भंसाली, कृशल कृटीर 2 बी राष्ट्र, सरदार पूरा, जोधपुर

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स म्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्धे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 57, सैक्टर ए, सैक्शन 4, शास्त्री नगर, जोधपूर पर निर्मित मकान सम्पत्ति जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 763 दिनांक 15 जनवरी, 83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> भोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् र ज , जयपुर

तारीख: 13-6-1983

प्रकष् आहे, टी. एन. एस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निदोश सं राज /सहा आ अर्जन/1926--यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 179 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्री- करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 नवम्बर 1982

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गुई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे धरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिस्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयकी बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; कार्यां
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अयिक्तयों अर्थाह् :--- शि दीने खां पुत्र श्री लाल खां ख्वारा पी. ए. ओ. श्री रामरतन सिंह पुत्र श्री भीका प्राम निवासी जोधपुर

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री राम रतन जी प्लाट नं. 3064 शास्त्री नगर, ओधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा बत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताकारी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट मं. 179, ब्लाक नं. 3, सेक्टर 2 मस्रिया जोधपुर का निर्मित भाग जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2696 दिनांक 8-11-1982 पर पंजिबव्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, अयपूर

तारीख : 13-6-1983

प्ररूप भाई• टी• एन• एसं•→-

भायकर भ्रमिषयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 मार्थ (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंजा, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निदाश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1927--यतः मृभ्हे, मोहन सिंह.,

मायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के मधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का चारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द्यये से अधिक है

और जिसकी सं ब्लाक नं 4 प्लाट 179 है तथा जो जोधपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य जोधपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह बिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डद प्रतिशत से अधिक है और भग्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्वी (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की , बाबत चन्त पश्चित्रियम के अक्षीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने गा उनसे बजने में सुत्रिधा के जिए क्षेर/या
- (ब) ऐ ए िन्नो अप या निन्नो अन या मन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर घिष्ठियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त धिष्ठियम, या धन-कर घिष्ठियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः अब; उत्तत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तत प्रविनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के बीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्ः—

- श्री दीने सां पुत्र श्री लाल सां द्वारा पी. ए. ओ. श्री राम रतन सिंह पुत्र श्री भीकाराम, जेधपुर
 - (अन्सरक)
- श्री महोश क्यार पृत्र श्री राम रतन, 306-ए, शास्त्री नगर, जोभपुर

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शास्त्रेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी बा से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हिंदा-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, भवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही धर्य होगा जो उस जध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 179, सेक्टर 2, सेक्शन 4, मस्रिया, जोधपुर का निर्मित भाग जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2695 दिनांक 8 नवम्बर, 82 पर और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जायप्र

जयपुर, दिनांक 13 जुन 1983

निदर्भेश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1928--असः मुक्ते, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं. मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधप्र में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधप्र में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 29 विसम्बर 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्टेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन पर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

 श्री रामरतन मिह पृत्र श्री भीकाराम जी अटानी आफ श्री वीने खां पृत्र श्री लाल खां, शास्त्री नगर, जोधपुर।

'(अन्तरक)

श्रीमती भंयरी दोवी पत्नी श्री रामरतन सिंह प्लाट नं .
 306ए शास्त्री नगर, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्कान सम्पत्ति, प्लाट नं. 179, मसूरिया, सैक्शन 2, जोधपूर जो उप पंजियक, जोधपूर ब्वारा कम संख्या 2585 दिनांक 29-12-82 पर पंजिबद्ध विकाय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हो।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

👫 अर्थान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथि 🖫 🙅

14 -166GT/83

तारी**य** : 13-6-1983

प्रकृत बार्द् , टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालियः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निदं रा सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1930--अतः मृभे, मोहन सिक्ष,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ओपन लैण्ड है तथा जो बारा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रिजस्ट्रीकार्ग अधिकारी के कार्यालय बरा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 9 दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल क पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और बंतरितौं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीयक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या क्य प्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती कान्ता बाई पत्नि स्वर्गीय श्री बाबूलाल शर्मा बारां।

(अन्तरक)

2. बसन्ती बाई पत्नी श्री दाजेमल छीपी, बारां . (अन्तरिती)

को यह सूजना आरी करके पृत्रांकत सम्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के शाम जिस्ति में दिला जा सकांगा।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

आपन लिण्ड मोजरिंग 5525 वर्गफूट स्थित बारां जो उप पंजियक, बारां व्यारा कम संख्या 314 दिनांक 9 विसम्बर, 82 पर पंजिबब्ध विकय पत्र में और विस्तत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीम : 13-6-1983

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपूर जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

1417, 14111 15 41 1905

निवर्षेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1938---अतः मुभे, मोहन सिंह.

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो भरतपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरतपुर में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अस्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

 श्री दुलीचन्द पुत्र श्री तुहिया जाट निवासी नीम दरवाजा, भरतपुर।

(अन्तरक)

2. श्री घनश्याम दत्त शर्मा एवं 26 अन्य, भरतपूर। (अन्तरिती)

को यह सूथना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनस्ची

कृषि भूमि 2 बीघा 10 बिस्वा खसरा नं 19, धक नं 1, तह भरतपुर जो उप पंजियक, भरतपुर द्वारा कम संख्या 280 विनांक 8 मार्च, 82 पर पंजिबव्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हो।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीब : 13-6-1983

मोहर 🗧

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अयपुर

जयपुर, विनांक 13 जून 1983

निर्वोश सं राज /सहा आ अर्जन/1939—अतः मुक्ते, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो भरतपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिज्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरतपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यशान प्रतिफल् के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तदा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिष्क रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अन्तर, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरफ के बायित्य में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए;
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-म की उप्धारा (1) के अधीन निम्निलिखित स्थितियों, सूर्थात् :---

 श्री गुरली पुत्र श्री भरम सिंह लोढा, मोहल्ला गोपालगढ़ भरतपुर।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री इंश्वर प्रसाद पुत्र श्री बाबूलाल लौढा, निवासी गोपालगढ।
 - (2) श्री रणधीर सिंह पुत्र श्री बीरी सिंह, बुवारा कृषि उपज मंडी समिति, बयाना।
 - (3) श्री नन्व किशोर शर्मा पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद शर्मा निवासी बयाना द्वारा कृषि उपज मंडी समिति, बयाना।

- (4) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री प्यार लालं, निवासी गोपाल गढ।
- (5) श्रीमती माया देवी पत्नी श्री श्यामलाल लाँढा नियासी गोपालगढ।
- (6) श्री दान सिंह पूत्र खाछ डे सिंह, नागरा खबरा द्वारा सूबेदार मेजर रिकार्ड से, रिकार्ड आफिस, जाट रोजिमेन्ट सेन्टर, बरोली (यू. पी.)
- (7) श्री उत्तम सिंह पुत्र चरण सिंह जाट द्वारा सैन्द्रल को-आपरोटिव बैंक, बयाना, जिला भरतप्र।
- (8) श्रीमती भन्द्रावती पत्नी उत्तम सिंह जाट निवासी बयाना जिला भरतपुर।
- (9) श्री प्रेम सिंह खुटेटा पुत्र श्री घंटोलीराम जाट निवामी गोपालगढ भरतपुर, लैक्चरर एम. एस. जे. कालेज, भरतपुर।
- (10) श्री अजयबीर सिंह पुत्र श्री दान सिंह जाट,। निवासी नागला खुडी द्वारा सूबदार मजर रिकार्डस-रिकार्ड आफिस, जाट रोजिमेन्ट सेन्टर, बरेली (यु. पी.)
- (11) श्री प्रताप सिंह पुत्र रबी सिंह जाट, गोपालगढ,। फारेस्ट डिपार्टमन्ट, भरतपुर।
- (12) श्री प्रहलाद सिंह पुत्र रामकुमार जाट द्वारा भूमि विकास बैंक लिमिटेड, भरतपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना <mark>चारी करके पृथींक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना कीं तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्तु अयिकतयों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सें, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची ं

कृषि भूमि 1 बीघा 16 बिस्वा, चक नं 3, खसरा नं 1 2055 स्थित तहसील भरतपुर जो उप पंजियक, भरतपुर कम संख्या 37 दिनांक 7 जनवरी, 83 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में ओर स्स्तित रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह' सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जयपुर

तारील : 13-6-1983

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंडा, जयपूर

अर्थन रेज, जयपूर

निद्रिश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1941---यतः मुफ्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी मं प्लाट नं 150 है तथा जो जोभपूर में स्थित है, (और इससे उपादद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप सें विषित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधप्र में, रिजरट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 29 नवम्बर 1982

को पूर्वा वत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो वत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किस निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नष्टीं किया गया हैं:---

- (क) अस्तरण से द्वार्ष किसी आग की अलस उक्त जॉलिस निजय के वणीन कर वीत' के अस्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे अधन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धार्य 269-गं के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियमं की धार्य 269-घं ककी नपधार्य (1) के अधीन, निम्नीकृष्टित क्यक्तियों, अधित् हें क् श्रीमती उनीया दंवी पत्नि गंगा विशन व्यास, फूटरेपणी की बावड़ी नव चाक, जोशपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती वन्दना पुत्र श्री अशोक कुमार निवासी मकराना मोहल्ला, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति क्यांग:
- (स) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया हो।

अनुसूची

प्लाट गं. 150, लक्ष्मी नगर, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2578 दिनांक 29-11-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजा, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1942--यतः मूक्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिय'म' कहू गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 150 है तथा जो जोधपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्वेश्य से उक्त अंतरण कि बित् में वास्तिक रूप से किथा गया है :—

- (क) अन्तरण से **हुई** किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीमती उनिया बोनी परिन श्री गंगा विश्वन ब्यास.,
 - फुटरणी की बावड़ी,
 जोधप्र

(अन्तरक)

 श्री अशोक कुमार पुत्र श्री पारसमल पुत्र मकराना महिल्ला श्रीधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अप्रिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अप्रिय, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्ची

ओपन प्लाट नं. 150, लक्ष्मी नगर, जोधपुर जो उप पंजि-यक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2577 दिनांक 29-10-82 पर पंजिबद्ध विकाय पत्र में और विस्तुस रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

प्रकृष आह्य टी. एन्. एस.----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ् (1) **के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक् श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निवर्णेश सं. राज/स्हा. आ. अर्जन/1923---यतः मुभ्ते, मोहन सिंह.,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जोधपुर है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप संविध्यत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 जनवरी 1983

तार खा 18 जनवरा 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में मृविधा के लिए;

 श्रीमित रला गुप्ता, श्रीमित बृन्दा कार, जोधप्र

(अन्तरक)

 श्री मनोज कूमार एवं यतेन्द्र कूमार पूत्रान श्री मुन्नी लाल जी गर्ग, जोभपूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मा कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव को समाप्त होती हो, के भीतर पुर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जाशील से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकोहस्ताक्षरी के वान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रसृत्त बच्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है। गण हैं।

अनुसूची

प्लाट नं. 12 का भाग, पावटा, जलिम विलास, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 757 दिनांक 18 जनवरी, 83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में ओर विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयपर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीव : 13-6-1983

पक्षप बाई व टी व एस० एस०-----

बायकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा p(0) = (1) = 4 कारीन संच्या

भारत धरकार कार्यालय, सहायक आयवर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1950—यतः मृक्षे, मोहन सिंह,, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण क्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय ब्यावर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारिल 9 नवम्बर, 1982 को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

- प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिख्त उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक ख्प से कथित नहीं किया गया है:——
 - (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/बा
 - (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :----

- श्री चत्र्रभ्ज प्त्र स्वर्गीय श्री फतेह सिह भाटी कर्ता एच. यू. एफ. गत्य नारायण, कमल सिंह, एजानन्द एवं आनन्द सिंह एवं अन्य पृत्रान फतेह सिंह, निवासी बैंक कालोनी, अजमेर रोड, ब्याबर। (अन्तरक)
- ब्याबर लो इनकमः ग्रुप हाउसिंग को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, ब्याबर। (अन्तरित्ती

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए एतद्द्यारा कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के भजेंत के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्त्रं की क्यांति के प्रकार की तामील से 30 दिन की धवित, जो भी धवित वाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोगा विविधान में से किसी क्यांति होती हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपास में
 . हितबद्ध किसी भ्रत्य स्थाक्त शरा, शश्रीहरताक्षरी
 के प्राप निविद्यत पें निश् पर सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में रिमाणित हैं, वही अर्थ कीगा, जो सर प्रकार में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 बीधा 3 बिस्वा स्थित दोलवाडा रोड, ब्यावर जो उप पंजियक, ब्यावर द्वारा कम संख्या 2026 दिनांक 9-11-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में विस्तृत रूप से विवर-णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयपंर

तारीष : 13-6-1983

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज.,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेच्यू सर्किल, **५.थप्**र

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983 🕆

निद्रांश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1951--यतः मुभ्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र_{ि.} से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है ल्था जो सोजत में स्थित है इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोजत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर,

को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे खश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे, अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नष्टीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;
- अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) 🕽 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---15—166GI/83

(1) श्री आनन्द प्रकाश पुत्र श्री किशन लाल जोशी, इन्सपेक्टर, एनफोर्समेन्ट, सिधाना, जिला बाढमेर।

(अन्तरक)

(2) श्री मानमल पत्र श्री कानणमल कोटारी, निवासी बड़ा गढ़ा, तष्ट. सोजत।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अथिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मकान स्थित मेन रोड, सोजत रोड और उप पंजियक, सोजत दुवारा दिसम्बर 82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयप्र

तारील : 15-6-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज,

केन्द्रीय राजस्य भवन, स्टोच्यू सर्विकल, जयपर

जयप्र, दिनांक 15 जून 1983

निकां सं. राज/महा. आ. अर्जन/1952--यनः म्फ्रे, मोहन मिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्रवास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी मं. मकान है तथा जो सोजत मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्णरूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य सोजत मो, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूफ्ते यह जिस्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

(1) श्री आनन्द प्रकाश
 पत्र श्री किशन लाल जोशी,
 निरक्षिक,
 एनफोसमेन्ट,
 सिवाना,
 जिला बाङ्मेर।

(अन्तरक)

(2) श्री भागमल पुत्र श्री क्नणमल कोठारी, नियासी बडा गृढ़ा, तह. सोजत।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

मनुसुची

मकान स्थित मेन रोड, सोजत रोड जो उप पंजियक, सोजत व्वारा विसम्बर 82 पर पंजिब्ब्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में वियरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्निलिसित व्यक्तियों, अथित् :---

तारी**ल,** ± 15-6-1983

मौहर 🖟

प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज., कोन्द्रीय राजस्व भवन, स्टॉच्यू सर्वितल, जयपुर

जयपुर, विनोक 18 जून 1983 निदंश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1953—सतः मूफ्रे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो सोजत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोजन में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियस 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हर्द किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने से बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुलाम मुस्तफा
पुत्र श्री मोहम्मद उमराव नरगौरी,
सोजत रोड,
जिला पाली।

(अन्तरक)

(2) श्री हन्स राज पुत्र श्री हीरालाल जोशी, साजत रोड, जिला पाली।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित् के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विनृ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाधितरण: --- इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 1064 वर्गरुषा, सोजत राडि, जो उप पंजियक , सोजत द्वारा दिसम्बर, 1982 में पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित हो।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

.तारीख : 18-6-1983

प्रकम नाहैं, टी. एन्, एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-म् (1) के स्थीन स्थान

नारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनर्ज.,

केन्द्रीय राजस्य भवन, स्टोच्यू सर्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निदोश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1954~-यतः मूक्ते,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो सोजत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णरूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोजत में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विसम्बर,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गईं हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अध्कि हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; आर्थ/या
- (ण) एसी किसी जाय था किसी भन या अल्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) भंवरलाल मानकचन्द . द्वारा कौशरमल जीवणचन्द एण्ड सन्सः, सोजत सिटी, . जिला पाली।

(अन्तरक) -

(2) श्री भूरा राम चिमनाजी, द्वारा चतुरभुज, सोजत सिंटी, जिला पाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस राजना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदा का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

बनसची

भूमिः 2190 वर्ग गज, नोहरा, जो उप पंजियक, सोजत द्वारा विसंबर, 1982 में पंजिबद्ध विकास पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीब : 15-6-1983

प्ररूप आहर्ष. टी. एन्. एस. - - - - -

आयकर अधिनियस,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज.,
केन्द्रीय राजस्व भयन, स्टेच्यू सर्किल,

जयपुर, दिनांक 16 जून 1983

निवंश मं. राज./सहा. आ. अर्जन/1955--यतः मृभ्हे, मोहन सिंह,

आए। कर अधिनीयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सैंपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसको सं प्लाट नं 48 है तथा जो पाली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र्राजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रिजम्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वरेश से उक्त अन्तरण सिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनिप्तम की धारु 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अभ्यालाल पृत्र श्री मघराज ओसवाल, धानमंडी, पाली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनिता पत्नी श्री हजारीमल, लोभां कब्बास, सोमनाथ मंदिर के पास, पाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

वक्त सम्पतित् भी वर्षन् को सम्बन्ध् में कोई भी वास्त्रेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियंस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 48, बीर द्रगिंदास नगर, पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारु कम संख्या 2200 दिनांक 31 दिसंबर, 82 पर पंजिबद्देश विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारी**य** : 18-6-1983

मोहर ः

प्ररूप आई० टी० चन• एस•-

बायक पूजिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्चना

भारत सरकार

कार्बासय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज.,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टोच्यू सर्विकल,

जरप्र

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निदर्भेश सं. राज ./महा. आ. अर्जन/1956--यतः मृभ्ते, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयप्र में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 नव्मबर, 82

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्शलिखत उद्देश से उक्त अन्तरण में बास्तिक रूप से की बत नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिस्ति व्यक्तियों, अधीत् : -- (1) श्री क्षेत्ररीलाल पुत्र श्री गणेशलाल भट्ट, उदयप्र ।

(अन्तरकी)

(2) श्री डूगर सिह पुत्र श्री दंवीलाल सामर, 390, भूपालपुरा, उदयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंग्र स्थितियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (श) इस सूधना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकांगे।

स्वक्षतीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनयम के अध्याय 20-क मा परिभगवट हैं,, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

े भूमि 5732 धर्गफ्ट सम्पत्त रामजी की बाड़ी, कालाजी धोराजी के पास, उदयपूर द्वारा क्रम संख्या 2321 दिनांक 5 नवस्वर, 82 पर पंजिबद्ध धिकय पत्र में ओर विस्तृत रूप में विवरणित हो।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयप्र

ताणीस 5-11-1983 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन स्**च**ना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

्र अर्जन रॉज., केन्द्रीय राजस्य भवन, स्टोच्यू सर्किल,

जिय्पर

जयपुर, दिनांक 17 मर्ड 1983-

दिवेश सं. राज / महा. आ. अर्जन/1879---यतः म्भे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट गं 702 है तथा जो कोटा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मो और पूर्ण स्पास से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्री- करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहप्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया एसे अन्तरण के लिए प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सकर बनाना; और/था
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) डा. एन. सी. अचालियां पृत्र भी सी. एन्ट. अखालियाः, तिज्ञास नुगुर कोटाः।

(अन्तरक)

(2) श्री राथंक्याम
पृत्र श्री नन्दराम एतं
श्रीमसी सावित्री
पत्नी श्री राधंक्याम,
श्रीमसी कान्सा बाई
पत्नी श्री लक्ष्यन,
शोपिंग सन्दर,
कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 चिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तितयों पर किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लाट नं. 702, दावाबाडी स्कीम, कोटा जो उप पंजियक, कोटा व्वारा कम संस्था 1376 दिनाक 16-10-1982 पर पंजिबद्ध विकय एव में और विस्तृत रूप से विवारणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 17-5-1983

मोहर 🏗

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज., केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेच्यू मिकिल, जयपर

जयपुर, दिनांक 17 मर्ड 1983

निर्दोक्त सं. राज./सहा. आर्. अर्जन/1859—-गृतः मुभ्हे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जीधपूर में स्थित हैं (और

इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारों के कार्यात्य औधप्र में, रिजस्ट्रीकरण अधिनिगम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त प्रधि-नियम के अधीन जर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके अवने में पृतिधा के लिए और∫मा
- (ध) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवियम, जा धन-का घिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गां का मां किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए)

ां) डा. कानमल भंसाली पुत्र श्री गुमानमल भंसाली, 111/100 भट्ट जी की बाड़ी, उदयप्र≀

(अन्तरक)

(२) श्री जुगल किशोर, पन्नानिवासी, जौधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विभिन्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 1184 वर्गफुट जो भंसाली बिल्डिंग के पास, जालोरी गेंट के सामने जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 2484 विनाक 20-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित ही।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपर

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख : 17-5-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज., केन्द्रीय राजस्थ भवन, स्टेक्य सकिल, अथप र

जयपुर, दिनांक 17 मई 1983

निवर्ण सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1858---एतः म्भो, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 2.5000 ∕- रत. से **व**िश्वक **ह**ै

और जिसकी सं० भूमि: है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-10-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देव स्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कि शिल नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की नावत, उक्त अधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विभा के सिए: और/बा
- (क) एती किसी काय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा **बन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गर्या था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने भी मुखिशः कें लिए:

बत: सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-स के जन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाल:---16---166 GI/83

(1) डा. ऋानमल भंमाली पत्र भी गमानमल भंसाली, 111/100 भट्ट जी की बाड़ी, उदयपर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री अमरचन्द पुत्र श्री अभृतलाल, साइधिल मार्केट,
 - 2 . अंज पत्री श्री भंवरलालजी फफोलिया, निवासी रन्दा फलसा, जीधपर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त रूम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अन्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्स न्यवित्यों में से किसी न्यक्ति दवाराः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्स विधिनियम, के बध्याय 20-क में प्रिशायित हैं, बहुी कर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि 966 वर्गफ्ट जो भंसाली बिल्डिंग के पास, जालोरी गेट के सामने जीधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 2'486 दिनोक 20-10-82 पर पंजिबब्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महापक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जयपुर

तारीख: 17-5-1983

प्रस्य आहे. टी. एन. एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज., केन्द्रीय राजस्य भवन, स्टन्च्यू सर्पिकल, जयपर

जयपुर, दिनांक 17 मर्च 1983

निदंशि सं. राज. /सहा. आ. अर्जन/1857--यत: म्भें, मोहन सिंह, नाबकर नीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण ड° कि स्थावर संपहित जिसका उचित बाबार मल्य 25.000/-रा संभाषक हुँ और जिसकी से. भूमि है तथा जो जौधपर में स्थित है (और इससे उपाबद्दध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय 20 अक्लूबर, 1982 का पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इदयमान त्रतिकत के लिए जन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुनों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-कन निम्नीसिवत उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी जाव या किसी भन या जन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयक्तर अभितिस्ता, १,३७२ (1922 का 11) जा उस्त अभितिस्ता, या कर जीभीनयम, 1957 (1957 का 27) जा अविकास जनतिस्ती ब्लाय प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में मुक्सि के सिष्:

(1) डा. कानमल भंसाली
पृत्र श्री गुमानमल भंसाली,
 111/100 भट्ट जी की बाड़ी,
 उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) 1 श्रीमती शारवा
2 श्रीमती शीरा कंवर एवं
श्रीमती मंजू,
निवासी गिरदी कोट,
खंडाघर,
जीधपर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उनत सम्पर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राम्बत व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित- विद्या किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अशहरताकरी के पाम लिखित में किए जा सकरी।

स्वक्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम है अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां प्रथ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अमुसूची

भूमि 240 वर्गफुट जो भंसाली बिल्डिंग जोधपूर जो उप पंजियक, जोधपूर व्वारा कम संख्या 2487 विनांक 20-10-82 पर पंजिबद्ध विकय एक में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षक) अर्जन रोज, जयपुर

कराः क्रवा, जनत जीधीनवन की धारा 269-ग के अन्वरण का, भी, उनत जीभीनियम की धारा 269-ग की सपक्षारा (1) को जभीन, निम्नलिवित्त स्पिध्सियों, अर्थात् :---

तारील : 17-5-1983

प्रकृप नार्षः की , एन , एच ,-----

नायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुधीन् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन र्रेज, केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेच्यू सर्विकल, जयप्र

जयपुर, दिनांक 17 मर्ह 1983

निवर्षेश सं. ऱाज ./सहा. आ. अर्जन/1856~-यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत्पए से अधिक हैं और जिसकी सं भूमि है तथा जो जोधपुर मं स्थित हैं (और

इससे उपाबद्ध अपुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आध्पूर में, रिजिस्ट्रीकण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अक्तूबर, 1982

20 जनत्वत, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पामा गया प्रतिफल, निम्निन्चित उद्देश्य से उचत बन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आध को बाबत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में क्यी कर्द्य वा उन्हों मुख्ये के बृद्धिश के लिए; ब्रॉड/बा
- (ल) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य जास्तिए। की, जिन्हों भारतीय नायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या अनुकार अधिनियम, या अनुकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिये था, जिनाने की सविभा के सिए;

(1) डा. कानमल भंसाली पूत्र श्री गुमानमल भंसाती, 111/100 भट्ट जी की बाड़ी, जदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल नारायण एवं श्रीमती भगवती, गूलाब सागर, साइकिल मार्केट, औषपर।

(अन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित हो अर्थन के जिल् कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के संबंध में कोई नाशांच:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जीवीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदेश गवा हैं।

अनुसूची

भूमि 78 26 वर्गफुट स्थित भंसाली बिल्डिंग जालोरी गेट जोधपुर के सामने जो उप पंजियक, जोधपुर व्वारा कम् संख्या 2485 विनांक 20-10-82 पर पंजिबव्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अयपुर

अक्ष: अअ, जनत निधिनियम की भारा 269-वृक्षे जनुसूरण कों, में, उच्यत निधिनियम की भाषा 269-वृक्षी उपधारा (1) के सथीन, निम्निशिवित उपनित्तें, वर्षात् री—

तार्ीख क 17-5-1983 मोहर ्य प्रका आहा. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज., कोन्द्रीय राजस्य भवन, स्टेच्यू सर्विकल, जयपर

जयपुर, दिनांक 11 मर्श 1983

निर्दोक्ष सं. राजः./सहा. आ. अर्जन/1833—यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं मकान सम्पत्ति है तथा जो बीकानेर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीकानेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 अक्तुबर, 1982

को प्रांक्त संपत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्सिकिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरभ संहुई किसी आम की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुमरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती चन्द्रकला पत्नी श्री सीतारामणी अग्रवाल, रानी बाजार, बीकानर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्नेहलता पत्नी श्री प्रकाश चन्द्र औझा, रानी बाजार, बीकानेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (क) इस मुक्कना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य े व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोबाम टाईप के चार कमरों की सम्पत्ति जो डाक बंगले के सामने, रानी बाजार, बीकानेर में स्थित है और उप पंजियक, बीकानेर द्वारा कम संख्या 1493 दिनांक 6-10-1982 पर पंजिबक्ष विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मीहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रुज, जयपुर

तारोख: 11-5-1983

प्रस्य वार्षः, टी. एत्. एव.,---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज,,

केन्द्रीय राजस्य भवन, स्टेच्यू सर्किल,

जयपुर, विनाक 11 मई 1983

निदंशि सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1832-यत: मूर्फे, मोहन सिंह,

सायकर लिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान सम्पत्ति है तथा जो बीकानर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीकानेर में, रजिस्दृक्षिरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अक्तुबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूख्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, प्रेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फस निम्नसिस्त सब्देश्य से उक्त कलारण निष्ति से वास्तीक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय, की बाबत, दक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वार्थित में कबी करने वा उससे बुचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बह: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिखित अपनित्यों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती चन्द्रकला पत्नी श्री सीतारामजी अग्रवाल, रानी बाजार, **बी**कानेर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कन्चन औक्सा पत्नी श्री सुरोश चन्द्र, रानी बाजार. बीकानेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि ादमं समाप्त होती हा, के भीतर पृताचन्तु ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उच्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

अन्स्ची

मकान सम्पत्ति, गोवाम टाईप के चार कमरों की स्थित डाक बंगले के सामने, रानी बाजार, बीकानेर ओ उप पंजियक बीकानेर खुवारा कम संख्या 1491 दिनांक 5-10-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीख: 11-5-1983

मोहर ः

प्रकृष मार्चः टी. एन. एस् न्यायन्त्रात

नायकार मिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज,

केन्द्रीय राजस्त्र भवन, स्टेच्यू सर्विकल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 मर्द 1983

निदाश सं राज /सहा आ अर्जन/1829---यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारत है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट है तथा जो जोथपुर में स्थित है (और इससे उपाबवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 14 अक्तुबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित्त बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत विभिन्न है और जन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के अपि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्वेष्य से उपत म्नारण कि लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नुलिखित उद्वेष्य से उपत म्नारण कि लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नुलिखित उद्वेष्य से उपत म्नारण कि लिए तथ

- (क) अन्तरण से हुर्य किसी बाय की बायस उक्क अधि-ान्यम के बचीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे मचने में सुन्धा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी घर था अन्य अस्तियों कार, चिन्हें भारतीय असकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, किया में सुनिधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, नर्भात् :—

(1) श्री प्रेफुल्ल कन्द्र घोशाल पुत्र श्री इविवर चन्द्र घोशाल, पांचबत्ती, जोधपुर

(अन्तरक)

(2) जगदीश चन्द सोनी पुत्र श्री हजारीमलजी सोनी, बाम्बे मोटर चौराहा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथा कत संपरित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

' उक्त सम्परित के मूर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (वा) इस स्थान को राजपण को प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर जक्त स्थानपु संपत्ति में हिस के बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकीने ।

 स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को: उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 3640 वर्गफुट, पांचबत्ती के पास, नहरू नगर, रातानाड़ा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2387 विनाक 14-10-82 पर पंजिबद्ध निकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुज, जयप्र

तारील : 10-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्योक्तय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जने राजा,

केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 मई 1983

निवर्षा सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1828--यशः म्भी, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह अविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान है तथा जो पाली में स्थित है (और इससे उपाबदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 अक्तुबर, 1983

को पूर्विकत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिकत उद्योध्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनिव्य के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन दा अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अर्थः, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में जन्नत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भगवान चन्द पुत्र श्री पुसराज भण्डारी, पाली।

(अन्तरक)

(2) श्री फूल चन्द पृत्र श्री राग चन्द भण्डारी, नहरू नगर, पाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के लंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

मकान, नेहरू नगर, पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा कम संख्या 1665 दिनांक 30-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित ह⁸।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारीस : 10-5-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौजा, अयपुर

ज्यपूर, दिनांक 10 मई 1983

निव^भश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1825---यतः मुक्ते, * मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 225 है तथा जो जवयपूर में , स्थित है, (और इससे उपावत्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जवयपूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 5 अक्तूबर 1982

को पूर्वेक्त संस्पित के उचित बंजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल सो, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का प्रहूर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक का से अधिन नहीं कि उपार है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विश्रा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्लिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थाद्यः—

- 1 श्रीमती राजकामारी पत्नी श्री स्वरूप सिंह दोवड़ा राजपूत निवासी भेर तह. शिवगंज। (अन्तरक)
- श्री नारायण सिंह पुत्र श्री हरीनारायण निवासी सरदारपुरा उदयप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किइ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 225, स्थित सरवारपुरा, उदयपुर भो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2158 दिनांक 5 अक्टूबर, 82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्षणत है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जान र³ज, जेयप्र

ता्रीख: 10-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपूर

जयमुर, विनांक 17 मई 1983

निविध्या सं. राज. /सहा. आ. धर्णन/1883—-यतः मुभ्ने, मोहन सिंह,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं. 43/3 है तथा जो अजमेर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18 अक्तबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिश्वित में शास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं—
17—166GI/83

 श्रीमती कृष्णा गोयल पत्नी श्री आत्माराम गोयल, जीवन बिहार कालोनी, अअमेर।

(अन्तरक)

 श्री राजेशचन्द्र पुत्र स्वर्गीय श्री श्रीलाल जेठानन्द, निवासी अजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के अविध बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्वी

भूमि मेजरिंग 43/3 स्थित सिविल लाईन्स, अजमेर जो उप पंजियक, अजमेर क्यारा कम संख्या 3617 दिनांक 18-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 17-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज

केन्द्रीय राजम्ब भवन स्टोच्य सर्विकल, अ्यप्र ज्यपुर, दिनांक 7 जून 1983

आदोश संख्या राज /सहा. आ. अर्जन/1900--यतः मुक्ते, मोहन सिंह, •

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाह, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. ब्यावर में प्लाट है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजिस्ट्रीक तो अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रिजिस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अक्टूबर, 82

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के वस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अग या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा का किया जाना चाहिए था छिपान में सूतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उक्स अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- श्री प्रभुदयाल धर्मा पुत्र
पंडित गोरधनलाल धर्मा,
प्रतापनगर,
गली नं 4,
मकान नं 23ए,
टाटगढ रोड, ज्यावर।

(अन्तरक)

श्री रघुनाथ पुत्र
 श्री बि,रदजी जागड़ा ब्राहमण,
 श्री लाद्राम पुत्र
 महादेव पुत्र देयालजी
 निवासी प्रतापनगर, ब्यावर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

प्लाट आफ लैण्ड स्थित प्यारोलाल बगीघी, सेन्बडा रोड, ब्यावर जो उप पंजियक ब्यावर द्वारा कम संख्या 1882 दिनांक 16-10-82 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित ही।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, जयपुर

कारीद : 7-6-1983

मोहर 🛭

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज

केन्द्रीय राजस्य भवन

स्टेच्यू मिकल, ज्यपूर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1983

अदंश संख्या राजः /सहा. आ. अर्जन/1901--यतः मुक्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. ख्कान है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रिक्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अक्तूबर, 82

को पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास अरने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल से पंद्रह प्रतिज्ञत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर घोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की सिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अधीत् :--- श्रीमती शान्ती देवी मकामा परिन श्री कन्हीयालाल जैन निवासी गिबसन होटल मार्ग, ब्यावर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती पानी बाई पत्नि
 श्री धर्मीचन्द मेसाली निवासी ग्राम व पोस्ट गिरी जिला पानी ।

(अन्सरिती)

जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताणील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान स्थित पानी बाजार, ब्यावर (नं 5/165) जो उप पंजियक, ब्यावर द्वारा कम संख्या 1938 दिनांक 21 अक्टूबर, 82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

भोहंन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, जयपुर

तारीब : 7-6-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीर मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र^{चे}ज केन्द्रीय राजस्व भवन स्टोच्यु सक्तिल, जयप्र

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदोश संस्था राज्. /सहा. आ. अर्जन/1902---यतः मृभेते, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें . इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 7 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबस्थ अनुस्थी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीधपर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंप्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्त अंतरण लिखिता में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा को निष्णु भार दा।
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह अगरतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में तृविधा के लिए;-

अतः अवः, उक्तः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविक्ति व्यक्तियों, अर्थातु :--- श्री राधरख पुत
 श्री तुलसारामजी जाट एवं राम निवास, पुत्र शिवदान सिंह जी निवास जीअपूर ।

(अन्सरक)

2. श्री होमन्त कुमार पृत्र श्री वोग रामजी जाट, अग्रवास कालोनी, जीधगुर ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस मूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धम्य व्यक्ति द्वारा धधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पड़नीकरण: --इसमें प्रयुक्त गड़दों भीर पदों का, जो छक्त सिक्ष-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा ।

अनुसूची

प्लाट नं. 7, स्थित रतनाडां, सिकट हाउस रोड, जीधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 2591 दिनांक 29-10-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पश में और दिस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, जयपुर

ता**रीब** : 13-6-1983

मोहर 🛴

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) क्री अधीन मुचना

भारत स्रमाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज

केन्द्रीय राजस्य भवन

स्टेच्यू सिकल, अयपूर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आविश संख्या राजः /सहाः ताः अर्जन/1903---यतः मूक्ते, मोहन सिष्ठः,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 7 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक का से काबत नहीं लिया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएं था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः जस, उक्त विधित्तियम की भारा 269-ग के अनुहरण में, मैं, उक्त अधितियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थील् :-- श्री रामस्स प्त श्री सुलसारामजी जाट एवं राम निवास, पुत्र शिवदान सिंह जी निवास श्रीधंपुर ।

(अन्**तरक**))

 श्री शिवराम पृत श्री बिरदा राम, शिव रोड, रातानाडा, शोधप्र।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी कारके पृत्रांकत सम्पत्ति के अर्जन के निक् कार्यपाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पीक्त ब्रासा;
- (क) इस स्थान की राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, त्रधाहस्ताकारी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

प्लाट नं . 6, स्थित रातानाडा, सर्विक्ट हाउस रोड, जौधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम मंख्या 2590 विनांक 29-10-82 पर पंजिबद्ध विकया पत्र मी और विस्तृत रूप से धिवरणित हैं।

> स्ते**हन सिंह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)! अर्जन र^रज, जयपुद

नारी**व** : **†**3-6-1983

माहर 🖫

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज कोन्द्रीय राजस्व भवन स्टोच्यू सर्विकता, जयप्र जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदोश संख्या राजः /सहाः आः अर्जन/1904---धतः स्रूभे, माहन सिंहः,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित पाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिस्की सं. प्लाट नं. 7 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीधपुर में, 'रिजस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, तारींख 30-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (जन्तरितयों) के बीच एसं अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी अरने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट न्हीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

जतः जब उक्त अधिनियम की भार 269-ग के बुन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री राम निवास,
 पुत्र श्री शिवदान सिह जी निवास श्रीधपुर।

(अन्तरक)

 श्री पुन्ता लाल पुत्र श्री राख, साथिन, बिलाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ष आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 5, पार्ट एफ, स्थित रतनाडा, औधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2612 विनांक 30-10-82 पर पंजिबद्दध विक्रय एक में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्रापिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन र'ज, जयप्र

तारी**व**ः 13-6-1983

मोहर 🖫

प्रस्थ आहे. टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज

केन्द्रीय राजस्व भवन स्टेंच्य् सर्वितन, जयपर जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आविश संख्या राज. /सहा. आ. अर्जन/1905---यतः मुभ्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 ा 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य ₂25,000 र-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी भं. प्लाट नं. 7 ही तथा जो जोधपुर में स्थित ही, (और इससे उपानद्ध अनुम्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित ही) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीधपर में, राजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 30-10-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बान्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है अन्त

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269 व के अन्सरण मों, मों, अकत अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के सभीन, निम्निजित व्यक्तियां, अर्थात् धु--- श्री राम निवास,
पूत्र श्री शिववान सिह
एवं श्रीमती बालकी देवी परिन
श्री घेवराम लागटा तह. भिलाङा
जोधपूर।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुशीला चौकी पतिन श्री राजेन्द्र सिंह, कमलेष भयन, शिख रोड, रातानाडा, जौधप्र।

(अन्लरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सक्यों।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 4, पार्ट एफ, स्थित रातानाडा, औधपुर को उप पंजियक, जीधपुर द्वारा कम संख्या 2611 विनांक 30-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सह्युयक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अयप्र

सारीय : 13**-**6-**1983**

प्ररूप ब्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर **भन्नित्यम, 1961 (1961** का 43) की भारा 269-म (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

केन्द्रीय राजस्व भवन

स्टोच्यू सर्विलः, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आद`श संख्या राज्. ∕सहा. आ. अर्जन ∕1907---यतः मृभे, मोहन सिंह,

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मृष्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

·और जिसकी सं. प्लाट नं. 7 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीधपुर में, रिजस्ट्री-कर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-1982

को पूर्वोक्त सम्यति के उतित बाजार मूल्य में कम के दूरय-माम प्रतिक्रल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास । अस्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूण्यमान प्रतिफल में ऐसे दूरवमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अस्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश्य से अस्त अस्तरण लिखित में अस्तिक कर में किया नवा है:---

- (क) बस्तरण के हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

भी रामरख पुत्र
श्री तुलसारामजी जाट
एवं राम निवास,
पुत्र श्री शिवदान सिंह जी
निवास जोधपुर।

(जन्तरक)

 श्री नाभूराम पृत्र श्री चूनाराम, किश्चन फिलिंग स्टेशन, जोधप्र।

(अन्सरिती)*

को य3 सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्थम के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्दा किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के. पास लिसित में किए जा सकोंगे।

ह्मच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्वाय 20-क में परिभाषित हु⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 2', स्थित रतनाडा एरिया, सर्किट हाउस रांड, जोधपूर जा उप पंजियक, जोधपूर द्वारा क्रम संख्या 2589 दिनांक 20-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं ₄

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारील : 13-6-1983

मोहर 🕉

प्ररूप काइ^र टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, विनांक 13 जून 1983

जादोश संख्या राज /सहा. आ अर्जन/1908--यतः मृभ्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपर में,, रिजस्ट्रीकरण अधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अक्तूबर 82

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री देवी सिंह पृत्र
श्री सगत सिंह कर्ता
एच . यू . एफ . एवं म्स्तयार आफ ,
संगीता कुमारी ,
निवारी ए-6/7 कृष्ण नगर ,
गांधी नगर मार्ग , जयपूर ।

(अन्तरक)

 श्री विनेश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री रामचन्त्र अग्रवाल द्वारा मैसर्स कृष्णा स्पोर्ट्स, स्टेशन हाडि, श्रीभप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतितः के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी स्पिक्त इवारा;
- (क) इस स्जान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावक सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्यों बौद पदों का, जो उक्द जिथितियम, के अध्याय 20-क में पीरभाजित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि 533 वर्ग गज स्थित सगत निवास के पास, ओल्ड पाली रोड, रतनाडा, ओधपूर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2474 अक्टूबर, 82 में पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

प्रकृष वाष्ट्रं की एक पुष्ट " " " "

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

प्राप्त करका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदोश संख्या राज्. /सहा. आ. अर्जन/1909—-यतः म्फे, मोहन सिंह,

बानकर बीधीनवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त बीधीनवम' कहा गया हैं), की बारा 269-ब के बधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-10-82 को पूर्वों कत संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्मिलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के जधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— श्री देवी सिंह पुत्र
श्री सगत सिंह फार्ता
पी.ए.जो. आफ लेखा कुमारी
पुत्री श्री देवी सिंह,
निवासी ए-6/7 कृष्ण नगर,
गांधी नग्रु मार्ग, जयपुर।

(बन्तरुक)

 श्रीमती भान्य पितन श्री देवाराम एवं श्री रघुवीर सिंह पुत्र श्री पूरण सिंह रातानाडा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

अनुसूची

भूमि 333 वर्ग गज स्थित सगत निवास के पास, ओल्ड पाली रोड, रतनाडा, जोधपूर जो उप पंजियक, जोधपूर ब्वारा कम संख्या 2580 दिनांक 29-10-82 पर पंजिबक्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रूज, जयपुर

तारीब : 13-6-1983

मोहर 🕄

प्रकप धाई• टी• एन॰ एस•-

भायकर घषिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के बंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदोश संख्या राज् /सहा . आ . अर्जन/1910--यतः मुभ्छे, मोहन सिंह,

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनियम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-६० से मिनिक है.

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में,, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने वहा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से सचित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रम्तरण शं हुई किसी आप को बाबत, छका प्रधिनियम के प्रश्नीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या विस्ती धन या प्रन्य प्राक्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः मबः, उक्त प्रक्षिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री देवी सिंह पृत्र
 श्री सगत सिंह कर्ता एच. यू. एफ. नियासी ए-6/7 कृष्णा नगर, गांधी नगर मार्ग, जयपुर ।

(अन्तरक)

 श्री कीलाश चन्त्र गुप्ता पुत्र श्री बंगाली लाल, निर्माण भवन, नई सङ्क, जोधप्र।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
 भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सर्केंगे।

स्यम्बीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची

भूमि 533 वर्ग फुट स्थित सगत निवास के पास, प्राना पाली रोड, रतनाड़ा, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2579 दिनांक 29-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और दिस्तृत रूप से विवरणित है।

मो**हन सिह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, जयपुर

त्_ररी**व**ः 13-6-1983

मोहर 🖟

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदेश संख्या राज /सहा. जा. अर्जन/1911--यतः मृभे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता विधिकारी के कार्यालय, जोधपूर में,, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उव्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उध्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धर्मा श्री देवी सिंह पूत्र
 श्री सगतः सिंह कर्ता,
 एच. यू. एफ. जी. पी. ए. लेखाक्रमारी
 ए-6/7 कृष्णा नगर,
 गांधी मार्ग, अयप्र।

(अन्तरक)

 श्री जीठा सिंह पुत्र श्री नाथुराम टाक एवं श्री हरि चन्द पृत्र श्री भगतराम पाट नर आफ टाक स्टूडियों. रातानाड़ा, जोथपुर।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 333 वर्ग गज स्थित सगत निवास, ओल्ड पाली रोड, रातानाडा, जोधपुर को उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2457 दिनांक 18-10-82 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारीख: 13-6-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आविश संख्या राज /सहा आ. अर्जन/1912--यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्दी अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्री-कर्दी अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-10-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रुव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीत् श्री देवी सिंह पृत्र
 श्री सगत सिंह एच. यू. एफ. कर्ता,
 कृष्णा मार्ग,
 गांधीनगर मार्ग के सामने, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री भगवान टोबाणी पृत्र श्री ढुल्ल्मल सिधी, एजेन्ट आफ निर्मा साबून, घन्टाघार, जयपुर।

(अन्सिर्दिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकद्वणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त. अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि 333 वर्ग गज स्थित सगत निवास, ओल्ड पाली राड,, रातानाडा, ओधपूर को उप पंजियक, ओधपूर द्वारा कम संख्या 2456 दिनांक 18-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मॉहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोष, अयप्र

तारीब : 13-6-1983

प्ररूप नाहरे. टी. एन्. एस.----

भायकद्र अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भाइत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदिश संख्या राज /सहा आ अर्जन/1913—यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्परित, जिसका उन्तित बाबार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो जोअपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जोअपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अक्टूबर 1982

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्त्रित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हैं लिखत के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्दा, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में क्रमी करने या उससे बुचने में सुविशा के जि़स्ह; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रवाधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किवा खाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- डाक्टर कानुमल भंसाली पुत्र श्री गुमानमलजी भंसाली, बिल्डिंग, फर्नीक्चर का स्थान, जोधपुर।

(अन्तरक)

 श्री गोविन्स लाल पुत्र श्री राम प्रसाद, पन्ना निवास, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत व अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्सूची

'पन्ना निवास' जोधपुर नामक संपत्ति का भाग जो उप पंजि-यक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2425 दिनाक 11 अक्टूबर, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विव-रणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीब : 13-6-1983

मोहर ः

मक्ष बाई • टी • एन • एस • =====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 13 जून 1983

निवर्षासं राजः /सहा आर्जन/1914—यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृस्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं मकान सम्पत्ति है तथा जो जीधपुर में स्थित है, और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अक्तूबर, 1982

ताराख 16 अक्तूबर, 1982 को पृथित संपित के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से कथिश नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री कानमल भंसाली पृत्र श्री गुमानमलणी भंसाली, भंसाली बिल्डिंग शनीदचरजीका थान, जोधपूर। (अन्तरक)
- 2. श्री भगवती प्रसाद पुत्र श्री अमृतलाल एवं श्रीमती हृर्प्यारी साहाँकिल मार्काट, जौभपुर। (अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं। उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी कसे 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों मार पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

'पन्ना निवास' नामक सम्परित में भाग जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 2423 विनांक 16 अक्तूबर, 82 में पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र¹ज, जग्नप्र

ता्रीब : 13-6-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आहर्र. टी. एन्. एस ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजः, जयपुर

जयपूर, दिनांक 13 जून 1983

निर्देश सं. राजं/सहा आ अर्जन/1915—यतः मुभ्ने,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो जीधपुर में स्थित है, और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 16 अक्तूबर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि युधापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को नावत, उक्त अधिमियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री कानमल भंसाली पुत्र श्री गुमान मल, भंसाली भवन, शनीश्चर का थान, जौधपुर।

(अन्तरकं)

 श्री कमल नारायण पुत्र श्री अमृत लाल जी, साइ किल माकोट जीवपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनाँ के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अव्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्राह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'पन्ना निवास' जोधपुर का भाग जो उप पंजियक, जीधपुर द्वारा कम संख्या 2423 दिनांक 16 अक्तूबर, 82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जयपुर

सारी**ख** : 13-6-1983

मोहरः

प्रकृष भाइं. टी. एन्. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रंज, अयप्र

जयपुर, विनांक 13 जून 1983

निचर्रेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1917--यतः मृभ्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि है तथा जो जौधपूर में स्थित है, और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में रुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--19--166GI/83

- श्रीमती आशा सूद पत्नी श्री के. डी. सूद एवं श्रीमती किरण वालिया पत्नी श्री कंवल प्रभाकर, कुमारी पूनम सहगल एवं, दिल्या सूद पुत्रियां के. डी. सूद 1258, सैक्टर 34 सी, चन्डीगढ़ (हरियाणा)। (अन्तर्क)
- 2. श्री पारसराज सिंधवी पूत्र स्वर्गीय देवराज सिंधवी निवासी कुबूतरों का चौक, जौधप्र। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उनत सम्पृतित् के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

भूमि 1000 वर्गगं स्थित 200, पावटा, लक्ष्मीनगर, जौध-पुर जो उप पंजियक, जौधपुर ब्वारा क्रम संख्या 2512 दिनांक 21 अक्तूबर, 82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन राज, जयपुर

ता्रील : 13-6-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निद्धेश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1918—-यतः मुक्ते, मोहन सिष्ठ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित वाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 384 है तथा जो जौधपुर में स्थित है, और (इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्देंह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती, देवारा प्रकार नहीं जिल्ला पा या या किया जाना अधिस्य था, क्लिए से रुविधा के लिए:

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्भरण म , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की जपभारा (1) के अभीन टिम्मेलिमित व्यक्तियों, जर्थात :--- श्रीमती तिर्मता चौहान पत्नी श्री दल्जीत सिंह, लक्ष्मीनगर, जौधपुर।

(अन्तरक).

 श्रीमती शान्तीदावी पत्नी श्री नथमलजी परिवाल, परिमल मुदाली स्ट्रोट, मद्रास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तल्लाम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाख होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदस स्थावर सम्पत्ति मो हित-वद्य किसी अन्य का कत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों अन्य किए जा नकी गा

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं 384, लक्ष्मीनगर, जौधपुर जो उप पंज्यिक, जौध-पुर द्वारा क्रम संख्या 2505 दिनांक 21 अक्टूबर 82 पर पंजियव्य विकास पत्र में और विस्तृत रूप स विवरणित हैं।

> मोहन सिंह पक्षय प्राधिकारी स्हायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीब : 13-6-1983

प्ररूप नार्षः टी. एन. एस.- - -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयप्र

अयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निदर्भा सं राज / सहा आ अर्जन / 1919 — यतः मुक्ते, भोहन सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो जौधपुर में स्थित है, और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 अक्तुबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरितों की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही आर अन्तरक (अंतरकां) जोर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएँ तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री पदम सिंह पुत्र श्री उगम सिंह ग्राम खड़ी भगत-सानी, जौधपुर।

(अन्तरक)

 मैसर्स नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति लिमि-टेड, जौधपुर।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति के हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति इदारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे :

स्पब्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

14 बीघा 3 बिस्या कृषि भूमि स्थित खड़ी भगतसानी, जीध-पूर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 2365 दिनांक 13 अक्टूबर, 82 पर पंजिबव्ध विकास पत्र में और सिस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जयपूर

दिनांक 13-6-1983 मोहर : प्ररूप आइ.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जीयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 13 जून 1983

निवर्षा सं राज /सहा आ अर्जन/1920—यतः मुक्ते, मोहन सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान है तथा जो जौधपुर में स्थित है, और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

 श्री शशी कुमार पुत्र श्री इन्द्र नारायण गुस्तू, जालोरी गेट के अन्वर, जौधपुर।

(अन्तरकं)ः

2. श्रीमती लाली पत्नी श्री लादू राम ब्वारा मैसर्स लादूराम मगराज आईल मिल, जालोरी गेंट के अन्दर, जौधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति घ्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्प्पत्ति बालवाड़ी स्कूल के पास, जालोरी गेट के अंदर जीधपुर ब्लाक ए जी उप पंजियक, जीधपुर द्वारा क्षम संख्या 2570 दिनांक 23 अक्टूबर, 82 पर पंजिबब्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की चीरा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ अर्थात् :—

तारींख : 13-6-1983

अस्य कार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण् (1) के अधीन सुण्ना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक बायुकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1938

निवर्षेश सं . राज /सहा . आ . अर्जन/1921--यतः मृक्ते, मोहन सिंह,

जायकर मिं जिसमें 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधप्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय औधप्र में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अ्क्तूबर 1982

को पर्नोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रद्र प्रतिशत से अधिक है ग्रीर भन्तरक (भन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित छदेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिजक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- ्री(क) अन्तरण से हुई किसी माय की वावत छक्त व्यक्षितियम के भधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; धौर/यां
- (ख) ऐसी किसी आध या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आगकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या बक्त अधिनियम; या धनकर ग्रिधिनियम 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनायें घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए या छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: भाग, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के भूग्नन्। सरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की घारा 299-म की उपधारा (1) के प्रधीम. निस्तिखित व्यक्तियों धर्मीत्:--- श्री शशी क्मार पृत्र श्री इन्द्र नारायण गुस्तू, जालोरी गेट के अन्दर, जौधपूर । (अन्तरक)

2. श्री बाब्लाल पुत्र श्री आशलाल द्वारा आसलाल द्रेडिंग कम्पनी सिंबम्बी गेट, औधपूर । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में बकाशन की तारीख से 45 दिश के भीतर प्रक्त क्यावर संपत्ति में हितबस किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभौहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्षिणधीकरण :--- इसमें प्रयुक्त सम्बोक्तीर पर्योक्षा, को उनत प्रक्रितियम के प्रक्रमांच 20-कः में परिकाषित हैं, वहीं प्रक्री होगा को उस प्रक्रमाय में दिया गया है।

मनसूची

मकान बालबाड़ी स्कूल के पास, जालोरी गेट के अन्वर, ब्लाक बी, जीधपूर जो उप पंजियक, जीधपुर ब्वारा फ्रम संख्या 2568 दिनांक 23-10-1982 पर पंजिबद्भ विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंग, जयपुर

.ता,रीख : 13-6-1983

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रॉज, ज्यापुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निदर्श सं. ,राज. /सहा. आ. अर्जन/1922- प्यतः म्फ्रे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 12 ए हैं तथा जो जीधपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे रूपयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधित्ः—

- श्री मेघराज कल्ला पुत्र फतेहराज कल्ला जी. पी. ए. आफ सरलागुप्ता पतिन श्री हरीप्रसाद, जौधपूर । (अन्तरक)
- श्रीमिति कान्ता गर्ग परिन श्री एम. एल. गर्ग, एडवोकेट, पावटा, जौधपुर।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वैक्षिप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लाट नं. 12-ए, पावटा, जालिम विलास के बाहर, जीअपूर जो उप पंजियक, जीअपूर व्यारा कम सं. 2501 विनांक 20-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित ही।

मोहन् सिंह् सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन् रंज, जयपुर

सारीख : 13-6-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की यारा 269-प (1) के अभीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, विनांक 13 जून 1983

िनद[™]श सं. ¦राज . /सहा. आ . अर्जन / 1924 — यतः मृक्ते , मोद्रेन सिंह .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 12/2 है तथा जो औधपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपूर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त विभिन्नम की धारा 269-ग के वनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) . के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती सरला गुप्ता पत्नी श्री हरी प्रसाव जी. पी. ए. मेघराज कल्ला, जौधपुर ।

(अलरक)

 श्री मुन्तीलाल गर्ग पुत्र श्री पन्नालाल जी गर्ग, 12, जालिम विलास, पायटा, जीधपर ।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवीहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यिक्तयों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लाट नं. 12/2 स्थित पावटा, जालिम विलास, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 2500 दिनांक 20 अक्तूबर 82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हो।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

प्रकप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयप्र, दिनांक 13 जून 1983

निदर्शि सं. त्राज / सहा अा अर्जन / 1925 — यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं मकान सम्पत्ति है तथा जो जौधपुर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में , रिजस्ट्रीकरण अधिमियम 1908 (1908 का 16) के अधीन , तर्रील 29 अक्तवर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्मितियों उद्देश्य में उचन अन्तरण लिखित में जम्मितिक इस्प से कथित में जम्मितिक इस्प से कथित से स्वास्तिक

- (क) तन्तरण ए हुई किसी आय की बाबत, उक्त वर्षित्रण के अधार कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/का
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री रामरतन सिंह पुत्र श्री विक्रम सिंह निवासी 307, शास्त्रीनगर जौधपुर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलेश पत्नि श्री राम रतन द्वारा श्रीराम-भवन, दिल्लाखा की चक्की के पास, पाल रोड, जौभपुर।

(अन्तर्रिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित 179, मसूरिया, पाल रोड, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर व्वारा क्रम संख्या 2586 दिनांक 29-10-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीब : 13-6-1983

त्रकृप बाइ". टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्कलय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

जयप्र, विनांक 13 ज्न 1983

निवर्षः मं. राज / महाः आः अर्जन/1929---यतः म्फ्रें, मोहन सिंहः

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस ने परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु., से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो गंगाप्रसिटी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंगाप्रसिटी में रिजस्ट्री- करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (1) ऐसी किसी बास या किसी धा या पन्य मास्तियों को, जिन्हें धारतीय भायकर अधितियम, 1922 (1922 धा 1t) या उक्त अधितियम या धनकर प्रक्षि-नियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ाना चाहिए था, फियाने में सुविधा है लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात —— 20—166GI/8▼

- 1. श्रीमती कमल परिन श्री दाउदयाल निवासी उदयकर्णा, (अन्तरक)
- 2. श्री बाबूलाल पुत्र बृजमोहन महाजन आफनेरोली श्री अजय कुमार पुत्र किलारोलाल महाजन आफ उदय-कला एवं श्री क्यामलाल पुत्र केदारलाल खंड लवाल नि. गंगारपुरिसटी।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्मध्दिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 6.17 बीघा समरा नं 2598 उदयकलां जो उप पंजि-यक, गंगापूर सिटी द्वारा दिनांक 30-10-82 को पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विधरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपूर

वारीख: 13-6-1983

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निदर्भश सं. ,राज /सहा. आ. अर्जन/1931---यत मुक्ते, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 8-10-1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित् बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भीरतीय आय-कर अधिकारी, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धा कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री किशनराम पुत्र श्री चतुरु राम नाई, चक 5 ई छोटो तह. श्रीगंगानगर ।

(अन्तरक)

2. सार्वजिनिक गृह निर्माण सहकारी सिमिति लिमिटेड भीगंगानगर ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्वीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अभुस्ची

कृषि भूमि 10 बीघा स्थित चक 3 ई छोटी, चक 6 ई छोटी के सामने, श्रीगंगानगुर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 1948 दिनांक 8 अक्तूबर 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित ही।

> माह्रन् सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

माहर:

प्ररूप मार्ड . टी . एन . एस . -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन होने केन्द्रीय राजस्य भवन

स्टच्यू सिकल, जयपुर

जयपुर, विनांक 13 जून 1983

आदोश संख्या राज ./सहा. आ. अर्जन/1932--यतः म्रोते, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यया ही), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 8 अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बाबिएव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आप्रकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्लीत व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री सुरअ राम पृत्र
श्री चतरु राम
निवासी चक नं . 5 ई छोटी,
तह . श्री गंगानगर ।

(अन्तरक)

 सार्वजनिक गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, श्री गंगानगर।

(अन्तिरिती)

क्ये यह सूचना कारी करके पूजा कित सम्मतित के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप ा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- विद्या किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिक्त के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बीघा स्थित बक 3 ई छोटी, बक नं 6-ई छोटी के सामने श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 1949 दिनांक 8-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षयः प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीख: 13-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज

केन्द्रीय राजस्य भवन स्टेम्ब्यू सर्किल, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

आदोश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1933--यतः मृम्हे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठः से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 259 ही तथा जो कोटा में स्थित ही, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मुंबिणत ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अक्ट्राबर, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्चित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उरयमान प्रतिफल से, ऐसे उरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती मीना लालवानी पितन श्री होलारामजी लालवानी निवासी रेतवाली, कोटा।

(अन्तरक)

 श्री होलाराम लालवानी पृत्र श्री-सत्तनमल लालवानी निवासी रित्वाली, कांटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 259, तलवंडी स्कीम, कोटा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 1363 दिनांक 16 अवट्यर, 82 पर पंजिबव्ध विकय पत्र में और विस्तुत रूप में विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षमः प्राप्तिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहरु :

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन_ारॉज केन्द्रीय राजस्व भवन स्टोच्यू सर्किल, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 जुन 1983

आदेश संख्या राज /सहा आ अर्जन/1934--यतः मुभ्ते, माहन सिंह,

धायकर ग्राधितित्य, 1861 (1961का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् शिन्त अधितियम' तहा गा है), की धारा 269-ख के ग्रधीत महान अधिका देको, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो कोटा में स्थित है, (अंदि इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं) रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रिजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16)) के अधीन, 16 अक्टाबर, 1982

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उनित बाजार मृल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल हो, ऐसे यृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिमात से अधिक है धौर धन्तरक (धन्तरको) धौर धन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे धन्तरण के बिए तय पामा गया प्रतिफल, निक्निविधित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निविधित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तिर्शे द्वारा प्रश्वट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रंब, जनत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री बिसन दास पृत्र श्री जस्ता राम, श्रीमती काशल्या परिन श्री रामगोपाल, श्री राजन्द्र कुमार पृत्र श्री विश्वनवास, कोटा।

(अन्तरक)

2. श्री गूलमोहम्मद अब्दुल वहीद, 400, एस. सी. कोटा।

(अन्तिरसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त पम्पति है अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हों।

उना सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में होई मी आक्षेप:--

- (क) इस सुकता के राजाज में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूवता को तामीज से 30 दिन की धवकि; को भी अविधि ताव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इल इसर के राजनश में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वस किसी भन्य व्यक्ति हारा, अधोहरताकारी के वास किखित में किए जा सकेंगे।

समाडी कर ग:--रसमें प्रशुवत मध्यों और पर्दा का, जो उक्त श्रीभ्रामियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वीगा जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है

अनुसूची

2400 वर्गफुट जमीन, सोपिंग सेन्टर कोटा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 1388 दिनांक 16-10-82 पर पंजि-बद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, जयपुर

्तारी**ख**ः 13**-**6-1983

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन राज, ज्यपुर

जयपूर, दिनांक 13 जून 1983

निर्दोश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1935--यतः मुभ्रे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाय 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं. ए-ब्लाक है तथा जो पदमपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 8-10-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे खामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

- श्री गणेशवास पुत्र श्री गुरुवत्तमल अरोड़ा, निवासी
 33 बी बी तह. पदमपुर ।
- (अन्तरक) 2 श्रीमती आज्ञा देवी पत्ति श्री नथुराम अराङ्ग निवासी पदमपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यविहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी मृन्य व्यक्ति व्वार अधाहस्ताक्षरी वे पास निस्ति में किए पा सकोंगे।

स्पथ्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अवसर्ची

ए-ब्लाक, पदमपुर में स्थित सम्मृत्ति का एक तिहाई भागे जो उप पंजियक, पदमपुर ब्वारा क्रम संख्या 947 दिनांक 8-10-1982 पर पंजिबब्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जयपुर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ----

तारीख: 13 जून, 1983

प्ररूप गाई. टी. एन. एस्.-----

अध्यकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्ना

भारत मुरुकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निडीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 13 जून 1983

निर्देश सं राज./सहा. आ अर्जन/1936—-यतः मृभी, मोहन सिंह,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन स्थान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्ला बाजार मूल्य 25,000/- रा. से मधिक है

और जिसकी सं. ए-ब्लाक है तथा जो पदमपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पदमपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्त्यमान प्रतिक्रम के लिए अन्तरित को गई है बोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का सिक्त बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरणं लिखित में बास्तिविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उनत् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के वधीम, निक्नितिकित क्युन्तियों नध्ति है—

श्री गणेशवास पृत्र श्री गुरुवत्तमल अरोड़ा, 33 एच्.
 बी. तह. पदमपुर।

(अन्तरक)

'2. श्री रामलाल पुत्र श्री अभी चन्द सोनी, पदमपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पृत्रोंक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारुता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्यकिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनु**सूची**

ए-ब्लाक, पदमपुर में स्थित मकान सम्पत्ति का एक तिहाई हिस्सा जो उप पंजियक, पदमपुर द्वारा क्रम संख्या 948 दिनांक 8-10-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारीख ः 13 जून 1983 मोहरुः∷

प्रकृष वार्षे, टी. एन्. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 जुन 1983

निवर्षेश नं. राज./सहा. आ. अर्जन/1937—यतः मृभ्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्दर्स मिथिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- ह से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हु"

और जिसकी सं. ए ब्लाक है तथा जो पदमपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्म से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पदमपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रान्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के निष्; और/बा
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ∷~~

- श्री गणके दास पुत्र श्री गुरुवस्तमल अरोड़ा, 33 एच.
 बी. तह. पदमपुर ।
- (अन्तरक) 2. श्री विजेन्द्र सिंह पृत्र श्री दलीप सिंह निवासी पदमपुर (अन्तरिती)

को यह सृष्ना **धारी करके पृवाँक्त सम्पृत्ति के अर्थन के** लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत, स्पिक्तिमों में से किसी स्पन्ति ह्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिचित में किए जा सर्केंगे।

स्पटिकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

ब्लाक एं, पदमपुर मंडी में स्थित सम्परित का एक तिहाई हिस्सा जो उप पंजियक, पदमपुर द्वारा ऋम संख्या 946 दिनांक 8-10-1982 पर पंजिबद्दंध विकय रूप संिविवरणित है।

> मोहन सिझ्नः सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जयप्र

ता्रीख : 13-6-1983

मोहर ः

प्रकृष जाद्दं, सी, ह्म, द्म,

श्रायतर अध्यालयम्, 1951 (1961 का 43) का वर्षः

289-व (1) के श्रष्ठीत सूचता

भारत सरकार

कार्यातम, यहाजक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अ्जीन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निद³²श नं. राज /सहा. आ. अर्जन/1940--यतः म्फ्रो, सोहन सिंह,

म्रेन र प्रियिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्यामं इसके पश्चात् 'उहा उधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभोन तक्षप्र प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर मम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रक्त से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट ही तथा जो उत्यपुर मो स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण क्य सं विणित ही) रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर मों रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1008 (1008 का 16) के अधीन वार्याल 12-10-1082

1908 (1908 का 16) के अभीन, तारील 13-10-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीब एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से सुद्धं किशी आय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम या धननार शिक्षिणियन, 1957 (1957 ता 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिरित क्षारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाक चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्री सुरेश पुत्र श्री रामलाल मेनारिया, मंदशी पानरियान, उदयप्र ।

(अन्तर्क)

 शी कमल कुमार पृत्र श्री भेरालाल पारवाल एवं रूपलाल पृत्र मीठा लाल पोरवाल, फूटा दरवाजा, जबश्याप्र।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई थी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से कि भी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- नद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अध रोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अमृस्ची

प्लाट स्थित मांदड़ी पानेरियान, उदयपूर जो उप पंजियक, उदयपूर द्वारा कम संख्या 22 25 दिनांक 13-10-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और तिस्तृत रूप से विवरणित हैं।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयपुर

ज्ञतः शबः, उत्कत अधिनियमं, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् :---21—166GI/83

नारीब : 13-6-1983

माहिर :

प्रसम् बार्चः टी. एत. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयप्र

जयपूर, दिनांक 13 जून 1983

है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-फ. से अधिक है

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- र में अधिक हैं

अरैर जिसकी सं. प्लाट नं. 5 जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिष-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अक्तूबर 1982

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी भाग को गावत जक्त अभि-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में तृषिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सी वराज पृत्र श्री गोरीमल जी साकिन रासी जिला बाढ़मेर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती तीज कंबर परिन जीतमल, नयी सड़क, जोधपुर, जनता स्वीट होम, जोधपुर । (अन्तरिती) यह सुमना जारी करके पुर्वाक्स सम्परित के अर्बन के लिए

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्स सम्परित के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🗕

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितकद किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 5 का आधा भाग, उमेदपुरा (मोहनपुरा) जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2518 दिनांक 21 अक्तूबर, 1982 पर पंजिबब्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोह्न सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

प्ररूप मार्च . टी., एन . एस . :----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के अधीन सुधान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अ्र्जन रीज, ज्यपुर

जयपूर, विनांक 13 जून 1983

निदर्श नं. राज /सहा. आ. अर्जन/1944--यतः मृक्ते, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित् बाबार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट तं. 5 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससो उपाबव्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जाधपुर में, रिअस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अवस्थ 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और मन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिद्धत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविद्ध में वास्तिवृक्ष कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की शावक, शाकक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे बुबने में सुनिधा के निष्; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिक्स, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गृहा था या किया जाना चाहिए था, डिजाने में सविधा के लिए;

सतः सब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री बीवराज पुत्र श्री गोरीमलजी साकित राखी तहः सिवाना जिला जालीर ।

(अन्तरक)

2 श्री जेडमल पुत्र श्री सुआ लाल जी अपरवाल नि , नई सड़क, जौधपूर ध्वारा अन्ता स्वीट होम, जौधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कतु सम्मृतित को न्यान के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर् सूचना की तानीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, यो उकत अधिनयम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मनुसूची

प्लाट नं. 5 का आधा भाग, उम्बेष्ट्रा (मोहनपूरा) जोधपूर जो उप पंजियक, जौधपूर द्वारा कम संख्या 2519 दिनांक 21-10-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक अर्थिकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

तारीब 3 13 जून 1983 मोहर 🖫 प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निदाश नं. राजः/सहा. आ. अर्जन/1945--यतः मूक्ते, भोहन सिंह,

अपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 4 है तथा जो जयप्र में स्थित है (अर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, हिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 15 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से निधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थाब्:-

- श्री बालचन्द कार्गा एवं श्रीमती ,रामिककारी देवी पत्नि श्री बालचन्द ए-4, सेन कालोनी, जयपूर। (अन्तरक)
- श्री मोहम्मद गुलाम, सादिक, उमर, युनुस, शरीफ ए-4 पावरहाउस रांड, सेन कालोनी, ज्यपूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

प्लाट नं. 4, स्थित पादर हाउस राष्ट्र, सेन कालोनी, जयपूर जो उप पंजियक, जयपूर द्वारा कम संख्या 2641 दिनांक 15 अक्टूबर, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रम पत्र में और विस्तृतरूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, ज्यपुर

ता्री**स** : 13 जून 1983

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 13 जून 1983

निवर्षा सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1946---यतः म्फे, मोहन सिंह,

न्नायकर न्निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावैर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं. मकान नं. 2305 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उदाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कांग्रीलय जयपुर में, रजिस्ट्रीकर्रा अधिना, विजयमा 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1982

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री विजय सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री राम सिंह, हवेली चन्द्रावितान, धी वालों का रास्ता, जयप्र।

(अन्तर्क)

(2) मंसर्स रावत एक्सपोर्ट्स प्राइकिट लिमिटेड, मकात नं 2305., हथेली चन्द्रावतान., श्री वालों का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्वन्ध में कोई भी आक्षेप :~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध कि मी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुसूची

मकान नं. 2305, घी वालों का रास्ता, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2658 दिनांक 15-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणिस है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिका।री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर ः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

भाष्कर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपूर, विनांक 13 जून 1983

निद $^{\infty}$ श सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1947—यतः म्र्फे, मोहन सिंह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संप्रित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से विधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 2305 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कांग्रीलय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत, उच्छ जीभीनयम के जभीन कार दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/का
- एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकयों, अर्थात् हि—

(1) श्रीमती उत्सव कंवर पत्नी स्वः राम सिह, हवेली चन्द्रावतान, ची वालों का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स रावत एक्सपोर्ट्स प्राइविट लिमिटंड, मकान नं. 2305,, हवेली पन्त्रायतान,, गी वालों का रास्ता, जयप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उकत श्वावर सम्मति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड़दों भीर पहों का; जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भड़पाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 2305, त्रीं वालों का रास्ता, जयपूर जो उप पृंजियक, जयपूर व्यारा कम संख्या 2658 विनांक 15-10-82 पर पंजिबव्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज,, जयपूर

तारीब : 13-6-1983

मोहरु 🛭

प्रकृप आहू . हो एन् . एस . -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निद $^{\circ}$ श सं. राज./सहा. आ. अर्ज्न/1948—यतः मुफ्रे, मोहन सिंह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्परित, जिमका उचित बाजार मृत्य 25000 रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 2305 है तथा जो जयपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के सिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिसित व्यक्तियों. अर्थात ६—— (1) श्री विषय सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री राम सिंह, हवेली चन्द्रावतान, घी वालों का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स रावत एक्सपोर्ट्स प्राइविट लिमिटोड मकान नं. 2305, हवेली चन्द्रावतान., धी वालों का रास्ता, जयपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्धन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस स्चना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2305, घी वालों का रास्ता, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर व्वारा क्रम शृंख्या 2659 दिनांक 15-10-82 पर पंजिबच्भ विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे., जयपूर

तारीख : 13-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कोन्द्रीय राजस्य भवन, स्टोच्यू सर्विकन, जयपूर जयपूर, दिनांक 13 जून 1983

निद^रश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1949---यतः म्भे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं 2305 है सथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 15-10-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है द्वान

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी इन्दू कुंबर पुत्र श्री राम सिंह, हवेली चन्द्रायतान, घी वालों का रास्ता, जयपुरं।

(अन्सरक)

(2) मैसर्स रावत एक्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड, सकान नं. 2305., हवेली चन्द्रायतान,, घी वालों का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत श्रधिनियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2305, भी वालों का रास्ता, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2660 दिनांक 15-10-82 पर पंजिबद्ध दिक्रय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र*ज, जयप्र

तारीय : 13-6-1983

प्रकृप आर्घ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जरपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1983

निवर्षा सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1957--यतः मुक्ते,

मोहन सिंह, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित प्राजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अक्टबर 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बार्सिक रूप से किथत नहीं किया गया के रूप

- (का) अन्तरण से हुद्दं िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एचि किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों करों, जिन्हों भारतीय गाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिएाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिय व्यक्तियों, अर्थात् :--22-166 GI/83

 श्री उम्मेद सिंह पुत्र श्री नान् सिंह गूम धानिकया, सरवारपुरा, सह. आमेर

(अन्तरक)

 श्री भंवर सिंह, विजय सिंह, हरी सिंह, भवानी सिंह पृत्रान श्री मान सिंह, क्वीन्स रोड, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अरुधि में भत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितुबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमे प्रयासत शब्दों और पटों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि 13 बीघा 1 बिस्वा खसारा नं. 450 स्थित गूम धान-किया जो उप पंजियक 2598 दिनांक 8 अक्तूबर, 82 पर पंजि-बद्ध विकथ पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 13-6-1983

मोहर 🖫

श्रुकप्, शादी, दी, एन्, एस , -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 15 जून 1983

निवर्षे सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1958—यतः सुक्ते,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं. ए-1 नी है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्ट बर 1982

को प्रविक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्निचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, खक्त जिभिनियम को अभीन कार दोने को अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अवने में सुनिधा को लिए; और/दा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के सिए;

नतः नव उक्त निधिनियमं की भारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपधारा (1) की भंभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, नंभीत् ∴— .1. भी सुशील कुमार राजवान पुत्र भी मोहन लाल राजवान, उगमपथ बनीपार्क जयपुर

(अन्तरक)

2. कामारी स्थाम कामारी कली पूत्री स्थाम मोहन कृष्ण कली, व्यास्थाता महाराजा कालेज, जयपुर

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविभि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाबू में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस स्थान के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध निसी बन्य स्थावत ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

जन्त्वी

ए-1-बी, एस एस एस हाइँवे एक्सटेंशन स्कीम, बजाप रगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2817 विनांक 22-10-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जयपुर

भौहर :

तारीक : 15-6-1983

प्रकार वार्ड .टी . एव . एस्., ------

भायकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की

भाष्टा 269-म (1) के भूभीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जून 1983

निर्दोश सं. राज./सहा. था. मर्जन/1959---यतः मृभ्हे,

मोहन सिंह,

कायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. ए-30 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्टबर 1982

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास, करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का बन्त्रहर्म्भतिकात से अभिय है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिक्त लिल निम्नलिकित उद्वेदस से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क), जन्तरम संहुई किसी आय की कारत, उक्त, अभिनिय्स के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उक्कसे बचने में सुविधा के किए; और/मा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियां करो, जिन्हों भारतीयं बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में स्विशा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अससरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

भी बंनीधर पुत्र भी जगम्नाथ प्रसाद बंब नवान.,
 ए-30, सेन कालोनी पावर हाउस, येड,
 जयपूर

(जन्तरक)

2 श्री भंवर लाल, श्री सीता रामा, श्री राम' प्रसाव, विजय प्रान श्री जगदीश प्रसाद सेन कालोनी, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह स्वा जारी करके पूर्वों कर सम्मित्त के नर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वस स्थानस्यों में से किसी स्थितत द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में द्वितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीक स्था: -इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदों का, जो सकत व्यक्षिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लाट नं. ए-30, सेन कालोनी, पावर हाउस रोड, अयपूर जो उप पंजियक, जयपूर द्वारा कम रांस्या 2807 विनांक 22-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, जयपूर

मीहर :: तारीक := 15-6-1983 प्रुरूप्, आहें, टी., एन. एस. ----

भायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्ज, अयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निद[ि]श सं राज ं/सहा ु आ अर्जन / 1960—यत ु मुभे, ु मोहन सिंह, ब्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 रे (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

इसके पश्चात् जनत भाषानथमं कहा गया है), का घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवल बाजार मूल्य 25,009/-इ• ो अधिक है

और जिसकी सं भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 जक्टाबर 1982

अन्य वर 1982 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और पूजी यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से घषिक है और धम्सरण (धम्सरकों) और धम्सरिती (धम्तरितियों) के बीच ऐसे धम्सरण के किये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत धम्मरण फिक्षित में वास्तिवन कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुई जिसी भाग की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर देने के व्यक्तरक के अधिक में कमी करने या असने अवने में सुविधा के लिए: भीर/या
- ्की किसी प्राय या किशी धन या मन्य आस्तियों की .जन्हें भारताय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 फा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रक्रिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नि चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री रामला उर्फ राम् सुन्दर पुत्र श्री गोविन्द नि. सिरसी

(अन्तरक)

 श्री राम सिंह पृत्र शिवराम सिहं,, 49, गोपाल बाड़ी, जयपुर महीपाल सिंह पृत्र श्री मोहकम सिंह,, 61 गोपाल बाड़ी, जयपुर

(अन्तरिती)

भो यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी अविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृद्धीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा सकेंगें।

स्वर्धी हरण २---इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदौं का, जो उक्त स्रिध-नियम के सम्याय 20-छ में परिमाणित हैं; वही सर्य होगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 बीघा 12 निस्ता स्थित गाम सिरसा को उप पंजियक, जयपूर व्वारा कम संख्या 2540 विनांक 8-10-82 पर पंजिन बक्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

मोहर :

तारीष । 15-6-1983

प्रुरुष आइ. . टी., एन्य एस्. ...-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जदयुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्दोश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1961—यतः मृभ्ते, मोहन सिंह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुप्ए से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्ट्रबर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान पितफल में, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अव्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्पीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अधित:—

 श्रीमति कमलेश कामारी परिन ठकार अमर सिंह श्री मकान नं 911 बंगरूवालों का रास्ता, अमपुर

(मन्तरक)

 श्री सुमन्त कुमार पुत्र श्री राजेश गृप्ता, बी-22, शिव्मार्ग, बनी पाक , नगप्र

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🐅

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की तारीस से 45 विन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 विन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं पकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा श्थाहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए था सुक्षेगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्ष अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

प्लाट स्थित सीताराम पुरा, कोमू रोड, जयपुर जो उप पंजिन यक, जयपुर व्वारा क्रम संस्था 2674 दिनांक 22-10-82 पर पंजिनव्ध मिक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीक: 15+6-1983

शक्य आहे. टी. एत्. एस्.--

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर गायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपूर

षदपुर, दिनांक 15 जून 1983

निर्दोश सं राज /सहा. आ अर्थन/1962--यतः मुभ्ते,

मोहन सिंह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रीधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण **है** कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं भूमि है तथा जो सांगानेर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मीं और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सांगानेर भें, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 29 इंक्ट्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है केर मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मृत्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त्-विक रूप से क्रिश्तु नहीं किया ग्या है अ---

- (क) जन्तरण से सुद्ध किसी आब की बाबत ; उक्त कथि-नियम के बंधीय कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौद्ध/मा
- (का) ऐसी किसी आथ या किसी भून या अन्य आस्तियौँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए ;

वंत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अभीत् ध-

1. श्री गणेश, भाणक चन्द, नारायण, छोट, गोपाल (नाबालिग) सीता राम (नाबालिंग) पुत्र श्री गोविन्द अहीर निवासी ग्राम राम चन्द्र पुरा, पंचायत महाप्रा

(अन्तरक)

2. श्री विक्रमावित्य ट्रस्ट व्वारा श्रीमती उषा गोलेछा परिन श्री सुरन्द्र कुमार गोलेखा श्रीमती आशा परिन श्री राजेन्द्र कुमार गोलंछा, सी-83, पृथ्वीराज राड, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध के कोई भी काश्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य अधिक्त ब्वारा अधिकः ताकारी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरूण:--इसमें प्रयुक्त शख्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गमा है।

भूमि 5 बीषा 2 बिस्वा स्थित ग्राम सारगपुरा तहः सांगानेर जो उप पंजियक सांगानेर द्वारा कम संख्या 683 दिनांक 29-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित ह•ै।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रूज, जयपुर

तारी**च**ः 15-6-19**83**

प्रस्ता वाद्वि पर्ने भग भग । -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुमना

माउव बाउवाड

कार्यालयं, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, जदपूर

जयपूर, विनांक 16 जून 1983

निवर्षेश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1963--यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कर यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्यु, 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी संदुकान नं 5 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अक्टूबर 1982

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से, एसे दृष्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से छक्त अन्तरण मिसित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) नभारण से धुर्द किसी आव की गावत, जक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण को बाबित्य में कनी करने या उक्क वयने में सुविधा के किए; जीर/या
- (स) एरेसी किसी आयया किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियस, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नवाथायाकियायाना पाहिए था. क्रियाने में स्विभाके लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. भी उदय राम नौधरी पुत्र श्री जेठाराम नौधरी, बी-19, सेठी कालोनी **जयपुर**

(अन्तद्धक)

2. श्रीमति उषा देवी परित श्री ज्ञान चन्द्र जी मुथा, दुकान नं. 5, अर्जीन लाल सेठी कालोनी, **जयप्**र

(मन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हाँ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप,:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुकाराः
- (क) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 विन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्युक्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृद्धी वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

बक्तान नं. 5, वर्जन लाल सेठी कालोनी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपूर द्वारा कम संख्या 2496 दिनांक 8 अक्टूबर 82 पर पंजिबब्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जयपुर

तारीब : 16-6-1983

मोहर 🕄

प्ररूप बाई.टी एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

नियां सं. राज / सहा. आ. अर्जन / 1964 — यतः मुक्ते, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 25 है तथा जो जयपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1,908 का 16) के अधीन, तारीख 22 अक्ट्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुत्रिशा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अर्थ, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिएकत व्यक्तियों, अर्थात् ध——

- 1. श्री किश्वनगोपाल खंडलेशाल पृत्र श्री रामिकशन खंडलेशाल 3/15 श्रीस्ट पटोल नगर, नश्री दिल्ली। (अन्तरिती)
- 2. श्री मोहनलाल धमाणी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण धामाणी ए-49, जनता कालोनी, जयपुर।

(अन्तरक)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करे 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कि में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

दुकान नं. 25, जनता कालोनी, जयपुर जो उप पंजियकः; जयपुर द्वारा कम संख्या 2772 दिनांक 22-10-82 पर पंजि-बद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयपुर

तारौब : 15-6-1983

मोहर 🛚

प्ररूप काहाँ, टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व्य (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपूर

जयपुर, विनांक 15 जून 1983

निवर्षां सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1965--यतः नुम्भे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आवासीय प्लाट है तथा जो उवयपुर में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-यार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंगरिती द्नारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 23-166 GI/83

 श्री हनवन्त सिंह पृत्र श्री विमन सिंह, ग्राम-कीमेल, तह. वाली, जिला-पाली

(अन्तरक)

 श्रीमती होमा कुमारी पत्नि श्री राज सिंह ग्राम जसवाडी नाया सन्डवा, एम. पी. ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

आवासीय प्लाट स्थित सहोती मार्ग, धन्द्रलोक हाटेल, उदय-प्र जो उप पंजियक, उदयप्र द्वारा क्रम संख्या 2192 दिनांक 12-10-82 पर पंजिब्द्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहत सिंह सक्ष्म प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, जयपुर

तारीख: 15-6-1983

सोहर :

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन र^{र्}ज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जून 1983

निदंशि सं. राज./सहा. आ. अर्जत/1966---यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं द्कान नं 6 है तथा जो अयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8 अक्त्-बर 1982

को पूर्वेक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ थे लिए हाँ पाया गया प्रतिफल, निम्हतिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित मों धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई सिसी आय की अमत जक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-बार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ते उपत अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थाय एकर नहीं किश ग्या था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के निए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मीं, की उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिमित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री गांधीकन्द पुत्र श्री तारा चन्द पुत्र श्री प्रेम चन्द पुत्र श्री तारा चन्द हल्दिमों का रास्ता, जमप्र।

(अन्तरक)

2. मोहम्मद सबीर, अब्दुलीश, मोहम्मद ताहिर, मोहम्मद जािकर मोहम्मद साकी नाबािलग जरिए सरिक्षण बलकुनिश, बुकान नं 6 कमला नेहरू मार्किट, जमपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृषांकित संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबंहस्ताक्ष्मी के पास निकट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहां वर्ष होंगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुखी

दुकान नं. 6 स्थित कमला नेहरू मार्किट, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर व्वारा कम संख्या 2593 दिनांक 8 सुक्तूबर, 82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीख: 16-6-1983

सोहर :

थकप काइ . टी. एन. धस......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

क्षार्व मर्कार

कार्यालय, सहायक जायकर बाधुतः (निरोक्षण)

अर्जन रंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 16 जून 1983

निदाधि सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1967--यतः मृक्ते, मोहन सिंह,

नायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात 'उक्त विभिनियस' कहा गया हैं) की भारा 269-न के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसका सं. ब्रांकान नं. 16 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वींगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अक्सबर 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूग्यमान अतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्चित में बास्त-विक रूप से किथित नहीं किया प्रमा है:--

- (क) अन्धरण वे हुद्दं किसी बाद की बावत दक्त जीध-नियम को अधीन कर दोने के बन्तरक के द्यागरण में कवी करने या उत्तरों अधने में सुविधा के निवे; और गा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उसत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मां, मीं उसत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मारीमल पुत्र श्री लालभन्य पुत्र श्री पारस राम पुत्र श्री संगत राम सिंधी, हल्वियों का रास्ता, जयपुर

(अन्तरक)

 श्री नूर मोहम्सद पुत्र श्री होहमतुल्ला खां दुकानमं 16, नेहरू बाजार, जयप्र

(अन्तरिती)

को यह सुमना चारी कारके पूर्वोक्त संपति के अर्थन के शिए कार्यवाहियां शुरु करता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अस्तिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हों, का भीतर प्रवेकित व्यक्तिया में किसी स्थित द्वारा ;
- (स) इस सूचना के राज्यप्य में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकारों।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, धही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुसूची

बुकाननं 16, कमला नेहरू मार्कोट, जयपुर् को उप पंजियक जयपुर ब्लारा कम संख्या 2661 दिनांक 15 अक्तूबर, 82 पर पंजिबद्द्ध विकय पत्र में ओर विस्सृत रूप से विधरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारीस : 16-6-1983

मोहर ः

प्ररूप आई टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जयपुर

. जयपुर, दिनांक 15 जून 1983

निद^{्ध}श सं. राज./महा. आ. अर्जनः/1968~--यतः मुक्ते, माहन सिंह,

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रहा, से अधिक है

कारण ह कि स्थावर सम्पादत, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जैधपूर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत हों) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यानय जौधपूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 अक्तूबर 82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्वरिय से उक्त अन्तरफ लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बुधन राम., भौरी लाल, भवन लाल पुत्रान श्री हीरा लाल घरियों का बास, जीधप्र

(अन्तरक)

2. मैसर्स नयभारत गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, जौधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अमलची

भूमि 20 बीघा 10 बिस्वा स्थित बासानी चोबारा, जीधपुर जो उप पंजियक द्वारा क्रम संख्या 2466 दिनांक 18-10-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ओर विस्सृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रजे, जयपुर

तारीख: 15-6-1983

प्ररूप आइ[‡]. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 17 जून 1983

निदोष मं राज /सहा आ अर्जन/1969---यतः मृभी, मोहान सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

जौर जिसकी सं. भूमि है तथा जो जौधपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिज-स्ट्रींफर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजस्ट्रींकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 अक्सूबर 1982

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय धामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन निम्मनिसित व्यक्तियों, अधित् :---

- श्री चेनाराम, पूजा राम, सोहनताल पूजान श्री मनी चन्द मांची माचियों का बास, जौधपूर । (अन्तरक)
- मैसर्स नवभारत गृह निर्माण सहकारी समितिः तिमिटोड जौधपूर।
 (अन्तरिती)¹

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थावसयों में से किसी स्थाबित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र भा प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावहर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंघी

भूमि 20 बीघा 10 बिस्वा स्थित बासानी चोहाडा, जोधपूर जो उप पंजियक, जौधपुर ख्वारा कम संख्या 2470 दिनांक 19-10-1982 पर पंजिबद्ध टिक्रय पत्र में और विस्तृत रूप संविवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ऊर्जन रख, जयपूर

तारीख . 17 जून 1983 मो**हर** छ यक्षत्र आहे. टी. एर. सुस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुपना

भारत तरकार

कार्यानयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1983

निद्देश सं. राज. /सहा आ. अर्जन/1970--यतः मुक्ते, गोहन सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्योहत, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा संविधक है

और जिसकी सं. नेहरा है तथा जे बन्दी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्थी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) दिजि, स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बन्दी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-82 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति रित की गई ही और मुम्में यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हाई किसी अाय की बाबता उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में किसा करणी पर एक्से नम्मल की स्वाहत्या वासित्व; और/एए
- (ख) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य कैरिन्नियें की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-व्य प्रितियम, (1947 (1977 के 27) ह प्रशोकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गों, गौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- भीमति कस्सा बाई पत्नी भी साक्रमस व्यारा गाणेश अयलिमल रानीजी की बावड़ी, बृन्दी।
 (अन्तरक)
- 2. श्री उभववास पुत्र श्री आंटन वास ब्वारा ,रोहिडा इन्डस्ट्रीज., इन्डस्ट्रीयल एरिया, कोटा। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के बर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उसत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त घट्वों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस ची

शृंहरा, रामजी की बायड़ी के पास बन्दी का जौधाई भाग आहे. उत्पंजियक, बन्दी द्वारा कम संख्या 1615 दिनांक 31 अक्तूबर, 1982 ५२ पंजिबद्ध यिकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17 जून 1983

महिर:

प्ररूपः आर्षः टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत' सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयप्र

जयप्र, विनांक 17 जून 1983

निवोश सं. राजा./सहा. आ. अर्जन/1971---यसः म्रेडे, मोहन सिंह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

अरेर जिसकी सं. नोहरा है तथा जो बून्दी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और एणं रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बून्दी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियस 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 अक्तूबर 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वरस करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथु पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की याबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भी, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- श्री लोक मल पृत्र औटमदास व्यास गणेश आईल मिल, सनी भी की क्षित्री, बन्दी। (अन्तरक)
- 2. श्री झामनदास पृत्र भी योटमवास द्वारा प्रकाश जनरल "इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयन एरिया, कोटा । (अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध गा तत्सवंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होंगी हा, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजध्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किमी व्यक्ति द्वाग, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्त्रष्टिकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20 क मी परिणाधित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

अन्स्ची

नोहरा को एक चौथाई भाग, रामणी की बावडी, बून्दी औ उप पंजियक, बून्दी द्वारा कम संख्या 1614 दिनांक 30 अध्यक्त्रर, 1982 पर पंजिबद्ध निकय पत्र में और दिस्तृत रूप में दिवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऊर्जन रंज, जयपुर

तारीच : 17 जूर् 1983

महुर्

प्ररूप आईं, टी. एन. एस. - - - ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपर

जयपुर, दिनांक 17 जुन 1983

निदेश मं. राज / महा आ. अर्जन / 1972 -- यतः स्भे , मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रहर से अधिक है

और जिसकी मं. भूमि है तथा जो रामगढ़ में रिथत है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अक्त-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामगढ में रिजस्ट्रीकरण अधि-बर 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (क्ट) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियो को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा की तिए;

अत: अब, जेक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री केंपल कामार पुत्र श्री मोहन लाल, गोलेटा, तह. रामगढ ।

(अन्तरक)

 मैसर्स आर. बी. टेल्तानीमल घैरीटोबल ट्रस्ट, रिफ-स्टर्ड आफिस, मोदीनगर, यू. पी.।

को यह सुमना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधायस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण --इसमे प्रयक्त शब्दो और पदो का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

किष भूमि 2 बीघा 4 जिस्वा स्थित गुम गोलेटा तह. रामगढ़ जिला अलब्द जो उप पंजियक रामगढ़ द्वारा ऋम संख्या 1243 दिनांक 23-10-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अ्जीन रोज, जमपुर

तारीख : 17 जून 1983 मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपूर, विनांक 17 जून 1983

निक्रेश सं. राजः/सहा आ. अर्जन/1973--यतः स्के, मोहन सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा यो अलवर में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अनुसूची में और भूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितीयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री बलदेव राज धवन पुत्र श्री मोहन लाल तहः रामगढ जिला अलघर ।

(अम्तरक)

2. मैंसर्स आर. बी. मृलतानीमल चैरोटेबल ट्रस्ट, रिजस्टर्ड आफिस मोदीनगर, यू. पी.। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमची

भूमि 2 बीघा 4 बिस्सा स्थित ग्राम गोलेटा तह रामगढ़ जिला अलवर जो उप पंजियक, रामगढ़ द्वारा क्रम संख्या 1248 दिनाक 23-10-1982 पर गंजिबव्ध विकय पत्र में विस्तृत रूप से विदर्गित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

त्तारीख: 17 जून 1983

मोश्र -

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपूर

जयपुर, विनांक 17 जून 1983

िनदोश सं. राजः /सहा आं. अर्जन/1974---यतः मृभ्हे, भोहान सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो अलवर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिज-स्त्रीक्षती अधिकारी के कार्यालय अलवर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अपन्वर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित पं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त आधि-गियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न्लिखित व्यक्तियों, वर्धातः —

- श्री राजकनुमार पुत्र श्री मोहन लाल गोलेटा सह रामगढ़ जिला अलवर । (अन्तरक)
- 2. मैसर्स आर. बी. मुलतानीमल चेरीटेबल ट्रस्ट रिज-स्टर्ड आफिस मोदी नगर (यू. पी.) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीश से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ह—इसमें प्रयुक्त काक्यों और पदों का, जो उज्जात अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

अन्सर्ची

भूमि 2 बीघा 4 बिस्ता स्थित ग्राम गोलेटा तह. रामगढ़ जिला अल्वर जो उप पंजियक अलकर द्वारा कम संस्था 1248 दिनांक 23-10-1982 पर पंजिबब्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीच : 17 जून 1983

माहर:

प्रकृष बाहै. धी. एन्, एष्,-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1983

निवांश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1975—यतः मुन्ते, मोहन सिंह,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनयम' कहा गया है), की भारा 269- व के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

आर जिसकी सं. भूमि हैं तथा ओ अलवर में स्थित हैं (और इसमें उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिज़-स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय सलकर में, तिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से एसे रस्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को ब्लीन, निक्तिविक्त व्यक्तियों, वृज्ञीत् हिन्स श्री माहिन लाल पुत्र मंगल सेन निवासी रामगढ़ जिला अलब्द्र ।

(अन्तरक)

 मैसर्स झार बी मूलहानीमल चेरिटेबल ट्रस्ट रिज-स्टर्ज आफिस मोदीकृत्र, यू. पी. । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि 2 बीधा 5 विस्ता स्थित ग्राम गोलटा, तहं. रामगढ़े जिला अलवर जो उप पंजियक, अलवर द्वारा कम संख्या 1247 दिनोंक 23-10-1982 पर पंजियद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयपुर

नार⁴ख : 17 जून 1983

माहर:

प्ररूप माइ े. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत बरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1983

निद्धेश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1976—यतः मुभ्ते, मोहन सिंह,

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो अलुवर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अर्पर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलवर में रिजर्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारिल 23 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नतिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ जिल्ली जाय की बाबत, उक्त जींभीनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, धिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धा के स्थि;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) को अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३1. श्री भूषण कुमार पृत्र श्री माहनलाल गालेटा तह रामगढ़ जिला अलब्द ।

(अन्तरक)

2. आर. बी. मुल्सानीमल चैरिटिबेस ट्रस्ट, रिजस्टर्ड आफिस मोदी नगर् (इ. प्र.) ।

(अन्तरिसी)

को यह त्वना जारी करके पृक्त कर सम्परित के वर्षन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सूच व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में किया गया है।

वनसची

भूमि 2 बीघा 4 बिस्वा स्थित ग्राम गोलेटा तह. रामगढ़ जिला अलवर जो उप पंजियक, अलवर द्वारा क्रम संख्या 1244 दिनांक 23-10-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और यिस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीख: 17 जून 1983

महिर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st June 1983

No. A.35014/2/80-Admn,II(i).—In continuation of this office notification of even number dated 5th April, 1983 and 31st March, 1983, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to officiate on the ex-cudre posts of Accounts Officers in the office of Union Public Service Commission on ud-noc basis for a further period of 3 months w.e.f. 1-6-1983 to 31-8-1983 or until further orders whichever is earlier.

S. No., Name & Designation

- 1. Shri Sudharshan Kumar, Section Officer (CSS Cadre)
- 2. Shri V. C. Kajla, Section Officer (CSS Cadre)
- 3. Shri A. K. Sharma, Section Officer (CSS Cadre).
- 2. The above named officers will be on deputation to the ex-cadre post of Accounts Officers and their pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure, O. M. No. F.1(11)-E-III(B)/75, dated 7-11-1975 as amended from time to time.

I. C. KAMBOJ,
Section Officer
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 8th June 1983

No. P.1990-Admn.III.—Consequent on his having been selected for appointment to the post of Assistant Administrative Officer in Delhi Electric Supply Undertaking on deputation on foreign service terms in the pay scale of Rs. 1000-1850 for a period of 3 years, the services of Shri I. C. Kamboj, Section Officer of Union Public Service Commission are placed at the disposal of the Delhi Electric Supply Undertaking with effect from the afternoon to 8th June 1983 with instructions to report for duty to Shri A. J. S. Sahney, Administrative Officer (General), D.E.S.U., Shakti Sadau, Shakti Marg, New Delhi immediately thereafter.

S. K. F. KUJUR, Dy. Secy. (Admn.) Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 23rd May 1983

No. A.11016/1/83-Admn.IH(2).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Avasthy, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on ad-hoc basis with effect from 16-5-1983 to 8-7-1983 or until further orders, whichever is earlier.

The 4th June 1983

No. A.32014/3/83-Admn, 1II.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad hoc basis for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

S. Name No.			Period for which promoted
S/Shri			
1. V. P. Kapal			9-5-83 to 8-8-83
2. R. K. Gaur .			9-6-83 to 8-9-83
3. B. C. Gupta .			9-6-83 to 8-9-83
4. K. C. Sehgal .			9-6-83 to 8-9-83
5. Raj Kumar			25-5-83 to 2-8-83
6. D. P. Arora			1-6-83 to 15-8-83
7. Pramod Behari			3-5-83 to 8-7-83
8. G. T. Ramnani.	•	•	16-5-83 to 31-5-83 and
			2-6-83 to 5-7-83
9. Bhagwati Charan			28-5-83 to 10-6-83
0. S. K. Bansal			29-5-83 to 10-6-83

The 20th June 1983

No. P-2008-Admn.III—Consequent on his having been selected for appointment to the post of Organisation and Methods Officer in Delhi Electric Supply Undertaking on deputation on forcign service terms in the pay scale of Rs. 1000-1850 for a period of 3 years, the services of Shri Mehar Singh, Section Officer of Union Public Service Commission are placed at the disposal of the Delhi Electric Supply Undertaking with effect from the afternoon of 20th June, 1983 with instructions to report to Shri A. J. S. Sahney, Administrative Officer (General), D.E.S.U. Shakti Sadan, Shakti Marg, New Delhi immediately thereafter.

The 30th June 1983

No. A.38013/5/82-Admn.IJI.—The President is pleased to permit Shri G. P. Bhatta, a permanent Assistant and Officiating Section Officer of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th June, 1983 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests (A) dated the 24th November, 1973.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPART\'IENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd July 1983

No. A-31016/2/83-AD.I (DPC):—In exercise of the powers conferred by Rule 9 (2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints the following persons substantively to the post of Office Superintendent in Central Bureau of Investigation with effect from the dates noted against their names:—

Sl. Name of the No. Officer	Present Place of posting	Rank in which already permanent in CBI	Date from which appointed substantively to the post of O.S.
S/Shri			
1. S. B. L. Sharma	AD. V Sec. (He	-,	28-2-81
2. S. L. Dutta .	Zone-I(HO)	Cr. Asstt,	7-5-81
O. P. Chitkara	Policy Divn.	Cr. Asstt.	7-5-81
(HQ)	(HO)		
4. S. K. Sharma	Central Zone	Cr. Asstt.	6-9-81

The 4th July 1893

Zone-II (HQ)

Cr. Asstt. 6-9-81

5. Tilak Rai

No. C-4/65-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri C. Sitaramamoorthy Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Dy. Legal Adviser in C.B.I. with effect from the forenoon of 20th June, 1983.

No. V-15/65-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri V. A. Ramasharma, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Dy. Legal Adviser in C. B. I. with effect from the forenoon of 24th June, 1983.

No. A-1205/3/81-AD.V.(Part-5).—The President is pleased to appoint Shri Dulal Chandra Sarkar as Sr. Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 24th June, 1983.

R. S. NAGPAL,
Administrative Officer (E).
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 4th July 1983

No. O.II-1759/82-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Vinay Kumar as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 21st June, 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI, Asstt. Dir. (Estt.).

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 25th June 1983

No. E-38013(4)/12/83-Pers,—On attaining the age of superannuation, Shri Sarwan Singh relinquished charge of the post of Asstt. Comdt. (Junior Administrative Officer) North Zonc, CISF, New Delhi, with effect from the afternoon of 31st May, 1983.

SURENDRA NATH, Dir. Gen./CSIF.

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 1st July 1983

No. 8FC2(11)-A/82.—Shri S. L. Mathur, Under Secretary of the Department of Revenue and on deputation as such in the Eighth Finance Commission retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th June, 1983, on attaining the age of superannuation.

Miss A. K. AHUJA, Dy. Secy.

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA GOVERNMENT MINT

Bombay, the 30th June 1983

FORM-I

No. I-189/1742/Admn/83,—Notice of termination of service issued under Rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965.

In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I, V. Ramamurti, Chief Accounts & Administrative Officer, hereby give notice to Shri R. N. Meher, Mali on Group 'D' Establishment, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published.

V. RAMAMURTI

Chief Accounts & Admn. Officer

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi, the 1st July 1983

No. Admn.I/O.O. No. 149.—The Director of Audit Central Revenues hereby appoints Shri Babu Ram an officiating "Audit Officer" of this office in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-7-1983.

Mrs. PRAVIN TRIPATHI, Joint Director of Administration

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL RAJASTHAN,

Jaipur, the 17th June 1983

No. Admn-II/G-Gaz. Notfn./170,—The Accountant General-I is pleased to promote Shri Dau Lal G. Mathur, Selection Grade Section Officer of this office and appoint him as officiating Accounts Officer w.e.f. 31-5-83(FN) until further orders.

M. S. SHEKHAWAT

Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, SIKKIN

Gangtok, the 25th June 1983

No. Admn/PF/AO/PRR/1575.—Shri P. R. Rajagopalan Section Officer on deputation from the office of the Account tant General-I, Orissa, Bhubaneswar is appointed to officiate on deputation as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Sikkim, Gangtok with effect from the forenoon of 14th June, 1983.

M. S. PARTHASARATHY

Senior Deputy Accountant General.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 16th June 1983

No. AN/I/1171/1/Vol-I.—The President is pleased to appoint Shri S. Mallick, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, with effect from the forenoon of the 8th December, 1982 until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri S. Mallick, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, initially for a period of six months from the forenoon of 19th February, 1982, or till regular ariangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/I/I(PC-I) dated 26th April, 1982, and subsequently extended by a further period of six months upto the afternoon of 18th February, 1983, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No AN/I/1172/I/I(PC-I) dated 9th December, 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December, 1982. The service in the ad-hoc appointment will not bestow on him a claim for counting the service for the purpose of seniority in Level-I of the Senior Administrative Grade and for eligibility and confirmation on his regular appointment to that Grade from the forenoon of 8th December, 1982.

No. AN/I/1171/1/Vol-I.—The President is pleased to appoint Shri R. B. Kapoor, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, with offect from the forenoon of the 8th December, 1982, until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri R. B. Kapoor, to officiate in Level-1 of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, initially for a period of six months from the forenoon of 17th February, 1982, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 26th April, 1982, and subsequently extended by a further period of six months upto the afternoon of 16th February 1983, or till regular arrangements are made, whichever is carlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/1/1172/1/I(PC-I) dated 9th December, 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December, 1982. The service rendered in the ad-hoc appointment will not bestow on him a claim for counting the service for the

purpose of seniority in level-1 of the Senior Administrative Grade and for eligibility and confirmation on his regular appointment to that Grade from the forenoon of 8th December, 1982.

No. AN/I/1171/1/Vol-1.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Mehta, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, with effect from the forenoon of the 8th December, 1982, until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri H. S. Mehta, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service initially for a period of six months from the forenoon of the 18th February, 1982, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/1/1172/1/I(PC-I) dated 26th April 1982, and subsequently extended by a further period of six months upto the afternoon of 17th February, 1983, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Departments Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 9th December, 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December, 1982. The service in the ad hoc appointment will not bestow on him a claim for counting the service for the purpose of seniority in Level-I of the Senior Administrative Grade and for eligibility and confirmation on his regular appointment to that Grade from the forenoon of 8th December, 1982.

No. AN/I/1171/1/Vol I.—The President is pleased to appoint Shri R. Venkateratnam, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, with effect from the forenoon of the 8th December, 1982, until further orders.

2. The ad hoc appointment of Shri R. Venkataratnam, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, initially for a period of six months from the forenoon of the 6th March, 1982, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 26th April, 1982 and subsequently extended by a further period of six months upto the afternoon of 5th March, 1983, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 9th December, 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December, 1982. The Service in the ad hoc appointmen will not bestow on him a claim for counting the service for the purpose of seniority in Level-I of the Senior Administrative Grade and for eligibility and confirmation on his regular appointment to that Grade from the forenoon of 8th December, 1982.

No. AN/I/1171/1/Vol-I.—The President is pleased to appoint Shri S. Venkatasubramanian an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, with effect from the forenoon of the 8th December, 1982, until further orders.

2. The ad hoc appointment of Shri S. Venkatasubramanian, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (2500-125/2-2750) of that service, initially for a period of six months from the afternoon of 26th February, 1982 or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I) dated 26th April. 1982, and subsequently extended by a further period of six months upto the afternoon of 25th February, 1983, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-I), dated 9th December. 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December. 1982. The service rendered in the ad hoc appointment will not bestow on him a claim for counting the service for the nursose of seniority in Level-I of the Senior Administrative Grade and for cliebility and confirmation on his regular appointment to that Grade from the forenoon of the 8th December, 1982.

No. AN/I/1183/1/I—Reference this Department's notification No. AN/I/1403/4/II dated 12-3-82, 23-4-82, and 26-3-83 and No. AN/I/1183/1/I dated 30-12-82. The President is pleased to allow the following Permanent Accounts Officers to officiate in the Junior Time Scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service (Rs. 700-1300) on ad hoc basis for further period as noted against each:—

SI. Name No.			Date upto which extension has been allowed
S/Shri			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
1. J. N. Agarwal		,	31-05-83
2. P. S. Swaminathan			30-04-83
3. D. Krishnamurthy			30-06-83
4. S. Bhagcerathan			30-06-83
5. Lachha Singh			30-06-8
6. Lachman Das Gambi	hir		30-06-8
7. Man Mohan Singh			30-06-8
8. C. R. Mazumdar			30-06-8
9. Shyamal Deb			30-06-8
10. K. L. Makin			30-06-8
C. Suryanarayana			30-06-8
12. A. Janakiraman			30-06-8
13. P. K. Saighal			30-06-83
14. V. Sampath			30-06-83
15. D. K. Kar			30-06-83

V. S. JAFA

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 24th June 1983

No. 32/G/83.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri A. P. Bhattacharyya, Offg. DDGOF Level-I retired from service w.e.f. 31st May, 1983 AN.

V. K. MEHTA Director

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 2nd July 1983

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 5/3/81/ADMN (G).—The President is pleased to appoint the following ACCI&E in the Important Export Trade Control Organisation to Grade II of the Central Trade Service, with effect from the dates noted against each, until further orders:—

Sl. Name of the C	Officer				Date of appointment
1 2					3
S/Shri 1. Om Prakash		,			28-1-83
2. J. P. Sharma		•			11
 P. K. Mukherje S. Narasimhan 	e .	•	•	•	12-5-83(AN)

1 2			3
S/Shri		 	
5. G.R. Nair	i		28-1-83
6. J. M. Banerjee			,,
7. S. Mukherjee			,,
8. A. Thukkaram	,		**
9. R. Selvaraj			,,
10. R.K. Jaiswal			**
S. L. Chohan			**
C.G. Fernandez			,,
G.B. Srivastava			,,
14. H. P. Das			,,
5. D.S. Narasimiah			,,
16. S.K. Dutta			,,
17. K.V. Sharma			,,
18. S. P. Dhupar			,,
19. Shafaat Ahmed			,,
20. E. Nongrum	,		, ,
21. N.S. Srivastava			,,
22. K,C, Das			,,

V. K. MEHTA

Deputy Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 1st July 1983

No. 18(1)83.CLB.II/6—In exercise of the powers conferred on me by sub-clause (d) of clause 2 of the Woollen Textiles (Production & Distribution) Control Order, 1962, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 16(2)66-CLB. II/B dated the 6th December, 1967.

In the table appended to the said Notification against serial number 7 the existing entries under columns (1), (2) and (3) shall be substituted by the following entries namely:—

S. 1 No.	2	3
**7(i)	Commissioner, Food & Supplies) -
(ii)	Deputy Commissioner, Food & Supplies.	
(iii)	Assistant Commissioner, Food & Supplies.). Delhi
(iv)	Food & Supplies Officer.	ſ
(v)	Civil Supplies Officer.	
(vi)	Chief Inspector, Food & Supplies	}
(vii)	Inspectors, Food and Supplies.	}

SURESH KUMAR Additional Textile Commissioner,

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 13th June 1983

No. 19001/29/83-DCH/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Datta, I.A.S. (Assam: 1967) as Additional Development Commissioner (Handlooms) in the office of the Development Commissioner for Handlooms,

Ministry of Commerce, Department of Textiles, with effect from the forenoon of the 1st June 1983.

S. K. MISRA, Development Commissioner (Handlooms)

New Delhi, the 17th June 1983

No. A-22012/1/82-Admn.II(A).—The President is pleasto accept the resignation from service of Shri R. K. Kapoor Assistant Director Grade-I (Processing) in the Weavers Servic Centre, Agartala under the Office of the Development Commissioner for Handlooms with effect from the forenoon of 6th December, 1982.

The 22nd June 1983

No. A-12025(i)/3/81-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the afternoon of 28th March, 1983 and until further orders Shri Amrut Patel as Assistant Director Grade-I (Designs) in the Weavers' Service Centre, Delbi

No. A-12025(1)/3/81-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of 2nd May, 1983 and until further orders Shri V. Canthanam as Assistant Director Grade-I (Design) in the Weavers' Service Centre, Cannanore.

P. K. DATTA

Addl. Development Commissioner (Handlooms)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMET OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 21st June 1983

No. A.19018(639)/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. K. Das as Asstt, Industrial Designer, at Small Industries Service Institute, Calcutta, with effect from the forenoon of 15-4-83 until further orders.

The 27th June 1983

No. A.19018(660)/82-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri R. Sampath Kumar, SIPO (Chem.) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi, as Asstt. Director (Gr. II) (Chem.) on Ad-hoc basis at the same Office with effect from the forenoon of 6-6-1983.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF SUPPLY DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

ADMN. SECTION A-6

New Delhi-110001, the 30th June 1983

No. A6/247(486)/73-III.—The President is pleased to appoint Shri S. Nagarajan, Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the Madras Inspection Circle of Directorate General of Supplies and Disposals as Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Engineering Branch) on ad-hoc basis in the Calcutta Inspection Circle with effect from the forenoon of 30th May, 1983 for a period of six months.

2. Shri Nagarajan relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer * (Engineering) on 16-05-1983 (AN) at Madras and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) at Calcutta on the (forenoon) of 30-05-1983,

No. A-6/247(380) /78-IV.—The President is pleased to appoint Shri U. R. Majumder, Inspecting Officer (Engineering) Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg.) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on purely ad-loc basis with effect from the forenoon of 11-05-1983 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri U. R. Majumder is also subject to final decision on the three L.P.As Nos. 67/83, 68/83 and 69/83 in Civil Writ Petition Nos. 1457/81, 1590/81 and 1973/81 pending in the High Court of Delhi.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri U. R. Majumder will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation,
- 3. Shri U. R. Majumder relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the afternoon of 07-05-1983 and assumed charge of the office of Deputy Director of Inspection (Engineering) at Kulti under the office of Director of Inspection, Calcutta with effect from the forenoon of 11th May, 1983.

S. L. KAPOOR Dy. Dir. (Admn.) For Dir. Gnl. Supplies & Disposals

ADMINISTRATION SECTION A-1 New Delhi-1, the 30th June 1983

No. A-1/1(722).—Shri S. N. Suri, Permanent J.F.O. and Officiating Assistant Director (S) (Gr. VI) in the Dte General of Supplies & Disposals, New Delhi retired from Govt. service with effect from the afternoon of 30-6-83 on attaining the age of superannuation.

S. BALASUBRAMANIAN Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 29th June 1983

No. 5578B/A-19012(1-RKU)/82/19A.—Shri Rajendra Kumar Upadhyay is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14-4-1983 until further orders.

No. 5591B/A-19012(1-AKS)/19A.—Shri Abboy Kumar Singh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of Pay of Rs. 650-30-740-35-810-BB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 7-5-83, until further orders.

No. 5604B/A-19012(1-NLG)/82/19A.—Shri Niranjan Lal Gera is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6-4-1983, until further orders.

The 30th June 1983

No. 5691B/A-19011(1-BVR)/81/19A.—Dr. B. V. Rao, Geologist (Junior), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Junior) in Geological Survey of India on resignation with effect from 15-3-82 (AN).

No. 5702B/A-19011(1-SSR)/81/19A.—Dr. S. S. Ray, Geologist (Junior), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Junior) in Geological Survey of India on resignation with effect from 26-7-82 (A.N.). 25-166GI/83

The 1st July 1983

No. 5716B/A-19011(1-HB)/81/19A.—Dr. H. Banerice, Geologist (Junior), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Junior) in Geological Survey of India on resignation with effect from 30-10-82 (AN).

No. 5726B/A-32013/1-Dir.(Geol.)/83/19A.—The President is pleased to appoint Shri V. D. Mahajan, Geologist (Sr.) Geological Survey of India on promotion as Director (Geol.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30-4-83 until further orders.

The 2nd July 1983

No. 5798B/A-12014/(1-Geol) (Jr.) /81/19A.—The President is pleased to appoint Smt Sumitra Sen, Asstt. Geologist of the G.S.I. on promotion as Geologist (Jr.) in the same department on pay according to Rules in the scale of the pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10-5-83, until further orders.

No. 5784B/A-32014/(1-Geol.)(Jr.)/81/19A.—The President is pleased to appoint Smt. Amala Maiti, Assistant Geologist of the Geological Survey of India on promotion as Geologist (Jr.) in the same department on pay according Rules in the scale of the pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11-5-83 until further orders.

The 44 Muly 1983

No. 5812B/A-19012(1-JSM)/82/19A.—Shri Jagdish Singh Mehta is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 7-5-1983, until further orders.

No. 5825B/A-19012(MKC)/82/19A.—Shri M. K. Chatterjee is appointed as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200/in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 25-5-83 until further orders.

No. 5837B/A-32014/(1-Geol.)(Jr.)/81/19A.—The President is pleased to appoint the following Assistant Geologists of the Geological Survey of India on promotion as Geologist (Junior) in the same Department on pay according to Rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/in an officiating capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

- 1. Shri Subir Kumar Ghosh, 23-3-83 (F/N).
- 2. Shri R. G. Sinha, 2-4-83 (F/N).

No. 5855B/A-32014/(1-Geol.)(Jr.)/81-19A.—The President is pleased to appoint Shri C. J. Kumanan, Asstt. Geologist of the G.S.I. on promotion as Geologist (Jr.) in the same department on pay according to Rules in the scale of the pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16-5-83 until further orders.

No. 5869B/A-32013(2-GJ)(I)/78/19B.—The President is pleased to appoint Shri Narayan Chandra Sarkar, Assistant Geophysicist (Insttn.), GSI on promotion to the post of Geophysicist (Jr.) (Insttn.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity wef the forenoon of 7-1-83, until further orders.

S. K. MUKERJEE Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th June 1983

No. A-19012(174)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Chanan Ram,

Permanent Superintendent is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer in Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 3rd June, 1983.

B. C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 4th July 1983

No. 4(55)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Gautam Sengapta as Programme Executive, All India Radio, Siliguri in a temporary capacity with effect from 20th May, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 5th July 1983

No. 4(65)/82-S1.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Som Dutt Sharma as Programme Executive, All India Radio, Ranchi in a temporary capacity with effect from the 18th April, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(69)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Sh. Dinesh Chandra Sharma, as Programme Executive, All India Radio, Jodhnur in a temporary capacity with effect from the 6th June, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 6330-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(97)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Sh. Rajendra Nath Sarmah as Programme Executive, All India Radio, Shillong in a temporary capacity with effect from the 23rd May. 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(98)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Ravi Shanker as Programme Executive, All India Radio, Jagdalpur in a temporary capacity with effect from the afternoon of 3rd June, 1983 and until further Orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(99)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. Ragini Walke, as Programme Executive, All India Radio, Sangli in a temporary capacity with effect from the 3rd June. 1983 and until further orders. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

PRESS INFORMATION BUREAU

New Delhi-1, the 28th June 1983

No. 12034/14/82-Fstt.—The Principal Information Officer hereby appoints Shri Harish Kumar Gupta, Grade 'C', Stenographer of CSSS Cadre of the Ministry of Information and Broadcasting as Reporter (Hindi) in the Press Information Bureau at New Delhi on deputation and on ud-hoc basis, for a period of six months with effect from 21-6-1983.

T. S SUNDARESWARAN Asstt. Principal Information Officer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 1st July 1983

No. A.12025/23/81 (NTI)/Admn.I/T.B.—The Director General is pleased to appoint Dr. Vijayakumar Challu to the post of Veterinarion, at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, with effect from the forenoon of the 4th June, 1983 and until further orders.

Y. N. SHARMA Dy. Director Administration (PH)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 2nd July 1983

No. A.19023/5/83-A-III.—On the recommendations of the U.P.S.C. Shri Shaligram Shukla, Assistant Marketing Officer is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad w.e.f. forenoon of 6-6-83 until further orders.

On his appointment as Marketing Officer Shri Shaligram Shukla, relinquished the charge of the post of Assistant Marketing Officer at Patna in the afternoon of 4-4-83.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 23rd June 1983

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Bindo Shamacharya Ashtaputre, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an aul-hoc basis for the period from 2-5-1983 (FN) to 10-6-1983 (AN).

No. Ref.: PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Kedarnath Laxman Kotekar, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 2-5-1983 (FN) to 18-6-1983 (AN).

No. Ref.: PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Fdathil Ramanunni Kidave, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs, 650—960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 26-4-1983 (FN) to 18-6-83 (AN).

The 24th June 1983

No. Ref.: S/4602.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Sumir Pattoo as Station Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—800—EB—40—960 in this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21-6-83 until further orders.

No. Ref.: PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri T. K. Pushpangathan, Upper Division Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 26-4-1983 (FN) to 4-6-1983 (AN).

No. Ref.: PA/79(4)/80-R-III.—Controller. Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri G. Gopakumar Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an adhoc basis for the period from 26-4-1983 (FN) to 4-6-1983 (AN).

CORRIGENDUM

The 27th June 1983

No. PA/81(6)/83/R-IV.—The entries regarding promotion of Shri V. S. Kamath appearing at Sl. No. 35 of the Notification of even number dated May 30, 1983, are hereby deleted from the said Notification.

M. D. GADGIL Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 2nd July 1983

No. T/152/Estt.II/2777.—Shri Arthur Solomon Thomas relinquished charge of the post of Security Officer on 31-5-1983 (AN) consequent on superannuation.

R. L. BATRA Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 23rd June 1983

Ref. No. DPS/41/1/83-Adm./21194.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Sharad Keshav Nerurkar, a permanent UDC and officiating Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-loc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 16-5-1983 (FN), to 18-6-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri V. C. Varkey, Assistant Purchase Officer granted leave.

The 2nd July 1983

Ref. No. DPS/2/1(11)/83-Adm./21812.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri T. G. Gidwani, a permanent Store-keeper and ad-hoc Chief Store-keeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 1-6-83 (FN) to 31-8-83 (AN) in the same Directorate.

P. GOPALAN
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 27th June 1983

No. AMD/16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. K. Ghosh, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk, Atomic Minerals Division officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis for a period of 31 days with effect from the forenoon of 11-5-1983 to 10-6-1983 vice Shri G. V. Ramana Assistant Personnel Officer, proceeded on leave.

The 2nd July 1983

No. AMD-1/31/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri B. Vijaya Gopal a temporary Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 24, 1983 until further orders.

No. AMD-16/11/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. D. Choudhary a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer. Atomic Minerals Division to officiate as Accounts Officer II in the same Division with effect from the forenoon of June 13, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 27th June 1983

No. 05052/Feb. 83/2150.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Mayadhar Samal, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project with effect from the forenoon of February 1, 1983 until further orders

No. 05052/Feb. 83/2151.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Raja Kishor Das, a temporary Scientific Assistant 'C' of Henvy Water Project (Talcher) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project with effect from the forenoon of February 1, 1983 until further orders.

No. 05052/Feb. 83/2152.—Chief Executive, Heavy Water Projects. appoints Shri Khagendra Kumar Mohapatra, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project

(Talcher) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project with effect from the forenoon of February 1, 1983 until further orders.

R. C. KOTIANKAR Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur, the 28th June 1983

No. TAPS/1/18(1)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri T. K. Rajappan, a permanent Stenographer Grade-I and officiating Scnior Stenographer to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960) on ad-hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from 19-5-1983 (FN) and upto 27-6-1983 (AN) vice Shri S. Thriambaknath, Assistant Personnel Officer promoted as Administrative Officer-III on ad-hoc basis.

D. V. MARKALE Administrative Officer-III

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 23rd June 1983

No. RRC/PF/3960/83/9061.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Saravanamuthu Chidambaram, a permanent Time Scale Clerk and officiating Junior Accounts Officer of the office of P&T Electrical Circle, Bombay, Ministry of Communications, P&T Board, as officiating Assistant Accounts Officer in the Reactor Research Centre, Kalpakkam on deputation with effect from the forenoon of June 8, 1983 until further orders.

S. PADMANABHAN Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

an and the second control of the second control of the second of the sec

New Delhi, the 1st July 1983

No. A-38013/1/83-EA.—Shri N. D. Ghosh, Senior Aerodrome Officer office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta retired from Government Services on the 31st June, 1983 on attaining the age of superannuation.

J. C. GARG
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 25th June, 1983

No. A. 32013/2/83-EC—The President is pleased to appoint the following 45 Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on a regular basis with effect from 5-5-1983 and until further orders:—

S. Name No.

S/Shri

- 1. S.K. Dass
- 2. O.P. Dixit E
- 3. M.S. Sawhney
- 4. N.S. Sidhu
- 5. S.R. Padmanabhan
- 6. S. Ramaswami

13470	THE GAZETTE OF	1,112111, 3
S. No. Name		
S/Shri		
7. P.A. Shastri		
8. K.B. Nanda		
9. R.V. Israni		
10. L.R. Goyal		
11. H.S. Bajwa		
12. M.G. Sudershar	ì	
13. O. P. Bhalla		
14. A. Rajagopalan		
15. Mukhtiar Singh		
16. R. Ramamurthi		
17. M. Raghavan		
18. M.A. Rao		
19. Sarjit Singh		
20. M. P. Sama		
21. N.S. Apte		
22. K.C. Devgun		
23. A.K. Dey		
24. V.K. Sharma 25. G.D. Kulkarni		
26. T.R. Monon		
27. Manohar Singh		
28. P.N. Nayyar		
29. H.C. Tiwari		
30. D.S. Gill		
31. P.V. Subramani	an	
32. R.N. Dutt		
33. M.V. Dharbo		
34. H.S. Growal		
35. P.K.K. Pillait		
36. J. K. Chopra		
37. H.S. Sarna		
38. V. P. Narang		
39. S.S. Nepeli		
40. R. Vittal Singh		
41. P.C. Jain		
42. Harbhagwan		
43. T.D. Sharma		
44. P. K. Sengupta		
45. I. J. Sharma		

H. L. KOHLI Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 25th June 1983

No. 1/13/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Harbhajan Singh, Inspector, Central Reserve Police Force, as Security Officer, in New Delhi Branch, on deputation basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 1st December, 1982, until further orders.

No. 1/411/83-EST.—Shri J. M. D'Silva, permanent Deputy Traffic Manager, Bombay Branch, retired from Service, with effect from the afternoon of the 30th April, 1983, on attaining the age of superannuation.

No. 1/523/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. P. Selvaraj, Supervisor, Madras Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the periods from 12-12-82 to 25-1-83 and from 7-2-83 to 21-2-83 against short-term vacancies on ad-hoc basis, and as local arrangement.

The 30th June 1983

No. 1/8/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. J. Adsul Supervisor, Bombay Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the Madras Branch, with effect from the forenoon of the 16th May, 1983, and until further orders.

No. 1/12/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. N. Mukhopadhyay. Tech. Assistant, Calcutta Branch, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 1-2-1983 to 11-3-1983, against a short-term vacancy, on ad-hoc basis and as a local arrangement.

No. 1/186/83-EST.—Shri Balvinder Singh Matheru, temporary Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay, was permitted to resign his appointment, with effect from the afternoon of the 24th May, 1983.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 28th June 1983

C. No. II(7)2-ET/82/6521—The following confirmed/officiating Superintendent Group 'B'/Administrative Officer, Group 'B' of this Collectorate have retired from service on superannue-tlon with effect from the dates indicated against each:—

S. No.		of Officer	Designation	Date of superan- nuation
1	2		3	4
	S/Shri	i		
1.	Jai Ra	m Ram j .	Superintendent, Gr 'B'	30-6-82 (AN)
2.	N.N. 1	Dova .	Superintendent, Gr 'B'	30-6-82 (AN)
3.	R.K. I	Pathak .	Superintendent, Gr 'B'	31-7-82 (AN)
4.	Lala (Jopalji Saha	i Superintendent, Gr 'B'	31-7-82 (AN ₎
5.	S.N. I	Banerjeo	Admn. Officer	31-7-82 (AN)
6.	Govin	nd Sahu	Superintendent, Gr 'B'	31-7-82 (AN)
7.	Gang	a Prasud	Superintendent, Gr 'B'	30-9-82 (AN
8.	C.N.	Bhagai	Superintendent, Gr'B'	31-10-82 (AN ₎
9.	Laxm Singl	ni Narain 1	Superintendent, Gr 'B'	30-11-82 (AN)
10.	. S.C.	Mukherjee	Superintendent, Gr 'B'	30-11-82 (AN)
11	. A.J.1	l. Sinha	Superintendent, Gr 'B'	31-12-82 (AN

1 2	3	4
S/Shri		
12. Vasudeo Singh	Superintendent, Gr 'B'	31-1-8 ₃ (AN)
13. C.K. Jha .	Superintendent, Gr 'B'	31-1-83 (AN)
14. Mahbullah .	Superintendent, Gr 'B'	31-1-83 (AN)
15. S.M. Mitra	Superintendent, Gr 'B'	28-2-83 (AN)
16. S.K. Sinha	Superintendent, Gr 'B'	28-2-83 (AN)
17. R.P. Choubay	Superintendent, Gr 'B'	28-2-83 (AN)
18. Chandra Sokhar Pd.	Superintendent, Gr'B'	28-2-83 (AN)

K. K. SRIVASTAVA Assistant Collector (Hqrs.) for Collecto

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT,: CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 25th June 1983

No. 18/83.—Shri Subhash Chandra Jana, lately posted as Assistant Collector, Central Excise, West Bengal Collectorate on transfer to the East Regional Unit of this Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, Calcutate de Lepartment of Revenue Order No. 73/83 (F. No. A-22012/23/83-Ad.11) dated 26-4-83 assumed charge of the post of Assistant Director (Vigilance) Group 'A' w.c.f. 18-5-85 (Forenoon).

B. C. RASTOGI Director of Inspection

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 20th June 1983

(CHEMICAL ESTABLISHMENT)

No. 1/1983.—Shri B. D. Gupta, Chemical Assistant Gr. I presently officiating as Assistant Chemical Examiner with effect from 4-12-80 on ad-hoc basis in the Govt. Opium & Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner (Group 'B' post) on rogular basis in the same factory with effect from 30-4-83 (F.N.) and until further orders.

No. 2/1983.—Shri S. K. Mittal, Chemical Assistant Gr. I presently officiating as Assistant Chemical Examiner with effect from 3-2-82 (A.N.) on ad-hoc basis in Central Revenues Control Laboratory, New Delhi-12 has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner (Group 'B' post) on regular basis in the same Laboratory with effect from 30-4-83 (F.N.) and until further orders.

No. 3/1983.—Shri I. C. Varshney, Chemical Assistant Gr. 1 presently officiating as Assistant Chemical Examiner with effect from 19-10-81 on ad-hoc basis in the Govt. Opium & Alkaloid Works Undertaking, Neemuch has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner (Group 'B' post) on regular basis in the same factory with effect from 30-4-83 (F.N.) and until further orders.

No. 4/1983.—Shri A. Francis Raj, Chemical Assistant Gr. I, presently officiating as Assistant Chemical Examiner with effect from 18-2-82, on ad-hoc basis in Central Revenues Control Laboratory, New Delhi-12 has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner (Group 'B' post) on regular basis in the same Laboratory with effect from 30 4-83 (F.N.) and until further orders.

No. 5/1983.—Shri Om Pal Singh, Chemical Assistant Gr. I, presently officiating as Assistant Chemical Examiner with effect from 31-10-81 on ad-hoc basis in the Custom

House Laboratory, New Custom House Bombay has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner (Group 'B' post) on regular basis in the same Laboratory with effect from 30-4-83 (F.M.) and until further orders.

KESHAV PRASAD
Chief Chemist, Central Revenues
(Appointing Authority)

C. No. II(3)(4)/83-Estt.

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st July 1983

No. 27-S/B(11)/81-EC.II.—Shri S. N. S. Bhatnagar, Superirtending Engineer (Civil) of this department at present on deputation to Ministry of Works & Housing has retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30th June, 1983 (A.N.).

Smt. NEENA GARG Dy. Director of Administration for Director General (Works)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) . COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Cochin, the 6th June 1983

No. 804/Liq/560(4)/5860/83.—Whereas, Nadar Mercantile Bank Limited (in liquidation) having its registered Office at Trivandram is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the attains of the company have been completely wound and that the statement of accounts (return) required to be nade by the auquidator has not been made for a period off six consecutive months;

Now, therefore in pursuance of the provisions of Sub-Section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry of three months from the date of this notice the name of Nadar Mercantile Bank Limited (in liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies Kerala

In the matter of Companies Act, 1956 and of the Tirhut Flying & Gliding Club Ltd.

Patna, the 29th June 1983

No. (790)PS/2578.—Notic is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Tirhut Flying & Gliding Club Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of the Anami Saran Engineers Private Ltd.

Paten, the 29th June 1983

No. (807) PS/560 2574.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Anami Saran Engineers Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of the Express Switch Gears Private Ltd.

Patna, the 29th June 1983

No. (742) PS/560/2576.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies

Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Express Switch Gears Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of the Apna Credit & Investment Private Limited

Patna, the 30th June 1983

No. (1045) 560/2610.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Apna Credit & Investments Private Limted unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Metallic Traders & Industries Private Limited

Patna, the 30th June 1983

No. (1106) 560/PS/2615.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mettallic Traders & Industries Private Limited unless—cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Registrar of Companies, Bihar, Patna

In the matter of Companies Act. 1956 and of M/s Simple Fashions Limited

Panaji, the 25th June 1983

No. 189/G.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Simple Fashions Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

D. M. PANAJKAR Registrar of Companies Goa, Daman & Diu Panaji

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Natrium Chemicals Pvt. Ltd.

Gwalior, the 30th June 1983

No. 1408/CP/763.—Notice is, hereby, given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of 3 months from the date hereof the name of M/s. M. P. Natrium Chemicals Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX (CADRE CONTROL AUTHORITY)

Kanpur, the 6th June 1983 ORDER

SUBJECT: ESTABLISHMENT SERVICES GROUP "B" GAZETTED— PROMOTION—TRANSFER & POSTING OF—

No. 12—The following Inspectors of Income Tex are here by appointed to officiate as Income Tex Officer (Group 'B' in the

pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charge and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available.

On promotion their services are placed at the disposal of the Commissioner of Income Tax indicated against their names who will please issue their posting orders.

Sl. Name No.	Charge/Office	Commissioner of Income Tax at those Dis- in posal the service are placed
 Shri Dcopak Kumar Kapoor 	Каприг	Agra
2. M. P. Dargar	. Meerut	Agra

The 20th June 1983

ORDER

SUBJECT: ESTABLISHMENT—CENTRAL SERVICES

GROUP "B" GAZETTED—PROMOTION,

TRANSFER & POSTING OF-

No. 16.—Shri Shrawan Kumar Srivastava Inspectors of Incometax are hereby appointed to officiate as Incometax Officer (Group 'B' in the Pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charge and until further orders. He will be liable to reversion in case it is subsequently found that his appointments have been made in excess of the vacancies available.

On promotion his services are placed at the disposal of the Commissioner of Incometax Agra, who will please issue his posting orders.

> SUDHAKAR DWIVEDI Commissioner of Incometax, Kanpur

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay, the 2nd June 1983

No. F.71-Ad(AT)/83.—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of Section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Income-tax Appellate Tribunal hereby makes the following rules further to amend the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963:—

- 1. These rules may be called the Income-tax (Appellate Tribunal) Second Amendment Rules, 1983.
- 2. They shall come into force with effect from 1st July, 1983.
- 3. In the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963,
 - for rule 36, the following rule shall be substituted, namely:
 - "36. What to accompany an application for reference under section 256(1)—An application for reference under sub-section (1) of section 256 shall be in triplicate and shall be accompanied by documents referred to in item No. 7 of form No. 37 prescribed

under rule 48 of the Income-tax Rules, 1962, which in the opinion of the applicant should form part of the case and a translation in English of any such document where necessary."

- (2) for rule 45, the following rule shall be substituted, namely:
 - "45. What to accompany the statement of the case—The Iribunal shall append to the statement documents which in its opinion form part of the case and as supplied to it by the patties. Within such time after the statement of the case is drawn up, as the Tribunal may direct, the applicant of the respondent as the case may be, shall, in addition to the documents already filed in accordance with rule 36, file as many certified copies of the documents which form annexures to the case as the Tribunal may direct, and in case the party responsible for filing, defaults, the Tribunal may send the statement to the High Court without such annexures."
- (3) the full stop at the end of rule 47 shall be deleted and the following shall be added: "or the Vice President, as the case may be."
- (4) for sub-rule (1) of rule 50, the following sub-rule shall be substituted, namely.
 - "(1) Fees for inspecting records and registers of the Tribunal shall be charged as follows:—
 - (a) For the first hour or part thereof.

Rs. 2/-

(b) For every additional hour or part thereof.

Re. 1/-."

By order of the Appellate Tribunal

G. P. BAJPAI
Registrar,
Income tax Appellate Tribunal, Bombay

FORM ITNS-

(1) Gulmohar Properties

(Transferor)

(2) Rita Kumar Idnani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1983

Ref. No. TR-243/82-83/SL 751.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

Flat No. 22 in 2nd floor situated at 42-B, Shakespear Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 15-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22 in the 2nd floor of 42-B, Shakespear Sarani, Calcutta, containing a floor area of 1200 sq. ft. transferred vide Deed No. 9350 dated 15-10-82 and registered in the office of R.A., Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

and/or

of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Date 15-6-1983 Seal:

(1) Mr. Samarendra Nath Mitra & Ors.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

· Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. TR-246/82-83/SI. 739.--Whereas I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 159-B, situated at Bipin Behari Ganguly St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at R.A., Calcutta on 13-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

26-166GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Smt. Rekha Ganguly & Mr. Ajıt Kumar Ganguly.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed tinshed structure with land measuring about 6K—6Ch. at premises No. 159B, Bipin Behari Ganguly St., Calcutts. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 12544 P dt. 13-10-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 21-4-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Omrao Devi Tulshan

(Transferor)

(2) Smt. Ginni Devi Soni

(Transferce)

(3) Anant Ram Sukla & Ors. tenants.

(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. TR-247/82-83/Sl. 740.—Whereas I M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said-Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19 situated at Sir Hariram Goenka St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 11-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly 3 and partly 4 storeyed building at 19, Sir Haritam Goenka St., Calcutta with land measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 9057 on 11-10-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 8-6-1983

FORM ITNS----

(1) Smt. Omiao Devi Tulshan

(Transferor)

- (2) Ram Chandra Soni, Minor represented by his father & natural guardian Motilal Soni.
 - (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Anant Ram Sulka & Ors. tenants.

(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. TR-248/82-83/Si. 741.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

25,000/- and bearing No.
No. 19 situated at Sir Haritam Goenka St., Calcutta
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
R. A. Calcutta on 11-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of Partly 3 and Partly 4 storeyed building at 19, Sir Rariram Goenka St., Calcutta with land measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No 9058 on 11-10-82.

M. AHMAD
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 8-6-1983

(1) Smt. Omrao Devi Tulshan

(Transferor)

(2) Shri Daya Nand Soni

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Anant Ram Sukla & Ors. tenants.
(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983

(a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. TR-249/82-83/Sl. 742.—Whereas I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 19 situated at Sir Hariram Goenka St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A, Calcutta on 11-10-1982

R. A. Calculta on 11-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/6th share of partly 3 and partly 4 storeyed building at 19, Sir Hariram Goenka St., Calcutta with land measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar of Assurance, Calcutta vide deed No. 9059 dt. 11-10-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-6-1983

(1) Smt. Omrao Devi Tulshan

(Transferor)

(2) Shri Suraj Mal Soni

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Anant Ram Sukia & Ors. tenants.
(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. TR-250/82-83/Sl. 743.—Whereas, I. M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 19 situated at Sir Hariram Goenka St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 11-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly 3 and partly 4 storled building at 19, Sir Hariram Goenka St., Calcutta with land measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 9060 dt. 11-10-82.

M. AHMAD
Competent Authority
linspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 8-6-1983

(1) Smt. Omrao Devi Tulshan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandmal Soni

(Transferco)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Anant Ram Sukla & Ors. tenants.
(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1883

Ref. No. TR-251/82-83/Sl. 744.—Whercas, I, M. ΑΜΗΛD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. 19 situated at Sir Hariram Goenka St., Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
R. A. Calcutta on 11-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

whichever period expires later;

from the service of notice on the respective persons

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incommunity from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly 3 and partly 4 storied building at 19, Sir Hariram Goenka St., Calcutta with land measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. dt. 11-10-82.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-6-1983

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. TR-252/82-83/SI. 745.- Whereas I, M. AMHAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19 situated at Sir Hariram Goenka St., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 11-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Omrao Devi Tulshan

(Transferor)

(2) Shri Shiv Bhagwan Soni, minor represented by his father and natural guardian Mohanlal Soni.

(Transferee)

(3) Anant Ram Sukla & Ors. tenants.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly 3 and partly 4 storied building at 19. Sir Hariram Goenka St., Calcutta with land measuring about 11K-3Ch. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 9062 dt. 11-10-82.

M. AHMAD
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 8-6-1983

FORM ITNS----

(1) Shri Niranjan Hitjee

(Transferor)

(Transferce)

(2) M/s. Amaryyoti Investment Co Ltd

(3) 1. Shri N. K. Lohia 2. Smt. S D. Singhania

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1983

Ref No TR-237/82-83/Sl 746/IAC/Acqn R-I/Cal.—Whereas, I, M AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. 9 situated at Wood Street, Calcutta (and mojefully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at S R A. Calcutta on 22 10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land building measuring 1B 13Ch 22 sft. of 9, Wood Street, Calcutta registered before the S.R.A., Calcutta, vide Deed No 9564 dt. 22-10-1982

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 16

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-1983

Seal

(1) Shii Chandra Singh Hirjee

(Transferor)

(2) M/s Amaryoti Investment Co. Ltd.

(Transferce)

(3) 1. N. K. Lohia 2. Smt. S. D. Singhania

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CAI CUTTA

GOVERNMENT OF INDIA

Calcutta, the 15th June 1983

Ref. No. TR-236/82-83/SI. 747/1 Λ C/Acqn R-I|Cal — Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 situated at Wood Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. A., Calcutta on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land building measuring 1B 13Ch 22 sft. of 9, Wood Street, Calcutta registered before S.R.A., Calcutta vide No 9563 dated 22-10-82.

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-1983 Seal:

Scal

27--166GT/83

(1) Shri Arun Kumar Hirjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Amaryoti Investment Co. Ltd.

(Transferee)

(3)· 1. N. K. Lohia 2. Smt. S D. Singhania

(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Calcutta, the 15th June 1983

Ref. No. TR-239/82-83/SI. 748/IAC/Acqn.R-I/Cal — Whereas, I, M. AHMAD,

Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. 9 situated at Wood Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A., Calcutta on 22-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

All that undivided 1/5th share of land building measuring 1B 13Ch 22 sft. of 9, Wood Street, Calcutta registered before the S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 9566 dated 22-10-1982.

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trusferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the eaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-1983

(1) Shri Jayant Hirjee

(Transferee)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Amarjyoti Investment Co. Ltd.

(3) 1. N. K. Lohja 2. Smt. S. D. Singhania

(Persons in occupation)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1983

Ref. No. TR-238/82-83/SI. 749/IAC/Acqn.R-1/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 9 situated at Wood Street Coleutte

No. 9 situated at Wood Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A., Calcutta on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that undivided 1/5th share of land building measuring 1B 13Ch 22 sft. of 9, Wood Street, Calcutta registered before the S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 9565 dated 22-10-1982.

THE SCHEDULE

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-6-1983

FORM FORM 1.T.N.S.-

(1) Mr. S. I. R. Ciaig & Mr. G. H. Neil Craig.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Poddar Electronics Limited.

(Transferce)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Fully tenanted.

(Person in occupation)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-L CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1983

Ref. No. TR-263/82-83/SI. 750/IAC/Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income to Act. 1061 (42 of 1061)

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11 situated at Camac St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

RA., Calcutta on 21-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-
- EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

cation of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Building & Structures at premises No. 11, Calcutta with land measuring 2 Bighas-19K-5Ch-40 Sft. Registered before the Registrat of Assurances, Calcutta vide deed No. 9557 dt. 21-10-1982.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date . 15-6-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th June 1983

Ref. No. Acon Range-III/37CF/72/83-84.—Whereas, I, S H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No 17 situated at Andheri(E) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Shii Gopal Subiamanyan & Smt. Sajaswati Subiamanyan.

(Transferor)

(2) Shii Suiesh Pujari Dhotre.

(Transferee)

(3) Shri Gopal Subi amanyan & Smt. Saraswati Subi amanyan

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamelyable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, Ground floor, E-Block, Indiana Buildings, New Indiana Premises Cooperative Society Limited, Nathuradas Vissanji Road, Andberi East, Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQUISITION-III-1, Dated 8-10-1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 16-6-1983

(1) Shri Shyamlal Mohanlal.

(Transferor)

(2) Shri Jyotirmoy Anathnath Bose.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th June 1983

Ref. No. AR-I/4820/83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Document No. Bombay 1382/77 C.S. No. 1480 of Bhulcshwar Division situated at

Sheikh Memon Street, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were period or interest letters. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1382/77 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 25/10/1982.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 13-6-1983

Scal:

(1) Messis Sharda Builders, Old Sharda Chamber Premises Co-op. Soc. Ltd. (Transferor)

(2) Members of the Society.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th June 1983

Ref. No. AR-1/4784/83-84—Whereas I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Document No Bombay 485/79, CS. No 923 of Mandvi Division situated at Keshavji Naik Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-10-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 485/79 and registered on 14-10-1982 with the Sub-Registrar, Bombay.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date 13-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1983

Ref. No. AR-I/4781/83-84.-Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 573 of Mazgaon Division situated at Parel Road North Estate, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 14-10-1982, Document No. 3128/70 BOM.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Dhanjisha Jamshedji Desai & Shri Roshan Dhanjisha Jamshedji Desai.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Fatemabai Jakirhusen Dalal

2. Shri Shree Shabbir Jakirhusen Dalal
3. Shri Shree Firoz Jakirhusen Dalal and
4. Shri Shree Saifee Jakirhusen Dalal

(Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

(4) Bombay Improvement Trust. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3128/70 BOM and registered with the Sub-registrer, Bombay, on 14/10/1982.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date 14-6-1983 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th June 1983

Ref. No. AR-I/4801/83-84.---Whereas, I, R. K. BAQAYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/and bearing No.
C. S. No. 694 of Bhuleshwar Division situated at Girgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14/10/1982. Document No. BOM. 2578/81. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sam Framroze Lala.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mehera Dhunjisha Daruwala 2. Shri Dhunjisha Burjorji Daruwala
 - 3. Shri Burjor Dhunjisha Daruwala
 - 4. Shri Thrity Burjor Daruwala.

(Trunsferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

(4) Vendor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2578/81 and registered on 14/10/1982 with the Sub-registrar, Bombay.

R K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-6-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Jayamma Channacah No. 5125, Apple Tree Drive N. E. Roanoke Virginia U.S.A.

(Transferor)

(2) M/s. G. R. Enterprises, No. 218/Y, III Block, Rajajinagar Bangalore-10.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd June 1983

C.R. No. 62/36245/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

670 situated at 10th cross road, west of chord road

II stage Bangalore

Il stage Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rejainagar under document No. 3020/82-83 on 29-19-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income anising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3020/82-83 dated 29-10-82). All that property bearing No. 670 situated at 10th cross road, west of chord road II stage Bangalore,

> MANJU MADHAVAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 14th June 1983

C.R. No. 62/36149/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. Nos. 90/1, 91, 92, 93, 94, 95 and 96/1 situated at Kothnur Village, Uttarhalli Hobli Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South under document No. 4079/82-83 on 7-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

 Sh. Dharmender Singh Deol S/o Kewal Singh Deol, 22, Juhu Parley Scheme 11th road, Juher, Bombay-400054 Dharmendra Singh Deol, Trustee of the Estate of Miss. Ajeetha Deol & Master Vijay Singh Deol Minor.

(Transferor)

(2) Sh. Ajay Singh Deol S/o D. S. Deol, No. 22, Road No. 11, Juhu Scheme, Juhu. Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4079/82-83 dated 7-10-82) All that property bearing Sy. Nos. 91, 92, 93, 94 95 & 96/1, situated at Kothnur Village, Uttarhalli Hobli, Bangalore South.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bnagalore-

Date: 14-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th June 1983

C.R. No. 62/36303/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18,

situated at Kemp, Road, Bangalore (Corpn. No. 47) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 2470/82-83 on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/8 Farah Builders (Pvt) Ltd. No. 83, M.G. Road, Bangalore-1. Mr. Sadat All Khan.

(Transferor)

(2) 1. Syed Ilyas Aga Syed Salauddin Aga 3. Syed Liyakathaga No. 30, Cockburn Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

(Registered Document No. 2470/82-83 dated 12-11-82) All that property bearing No. 18, situated at Kemp. Road, Bangalore (Corpn. No. 47).

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th June 1983

C.R. No. 62/36352/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 516 situated at III Block, Koramangala Extn., Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South Taulk under document No. 4898/82-83 on 27-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumout of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1), Dr. V. V. Modi S/o Veerchand Das P. Modi Kanakanady, Mangalore-2.

(Transferor)

(2) K. Rani Kumar Reddy S/o K. Chandrashekar Reddy No. B-21, Kudremukh Colony, Koramangala, Bangalore-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4898/82-83 dated 27-11-82)

All that property bearing No. 516, at III Block, Koramangala Extn., Bangalore.

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-6-1983

20 er

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE Bangalore-560 001, the 13th June 1983

C.R. No. 62/36237/82-83/ACQ/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 2817/1982 SY No. 248 situated at Magadi Town, Bangalore Dist

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Magadi under document No. 1530/82-83

on 14-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Smt. Premaleela, W/o Late M. N. Rajashekariah, No. 148, Cottonpet, Magadi.
 Navarathna, D/o M. No. Rajashekaralah & W/o Basavaraju, No. 169, 14th Cross, I block, Rajajinagar, Bangalore-560010.

3. Smt. Sukanya, D/o late Rajashekaraiah & W/o Ravishanker, No. 113610, III Main Road, Vijayanagar, Bangalore-560040. Sri Mahadevaprasad, S/o late M. N. Rajashekariah 5. (a) Smt. Jayanthi, (b) Arunakumari, (c) Bharathi, Ds/o late M. N. Rajashekaralah, minors represented by Mother Smt. Premaleela, W/o Late Rajashekarajah.

(Transferor)

(2) Sri M. N. Bhogalah, (General Merchant) No. 725, Cottonpet, Magadi, Blore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are degned in Chapter XXA of the said Act shall have hte same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1530/82-83 dated 14-10-1982) All that property bearing No. 2817/1982 and Sy. No. 248 situated at Magadi Town, Bangalore Dist.

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-6-1983

FORM I.T.N.S.--

 Sri H. M. Ramiah, No. 3, IX Cross, I Main Road, Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferor)

(2) M/s. Modern Enterprises,
No. 132, Pipe Line East,
Karithimmanahalli, Bangalore.
Partners:
1. Sri G. P. Trivedi
(2) Sri T. S. Eswariah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th June 1983

C.R. No. 62/36196/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 135, situated at Pipe Line East, Karithimmanahalli, Mysore Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi under document No. 2293/82-83 on 6-10-'82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2293/82-83 dt. 6-10-1982)

All that property bearing No. 135 situated at Pipe Line East, Karithimmanahalli, Mysore Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-6-1983

Seel:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th June 1983

C.R. No. 62/36165/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 671/20, situated at 11th Cross, VII Block, Jayanagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 2333/82-83 on 14-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subramanyam No. 68, III Block, T.R. Nagar, Bangalore-28.

(Transferor)

(2) Smt. P. R. Saraswathi No. 108, Diagonal Road, V.V. Puram, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2333/82-83 Dated 14-10-82) All that property bearing No. 671/20, situated at 11th cross, VII Block, Jayanagar, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 G01, the 16th June 1983

Ref. No. III-777/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Survey Plot No. 188, H. No. 89, Ward No. XVI, within Survey J.B. No. 39/1 situated at Karnibad Road, Deoghar, Dist—Santhal Pargana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

29-166GI/83

1, Shri Mohanlal Gareriwala
 Sri Vishnu Gareriwal,
 Both R/o 33, Lake Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Devi Gupta, R/o Gopal Bagh', Kustha Ashram Road, Deoghar, Dist—Santhal Pargana.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of land with single storeyed building measuring 4.63 Acres situated at Karnibad Road, Deoghar, Distantial Pargana and morefully described in deed No. I-11961 dt. 1-10-1982 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acuqisition Range, Patna, Bihar

Date: 16-6-1983

Shri Pratul Chandra Chakravarty
 S/o Sii Dhirendra Nath Chakravarty,
 R/o 43, Main Roud,
 P.O./Dist-Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri S. Jai Singh R/o Upper P.P. Compound, Bagrai Building Lane, P.O./Dist-Ranchi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No. III-774/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DEBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M.S. Plot No. 685A, Ward No. III situated at Ranchi Chaibasa Road, P.S./Dist-Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 728 Sq. Ft. approximately being 1/3rd portion of a pucca single storyed building situated at Ranchi-Chaibasa Road, P.S./Dist-Ranchi and morefully described in deed No. I-9409 dt. 19-10-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acuqisition Range, Patna, Bihar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-1983

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th June 1983

Ref. No. III-775/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per deed No. I-8826 dt. 6-10-82 situated at Jasidih, Dist-Santhal Pargana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Calcutta for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—:

- (1) Shri Sati Nath Mitra R/o 66, Rai Mohan Banerjee Road, Calcutta-35.
- (2) Shri Shyam Sunder Singh R/o Pahar Kothi, Jasidih, Dist-Santhal Pargana.

(Trunsferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and measuring half of 5.61 Acres with a single storeyed building situated at Jasidih Dist-Santhal Pargana and morefully described in deed No. I-8826 dt. 6-10-82 registered with Sub-Registral of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBE'
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 16-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

> > Patna-800 001, the 16th June 1983

Ref. No. III-776/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

(As per deed No. I-8827 dt. 6-10-82) situated at Jasidih, Dist-Santhal Pargana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Dipti Nath Mitra R/o 241, Gopal Chatterjee Road, Calcutta-2.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder Singh R/o Pahar Kothi, Jasidih, Dist-Santhal Pargana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring half of 5.61 Acres with a single storeyed building situated at Jasidih Dist-Santhal Pargana and more-fully described in deed No. I-8827 dt. 6-10-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

> P. K. DUBEY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna, Bihar

Date: 16-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No. III-769/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

M.S. Plot No. 1477, H. No. 716B/716-C (Part), Ward No. VII B. situated at Navin Chandra Mitra Lane, Mohalla-Burdwan Compound, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Ranchi on 20-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prakash Chandra Harlalka S/o Sti Bhagwan Das Harlalka, R/o Burdwan Compound, P.S-Lalpur, Dist-Ranchi.

(Transferor)

(2) Smt. Lalita Devi Bajaj W/o Sri Ram Kishore Bajaj, R/o Upper Bazar, P.O./Dist-Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kathas 6 Chatak 7 Sq. Ft. with single storeyed pucca building situated at Navin Chandra Mitra Lane, Mohalla-Burdwan Compound, P.S.-Lalpur, Dist-Ranchi and morefully described in deed No. 8943 dt. 20-10-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acuqisition Range, Patna, Bihar

Date: 15-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pratul Chandia Chakiavarty S/o Sri Dhirendra Nath Chakravarty, R/o 43, Main Road, P.O./Dist-Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Gurnam Singh S/o Sardar Banta Singh R/o Lower P.P. Compound, Near Gurunanak School, Dist-Ranchi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No. III-772/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 685C, Ward No. III situated at Ranchi-Chaibasa Road, P.S./Dist-Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1b of 1908) in the office of the Registrating Officer at of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesnid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building measuring 650 Sq. Ft. approximately being 1/3rd portion of a pucca single storeyed building situated at Ranchi-Chaibasa Roed, P.S./Dist.-Ranchi and morefully described in deed No. 1-9407 dt. 19-10-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acuquisition Range, Patna, Bihar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15-6-1983

Seal;

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Akhil Bhusan Ghosh S/o Late Bidu Bhusan Ghosh R/o Lower Burdwan Compound, P.O.-Lalpur, Dist-Ranchi.

(Transfer

(2) Shri Shakti Pada Das S/o Late Gopal Chandra Das R/o Burdwan Compound, P.O.-Lalpur, Dist-Ranchi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No. 111-770/Acq /83-84.—Whereas,, I, P. K. DUBEY, Ref. No. 111-770/Acq '83-84.—Whereas., I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing Khata No. 19, Piot No. 39, Sub-Plot Nos. D/1B & D/2B, H. No. 1922/A, Ward No. VIIC situated at Lower Burdwan Compound, P.O.-Lalpur, Dist-Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 20-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Dian Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kathas 1 Chatak with house situated at Lower Burdwan Compound, P.O.-Lalpur, Dist-Ranchi and morefully described in deed No. 8953 dt. 20-10-82 registered with DSP P inchi.

P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuqisition Range, Patna, Bihar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No III-773/Acq/83-84.—Whereas, I, P K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M.S. Plot No. 685B, Ward No. III situated at Ranchi-Chaibasa Road. P.S./Dist-Ranchi

M.S. Plot No. 685B, Ward No. III situated at Ranchi-Chaibasa Road, P.S./Dist-Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Pratul Chandra Chakravarty
 S/o Sri Dhirendra Nath Chakravarty,
 R/o 43, Main Road,
 P.O./Dist. Ranchi,

(Transferor)

(2) Shri Surendra Prakash Chadha S/o Late B. S Chadha R/o Lower P.P. Compound, Near Gurunanak School, Dist-Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 822 Sq. Ft. approximately being 1/3rd portion of a pucca single storyed building situated at Ranchi-Chaibasa Road, P.S./Dist-Ranchi and morefully described in deed No. I-9408 dt. 19-10-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuquisition Range, Patna, Bihar

Date: 15-6-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th June 1983

Ref. No. III-771/Acq/83-84,-Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M.S. Plot No. 1477, Ward No. VIIB, New H. No. 730/I

situated at Navin Chandra Mitra Lane, Mohalla-Burdwan Compound, Dist-Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ranchi on 20-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow

ing persons, namely :--30---166GI/83

(1) Shri Anil Kumar Baneriee, S/o Late Nripendra Nath Banerjee, R/o Block AE, Plot No. 44, Sector-I, Salt Lake City, P.S. Salt Lake, Dist-24 Pargana.

(Transferor)

(2) Shri Suchitta Kumar Das S/o Late Sachi Kumar Das R/o 28, Narasingha Dutta Road, P.S. Bantra, Dist-Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kathas 26 Sq. Ft. with a single storyed pucca house situated at Navin Chandra Mitra Lane, Mohalla-Burdwan Compound, P.O.-Lalpur, Dist-Ranchi and morefully described in deed No. 8981 d. 20-10-82 registered with D.S.R. Ranchi.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuquisition Range, Patna, Bihar

Date: 15-6-1983

Scal:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th June 1983

Ref No. RTK/112/82-83,---Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of show room situated at Sham Lal Market, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office-of the Registering Officer at Rohtak on Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Kashmiri Lal S/o Sunder Lal R/o H. No. 930, Ward No. 6, Kassiya Wala Chowk, Rohtak. Shri Gulshan Rai S/o Lajpat Rai H. No. 476, Ward No. 4, Kacha Beii Road, Rohtak.

(Transferor) /

(2) Shri Parveen Kumar & Balram Kumar Se/o Shri Ram Chand S/o Shri Kahan Chand H. No. 650, Ward No. 5, Mal Godam Road. Rohtak.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being portion of show room No. 15 Sham Lal Market, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3520 dated 5-10-1982 with the S. R. Rohtak

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtal,

Date: 14-6-1083

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th June 1983

Ref. No. RTK/113 82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Portoin of show room situated at Sham Lal Market, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rohtak in Oct., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kashmiri Lal S/o Shri Sunder Lal, H. No. 930, Ward No. 6, Kassiya Wala Chowk, Rohtak. Shri Gulshan Rai S/o Shri Lajpat Rai H. No. 476, Ward No. 4, Kachha Beri Road, Rohtak.

(Transferor)

(2) S/Sh. Inder Sain, Yash Pal ss/o Shri Nihal Chand R/o H. No. 474, Ward No. 18, Shakti Nagar, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ExpLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property being portion of show room No. 15, Sham Lal Market, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3532 dated 5-10-1982 with the S. R. Rohtak.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtek,

Date: 14-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th June 1983

Ref No JDR/142/82-83.--Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and, bearing No.

House-cum-Factory situated at Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Raj Kumar S/o Ram Parkash

2. Mrs. Poonam Kappor W/o Shri Surinder Kumar

3. Shri Rishi Kapoor

Kumari Deep Mala
 D/o Shri Surinder Kapoor
 R/o Shadi Metal Ram Lila Ground,
 Jagadhari.

(Transferor)

(2) M/s Atma Metal Works, Jagadhari through Shri Atam Parkash S/o Banarsi Lal Rampura Colony, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House-cum-factory used at Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4711 dated 20-10-82 with the S.R. Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th June 1983

Ref. No. HSR/264/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of shop situated at New Model Mandi, Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Udmi Ram Phool Chand 233, New Model Mandi, Hissar.

(Transferor)

 Shri Ramesh Kumar S/o Shri Gori Shanker 233, New Model Mandi, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being portion of Shop No. 233, New Model Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2764 dated 14-10-82 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. Colony

Rohtak, the 14th June 1982

Ref. No. HSR/274/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half portion of Shop No. 233, situated at New Delhi Mandi, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in Oct. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Udmi Ram Phool Chand, Shop No. 233, New Model Mandi, Hissar.

(Transferor)

(2) Smt. Kanchan Aggarwal w/o. Shri Sajjan Kumar, Shop No. 233, New Model Mandi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being portion of Shop No. 233, Model Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2812 dated 20-10-28 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-6-1983

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CQMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th June 1983

Ref. No. SPT/111/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. M-21, Industrial Area, Central (portion) measuring 754 sq. yds. situated at Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sonepat in October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Niranjan Singh S/o Shri Harbans Singh S/o Shri Har Kishan Singh, R/o E-3, Industrial Acar, Sonepat. through Sh. Harbhajan Singh S/o Harbans Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Arora W/o Shri Ramesh Kumar S/o Shri Dewan Shand R/o M-20, Industrial Area, Sonepat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Central portion Industrial Plot No. M-21 area 754 sq. yards situated in Industrial Area, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2429 dated 19-10-1982 with the Sub Registrar, Sonepat.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 17-6-1983

FORM LT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D, L. F. COLONY

Rohtak, the 17th June 1983

Ref. No. SPT/112/82-83.--Whereas, I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Southern Portion of Industrial plot No. M-21 measuring 749 sq. yds. situated at Industrial area, Sonepat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sonepat in October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chetan Kaur Widow, Smt. Simut Kaur, Smt. Harbhajan Kaur Ds/o Sh. Harbans Singh S/o Shri Har Kishan Singh, R/o E-3, Industrial Area, Sonepat

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Arora W/o Sh. Ramesh Kumar Arora, S/o Shri Dewan Chand, R/o M-20, Industrial Area Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Southern portion of Industrial plot M-21, situated in Industrial area, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2430 dated 19-10-1982 with the S. R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th June 1983

Ref. No. SPT/113/82-83.-Whereay, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Northern Portion of Industrial plot No. M-21 measuring 738

sq. yds. situated at Industrial area, Sonepat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in October 1982 for an apparent consderation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

and/or

31-166GI/83

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Harbhajan Singh S/o Sh. Harbans Singh S/o Shri Har Kishan Singh, R/o E-3, Industrial Area, Sonepat.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Arora W/o Sh. Ramesh Kumar Aroia, S/o Shri Dewan Chand, R/o M-20, Industrial Area, Sonepat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid prsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Northern portion of Industrial plot No. M-21 measuring 738 sq. yards situated at Industrial area, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2431 dated 19-10-82 with the S.R. Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

> > Rohtak, the 17th June 1983

Ref. No. HSR/254/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 44 kanals 18 marla situated at Village Bir, Hissar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds th aepparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys' or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Sanch Lata Wd/o Sh. Aishi Lal. 6-AP Bir Hissar now R/o Mohalla Gujran, Hissar.

(Transferor)

(2) Smt. Asharfi Devi Wd/o Sh. Chanuer Bhan R/o Tehsil Road near Mohalla Neemwala, Hissar.

(Transferee)

- (4) 1. Sh. Chanderbhan Raghubir Singh, Hissar,2. Sh. Chanderbhan Sat Narain, Hissar,

 - Chanderbhan Balbir Singh,
 Sh. Chanderbhan Pawan Kumar,
 Sh. Chanderbhan Dhaiam Mohan,

through S/Shri Raghubir Singh, Sat Narain, Balbir Singh, Pawan Kumar, Dharam Mohan Ss/o Shri Chander Bhan, R/o Hissar.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 44 kapals 18 marla situated at Village Bir, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2717 dated 11-10-82 with the Sub-Registrar, Hissar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D. L. F. Colony

Rohtak, the 17th June 1982

Ref. No. PNP/246/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd part of Plot No. E/42 measuring 950 sq. yds. out of 2850 sq. yds. situated at Industrial area, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ram Bilash S/o. Shri Sadhu Ram S/o. Shri Ram Gopal R/o Safindon Mandi, Distt. Jind.

(Transferor)

(2) M/s. Shanti Textile, E-42, Industrial Arca, Pampat through Shri Sham Sunder S/o Shri Mulakh Raj Moga, H. No. 378, Model Town, Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/3 part of plot No. E/42 measuring 950 sq. yds, out of 2850 sq. yds situated in Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4165 dated 20-10-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-6-83

 Shri Lakshmi Chand S/o. Shri Sadhu Ram, r/o Safindon Mandi Distt. Jind.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

...., (... 0. 2,0.,

(2) M/s. Shanti Textile, E-42, Industrial Area, Panipat through Shri Sham Sunder Moga Raj Moga r/o 378, Model Town, Panipat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION. RANGE, ROHTAK

D. L. F. Colony

Rohtak, the 17th June 1982

Ref. No. PAP/254/82-83.—Whereas, (I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/4th of Plot No. E/42 measuring 3800 sq. yds. i.c. 950 sq. yds. with shed situated at Industrial area, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Oct. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/4th of land 3800 sq. yds, i.e. 950 sq. yds, with shed situated in Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3964 dated 4-10-1982 with the S. R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-6-83

FORM I.T.N.S.--

(1) Shu Ram Katan Dass S fo. Shu Sadhu Ram S/o. Ram Gopal r/o Safidon Mandi, Distt. Jind.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Shanti Textile, F-42, Industrial Area, Panipat, through Shri Sham Sunder Moga S/o. Shri Mulekh Raj Moga, Panipat, H. No. 378, Model Town, Panipat.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guestie.

D. L. F. Colony

lication of this notice in the Official Gazette.

Rohtak, the 17th June 1982

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 1/3 share in Plot No E 42 measuring 2850 sq. yds. (950 sq. yards) situated at Industrial Area, Panipat

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sard Act'), have reason to believe that the immovable

sq yards) situated at Industrial Area, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at

Ref. No. PNP/235/82-83.—Whereas, I,

Panipat in Oct. 82

R. K. BHAYANΛ,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent conusideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Property being 1/3rd of Plot No. E/42 measuring 950 sq. yds. out of 2850 sq. yds. situated at Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3965 dated 4-10-1982 with the S.R. Panipat.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-6-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D. L. F. Colony

Rohtak, the 17th June 1982

Ref. No. PNP/247/82-83—Whereas, I, R. K. BHAVANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd shate of land measuring 2850 sq. yds. i.e. 950 sq yards situated at Industrial Area, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Oct. 82

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hari Ram Gupta S/o. Shri Sadhu Ram S/o. Shri Ram Gopel R/o. Safindon Mandi, Distt, Jind through Shri Lakhmi Chand S/o Shri Sadhu Ram R/o. Safidon Mandi, Distt. Jind,

(Transferor)

(2) Ms. Shanta Textile, E-42, Industrial Arca, Panipat, through Shri Sham Sunder Moga S/o. Shri Mulakh Raj Moga, H. No. 378, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/3rd share of land measuring 2850 sq. yds. 1e 950 sq. yards situated at Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4198 dated 22-10-1982 with the S.R. Panipat

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 17-6-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th June 1983

Ref. No. RTK/133/82-83.—Whereas, I. R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 6794 sq. yds. situated at Saini School Road, Rohtak

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rohtak in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Hawa Singh S/o Sh. Sher Singh Saini, R/o Babra Mohalla, Rohtak.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar, Shri Lalit Kumar Sons of Shri Amer Singh r/o H. No. 214, Prem Nagar, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persone within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXXLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property being land measuring 6791 sq. yards situated on Saini School Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4449 dated 22-10-1982 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 14-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

DLT. COLONY

Rohtak, the 14th June 1983

Ref No DLI/51/82-83 -- Wherens, I, R K BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/ and bearing

No Land masturing 2253 33 sq yards situated at village He wone (Bih dunguh)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer , at Delhi in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) S/Sh 1. Gurbachan Lal Seth,
 - 2. Baldev Raj Sethi, Saluev Ray Seini,
 (Sons of Sh. Ram Dass,
 j-13/44, Rayori Garden, New Delhi
 Veeran Wali Wd/o Sh. Ram Dass Sethi,
 Karam Veel Sodii S/o Ram Dass Sethi,

 - Shanti Devi D, o Ram Dass Sethi, Satish Kuma (D o Sh Ram Dass Sethi, Smt Raj Kumu) D o Sh Ram Dass Sethi Smt Kusum Lata D/o Sh Ram Dass Sethi
 - (r/o 13-A/25, WEA, Katol Bagh, New Delhi) (Transferor)
- (2) M/s Raghunath Industries, 33, Modern Industrial Area, Bahadurgarh

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2253 33 sq. yds. situated in Village Hassainpur (Bahadurgath) and as more mentioned in the sale deed registered at No 1589 dated 18-10-1982 with the Sub Registrar, Delhi

> R K BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Rohtak

Date 14 6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th June 1983

Ref. No. DLI/61/82-83.—Whereas, I. R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Factory building on plots No. 40 to 45 Industrial Colony, Industrial Estate No. II, situated at Village Palla, Teh. Ballab-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Nacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Sudan Prints Pvt. Ltd., R-546, Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. S/Sh. N. D. Taneja S/o Ghansham Dass Taneja,
 - D. N. Taneja S/o Ghansham Duss Tancja,
 Hemand Kumar S/o Krishan Kumar,
 Raj Kumar S/o Rattan Chand (Minor),

 - 5. Chander Parkash S/o Roshan Lal,6. Radhesh Kumar S/o Sh. Jagdish Kumar (Minor)

 - Amit Kumar S/o Ashok Kumar (Minor).
 Miss Leena Taneja D/o Sh. Rattan Chand Taneja, all rs/o 7 South Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being industrial plots No. 40, 41, 42, 43, 44 & 45 measuring in aggregate 7881.3. sq. yds. in Industrial Colony known as Industrial Estate No. II, situated at Village Palla Teh. Ballabgarh Distt. Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1609 dated 22-10-1982 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

> R. K. BHAYANA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Scal:

Date: 14-6-1983

32-166GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th June 1983

Ref. No. PNP/244/8283.—Whereas, I, R. K. BHAVANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

P. No. 234, Industrial area, situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Pardeep Raj Textile, Panipat,

(Transferor)

(2) M/s. Alankar Textile, No 23, Panipat, Industrial Area, Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being at Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4116 dated 14-10-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-6-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, PUNE-4

Pune, the 6th June 1983

Ref. No. CA-37EE/83-84/133.—Whereas, I, SHASHI-KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1, S. No. 17-A, Plot No. 21, Wanawarie situated at Punc-411 001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on 15-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mahindrakar and Associates, 616, Nana Peth, Pune-411 002.

Transferor(s)

(2) Mrs. Nafisa Fakhruddin Alimohammad Bawaji, 10-Devi Society, Padamji Park, Pune-411 002.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 S. No. 17-A, Plot No. 21, Wanawari, Pune-411 001. (Area-510 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune-4 under No. 291 dt. 15-10-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-6-1983

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, PUNE-4

Poona-4, the 31st May 1983

Ref. No. CA5/889/SR A'Nagar/83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 25/332/2, Plot No. 17 at Savedi situated at Savedi,

Tal. A'Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Sub. Registrar, A'Nagar on 4-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act' the following persons, namely:—

- (1) Partner of Pooja Investors, Shri Kishor Damodar Renavikar, Ahmednagar, Gani Bazar, Ahmednagar.
- (2) Shri Vasant Haribhau Somani, Shahaji Road, Ahmednagar,

(Transferor)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Mauje Savedi Survey No. 25/332/2, Plot No. 17 Taluka & Dist. Ahmedanagar—Area-500 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3541 in the office of the Sub-registrar Ahmdnagar on 4-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 31-5-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Chopra Constructions, 245, Narayan Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Shri Kedar Kashinath Dalvi, Friends Apartments, Walvekar Nagar, Pune-411 009.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 13th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE '135/83-84.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 86 S. No. 50, 52, 53-A situated at Walvekhr Nogar, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune on 23-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 86—S. No. 50, 52 & 53-A Walvekar Nagar, Punc. (Area—458 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 467 dt. 23-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 13-6-1983

(1) M/s. Mamata Builders, 1523, Raviwar Peth, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ashalata Gulabrao Ahirkar, Adarsh Colony, Near Remand House, Akola, Dist. Akola.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, PUNE-4

Pune, the 20th May 1983

Ref. No. CA-5/37EF/1336/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 4, Ideal Colony, Plot No. 67, S. No. 129 Kamala Apartments, Kothrud situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune on 11-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or th said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette, '

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 67. Flat No. 4, Kamala Apartment, Ideal Colony, Kothrud, Pune-411 029. (Area-900 sq. ft.). (Property as described in the sale of agreement registered

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 343 dated 11-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE Pune-411004, the 1st June 1983

Pune, the 1st June 1983

Ref. No. CA-5/903/SR-A'nagar/83-84.--Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
S. No. 142/4A, Land at Mouje Nagapur situated at Mouje Nagapur, Talk Ahmednagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. 'Nagar on 4-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957). (1) Shri Rambhau Laxman Chhatoro at Nagapur Talk. & Dist. Ahmednagar. (Transferor)

(2) Shri Shashikant Hiralal Mutha At Ganeshwadi, Station Road, Ahmednagar. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-shle property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giv. 1 in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at Nagapur Survey No. 142/4A, Talk. & Digt. Ahmednagar area of which is 0.76 ARE. (Property as described in the Sale Deed registered with the Sub-Registrar, Ahmednagar under No. 423 on 4-2-83).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1 AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s, Shri Consultants & Engineers 773/5 Deccan Gymkhana, Pune-4 Shri K. D. Rajopadhye & K. C. Patvekar. (Transferor)

(2) Patvekar Hotels Pvt. Ltd. Plot No. 11 Bombay Pune Road, Co-op. Housing Society, Pune-3 The Rupce Co-op. Bank Ltd. 3531 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1st June 1983

Ref. No. CA5/37EE/137/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 1170/3 F. Plot No. 542, 872, 872/B situated at J.M. Road, S. Nagar, Pune-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1.A C. Acq. Range Pune on 4-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

City S. No. 1170/3, final Plot No. 542, 872, 872/3 J. M. Road, Laxmi Balvant Chambers, Bhamburda, Pune-411 005.

Area—4375 sq. ft.

(Property described in the sale of agreement registered in the office of the IAC Acq. Range Pune under document No. 2760 dated 4-12-1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAY, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Babhutmal Kantilal & Sons 280 Raviwar Peth (old), New 1671 Shuktawar Peth Punc.

(Transferor)

(2) Shrì Gulab Genba Khandve, 901 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 28 h May 1983

Ref. No. CA5/37EL/141/1983-84.-Whereas, I SHASHIK ANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, Second Floor, C.S. No. 290/1, Shukrawar Peth Acha Co.op. H.S. Ltd. situated at Pune-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. A.R. Pune on 18 4-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Flat No. 7, Second floor, C.S. No. 290/1 Shukrawar Peth, Asha Co-op. Housing Society, Pune-2. Area—937 sq. ft. Pune-2. (Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acq. Range Pune under document No. 133 dated 18-4-1983).

SHASHIKANT KULKARN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poons

Now therefore, in prisuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

33-166GI/83

Date: 28-5-1983

FORM ITN9---

(1) M/s. Tamhankar & Bhave 581 Sadashiv Peth, Pune.

(Transferor)

Shi A. Abraham,
 Gold Cornet, N. Kamadia Road,
 Bombay-400 026.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION' RANGE, PUNE

Pune, the 25th May 1983

Ref. No. CA5/37EE/138/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9, second floor, plot No. 1 R. No. 30/2 Sitaram Apartments, Erandawana situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range Pune on 10-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, second floor, Plot No. 1 Room No. 30/2 sitaram Apartment Erandawana, Pune-4, Area 1300 sq. ft. (Property as described in the sale of agreement registered in the office of the IAC Acq. range Pune under document No. 362 dated 10-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-5-83

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 31d June 1983

Ref No. CA5/37EE/139/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

 Flat No. 302 Bldg. No. 1, 1/7 B J. Road, 3rd floor, situated at Punc-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhanagar on 27th October, 1982

IAC Acq. Runge, Pune

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Landmark Constructions
 Surekha Apartments, Satara Road, Pune-9.

 (Transferor)
- (2) Mrs. Medha Chittaranjan Sirsat Shri Chittaranjan A. Sirsat, 934/35/A Shivajinagar, Pune-16

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 Building No. 1 at 1/7 B.J. Road, Third floor, Punc-1.

Aiea---871 sq. ft.

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acq. Range Pune under document No. 515 on 27-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 3-6-1983

(1) M/s. Parmer Construction 321/3, New Timber Market, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Virendra Kumar Sharma 100 Krishna Kunj, Pool Gate, Pune-1. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACOUISITION RANGE

KARVE ROAD, PUNE-411 004

Pune-411 004, the 30th May 1983

Ref. No. CA-5/37EE/305/83-84|142.—Whereus, I, SHASHIKAN'T KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 410 in K. P. Tower, Plot No. 2 situated at S. No. 17-A, Wanowarie Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

I.A.C., Acq. Range, Pune on 5-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to t'e following persons, namely —

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410 in K. P. Tower, Plot No. 2 of Hissa No. 8, of S. No. 17-A, Wanowarie, Pune-1.

(Property as described in the Agreement to Sale, registered in the Office of the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Pune under No. 305, dt. 5-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 30 5-1983

NULL F NOER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-1 ΔX_{\star}

ACQUISITION RANGE KARVE ROAD, PUNE 411 004

Poona, the 20th May 1983

Ref No CA5/37EE/83 84/140 —Whereas, I, SHASIHK NT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the end Act) have reason to believe that the immovable property having a fitt market value exceeding R: 25,000% and beating No

That No. 9 Plot No. 31, S. No. 129, Ideal Colony situated at Kothiud

tand more tally decembed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range Pune on 2.11.1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestal property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestal exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully state I in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby intinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) M/s A V. Mulay & Co. 1141 Shivajinagar, Fergusson College Rd Pune-16.
 - (Transferor)
- (2) Shi i Vinay Naiayandas Dhoot B 7 Zelam Housing Society, Shilavihai Col. Karve Road, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official (Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in (hapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property at Flat No 9, Plot No 31 S No. 129 Ideal colony, Kothrud, Pune Area—635 sq ft.

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the IAC Acq Ringe Pune under document No 283 dated 2-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 20-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE KARVE ROAD, PUNE-411 004

Pune-411 004, the 1st June 1983

Ref. No. CA-5/902/SR-Kalyan/83-84.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 62 Hissa No. 9/1, G. B. Patharli C. S. No. 10356 to 10359 situated at Dombivall, Talk Kalyan (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R Kalyan on 4-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (a) Shri Narayan Gangaram Phulkar, (b) Smt. Indumati Narayan Phulkar, Shri Sai Nivas, Sant Namdeo Path, Dombivali (East), Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra Basappa Habbeh Savitri Nivas, Kalyan Road, Dombivali (East). Dist. Thane.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and and Building situated at Survey No. 62, Hissa No. 9/1, G. B. Patharli, City Survey No. 10356 to 10359, Dombivali, City Survey Talk Kalyan, Dist. Thane.
(Property as described in the Sale Deed registered with the Sub-Registrar, Kalyan, under No. 23 dt. 4-1-1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona.

Date: 1-6-1983. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KARVE ROAD, PUNE-411 004

Poona-411004, the 23rd May 1983

Ref. No. CA-5/37-G/83-84/894 -- Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Kupwad, S. No. 40/2. Tal. Miraj situated at Dist. Sangli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at S.R. Miraj-II on Oct., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1 Shri Gangadhar Shivppa Koshti,

2. Shri Rakesh Shivappa Koshti,

3. Shii Prabhakar Shiyappa Koshti, 4. Shii Sudhakar Shiyappa Koshti,

5. Shii Subhashchandra I ingappa Koshti 6. Shii Sarachandra Lingappa Koshti,

Kupwad, Tal. Miraj Dist. Sangli.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Dattatıava Joshi. Chief Promoter,

Niyojit Uthkarsha Co-op. Housing Society,

Miraj, Dist. Sangli.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Curvey No. 40/2, Kupwad, Tal. Miraj, Dist. Sangli. (Area - 3H 48R).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar-II Miraj, under document No. 1676 in the month of October, 1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poonu

Date: 23-5-1983

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER (FCTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KARVE ROAD, PUNE-411 004

Poona 411004, the 24th May 1983

Ref. No. CA-5/37 G/83-84/897.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing No. Agri. land Gat No. 123 and 125 saturated at

Malegaon

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Malegaon on 1-10-82

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Shri Govind Mahadeo Dusane, Tilak Road,

Məf naon. Shri Vasant Eknith Magar, Kalvankai Galli, Malegaon.

(Transferor)

(2) M/s. Alankar Fstate Corporation, Partnets

1. Shri Prakashchandra Sukhlal Jain Mohan Pethgalli, Malegaon.

2. Shri Vijayaraj Kesarichandra Mehta, 60, Guruwar peth, Malegaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agril, land at Nilgavan, Tal. Malegaon, Dist. Nasik, Gat No. 123—Area—9H 10R and Gat No. 125 2-H 62R. (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub Registrar Malegion under document. No.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range, Permi

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 24-5-1983.;

4439 dt. 1-10-82).

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 16th June 1983

Ref. No. L.C. 636/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ollukkara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ollukkara on 20-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
34-166GI/83

 Smt. Tripura Sundari Amma, D/o Puzhaukara Kavu Amma Kundannur P.O.
 (via) Vadakkancherry. Trichur District.

(Transferors)

 Tharayil George, S/o Antony, Mission Quarters. Trichur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

25.250 cents of land with building in Ollukkara Village as per schedule attached to document No. 3942/82 of Sub-Registry Office, Ollukkara.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-Tay
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 16-6-1983

FORM ITNS-----

- (1) Mariamma, Ozhuiparambil, Thrikkanarvattam. (Transferoi)
- (2) Babu C. George, 32/2022 Plarivattom.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
"ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAR
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th June 1983

Ref. No. L.C. 638/83-84.--Whereas, I, P. J. THOMAS-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ernakulam on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Acre 49 Cents of land in Thrikkakara Thekku in Sy. No. 194/1 (as per schedule attached to Doc. No. 3306 dated 8-10-1982 of S.R.O. Ernakulam).

> P. J. THOMASKUTTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Cochin

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-6-1983

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 14th June 1983

Ref. No. L.C.640/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMAS-KUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 14-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) N. Sreedharan, (Retd.) Finance Controller, Chandra Nagar, Palghat-7.

(Transferor)

(2) Dr. V. Prasanna,28/312, Krishna Vihar Colony,Panampilly Nagar, Cochin-682 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 cents of land with building in Panampilly Nagar, Ernakulam, Cochin-20 as per Schedule attached to Document No. 3352 dated 14-10-1982 of Sub Registry Office, Ernakulam.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Cochin

Date: 14-6-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4375.—Whhereas, I, J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jain Nagri, Abohar,

Jain Nagri, Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Swavitri Devi W/o Ishwar Chand R/o Anand Ashram, Basant Galı, Khar Khari, Haridwar, (U.P.).

(Transferor)

(2) Shri Harmesh Kumar, Mohan Lal SS/o Sh. Kishore Chand, Gali No. 1, Jain Nagri, Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 487 of May, 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAV ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4376.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, kel. No. A.F. No. 4376.—Whereas, 1, 3. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situate at Jain Nagri, Abohar (and more fully described in the Schedule annexed nereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the officer of the Paristering. 1908) in the office of the Registering

Abohar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Swavitri Devi W/o Ishwar Chand R/o Anand Ashram, Basant Gali, Khar Khari, Haridwar (U.P.).

(Transferor)

(2) Shri Gopal Krishan S/o Desraj Gali No. 1, Jain Nagri, Abohar.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No 488 of May, 1983 of the Registering Authority, Abohar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-6-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4403 to 05.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per Schedule situated at V. Nagra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weathl-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nirmal Singh S/o Santa Singh r/o V. Nagra Teh. Jalandhar. G.A. of Santa Singh.

(Transferor)
(2) The Jalandhar Progressive Co-op. House Bldg.
Society Ltd. Jalandhar through
Sh. Satish Kumar Chopra,
Secretary of the Society,
Control Lyrmi Store, Cloth, Marchanta, Lawre Cata

C/o Luxmi Store, Cloth Merchants, Jaura Gate, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Nagra and persons as mentioned in the registration sale deeds No. 6566, 6623 & 6611 of January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-6-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P., No. 4406 and 4407.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as Schedule situated at V. Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jagir Singh S/o Sham Singh r/o V. Nagra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(Transferee)

The Islandhar Progressive Co-op. House Bldg. Society Ltd. Jalandhar through Sh. Satish Kumar Chopra, Secretary of the Society, C/o Laxmi Store, Cloth Merchants, Jaura Gate, Jalandhar.

(3) As per St. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Nagra and persons as mentioned in the registration sale deed Nos. 6565 and 6610 of January. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 14th June 1983

Ref. No. A.P. No. 4408.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/-and bearing

as per schedule situated at V Nagra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registernig Officer at Jalandhar on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohinder Singh S/o Shri Sham Singh, r/o V. Nagra Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) The Jalandhar Progressive Co-op. House Bldg. Society, Ltd., Jalandhar, through Sh. Satish Kumar Chopra, Secretary of the Society, C/o Luxmi Store, Cloth Merchants, Jaura Gate, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) as s. no. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Property land situated in V. Nagra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6571 of January, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaiour, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1838. -Whereas 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000/- and bearing
House No. 393 situated at Karoli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering officer at

Karoli on 10-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- - 35-166GI/83

(1) Shri Kishan Chandia Palii S/O Shri Surendra Palji, R/O Karoli.

(Transferer)

(2) Shri Hemrai S/O Shri Mangilal, R/O

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 393 situated in Mohalla Choudhary Pada, Karoli Distt. Sawaimadhopur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Karoli vide registration No. dated 10-11-82.

MOHAN SINGH Competent Authorit. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, JAIPUR

Date: 11-5-1983

Seal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1839.-Whereas I,

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1839.—whereas 1, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 393 situated at Karoli and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karoli on 10-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kishan Chander Pal S/O Shri Surendra Palji, R/O Karoli.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamal Devi W/O Shri Mangilal, R/O Karoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

MOHAN SINGH Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, JAIPUR

Date: 11-5-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1836.--Whereas I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 393 situated at Karoli Dist. Sawaimadhopur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karoli on 10-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishan Chandra Pal S/o Shri Surendra Palji, R/O Karoli, Distt. Sawaimadhopur.

(Transferor)

(2) Shri Deviaj S.O Shri Mangilal, R/O Karoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 393 situated in Mohalla Choudhary Pada, Karoli Distt. Sawaimadhopur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Karoli vide registration No. dated 10-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date: 11-5-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

ACQUISITION RANGE,

Jaipur, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1837.—Whereas 1, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- House No. 393 situated at Karoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Karoli on 10-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1 Shri Kishan Chandra Pal S/o Shri Surendra Palii, R/O Karoli,

(Transferor)

(2) Shri Giriaj S/O Shri Mangilal, R/O Karoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same, meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 393 situated in Mohalla Choudhary Pada, kuroli Distt. Sawaimadhopur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Karoli vide, registration No. ______ dated 10-11-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, JAIPUR

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1983

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

ACQUISITION RANGE,

Jaipur, the 10th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1827,—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land 5925 Sq. ft. situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thar fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Samant Kumar S/O Shri Goverdhanlal Bhatt, R/O Udaipur,

(Transferor)

(2) Shii Dunger Singh S.OShii Devilal Samar,390, Bhupalpura, Udnipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5925 Sq. ft. situated in Sampar Ramji Ki Bari, Near Kalaji Gorap, Udaipur and morefully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipur vide registration No. 2291 dated 2-11-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date: 10-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th May 1983

Ref No Rej/IAC(Acq)1826 - Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Land 5062 Sq. ft situated at Udaipui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uaiour on 15-12-1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Jai Kumar S/O Shri Goverdhanlal Bhatt, R/Q Udaipur.

(Fransferor)

(2) Shri Dunger Singh S/O Shri Devilal Samar, R/O 390, Bhupalpura, Udalpur.

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5062 Sq ft. situated in Sampat Ramji K₁ Barl, near Kalji Goraji, Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S R Udaipur, vide registration No 2596 dated 15-12-82

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, JAIPUR

Date 10-5-1983 Scal:

(1) Shri Tahal Bulani, Advocate Diggi Chowk, Ajmer,

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Chandra S/o Jate Sh. Srilal Jethanand, R/o Ajmer.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUF BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1887.—Whereas 1, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Aimer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ajmer on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid porperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHIDULE

I and measuring 630 sq.ft. bearing No. 43/3, situated in Civil Lines, Ajmer, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ajmer vide registration No. 3616 dated 2-11-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, '
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, IAIPUR

Jaipur, the 7th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1897—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

Plot of Land situated at Udaipurwati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipurwati on 13-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Parameshwarlal S/o late Shri Tan Sukh Ram Beswal of Mukandgarh, through P/A holder Shri Bhagirath, Madanlal, Shyam Prasad and Rajendra Sons of Sh. Basatlal Muraka, R/o Mukandgarh.

(Transferor)

(2) (1) Shrimati Dropadi Devi W/o
 Sh, Shyam Sunder, R/o
 A-131, Sirolia Sadan, Nehru Nagar
 Basi-sitarampura, Jaipur
 (2) Smt. Dhapa Devi W/o

Sh. Daapa Devi W/o
Sh Ganga Bishan Tibrewalal, C/o
M/s. Ram Swaroop Bhagwati Pd.,
PO. Mukandgarh, Distt. Ihunjhunu,

(Transferee)

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 46,656 sq. tt. situated in the Mukandgarh Municipal Limits in Ward No. 13, Jhunjhunu, and mote fully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipurwuti vide registration No. 509, dated 13-12-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date: 7-6-1983

(2) Shri Srikishan Porwal S/o Shri Pokarmal Mahajan, R/o Vill. Kumawas, Near Mukandgarh.

(Transferor)

(2) Shri Srikshan Porwal S/o Shri Murlidhar Porwal, R/o Mukangarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, IAIPUR

Jaipur, the 7th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1898.-Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot situated at Udaipur Bati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur Bati on 31-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-36-166GT/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 5184 Sq. Yd. situated in Vill. Pabana, on Mukandgarh Fown Road, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipur Bati vide registration No. 572 dated 31-12-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, JAIPUR

Date: 7-6-1983

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Gayatri Devi W/o Shri Dwarkadass, R/o Vill. Kumawas, Near Mukandgarh.

(Transferor)

(2) Shri Babbolal Porwal S/o Shri Srikishan Porwal, R/o Mukandgarh,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLF, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1983

Ref. No. Rej/LAC(Acq.) 1899.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot old land situated at Udaipur Bati (and more fully described in the Schedule annexed heretc), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur Bati on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 5184 sq. Yd. situated in Vill. Pabana, on Mukandgarh, Town Road, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipur Bati vide registration No. 571 dated 311-2-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-6-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAJPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1907.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Jodhpu, on 6-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Chandmal Rathore S/o Sh. Shermal Rathore, R'o Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferor)

(2) (1) Shri Madanlal,

(2) Sh. Keval Chand,
(3) Shri Pukh Raj,
(4) Shri Srichand Mal, Ss/o
Shri Kundanmal Oswal, R/o C-37, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot 37 Sector C Section 4 (Masuria Area Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registra-tion of 6-12-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Imspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, JAIPUR

Date: 13-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1916.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

Jodhpur on 15-1-1983.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, reperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 57 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Nemichand S/o Shri Mishrilalji, GPA of Shri Anil Kumar S/o Sh. Anoopchandji infront of Bombay Motors, Chopasani Road, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Prithvi raj S/o Shri Kundan Singh Bhansali, Kushal Kutir. Ind B-Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot No. 57, sector 'A' Section 4, Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 763 dated 15-1-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-6-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Japur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1926. —Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 179 situated at Jodhpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 8-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Deney Khan S/o Shri Lal Khan, thro. POA Sh. Ramrattan Singh S/o Shri Bhikaram of Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar S/o Sh. Ram Rattanji, P. No. 3064 Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclored by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Built portion in Block-3 situated at Masuria, sector-2 Plot No. 179, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2696 dated 8-11-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-83 Seat :

Nok, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ret. No. Rej/IAC(Acq.)1927 —Whereas, I, MOHAN SINGH.

h. the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Laid Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block-4, Plot No. 179 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more man fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby wittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Ramratan Singh S/o Shri Lal Khan, through POA Sh. Ramran Singh S/o Shri Bhikaram of Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar S/o Shri Ram Ratan, 306-A, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built portion in Block-4, at Masuria Sector-2, Plot No. 179, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2695 dated 8-11-82,

MOHAN SINGH Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)1928. - Whereas, I.

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House property situated at Iodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Ratan Singh S/o Sh. Bhika Ram & Attroney of Shri Den Khan S/o Shri Lal Khan Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transitior)

(2) Shrimati Bhanwani Dev W'o Shri Ram Ratan Singh, Plot No. 306-A, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on he respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at plot No. 179 situated at Masuria, Section 2 Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2585 dated 29-12-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-6-83

NO...I. UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1930.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Open land situated at Baran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baran on 9-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Kanta Bai W/o Late Shri Baboo Lal Shrama, Baran.

(Transferor)

(2) Shrimati Basanti Bai W/o Shri Deojmal Chipa, Baran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 5525 sq.ft., situated in Baran and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Baran vide registration No. 314 dated 9-12-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-6-83

FORM 1.T.N.S.———

(1) Shri Dulichand S/o Sh. Tuhia (Jat), R/o Neem Darwaza, Bharatpur.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ghanshyam Datta (Sharama) & 26 Others. Bharatour.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1938,—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 'and bearing No. Agri, land situated at Bharatpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bharatpur on 8-3-1983

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a), by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land measuring 2 bigha 10 Baswa situated in Khasra No. 19 Chak No. 1, Teh. Bharatpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bharatpur, vide registration No. 280 dated 8-3-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-37-166GI/83

Date: 11-6-83

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISHION RANGI CENTRAL REVINUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Japul, the 11th June 1983

Ref No Rej/IAC(Acq)1939 -Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnster referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 090/ and bea ing N Agir land situated at Bhu it; in (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharatpur on 7 1 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trilly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely

(2) 1 Shri Ishwar Pinsid S/o Sh Dhaiam Singh (lodha) Mohalla Gopalgarh, Bharatpur

(Transferor)

(1) 1 Shii Ishwar Parsad S o Sh Babulal (Lodha) R/o Gopalgarh

Shri Randhii Singh S/o Sh Biri Singh C/o Krishi Upaj Mandi Samiti, Bayana

- 3 Shri Nand Kishore Sharma S/o Sh Jagan ith Parsad Sharma R/o Bayana C/o Krishi Unij Mandi Samiti, Bagana
- 4 Shri Hukam chand Sco Sh Pyarelal R/o Gopalgarh
- Smt Maya Devi W/o Sh Shyamlal Lodha, Gopalgarh
- Shri Dan Singh S/o Sh Khaacher Singh, Sh Nagli Khubia Co Subcdar Major Records Records Office, Ja Regt Centre, Bareilly (UP)
- Shri IItam Singh S/o Sh Charan Singh (Jat), C/o Central Co-operative Bank, Bayana Distt Bharatpui
- Smt Chandiawati W/o Sh Uttom Singh (lat) R/o Biyani Distt Bharatpur
- Shri Prem Singh Khuleti S/o Sh Ghantoli Rum (lat), R/o Gopalgarh Bhuatpur Lecturer MSI College Bharatpur
- 10 Shri Ajai Bir Singh S/o * Sh Dan Singh (Jat) R/o Nagla Khuri C/o Subedar Major Records, Records Office Jat Gegi Centre Bareilly (UP)
- Shu Pratup Singh S/o Sh Rubi Singh (Jat) Gonalgarh Rorest Department Bharatpur
- 12 Shri Prahlad Singh S/o Sh Ram Kumar (Jat) C/o Bhumi Vikas Bank Ltd. Bharatoui

(Transferee)

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

 (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expransion —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agri land measuring 1 bigha 16 biswa in chak No 3 Khasre No 2055 situated in Tehshil Bharatpur, and more fully described in the sale deed registered by the S R Bharatpur vide registration No 37 dated 7-183

> MOHAN SINGH Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt tax Acquisition Range, Jaiphr

Date 11 6 83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1941. - Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Open plot situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jodhpur on 29-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1954);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Uniana Devi W/o Shri Ganga Vishan Vyas, Footerji Ki Babarı, Navchowkia. Jodhnur.

(Transferor)

(2) Shrimati Bandhana S/o Shri Ashok Kumar R/o Makrana Mohaila, Jodhpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land situated in Laxmi Nagar Plot No. 150, Jodhpur, and more fully described in the rale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2578 dated 29-11-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaiour, the 13th June 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)1942.--Whereas, J. MOHAN SINGH,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Uniain Devi W/o Shri Ganga Vishan Vyas, Footerji Ki Babari, Navchowkia, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Shri Parasmal, R/o Maktana Mohalla, Jodhnur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land situated in Laxmi Nagar (Plot No. 150, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2577 dated 29-11-1982.

MOHAMN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-6-83

d

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No Raj/I Λ C(Acq)1923.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 12 situated at Jodhpui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jodhpur on 18-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tay Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesakl property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Sarka Gupta, Smt. Barinda Kaur of Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Manoj Kumar & Shri Yatandra Kumar, sons of Shri Munilalji Garg, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service, of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 12, situated at Paota, Jalim Niwas, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 757 dated 18-1-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date . 11-6-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSINER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur the 16th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1950.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 9-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chaturbhuj S/o Late Shri Fatchsing Bhati, Karta of HUF

Shri Satyanain
 Shri Kamal Singh,
 Shri Gjand and Anand Singh & Others son of late Fatehsing,
 R/o Bank Colony,
 Ajmer Road, Beawar,

(Transferor)

(2) The Beawar Low Income Group Houseing Co-operative Society Ltd., Beawar

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 2 bigha & 3 biswa situated on Delwara Road, Beawar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Beawar vide registration No. 2026 dated 9-11-82.

MOHAN SINGH Confipetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1951.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 26B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing No.

House situated at Sojat
Asst. 4469 & 4552 situated at Ramaraopet Kakinada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Sojat on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Anand Prakash s/o
 Sh. Kishanlal Joshi,
 Inspector, Enforcement, Siwani,
 Distt. Barmer.

(Transferor)

(2) Shri Manmel s/o Shri Kunamal Kotbari, Bara, Gura, Teh. Sojat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at main Road, Sojat Road, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sojat in December 1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income_tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1952.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House, situated at Sojat

(and more fully described in the Schedule annexed heerto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sojet on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Anand Prakash s/o Sh. Kishanlal Joshi, Inspector, Enforcement, Siwana, Distt. Barmer.

(Transferor)

(2) Shri Manmal S/o Sh. Kummal Kothari, Bara Gura, Teh. Sojat,

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at main Road, Sojat Road, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sojat in December, 1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-6-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Gulam Mustafa, s/o Shri Mohd, Umrao Nargori, Somt Road, Distt. Pali,

(Transferor)

(2) Shri Hansraj Svo Shri Hiralal Ioshi, Sojat Road, Distt. Pali.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, JAJPUR

> > Jaipur, the 16th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1953.—Whereas T, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

and bearing No
Plot, situated at Sojat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sojot on December, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (h) by any other person interested in the salo immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot mensuring 1064 sq. yds. in Sojat Road, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Solut in December, 1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following nersons, namely:--

Date 1 16-6-1983

38-166GT/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1983

Rcf. No. Rej/IAC (Acq) 1954.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Sojat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sojet on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhanwarlal Manakchand, C/o Kesarmal Jeevan Chand, Sojat Citv, Distr Pali.

(Transferor)

 Shri Bhooiaram Chimmaji, C/o Chaturbhuj Parkana, Sojat City, Distt. Pali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2190 Sq. Yd. Nohara, situated in Sojat City, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. vide registration in December, 1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-6-1983

(1) Shri Champalal s/o Shii Maghiai Oswal, Dhan Mandhi, Pali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Anita, w/o Shii Hazarimal, Lodhona-Ka-Bas, Near Somnath Temple, Pali.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SINER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUL CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th lune 1983

Rej/IAC (Acq.) 1955.--Whereas No. MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 48, situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 31-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 48, situated in Veet Dutgadas Nagar, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 2200 dated 31-12-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tar Acquisition Range, Jeipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 16-6-1983

FORM ITNS----

(1) Shir Keshrilal s/o Shri Ganeshlal Bhait, Udaipur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir Dungar Singh s/o Shir Devilal Samar, 390, Bhupalpura, Udapur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUL CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1983

Ref. No Rej/IAC (Acq) 1956 — Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Land situated at Udapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udaipur on 5 11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such train fer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — Inc. terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 5732 sq. ft. in Sampat Romji Ki Bari, Neai Kalaji Gortiji Uda ptii and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2321 dated 5-11-82

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Jaiptii

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of te said act, to the following persons, namely:—

Date 16 6 1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th May 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1879—Whereas I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 702, situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kofa on 16-10-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(I) Dr. N. C. Achalia, s/o Shri C. L. Anchalia, Vigayan Nagar, Kota.

(Transferor)

(2) Sun Radney Shyam, s/o Shri Nandram and Smt. Savitri w/o Sh. Radhey Shyam, Smt. Kanta Bai s/o Laxman Shoping Centre, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 702, situated in Dadaban Scheme, Kota, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Kota vide registration No. 1376 dated 16-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. Kanmal Bhansli S. D. Shri Guman Mal Bhansli, GPA of III 100 Bhati & ki Bari, Udainur

(Transferor)

(2) Shri Jugil Kishore Panna Niwas, Jodhpur.

(Transferee)

OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, JAIPUR

Taipur, the 17th May 1983

Ref No Rej/IAC (Acq)/1859—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sand Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and beating

Land situated at Jodhpui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-1982

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has fiot been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1184 sq. ft. au it d near Bhansh Building inform of Jalon Gove, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration. No. 2484 dated. 20.10.1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaspur

Date 17 5-1983 Seal.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. Kanmal Bhansli s/o Shri Gumanmal Bhansh, 111/100 Bhati ji ki Bati, Udaiput.

(Transferor)

(2) 1. Shir Amarchand soo Sh. Amrittal,

Cycle Market,

2. Anju, 4/0 Sh. Bhanwarlahi Phophla. r, o Khanda Falsa, Jodhpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th May 1983

Ref. No. Re MOHAN SINGH, Rej/IAC (Acq.)/1858.—Whereas

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Land, situated at Jodhpui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 966 sq. ft. situated near Bhansli Building in front of Ialori Gate, IoJhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No 2486 dated 20-10-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Joipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUL CIRCLL, JAIPUR

Jaipur, the 17th May 1983

Ref. No Rej IAC (Acq)/1857—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Land, situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. Kanmul Bhansuli s/o Shri Gunmanoal Bhansili, III/100 Bhati ji ki Ban, Udaiput.

(Transferor)

 Shrimati Shaida,
 Smt. Seeia Kanwar and Smt. Manju,
 Girdi Kot Khindagir,
 Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 240 sq. ft situated near Bhansali Building infront of Jalon Gate, Jodf pur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 2487 dated 20-10-1982

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Japun

Date: 17-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1856.—Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Jodhour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Kanmal Bhansali S/o Shri Gumanmal Bhansali III/100 Bhati ji ki Bari, Udaipur. (Transferor)

(2) Shri Kamal Narain & Smt. Bhagwati, Gulab Sagar, Cycle Market. Jodhour,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 78.26 sq meter, situated near Building in front of Jalori Gate, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2485 dated 20-10-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--39--166GI/83

Date: 17-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Snehalata W/o Shri Parkesh Chandra Ojha, Rani Bazar, Bikaner.

(1) Smt. Chandra Kala W/o Shri Sitaram Agrawal

Rani Bazar, Bikaner.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1833.—Whoreas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House property situated at Bikaner

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bikaner on 6-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting 4 room type godown measuring 68.46 sqm. on the ground floor, opposite Dak Bungalow, Rani Bazar, (Ward No. 33) and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bikaner vide registration No. 1493 dated 6-10-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-5-1983.

FORM ITNS ----

- (1) Smt. Chandra Kala W/o Shri Sitaram Agrawal Rani Bazar, Bıkaner.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Kanchan Ojha W/o Shri Suresh Chandra Rani Bazar Bikaner. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1832.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Bikaner (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the off Bikaner on 5-10-1982 office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer the parties has not been truly extend in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or of the transferor to pay tax under the said Act, in
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property consisting 4 room type godown measuring 68.46 sq.m on the ground floor opposite Dak Bunglow, Rani Bazar, I dance (Ward No. 33) and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bikaner vide Registration No. 1491 dated 5-10-1982.

THE SCHEDULE

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:--

Date: 11-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th May 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.)1829.—Whereas, I MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot 3640 sq ft. situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 14-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Profulla Chandra Ghosal, S/o Shri Ishwar Chand Ghosal, Panch Batti Colony, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chand Soni S/o Shri Hajarimal ji Soni, Bombay Motor Choraya, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicher period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 3640 sq.ft situated near Panch Batti Nehru Colony Ratnada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2387 dated 14-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th May 1983

Ref. No. Rei/IAC(Acq.)1828.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

House Property situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 30-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhagwan Chand S/o Shri Pukharaj Bhandari, Pali.

(Transferor)

(2) Shri Phoolchand S/o Shri Rai Chand Bhandarí, Nehru Nagar, Pali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated in Nehru Nagar, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali vide registration No. 1665 dated 30-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date 10-5-1983, Seal:

(1) Shrimati Raj Kumar W/o Shri Swaroop Singh Deora, Rajput R/o. Bher Teh. Sheoganj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narain Singh S/o Hariram R/o Sardarpura. Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jajour, the 10th May 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. Rej/IAC(Acq.)1825.—Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 225 situated at Udaipur

No. Plot No. 225 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 5-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 225, situated in Sardarpura, Udaiour and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Udaiour vide registration No. 2158 dated 5-10-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1983.

FORM ITNS---

(1) Shrimati Krishna Goyal W/o Shri Atmaram Goyal, Jeevan Bihar Colony, Amer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th May 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1883.—Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Land situated at Ajmer.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 18-10-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Rajesh Chandra S/o Late Shri Srilal Jethanand, R/o Ajmer. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter λXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 630 sqft, bearing No. 43/3, situated in Civil Lines, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ajmer vide registration No. 3617 dated 18-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

Date: 18-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.)1900.—Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Beawar on 16-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prabhu Dayal Sharma, S/o Pt. Gordhanlal Sharma Pratapnagar, Gali No. 4, House No. 23 A, Tatgarh Road, Beawar.

(Transferor)

(2) Shri Raghunath S/o Birdaji Jagda Sharma, Sh. Lodhuram, S/o Prabhuji, Sh. Mohadeo S/o Dayalji R/o Pratapnagar, Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated in Pyarelal Bagichi Marg, Sendra Road, Beawar and more fully described in the sale deed registered by hte S.R. Beawar vide registration No. 1882 dated 16-10-1982,

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-6-1983.

FORM 1 T.N S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1901.—Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop situated at Betwer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 21-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Westernam Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—166GI/83

- (1) Shrimati Shanti Devi Makana, W/o Shri Kanhaiyalal Jain, R/o Gibson Hotel Marg, Beawar. (Transferor)
- (2) Shrimati Panchi Bai W/o Shri Dharmichand Bhansati R/o Vill & Post Giri, Distt. Pali. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeaaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop situated at Pali Bazar, Beawar (Shardhan and Bazar No 5/16 New Ward No 7, Shop No. 5) and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Beawer vide registration No. 1938 dated 21-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
ing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaij u

Date: 7-6-1983.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1902.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 7 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-10-1982

for an apparen ctonsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Ram Rakh S/o Shri Tulsaramji Jat & Ramniwas S/o Shri Shiyadhan Singhji, R/o Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Hamant Kumar S/o Depa Ramji Jat, Aggarwal Colony, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, situated at Ratanada, Circuit House Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2591 dated 29-10-82,

> MOHAN SINGH Competent Authority. Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jodhpjur

Date: 13-6-83

FORM ITNS----

- Shii Ram Rakh S/o Shri Tulsa Ramji at & Ram Niwas, Jodhpur.
- (Transferor) (2) Shri Shiv Ram, S/o Birda Ram Shiv Road, Ratanada Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref No. Rej/IAC (Acq.) 1903.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have rason o believe that he immovable property, having a lan market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 6 situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1)) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No 6, situated in Ratanada circuit House Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2590 dated 29-10-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-6-83

(1) Shri Ram Niwas Soo Shri Shivdhanji Jat of Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pannalal, S/o Shri Ramrakh Sathin, Billara. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

(b) by any other person interested in the esaid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1904.—Whereas, I, MOHAN SINGH

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imto as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5 situated at Jodhpun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respec of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Plot No 5, Part of plot-F, situated at Ratnada, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2612 dated 30-10-82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-6-83 Seal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipui, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1905.—Whereus, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 4 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 30-10-82

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ramniwas S/o Shri Shivdan Singh & Smt. Balkidewi W/o Shri Devaram Khagta (Bhilara).
- (Transferor)
 (2) Shrimati Sushil Choudhary, W/o Shri Rajendra Singh Kamlesh Bhawan, Shiv Road, Ratnada, Jodhpui.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Part of F, situated at Ratnada, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2611 dated 30-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-6-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1906.-Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and barng
No. Plot No. 2 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule appared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-10-82

ton an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ...et, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Rakh, S/o Shri Tulsi Ram Jat & Shri Ram Niwas, S/o Shivdan Singh, Vill. Sathin Teh. Bilara, Distt. Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Nathuram, S/o Chunua Ram, Kishan Filling station, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, situated at Ratnada Area, Circuit House Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 2589 dated 20-10-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jodhpur

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-6-83

(1) Shu Devi Singh, S/o Sagat Singh Kaita HUF, & POA of Sangeeta Kumari, R/o A-6/7 Krishana Nagar, Gandhi Nagar Marg, Jaipur,

(Transferor)
(2) Shri Dinesh Kumar Agarwal, S/o Shri Ramchand Agarwal C/o Krishna Sports, Station Road,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Taipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq) 1908.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parteis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) fasilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 533 Sq. Yds. situated near Sagat Niwas, Old Pali Road, Ratnada Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the SR. Jodhpur vide registration No. 2474 of October, 1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jodhpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-6-83

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CFNTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1909.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 20-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration ntherefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sher Devi Singh, S o Shir Sagat Singh Karta POA of Lekha Lummir D/o Shir Devi Singh A-6/7, Krishan Nagar, Gandhi Nagar Marg, Jaipur.

(2) Shrimati Chand W/o Shri Deva Ram & Shri Radhuveer Singh S/o Pooran Singh, Ratanda, Jodhnu

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 333 Sq. Yds situated near Sagat Niwas, Old Pali Road, Ratanda Jodhput, and more fully described in the sale deed registered by the SR Jodhpur vide registratin No. 2580 dated 29-10-82

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jodhpur

Date: 13-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Devi Singh S/o Sagar Singh Karta HUF, A-6/7 Krishna Nagor, Gandhi Marg, Jaipur.

(Transferor) (2) Shii Kailash Chand Gupta, S o Shii Bangalilal, Niyag Bhawan, Nai Sarak, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUL CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. - Rej/IAC (Acq.) 1910,-Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 533 Sq. 6 situated near Sagat Niwas, Old Pali Road Ratnada Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jedhpur vide registra-tion No. 2579 dated 29-10-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jodhpur

Date: 13-6-83 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

41-166GL/83

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1911.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and, bearing No.

Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Devi Singh S/o Shri Sagat Singh, Karta HUF, GPA Lekha Kumari A-6/7 Krishna Nagar, Gandhi Marg, Jaipur.

(Transferoi)

(2) Shri Jethu Singh S/o Shri Nathuram Tak & Hari Chand S o Sh. Bhagat Ram, P/o Tak Studio, Ratanada, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 333 Sq. Yds. situated near Sagat Niwas, Old Pali Road, Ratnada, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2457 dated 18-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jodhpur

Date : 11-6-198' Seal :

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, -CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1912.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Devi Singh S/o Shri Sagat Singh, Karta HUF, A-6/7 Krishna Nagar, Gandhi Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Tabani S/o Dullumal Sindhi, Agent of Nirma Shop, Ghantagarh.

(Fransferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 333 Sq. Yds. situated near Sagat Niwas, Old Pali Road, Ratnada, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2456 dated 18-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1983

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, IAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej IAC (Acq.)/1913.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Joshpur on 16-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be 'disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Di. Kanmal Bhansali S/o Shri Gumanmalji, Bhansali Bulding, Sanichark Dhan, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Govind Lal S/o Shri Ram Pd., Panna Niwas, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as 'Panna Niwas' Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2425 dated 16-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No Rej/IAC (Acq)/1914.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House Property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Dr. Kanmal Bhansalı S/o Shri Gumanmalıi, Bhansali Building. Sanichark Dhan, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwati Pd. S/o Shri Amritlal & Smt. Harpyari, Cycle Market, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as 'Panna Niwas' Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2425 dated 16-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-6-1983

Scal

(1) Dr. Kanmal Bhansali S/o Shri Gumanmalji, Bhansali Building, Sanichark Dhan, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kamal Narayan S/o Shri Amritlalji, Cycle Market, Jodhpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej IAC (Acq.)/1915,-Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.
House Property situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jodhpur on 16-10-82

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property known as 'Panna Niwas' Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2423 dated 16-10-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 11-6-1983

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej IAC (Acq.)/1917,-Whereas, J, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Asha Sood W/o K. D. Sood & Mrs. Kiran Valiya W/o Kaval Prabhakar, Miss Poonam Saligal & Miss Divya Sood D/o K. D. Sood, 1258 Section 34C, Chandigarh, (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Parasrai Singhyi S/o Late Shri Devraj Singhvi, R/o Kubutaron ka Chowk, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1000 sq. yards situated in 200 paota, Laxminagar, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur, vide registration No. 2512 dated 21-10-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1918.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the in movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 384 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-10-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Nirmala Chouhan W/o Shri Dalject Singh, Laxminagar, Jodhnur.

(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi W/o Sh. Nathmalji Porwal, Peerumal Mudeli Street, Madras,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serveei of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 384 in Laxmi Nagar, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the SR. Jodhpur vide registration No. 2505 dated 21-10-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1919.—Whereas, I, MOHAN

SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agril land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registraing Officer at Jodhpur on 13-10-82

Jodhpur on 13-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Padam Singh S/o Shri Ugam Singh, Vill. Kurhi Bhagtesani, Jodhpur.

(Transferor)

(2) M/s. Naveen Grah Nirman Sahakari Samiti Ltd. Jodhour.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 14.3 bigha situated in Kuri Bhagtasani, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2365 dated 13-10-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Seal:

Date: 11-6-1983

42-166GI/83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1920.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

House Property cituated at lodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office, of the Registering Officer at

Jodhpur on 23-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (11) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sashi Kumar S/o Shri Indra Narayan Gurtu, Inside Jalori Gate, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Lechi Bai W/o Sh. Ladu Ram. C/o Lehuran Mugraj Cil Mill, Inside Jalori Gate, Jodhour.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property near Bal Bari School, Inside Jalori Gate, Jodhpur Block 'A', Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2570 dated 23-10-82.

MOHAN SINGH Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1983

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1921.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, '1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 23-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imblifty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sashi Kumar S/o Shri Indra Narayan Gurtu, Inside Jalori Gate, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Babulal S/o Sh. Asoolal, C/o Asulal Trading Co., Siwanchi Gate, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property near Bal Bari School, Inside Jalori Gate, Jodhpur Block 'B', Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2569 dated 23-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1922.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. -25,000/- and bearing

Plot No. 12-A situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Maghraj Kalla S/o Fatch Raj Ji Kalla, GPA of Sarla Gupta W/o Shri Hari Parsad, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Kanta Garg W/o Sh. M. L. Garg, Advocate, Paote, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 12-A, situated at Paota Outside Jalim Vilas, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2501 dated 20-1082.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1924,—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 12/2 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property b the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Sarla Gupta W/o Shri Hari Pd., Through GPO Shri Magh Raj Kalla, Jodhpur.

(Transferor)

(2 Shri Munnilal Garg S/o Shri Pannalalji Garg, 12, Jalim Vilas, Paota, Iodhpur.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 12/2, situated at Paota, Jalim Vilas, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur, vide registration No. 2500 dated 20-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1983

FORM I.T.N.S.---

 Shri Ram Ratten Singh S/o Sh. Vikramji, R/o 307, Shastri Nagar, Iodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kamlesh W/o Shri Ram Rattan, C/o Sri Ram Bhawan, Near Diklakhan Ki Chakki, Pal Road, Jodhour.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1525.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing

House Property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Jodhpur on 29-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as additional exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the scrvice of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

House property situated at 179 Masuria, Pal Road, Iodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2586 dated 29-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,
JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1929.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Land situated at Gangapur City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gangapur City on 30-10-82

Gangapur City on 30-10-62 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Kamal W/o Daodayal, R/o Udaikalan.

(Transferor)

(2) 1. Shri Babulal S/o Sh. Bijimohan Mahajan of Vill. & P.O. Naroli,

 Sh. Ajai Kumar S/o Kishorilal Mahajan, Vill. & P.O. Udaikalan,
 Sh. Shyamlal

S/o Sh. Kedarlal Khandelwal, R/o Gangapur City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6.17 bigha of Khasra No. 2598 in Udai-kalan, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Gangapur City vide registration dated 30-10-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-6-1983

NOTION UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1931.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 8-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishan Ram S/o Sh. Chatru Ram Nai, R/o Chak 5-E, Chhoti, Teh Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Sarvajanik Greh Nirman Sahkari Samiti Ltd., Sriganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land measuring 10 bigha located in Chak-3 E, Chhoti opposite Chak No. 6-E, Chhoti Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 1948 dated 8-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Suraj Ram S/o Sh. Chatru Ram, R/o Chak 5-E, Chhoti, Teh. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Sarvajanik Greh Nirman Sahkari Samiti Ltd., Sriganganagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE.

JAIPUR Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1932.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Shedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 8-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-43-166GI/83 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 10 bigha located in Chak-3 E, Chhoti opposite Chak No. 6-E, Chhoti Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 1948 dated 8-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1933.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 259 situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kota on 16-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

How, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Meena Lalwani W/o Shri Holaramji Lalwani, R/o Retwali, Kota.

(Transferor)

 Shri Holaramji Lalwani S/o Sachanmalji, R/o Retwali, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 259, situated in Talmandhi Scheme, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Kota, vide registration No. 1363 dated 16-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistan Ctommissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1983

NOCTICE UNDER SECTION 296D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, TATPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1934.--Whereas, I, MOHAN

sing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kota

(and more fully described in he Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kota on 16-10-82

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or of the transferor to pay tax under the said Act, in
- (b) facilitating the concealment of any income or any morfeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Bishan Das S/o Sh. Jassa Ram,

> 2. Smt. Kusshalya W/o Shri Ram Gopal,

3. Shri Rajendra Kumar, S/o Bishan Dass. Kota.

(Transferor)

(2) Shri Gul Mohd. Abdul Wahed, 400. S. C. Kota.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2400 sq. ft. in shopping centre, Kota, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Kota, vide registration No. 1388 dated 16-10-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalpur

Date: 11-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.), 1935.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-Block situated at Padampul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Padampur on 8-10-82

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons-'namely:—

Shri Ganeshdas
 S/o Shri Gurdettomal Aroja,
 R/o 33-BB,
 Teh Padampur.

(Transferor)

(2) Smt. Agga Devi W/o Shri Nathulam Arora, Padamour.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of the property situated in A-Block, Padampur Mandi and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Padampur vide registration No 947 dated 8-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 11-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAY

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej'IAC (Acq.), 1936 .-- Whereas, I, MOHAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-Block situated at Padampur Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Padampur Mandi on 8-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ganeshdas S/o Shri Gurdettomal Arora, R/o 33-BB, Teh. Padampur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Lal S/o Shri Amir Chand Soni. Padamour.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of the property situated in A-Plock, Padampur Mandi and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Padampur vide registration No. 948 dated 8-10-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Dated: 8-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1937.-Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

A-Block situated at Padampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Padampur on 8-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ganeshdas S/o Shri Gurdettomal Arora, R/o 33-BB. Teh. Padampur.

(Transferor)

(2) Shri Vijendra Singh S/o·Sh. Dalip Singh, Padampur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of the property situated in A-Block, Padampur Mandi and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Padampur vide registration No. 946 dated 8-10-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-1983 Seal :

(1) Shrı Suresh, S/o Shri Ramlal Manaria Mandhari Panoriyan, Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kamal Kumar S/o Bherulal Rrwal, & Rooplal, S/o Mithalal, Pokarana, Phuta Daiwaza, Udaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1940.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipuf on 13-10-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated in Mandari Panoriyan, Udaiput, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaiput vide registration No. 2225 dated 13-10-1982.

MOHAN SINGH
COMPETENT AUTHORITY
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1983.

Seal;

Shri Khinv Raj, S/o Shu Gorimalji Takhi, Siwana, Distt. Barmer Teh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Teej Kanwar, W/o Shri Jetmal, Nayi Sarak, Jodhpur (Janta Sweet House, Jodhpur.) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-

Jaipur, the 13th June 1983

cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1943.-Whereas, I MOHAN SINĞH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. Plot No. 5 situated at Jodhpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 21-10-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1/2 portion of plot No. 5, situated in Umed Pura (Mohanpura), Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2518 dated 21-10-82.

> MOHAN SINGH COMPETENT AUTHORITY
> Inspection Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.---

Date: 13-6-1983.

(1) Shri Khinv Raj, S/o Shri Gorimalji Rakhi, Teh. Siwana Distt. Jalore.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Jetmal, S/o Shri Sualalji Nayi Sarak, Jodhpur (C/o, Janta Sweet House, Jodhpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,

Jaipur, the 13th June 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.)1944.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5 situated at Jodhpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

44—166GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of plot No. 5, situated in Umed pura (Mohanpur), Jodhpur and more fully described in the Sale deed registered by the S. R. Jodhpur, vide registration No. 2519 dated 21-10-82.

MOHAN SINGH
COMPETENT AUTHORITY
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 13-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE,

Jaipur, the 13th June 1983

Ref. No. Rej./IAC(Acq.) 1945.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 15-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bal Chand Sharma & Smt. Ram Kishori Devi, W/o Balchandji, A-4, Sen Colony, Jaipur.
- (Transferor)
 (2) Shri Mohd. Gulam, Sadiq, Umar, Yunus & Sharif,
 A-4, Power House Road, Sen Colony, Jaipur. .
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exicanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, situated in Power House Road, Sen Colony, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2641 dated 15-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 13-6-1983.

Scal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.)1946.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 205, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Vijai Singh, S/o late Shri Ram Singh, Haweli Chandrawatan, Ghee walon ka Rasta, Jaipur. (Transferor)
- (2) Rawat Exports Pvt. Ltd. House No. 2305, Haweli Chandravatan, Ghee walon ka Rasta, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2305, situated in Hawell Chandrawatan, Ghee walan Ka Rasta, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2660 Dated 15-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1983.

(1) Smt Utsav Kanwar, W/o late Shri Ram Singh Haweli Chandravatan, Ghee Walon Ka Rasta, Jaiput (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

((2) Rawat Exports Pvt. Ltd. House No. 2305, Haweli Chandravatan, Ghee walon ka Rasta, Jaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1983

Rof. No. Rej/IAC(Acq.) 1947.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 2305, situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 2305, situated in Haweli Chandravatan, Ghee walon Ka Rasta, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2598 dated 15-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 14-6-1983.

(1) Vijay Singh, S/o late Shri Ram Singh, Haweli Chandravatan, Ghee walon Ka Rasta, Jaipur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Rawat Exports Pvt. Ltd., House No. 2305, Haweli Chandravatan, Gheec walon ka Rasta, (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)1948.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, naving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
House No. 2305, situated at Jaiupr
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 15-10-1982
for an apparent consideration which is less than 15.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 2305, situated in Haweli Chandravatau, Ghec walon Ka Rasta, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2659 dated 15-10-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 16-6-1983.

FORM ITNS----

(1) Kum. Indu Kanwar, D/o late Shri Ram Singh, Haweli Chandravatan, Ghee walon Ka Rasta, Jaipur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rawat Exports Pvt. Ltd. House No. 2305, Haweli, Chandravatan, Ghee walon ka Rasta, Jaipur.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, STATE CIRCLE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Jaipur, the 16th June 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1949.—Whereas, I, MOHAN SINGH

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'staxt Act') have reason to believe that the immov-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

w as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 2305 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedula annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-10-1982 for an annarent consideration which

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Japur on 15-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of instrument of transfer with the chieft of instrument. the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

dated 15-10-1982. (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

walon Ka Rasta, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2660

House No. 2305, situated in Haweli Chandravatan, Ghee

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

Date: 16-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1957.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Japur on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Umed Singh S/o Shri Nanu Singh, Vill. Dhankiya, Sardarpura, Teh,. Amer. (Transferor)
- (2) Shri Bhanwar Singh, Vijay Singh Harl Singh, Bhanwani Singh, Sons of Shri Man Singh, Queens Road, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 bigha 1 biswa in Khasra No. 450 situated in village Dhankiya and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2598 dated 8-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.)1958.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. A-1-B, situated at Jaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-10-1983

Japur on 22-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sushil Kumar Rajden S/o Shri Mohanlal Rajdhan, ugampath, Bani Pack, Jaipur.

(Transferor)

(2) Miss shyam Wati D/o Shri Shyam Mohan Krishan Wati, lecturer in Maharaja College Plot No. 147, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proerty No. A-1-B, S. M. S. Highway Extension Scheme, Near Bajaj Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2817 dated 22-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-6-1983.

Seal

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CFNTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej-IAC(Acq.)/1959.—Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Plot No. A-30, situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-10-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—166GI/83

(1) Shi Bausidher S/o Shi Jagannath Pd. Khandalwal, A-30, Sen Colony, Power House Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Bhawarilal, Shri Sitaram, Shri Ram Pd. Vijay Sons of Shri Jagdish Pd. Sen Colony, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-30, in Sen Colony, Power House Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2807 dated 22-10-1982.

MOHAN SINGH
Confipetent Authority
Inspecting Assistant Commissional of Income-tax
Acquisit on Range, Jaipur

Date: 15-6-1983

(1) Shri Ramla alias Ramu Sunder S/o Shri Govinda, R/o Sirssi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Singh S/o Shri Shiviam Singh, Shri Nahipal Singh S/o Shri Mohakam Singh, 61, Gopal Bari, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rel/IAC(Acq.)/1960.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Jaipur on 8-10-1982

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaiour on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this market in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bigha 12 biswa situated in Village Sirssi, and more fully described in the sale deed Registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2540 dated 8-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following revisors, namely:—

Date: 15-6-1983

Scal •

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1961.—Whereas, I, MOHAN SINGH, Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(heremafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and ...
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid, property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- ,(1) Shrimati Kamlesh Kumari W/o Shri Thakur Amar House No. 911, Bagroowalon Ka Rasta, Singhii, Jaipur,
- (Transferor) (2) Shri Sumant Kumar S/o Shri Rajesh Gupta, B-22, Shiv Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated in Bassi Sitarampura, Chomu Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed Registered by the S.R. vide registration No. 2674 dated 22-10-982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-6-1983

Geel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1962,---Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land, situated at Sanganer,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 29-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Shri Ganesh,

- Shri Manka Chand,
- (3) Shri Narain

(4) Shri Chotu

(5) Shri Gopal (Minor),

(6) Shri Sitaram (Minor) S/o Shri Govind Ahir,

R/o Village Ramchandrapura, Panchayat. (Transferor)

(2) (1) Mahapura Vikaramaditya Trust through, Smt. Usha Golecha W/o Shri Surendra Kumar Golecha and Smt. Asha Golecha W/o Shri Rajendra Kumar Golecha, C-83, Prithivraj Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land measuring 5 bigha 2 biswa situated in Village Sarangpura, Teh Sanganer and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sanganer vide registration No. 683 dated 29-10-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 15-6-1983

Scal: •

FORM NO. ITNS.

(1) Shri Udairam Chaudhary S/o Shri Jetharam Chaudhavy, B-19, Sethi Colony Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Devi W/o Shri Gyan Chandji Mutha, Shop No. 5, Arjun Lal Sethi Colony, Jodhpur (Inansferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Japur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1963.--Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 5, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Arjun Lal Sethi Colony, Jaipun and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2496 dated 8-10-1982.

> MOHAN SINGII Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Krishan Gopal Khandelwal S/o Shri Ramkishan Khandalwal 9/15 East Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)

(17ansın (2) Shri Mohanlal Dhamani S/o Shri Laxminarain Dhamani.

A-49, Janta Colony, Jaipur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1964.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Shop No. 25, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-10-1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25, situated in Janta Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 2772 dated 22-10-982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 15-6-1983

(1) Shri Hanwant Singh S/o Shri Chimnasingh, Gram Khimal Teh. Balı, Dıstt. Pali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

(2) Smt. Hema Kumari W/o Shri Raj Singh, Village Jaswadi, Via Khandwa, (M.P.).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1965.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Residential Plot situated at Udaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerin' Officer at Udaipur on 12-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reison to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 5-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tran and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential Plot situated on Saheli Marg, near Chandralok Hotel, Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2192 dated 12-10-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 15-6-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jarpot, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1966.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

R 25,000/- and bearing

No Shop No. 6 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gopichand S/o Shri Tarachand, and Shri Premchand S/o Shri Tarachand, Jaipur.

 (Transferor)
- (2) Shri Mohd, Sobir Shri Abdulish, Mohd, Tahri, Mohd, Zakir, Mohd, Saki, Minor sons of Shri Belkunish (Guardian) Shop No. 6 Jaipur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 situated in Kamla Nehur Market, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2593 dated 8-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Iniput

Date: 17-6-1983

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej(Acq.)/1967.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Shop No 16, sit ated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 o $_1$ 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 15-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narimal S/o Shri Lal Chand, Shri Parasnam S/o Shri Sangatram Sindhi, Halduon Ka Basta Jaipur.
 (Transferor)
- (2) Shri Noor Mohd. S/o Shri Rehmatulla Khan, Shop No. 16, Jaipur, Kamala Nehru Market. (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Ctflicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nonce in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16, situated in Kamla Nehru Market, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2661 tasted 15-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1968.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land, situated at Jodhpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer 36

Jodhpur on 18-10-1982,

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Budhan Ram, Bhrilal, Madan Lal sons of Shri Heeralal, Ghanchion Ka Bagh, Jodhpur.

(Transferer)

(2) M/s. Nav Bharat Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd. Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 bigha 10 biswa situated near Basani Chohara Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2466 dated 18-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-6,1983

Sell:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1969.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land si'vated at Jedhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chenaram, Pusharam, Sohanlal, sons of Shri Manichand Ghanchi, Ghanchion Ka Bagh, Jodhpur.

(2) M/s. Nav Bharat Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd. Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, ball have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 bigha 10 biswa situated near Basani Chohara Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 2470 dated 18-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jodhpur

Date: 17-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Kamla Bei, w/o Shri Lokumal, C/c Ganesn Oil Mill Ranji, Ki Babri, Bundi.

(2) Shri Udhav Das, S/c Shri Otamdas, C/o Rohida Industries, Kota.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING

STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/AC(Acq.) 1970.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nohia situated at Bundi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bundi on 30-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which wer period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this active in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share Nohara near to Ramji Ki Bawari, Bundi and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bundi vide registration No. 1615 dated 30-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jodhpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

(1) Shri Lokumal S/o Shri Otamdas C/o Ganesh Oil Mill, Rani Ji ki Baori, Bundi.

(Transferor)

(2) Shri Jhaman Das S/o Shri Otamdas, C/o Prakash General Industries Area, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING

STATUE CIRCLE, JAIPUR Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1971.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nohara situated at Eundi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 4908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bundi on 30-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/4 share Nohra (near to Ramji Ki Bawari, Bundi) and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bundi vide registration No. 1614 dated 30-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-6-83

(1) Shri Kewal Kumar S/o Shri Mohanlal Golota Teh. Ramgarh, Distt. Alwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. B. Multaninal Charitable Trust office Modinagai (U.P.).

(Transferee)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1972.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Rangarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramgarh on 23-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objectoins, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 4 biswa situated in Vill. Goleta, Teh. Ramgarh Distt. Alwar and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ramgarh vide registration No. 1243 dated 23-10-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 17-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JALPUR

Hyderabad, the 17th June 1983

Rcf. No. Rej/[AC(Acq.) 1973.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Ramgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ramgarh on 23-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a.) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Baldev Raj Dhawan, S/o Shri Mohanlal Teh. Ramgath Distt. Alwar.
 - (Transferor)
- (2) M/s. R. B. Multanimal Charitable Trust Reg. Office Modinagar (U.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 4 biswa situated in Vill. Goleta, Teb. Ramgarh, Distt. Alwar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ramgarh vide registration No. 1248 dated 23-10-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-6-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING

STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq) 1974.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Author ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beaing No. I and situated at Ramgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Office at Ramgain on 23-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957),

- (1) Shri Raj Kumar 5/0 Shri Mohanlal Goleta Teh. Rangarh, Disa. Alwar
 - (Transferor)
- (2) Sh i R B. Multanimal Chantable Trust Regd. Office Modinagai (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires la er;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- PLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 4 biswa situated in Vill, Goleta, Teh Ramgoth Diett Alwar, and more fully described in the ale deed registration No. 1248 dated 23-10-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

Pate 17.6.83

wal:

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Mohanlal S/o Shri Mangal Sen Teh. Ramgurh, Distt. Alwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Trust Regd. (2) M/s. R. B. Multanimal Charitable office Modinagar (U.P.). (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given

STATUE CIRCLE, JAIPUR Jaipur, the 17th June 1983

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1975.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Ramgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramgarh on 23-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land measuring 2 bigha 5 biswa situated in Vill. Goleta, Feh. Ramgarh, Distt. Alwai and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ramgarh vide registration No. 1247 dated 23-10-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I belieby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 17-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CFN FRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR Jaipui, the 17th June 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 1976.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Ramgarh

(and more fully described in the Schedule annexed heleto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rangalh on 23-10-82

for an apparent consideration , which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhushan Kumar S/o Shri Mohanlal Goleta, Teh Ramgarh, Distt Alwar,
- (2) Shi R. B. Multanimal Charitable Trust Regd. office Modinagai (U.P.).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Character.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 2 bigha 4 biswa situated in Vill. Goleta, Jeh. Ramgarh, Distt. Alwai and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ramgarh vide registration No. 1244 dated 23-10-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-6-83

(1) Mrs. Kumara Koual

(Transferor)

(2) Mrs. Noor Jahan Hasanali Haji

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGF-I, CALCUITA

Calcutta, the 15th June 1983

Ref. No. TR-260/82-83/Sl. 752.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 64 situated at Metcalf Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer S.R.A., Calcutta on 8-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has now been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 cottahs (aprox.) land with building at 64, Metcalf Street, Calcutta, being registered vide Deed No. I-8976 dated 8-10-82 in the office of S.R.A., Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-6-1983

Sea:

,	